भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
AHMEDABAD

51 वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT 2012-13

संस्थापक प्रणेता

डॉ. जीवराज एन. मेहता

कस्तूरभाई लालभाई

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

पूर्व अध्यक्ष

डॉ. जीवराज एन. मेहता

श्री प्रकाश टंडन

श्री एस.एल. किर्लोस्कर

श्री केशव महिन्द्रा

श्री वी. कृष्णमूर्ति

श्री ए.पी. वेंकटेश्वरन

प्रोफेसर एस.के. खन्ना

डॉ. आई. जी. पटेल

श्री एन.आर. नारायण मूर्ति

डॉ.विजयपत सिंघानिया

वर्तमान अध्यक्ष

श्री ए. एम. नायक

वर्तमान निदेशक

प्रोफेसर आशिष नन्दा

पूर्व निदेशक

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

प्रोफेसर रवि जे. मथाई

डॉ. सैम्युअल पॉल

प्रोफेसर वी. एस. व्यास

डॉ. आई. जी. पटेल

प्रोफेसर एन. आर. शेठ

प्रोफेसर पी. एन. खांडवाला

प्रोफेसर जहर साहा

प्रोफेसर बकुल एच. धोलकिया

प्रोफेसर समीर के. बरुआ

इक्यावनवाँ वार्षिक प्रतिवेदन : 2012-13

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

Indian Institute of Management Ahmedabad

विषयसूची

वर्ष का सिंहावलोकन 5

नया सहयोग ज्ञापन 5
बोर्ड का पहला परीक्षण 5
दीक्षान्त समारोह 5
संस्थान का प्रदर्शन 6
कार्मिक उत्कृष्टता 8
सामाजिक रूपांतरण 8
सामाजिक दायित्व 9
व्यक्तिगत टिप्पणी 9

शैक्षणिक कार्यक्रम 10

1. प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम 10
2. कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम 14
3. कार्यपालकों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम 16
4. प्रबंध में फैलो कार्यक्रम 18
5. नियुक्ति 19
6. दीक्षांत समारोह 22
7. प्रबंध में संकाय विकास कार्यक्रम 23

अनुसंधान एवं प्रकाशन 24

प्रबंध विकास कार्यक्रम 26

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह 27

1. इलेक्ट्रॉनिक अभिशासन केन्द्र (सीईजी) 27
2. लिंग समानता, विविधता, और समावेशिता केन्द्र (जेडी सेन्टर) 27
3. अवसंरचना नीति एवं विनियमन केंद्र (सीआईपीआर) 30
4. नवाचार, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) 30
5. कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) 33
6. स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केन्द्र (सीएमएचएस) 34
7. खुदरा बिक्री केंद्र 34
8. कंप्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह (सी. एंड आई.एस.जी.) 35
9. सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी) 35
10. रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवाचार केंद्र (आरजेएमसीईआई) 36

अनुशासनिक क्षेत्र **37**

1. व्यापार नीति 37
2. संचार 38
3. अर्थशास्त्र 38
4. वित्त एवं लेखाकरण 38
5. विपणन 39
6. संगठनात्मक व्यवहार 40
7. कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध 40
8. उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके 41

पूर्वछात्र गतिविधियाँ **42**

वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले **46**

सहायता अनुदान **49**

बुनियादी ढाँचे का विकास **50**

कार्मिक **51**

छात्र गतिविधियाँ **53**

विक्रम साराभाई पुस्तकालय **73**

कल्याण गतिविधियाँ **76**

परिशिष्ट **79**

दृष्टि

प्रबंधन में अग्रणी विचारधारा के रूप में एक ऐसा संस्थान बनना जो कि विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त एवं सम्माननीय हो।

लक्ष्य

भारत और अन्य देशों को बदलने के लिए अनुसंधान एवं निर्माण पर आधारित वैश्विक महत्त्व के नए विचारों को उत्पन्न करने तथा प्रचार के माध्यम से जोखिम उठाने वाले ऐसे अग्रणी-प्रबंधक तैयार करना जो संगठनों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए प्रबंधकीय एवं प्रशासनिक प्रथाओं को बदल सकें।

उद्देश्य

- प्रबंधन और उसके अंतर्निहित विषयों के लिए जो प्रासंगिक है ऐसे अनुप्रयुक्त और संकल्पनात्मक अनुसंधान के माध्यम से ज्ञान का सृजन करना, और इस ज्ञान का प्रकाशनों के माध्यम से प्रसार करना।
- संगठनों के सभी प्रकारों में प्रबंधन में कैरियर और संबंधित क्षेत्रों के लिए युवा पुरूषों एवं महिलाओं को तैयार करने के लिए शैक्षणिक सुविधाएँ स्थापित करना।
- प्रबंधन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन शिक्षकों और शोधकर्ताओं को विकसित करना।
- नवाचार और अत्याधुनिक प्रबंधन शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से अभ्यासरत प्रबंधकों के निर्णय निर्धारक कौशलों एवं प्रशासनिक क्षमता में सुधार करना और शिक्षा जारी रखने के लिए अवसर उपलब्ध कराना।
- परामर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना ताकि – क) संगठनों में निर्णय निर्धारक कौशलों एवं प्रक्रियाओं को, और ख) सार्वजनिक नीतियों की प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सके।
- सार्थक सहयोग के माध्यम से अपनी क्षमताओं के निर्माण द्वारा अन्य प्रबंधन स्कूलों में प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार लाना।
- उपरोक्त उद्देश्यों में से किसी एक अथवा सभी के संदर्भ में संस्थान का संचालन और संबंधों का वैश्विकीकरण करना ताकि वैश्विक स्तर पर सम्मानित भारत में पूर्व-प्रख्यात प्रबंधन स्कूल के रूप में ऊभर सके।

वर्ष का सिंहावलोकन

बीता हुआ वर्ष वास्तव में एक परिवर्तन का वर्ष था। यह वर्ष आईआईएमए सोसाइटी एवं बोर्ड के नए अध्यक्ष के कार्यभार ग्रहण करने के साथ शुरू हुआ। विभिन्न हितधारकों के बीच एक लंबी बातचीत के बाद अंततः सरकार द्वारा संस्थान के एक नए सहयोग ज्ञापन का अनुमोदन किया गया। यह नया सहयोग ज्ञापन संस्थान को बोर्ड प्रबंधित एवं संस्था शासित बनाता है। भारत में ऐतिहासिक रूप से ऐसा पहली बार हो रहा है जिसमें सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थान के बोर्ड को इतने बड़े अधिकार एवं उत्तरदायित्व सौंपे गए हैं। यह परिवर्तन अपेक्षित था और ऐसी आशा जताई जा रही है कि ऐसे परिवर्तन अन्य सार्वजनिक संस्थानों के लिए भी प्रभावी होंगे।

नया सहयोग ज्ञापन

अब बोर्ड को संस्थान के अध्यक्ष एवं साथ ही साथ निदेशक के लिए नामों के सुझाव देने का अधिकार मिल गया है। संस्थान के पास अब यह पूरी स्वतंत्रता है कि वह अपने गतिविधि पॉर्टफॉलियो को तय करने, सुविधाओं के सृजन के स्थानों एवं साथ ही साथ अधिग्रहण तथा अपने संचालनों के लिए जरूरी संसाधनों के प्रबंधन का निर्णय ले सकता है। बोर्ड संस्थान के नए निदेशक की खोज में गंभीरता से लगा है। हाल के निदेशक ने दिसम्बर 2011 में बोर्ड को नवंबर 2012 से पहले ही अगले निदेशक की पहचान प्रक्रिया शुरू करने और पूरा करने की जरूरत के बारे में सतर्क कर दिया था। उन्होंने यह भी सुझाव दिया था कि उनके कार्यकाल के समापन से कुछ महीने पहले ही आगामी निदेशक की पहचान की जानी चाहिए ताकि यह परिवर्तन बिना किसी बाधा के हो सके।

बोर्ड का पहला परीक्षण

किसी भी संगठन के लिए शीर्ष पर दोहरा परिवर्तन अनिश्चितता से भरा होता है। ऐसी स्थितियों में, प्रमुख हितधारकों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस परिवर्तन को सुव्यवस्थित रूप से सुनिश्चित करें। कोई भी हितधारक ऐसा आग्रह नहीं रख सकता कि उसके विचार निर्णय निर्धारण में शामिल होने चाहिए। वास्तव में यह एक खुशी की बात है कि एक प्रमुख हितधारक के छोटे से भाग के अनुचित व्यवहार के बावजूद, बोर्ड ने समझदारी से काम लिया और बोर्ड संचालित संस्थान होने के कारण आईआईएम-ए ने अपनी विश्वसनीयता को बनाए रखा। आगे बढ़ते हुए कुछ हितधारकों के अशिष्ट व्यवहार अथवा संस्थान के खराब प्रदर्शन के कारण बोर्ड प्रदत्त स्वतंत्रता को कोई जोखिम नहीं है ऐसा सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड को तंत्र सजग करना था।

दीक्षान्त समारोह

वास्तव में यह उचित है कि जब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत का भविष्य इसके उद्यमशील युवाओं द्वारा तय किया जायेगा, इस समय वर्ष 2013 के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर एक निडर भारतीय उद्यमी, दुनियाभर में सर्वेसर्वा श्री लक्ष्मी निवास मित्तल जी उपस्थित थे।

संस्थान का प्रदर्शन

वर्ष 2008 में शुरू हुआ अभूतपूर्व वैश्विक आर्थिक संकट 2012-13 के उपरांत भी निरंतर जारी रहा। संस्थान ने ना केवल इस अभूतपूर्व एवं लंबे समय के संकट को काफी प्रभावी रूप से नष्ट कर दिया, अपितु इस संकट में मजबूत होकर ऊभरा है। 2013 में समाप्त हो रहे इन पाँच वर्षों में, संस्थान ने सभी आयामों में महत्त्वपूर्ण प्रगति की है।

वित्तीय स्थिति

लगातार छठे वर्ष भी आर्थिक संकट के जारी रहने के बावजूद, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि संस्थान अपनी वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाने में सक्षम रहा। प्रदर्शन के आधार पर संकायों को अतिरिक्त भुगतान तथा पेंशन देयताओं के प्रत्याशित व्ययों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में राशि अलग रखने के बावजूद भी लगातार तीसरे वर्ष भी संस्थान ने वर्ष 2012-13 में लगभग 1300 लाख रुपए का अधिशेष प्राप्त किया है। यह व्ययों पर विवेकपूर्ण नजर रखने और राजस्व स्रोतों को बढ़ाने एवं विविधता लाने के ठोस प्रयासों के कारण संभव हुआ। पिछले पाँच वर्षों में संस्थान द्वारा उठाए गए कदमों के कारण आने वाले वर्षों में संस्थान ने विकास के लिए अच्छी वित्तीय स्थिति की नींव रखी है।

परिसर में बुनियादी सुविधाएँ

इस वर्ष बुनियादी सुविधाओं की गुणवत्ता एवं साथ ही साथ परिसर की सुंदरता बढ़ाने की दिशा में कई परियोजनाओं को पूरा किया गया। संस्थान की बुनियादी सुविधाओं की गुणवत्ता की तुलना आज देश में श्रेष्ठ के रूप में हो रही है। पुस्तकालय ने अनुसंधान एवं अध्यापन में आवश्यक डाटाबेस तथा जर्नलों में शैक्षणिक सामग्री तथा सदस्यता के अपने संग्रह का विस्तार करने का कार्य जारी रखा है। पुस्तकालय के अंदरूनी हिस्सों का नवीनीकरण इस वर्ष के दौरान शुरू किया गया। छात्रों एवं परिसर वासियों को खेल सुविधाएँ, फ़िटनेस केन्द्र और बाहरी हरियाली व्यायाम के लिए ध्यान आकृष्ट कर रहे हैं। परिसर में चल रहे कई कैफ़ेटेरिया लोगों को अनौपचारिक रूप से बैठने एवं चर्चा व विमर्श करने के अवसर प्रदान करते हैं। परिसर का माहौल वास्तव में ऐसा बन गया है कि एक शैक्षणिक संस्थान के लिए – यह विचारों के विनिमय एवं प्रतिक्रिया के माध्यम से सीखने के लिए अनुकूल है।

शैक्षणिक कार्यक्रम

भारत में आईआईएमए ऐसा पहला प्रबंधन स्कूल बन गया है जो वैश्विक स्तर पर विभिन्न आयामों में मान्यता प्राप्त है। वर्ष 2012-13 में, सभी तीनों स्नातकोत्तर कार्यक्रमों ने अपनी संबंधित श्रेणियों के शीर्षस्थ कार्यक्रमों में स्थान बनाए रखना जारी रखा - फ़ाइनेंसियल टाइम्स (एफ़टी) ने पीजीपी को प्रबंधन के मास्टर्स कार्यक्रमों के बीच 10वें स्थान पर रखा; फ़ाइनेंसियल टाइम्स ग्लोबल एमबीए रैंकिंग में पीजीपीएक्स का वैश्विक एमबीए कार्यक्रम रैंकिग में तीन वर्षों की औसत रैंक के साथ 16वाँ स्थान रहा, इसके अलावा कैरियर प्रोग्रेस रैंक में प्रथम स्थान रहा। एज्युनिवर्सल ने पीजीपी-एबीएम को कृषि एवं खाद्य तकनीकी क्षेत्र में प्रबंधन कार्यक्रम के लिए शीर्षस्थ स्थान दिया। प्रबंध में फ़ेलो कार्यक्रम (एफ़पीएम) ने देश में सर्वाधिक पसंदीदा डॉक्टरेट कार्यक्रम के रूप में अपना स्थान बनाए रखा। दी इकॉनोमिस्ट द्वारा जारी वैश्विक रूप से शीर्षस्थ 100 बिज़नेस स्कूलों की रैंकिंग में संस्थान का 56वाँ स्थान रहा।

नियोक्ताओं का आत्मविश्वास

भारत में अन्य आईआईएमों के सहित अन्य प्रबंधन स्कूलों और आईआईएमए के बीच की खाई वर्ष 2013 में और अधिक गहरी हो गई है। इतनी विकट आर्थिक स्थिति के बावजूद जब अन्य आईआईएमों के सहित अन्य सभी प्रबंधन स्कूल अपने स्नातकों की नियुक्ति के लिए संघर्ष कर रहे थे तब आईआईएमए ने मार्च के शुरू में ही अपने पीजीपी एवं पीजीपी-एबीएम स्नातकों की नियुक्ति पूरी कर ली थी। इससे संस्थान के छात्रों की गुणवत्ता एवं शैक्षणिक प्रक्रियाओं में नियोक्ताओं के विश्वास को फिर से पुष्टि मिली।

कार्यकारी शिक्षा

संस्थान ने कार्यकारी शिक्षा के क्षेत्र में अपना प्रमुख स्थान बनाए रखना जारी रखा। कार्यकारी शिक्षा के वैश्विक पदचिह्न को अधिक विस्तृत करते हुए, संस्थान ने 'ब्रिक्स ऑन ब्रिक्स' नामक कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम चारों ब्रिक देशों ब्राजील, रूस, भारत और चीन के प्रत्येक एक प्रसिद्ध प्रबंधन स्कूल द्वारा सहयोगात्मक रूप से आयोजित गया। इस कार्यक्रम में एक सप्ताह के भारतीय मॉड्यूल का आयोजन मार्च के प्रारम्भ में परिसर में किया गया। चारों ब्रिक राष्ट्रों की कम्पनियों में से शीर्ष प्रबंधन के अट्ठाईस प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। इस कार्यक्रम के डिजाइन की अनूठी विशेषता यह थी कि इसको तैयार करने में पूर्वछात्रों की व्यापक भागीदारी रही। विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्य पूर्वछात्रों ने प्रतिभागियों को संबोधित किया था। भारतीय परिवारों एवं सामाजिक व्यवस्था व साथ-साथ भारतीय उपभोक्ताओं की प्रथमदर्शी समझ के लिए प्रतिभागियों को अहमदाबाद के पूर्वछात्रों ने घरेलू दौरा आयोजित कराया। इस कार्यक्रम को अत्यंत सराहा गया।

अनुसंधान एवं प्रकाशन

संस्थान में पर्याप्त ध्यान केन्द्रित अनुसंधान एवं अन्य शैक्षणिक कार्य विशेष ध्यान देने के लिए बनाए गए केन्द्रों द्वारा किया जाता है। मौजूदा केन्द्रों में कृषि प्रबंधन केन्द्र (सीएमए), अवसंरचना नीति एवं विनियमन केन्द्र (सीआईपीआर), स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केन्द्र (सीएमएचएस), आईआईएमए आइडिया दूरसंचार उत्कृष्टता केन्द्र (आईआईटीसीओई), लिंग समानता, विविधता एवं समावेशिता केन्द्र (जीईडीआई), इलेक्ट्रॉनिक अभिशासन केन्द्र (सीईजी), नवाचार ऊष्मायन एवं उद्यमिता केन्द्र (सीआईआईई) और खुदरा बिक्री केन्द्र शामिल हैं। इस वर्ष के दौरान इन केन्द्रों का गतिशील रहना जारी रहा और अनुसंधान एवं शैक्षणिक कार्यों की महत्त्वपूर्ण मात्रा को पूरा किया गया। इन केन्द्रों से जुड़े संकायों द्वारा पूर्ण हुए कार्यों के प्रसार के लिए इन केन्द्रों ने प्रबंध विकास कार्यक्रमों और वार्ता, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा सम्मेलनों का आयोजन भी किया।

संस्थान द्वारा किए गए अनुसंधानों की मात्रा काफी अधिक होती है, तब ऐसे अनुसंधानों को पर्याप्त बढ़ावा देने की जरूरत है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाते हैं। यह वैश्विक रूप से अग्रणी विचारक बनने में संस्थान की दृष्टि के अनुरूप होगा। बीते हुए इस वर्ष में, इस दृष्टि के अनुरूप विशेष उपाय लागू किए गए। प्रतिष्ठित जर्नलों में अब संकायों के अनुसंधान एवं प्रकाशन में योगदान को प्रधानता दी गई है। इससे संकाय सदस्यों के अपने चुने हुए जाँच के क्षेत्रों में ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने एवं दबाव डालने में परोक्ष बल मिलेगा।

अनुसंधान एवं प्रकाशन समिति को संस्थान के भीतर अनुसंधान को बढ़ावा देने का अधिकार है। वर्ष 2012-13 में, इस समिति ने 67 से अधिक परियोजनाओं, 14 संगोष्ठियों और 46 से अधिक वर्किंग पेपरों के प्रकाशन के लिए वित्त पोषण किया।

आईआईएमए बिज़नेस बुक्स सिरीज़ के बैनर तले संस्थान के संकायों द्वारा लिखित पढ़ने में सरल व संबंधित पुस्तकों का प्रकाशन रैन्डम हाउस के सहयोग से जारी है। इस सिरीज़ के तहत वर्ष 2012-13 के अंत तक, कुल 10 पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है। इन पुस्तकों को कार्यकारी अधिकारियों द्वारा काफी सराहा गया और कई शीर्षक तो अधिकतम बिकने वाले भी बन गए हैं।

शैक्षणिक निर्गम का प्रसार

इस वर्ष संस्थान को अपने संकायों के बौद्धिक निर्गम के प्रसार में एक और महत्त्वपूर्ण कदम उठाते हुए देखा गया। संकाय सदस्यों के अध्ययन केसों एवं अन्य शैक्षणिक उत्पादों के लिए वेब आधारित पहुँच उपलब्ध कराते हुए एक पॉर्टल का प्रारंभ किया गया। यह पॉर्टल 26 जनवरी, 2013 से पूर्णतया संचालित हो चुका है। पहले से ही एक हज़ार से अधिक अध्ययन केसों को अपलोड कर दिया गया है और ऑन-

लाइन डाउनलोड करने के लिए उपलब्ध हैं। इस वर्ष के अंत तक, इनकी संख्या हज़ारों के गुणक में हो जाएगी। समय के साथ, इस पॉर्टल के गुणवत्ता युक्त अध्ययन केसों और अन्य संस्थानों के योगदान कर्ताओं द्वारा लिखित शिक्षण सामग्री का प्रसारक बनने की संभावना है।

उद्यमिता समर्थन

पिछले पाँच वर्षों में संस्थान ने नवाचार एवं उद्यमिता के समर्थन में नवाचार ऊष्मायन एवं उद्यमिता केन्द्र (सीआईआईई) के प्रयासों के माध्यम से महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह केन्द्र देश में इस तरह का सर्वोत्तम केन्द्र बन चुका है। वर्ष 2012 में, 'पावर ऑफ़ आइडियाज़' नामक राष्ट्रव्यापी प्रतियोगिता के माध्यम से इस केन्द्र ने 75 प्रस्तावों की अंतिम सूची बनाई थी जो मूलधन समर्थन के लिए चुने गए थे। इन शुरूआती कम्पनियों ने बाद में दो-दिवसीय समारोह में बड़े निवेश के लिए अग्रणी उद्यमी पूंजीपतियों एवं प्रमुख निवेशकों को भाग लेने के लिए आकर्षित किया था। केन्द्र ने इनफ़्यूज़ भी आरंभ किया जो कि भारत का प्रथम ऐसा कार्यक्रम है जिसका लक्ष्य ऐसे उद्यमों को बढ़ावा देना है जिसमें स्वच्छ तकनीक का उपयोग होता है। इनफ्यूज़ ने आगे सलाह व वित्तीय सहायता के लिए 20 उद्यमों की पहचान की। इस केन्द्र ने भारत में उद्यमिता के समर्थन हेतु वित्तीय सहायता के लिए 15000 लाख रुपए से अधिक की राशि को आकर्षित किया।

इस केन्द्र ने आईआईएमए से स्नातक हो रहे छात्रों को उद्यमी बनने में समर्थन करने के लिए 'यंग आईआईएमए मैवरिक्स कार्यक्रम' की भी शुरूआत की। ऐसे प्रत्येक छात्र को दो वर्ष तक प्रति महीने 30,000 रुपए का भत्ता दिया जाएगा, इस केन्द्र की तरफ से केन्द्र की सुविधाएँ एवं केन्द्र द्वारा रचित परामर्शन नेटवर्क से परामर्शन सहायता दी जाएगी। आईआईएमए के पूर्वछात्रों ने इस पहल के लिए अपने समर्थन का वचन दिया है और पहले से ही ग्यारह छात्र उद्यमियों को प्रायोजित करने के लिए वित्त पोषण हेतु प्रतिबद्ध हैं। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि स्नातक हो रहे बैच से सात छात्रों को इस कार्यक्रम के तहत प्रायोजन के लिए चुना गया है। इस अद्वितीय पहल के लिए सहायता कर रहे, उन पूर्वछात्रों का मैं धन्यवाद कहना चाहूँगा।

कार्मिक उत्कृष्टता

संस्थान के गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के योगदान को संस्थान के प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठता प्राप्त करने की दिशा में ज्यादातर नहीं पहचाना जाता। देश की शीर्षस्थ प्रबंधन स्कूलों में से कुछ में संकायों की क्षमता तुलनीय है, जबकि आईआईएमए में कार्यरत स्टाफ की गुणवत्ता अन्य स्कूलों के स्टाफ की तुलना में उल्लेखनीय रूप से बेहतर है। पिछले कुछ वर्षों में संस्थान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संस्थान के कामकाज के सभी पहलुओं की प्रभावी प्रक्रियाओं के परिणामस्वरूप कायम रही है। कर्मचारियों के कार्य निष्पादन को मापने के लिए औपचारिक प्रणाली – कार्य निष्पादन की समीक्षा एवं मूल्यांकन प्रणाली (पीआरएएस) है, इसका प्रारंभ पिछले वर्ष हुआ जिसे वर्ष 2012-13 में समेकित किया गया था। वर्ष 2007-08 में औपचारिक कार्यनिष्पादन मापन प्रणाली के बदले में कर्मचारी प्रोत्साहन प्रणाली लागू की गई, वह अब मजबूत हो चुकी है। संस्थान को आगे भी कर्मचारियों को प्रेरित करने के इस औपचारीकरण से उल्लेखनीय लाभ होगा।

सामाजिक रूपांतरण

वर्ष 1975 में संस्थान के प्रथम पूर्णकालिक निदेशक, रवि मथाई ने एक कार्य अनुसंधान परियोजना का शुभारंभ किया, जिसे जवजा परियोजना के नाम से जाना गया। यह 'ग्रामीण प्रयोग विश्वविद्यालय' गरीबों से भी गरीब के सामाजिक एवं आर्थिक उद्धार के लिए प्रबंधन के सिद्धांतों की प्रयोज्यता का परीक्षण करने के लिए था। लगभग दो दशकों के अंतराल के बाद, इसी उद्देश्य के लिए वर्ष 2010 में संस्थान टोरेंट समूह से जुटाए गए धन के माध्यम से जवजा कारीगर संघ को पुनर्जीवित करने के लिए वापस गया। संस्थान ने आईआईएमए की तरफ से दो संकाय सदस्यों, एनआईडी से एक संकाय सदस्य तथा संस्थान

के एक पूर्वछात्र, एनआईडी के पूर्व निदेशक तथा एक स्वयंसेवी चार्टर्ड एकाउंटेंट को मिला कर एक समूह का गठन जवाजा कारीगर संघ (एएजे) के विचार को पुनःगतिशील करने की प्रतिबद्धता से किया। वर्ष 2012-13 तक, नए उत्पाद डिजाइनों, पुनः प्रशिक्षण, कौशल विकास एवं महिलाओं की भागीदारी से कारीगरों के परिवारों की आय में वर्ष 2010 की तुलना में 80 से 100 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई थी। इस समूह द्वारा किए गए प्रयासों से देश के भीतर अद्यतन बाजारों में इन उत्पादों की माँग देखी गई है। कुछ उत्पादों को निर्यात भी किया गया है।

सामाजिक दायित्व

वर्ष 2008-09 में, आईआईएमए शायद विश्व में प्रथम ऐसा बिज़नेस स्कूल बन गया है जिसने छात्रों को बिलकुल निःशुल्क शिक्षा देना शुरू किया। वर्ष 2008-09 में, संस्थान ने संस्थान के शिक्षा कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के 23 छात्रों को बिलकुल निःशुल्क शिक्षा के लिए सहायता दी। वर्ष 2009-10 में यह संख्या बढ़कर 41 हो गई, क्योंकि नए बैच के अन्य 18 छात्रों की भी निःशुल्क शिक्षा के लिए पहचान की गई थी। पूरी फीस माफी के अलावा, संस्थान आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों से आए छात्रों को भी वर्गीकृत शुल्क छूट प्रदान करता है। यह पहल वर्ष 2012-13 में जारी रही और इस वर्ष में जरूरत के आधार पर प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की राशि लगभग 700 लाख रुपए है। पिछले पाँच वर्षों में जरूरतमंद छात्रों को प्रदान की गई कुल सहायता राशि 3860 लाख रुपए है।

व्यक्तिगत टिप्पणी

निदेशक के तौर पर यह मेरा छठा एवं आखिरी वार्षिक प्रतिवेदन होगा। मैं सैंतीस वर्षों से जीवनभर के लिए संस्थान के साथ हूँ। जब मैं संस्थान से एक छात्र के रूप में जुड़ा तब मैंने ऐसा कभी नहीं सोचा था कि एक दिन मैं इसी संस्थान का निदेशक बनकर सेवा करने का सम्मान पाऊँगा। मैंने इस संस्थान को एक संगठन से क्षमता के साथ ऊभरकर एक प्रतिष्ठित संस्थान बनते देखा है। निदेशक के तौर पर मैंने जो कुछ भी पाया है वह कर्मचारियों के पूर्ण सहयोग, बोर्ड के अनुग्रह एवं कुछ संकाय सहकर्मियों जिन्होंने मेरे साथ करीबी से कार्य किया है उनके प्रशासनिक समर्थन के बिना संभव नहीं होता। उन सभी से मिले इस समर्थन के लिए रिकार्ड पर मैं आभार व्यक्त करता हूँ जिससे पिछले छह वर्षों में निदेशक के तौर पर मुझे कर्तव्यों को निभाने में और संस्थान के लिए माइलस्टोन प्राप्त करने में सहायता मिली।

समीर के. बरुआ

शैक्षणिक कार्यक्रम

सन् 1964 से प्रस्तुत, संस्थान द्वारा पेश किया गया प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) सबसे लंबी अवधि तक चलने वाला कार्यक्रम है। भारत में और विदेशों में प्रकाशनों द्वारा किये गये सर्वेक्षणों में भारतीय प्रबंध स्कूलों के बीच यह कार्यक्रम लगातार शीर्ष पर रहा है। पिछले कुछ वर्षों से संस्थान द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की श्रृंखला को विस्तारित किया गया है। वर्तमान में यह संस्थान अलग-अलग अवधियों के पाँच शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है : प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) (एमबीए के समकक्ष), कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) (एमबीए के समकक्ष), कार्यकारियों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स), प्रबंध में फैलो कार्यक्रम (एफपीएम) (पीएच.डी. के समकक्ष), तथा प्रबंध-शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)।

1 .प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) का उनचासवाँ सत्र, 18 जून, 2012 को 381 छात्रों के साथ प्रारंभ हुआ। वर्ष की समाप्ति पर 376 छात्र, द्वितीय वर्ष के लिए प्रोन्नत हुए।

इस कार्यक्रम का द्वितीय वर्ष, 11 जून, 2012 को 371 छात्रों के साथ शुरू हुआ। द्वितीय वर्ष के अंत में, 373 छात्र (दोहरी उपाधि कार्यक्रम सहित) संतोषप्रद रूप से शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूर्ण करने के बाद स्नातक हुए।

छात्र	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	विकलांग	कुल
प्रथम वर्ष	59	29	100	12	200
द्वितीय वर्ष	49	22	103	9	183

विवरण, **परिशिष्ट क1** में दिए गए हैं।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, और विकलांग (डी.ए.) छात्रों का विवरण निम्नानुसार है :

तैयारी कार्यक्रम

तैयारी कार्यक्रम को उन नए प्रविष्ट छात्रों के मतलब से तैयार किया गया है, जो संचार एवं गणितीय कौशलों में अपेक्षाकृत कमजोर हैं। नियमित सत्र प्रारंभ होने से पूर्व, 28 मई से 16 जून, 2012 तक आयोजित इस कार्यक्रम में सड़सठ छात्रों ने भाग लिया।

परिचय कार्यक्रम

नए प्रवेश प्राप्त छात्रों के लिए 18 से 20 जून, 2012 के दौरान परिचय कार्यक्रम चलाया गया। इसमें निदेशक व पीजीपी-अध्यक्ष के संबोधनों के अतिरिक्त, पीजीपी कार्यकारी समिति के साथ संवाद तथा कंप्यूटर एवं पुस्तकालय-सुविधाओं के उपयोग से संबंधित जानकारी परिचय कार्यक्रम में शामिल थी। छात्रों को केस-पद्धति शिक्षण से परिचित कराने हेतु केस-तैयारी और केस-पद्धति पर एक विस्तारित सत्र का आयोजन किया गया।

शिक्षकीय

कार्यक्रम की आवश्यक अपेक्षाओं को पूरा करने में छात्रों की सहायता के उद्देश्य से, प्रथम वर्ष के कुछ कार्यक्रमों में प्रशिक्षकों द्वारा शिक्षकीय दिए गए।

पाठ्यक्रम

नवीनतम अनुसंधानों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए पाठ्यक्रम समय समय पर पीजीपी समीक्षा समिति द्वारा संशोधित किया जाता है।

इस वर्ष प्रथम वर्ष के छात्रों ने 6 स्लॉटों में विस्तारित 31 पाठ्यक्रम लिए।

द्वितीय वर्ष में, 105 वैकल्पिक पाठ्यक्रम व 81 परियोजना-पाठ्यक्रम (बिना क्रेडिट की 2 स्वतंत्र परियोजनाओं सहित) पेश किये गए।

नए पाठ्यक्रम

वर्ष के दौरान, पीजीपी के द्वितीय वर्ष में 17 नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम चलाए गए। इन पाठ्यक्रमों के विवरण **परिशिष्ट क2** में दिये गये हैं।

दोहरी उपाधि कार्यक्रम एवं एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

दोहरी उपाधि कार्यक्रम

शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्रों में शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान विकसित करने के उद्देश्य से, संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से निम्नलिखित विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ स्नातकोत्तर स्तर पर एक दोहरी उपाधि कार्यक्रम बनाया गया है :

- ईसेक बिजनेस स्कूल, फ़्रान्स
- यूनिवर्सिटी ऑफ बोकोनी, मिलान, इटली
- एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ़्रान्स

इस दोहरी उपाधि कार्यक्रम के अधीन, यूनिवर्सिटी ऑफ बोकोनी, इटली के पाँच छात्रों, और एचईसी, फ़्रान्स के दो छात्रों ने पीजीपी द्वितीय वर्ष में 2012-13 के दौरान अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसी समय, अपने संस्थान से द्वितीय वर्ष के सात छात्र, इस दोहरी उपाधि कार्यक्रम के अधीन यूनिवर्सिटी ऑफ बोकोनी, इटली, और एचईसी, फ़्रान्स में गए।

एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

संस्थान ने पीजीपी का अंतरराष्ट्रीयकरण करने और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन प्रदान करने के क्रम में शैक्षणिक वर्ष 2012-13 के दौरान छात्रों के विनिमय के लिए कई अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूलों के साथ सहयोग किया है।

आईआईएम-ए से चौहत्तर (एक सत्रीय विनिमय) और सात (दोहरी उपाधि कार्यक्रम) के छात्रों को सहभागी विदेशी विश्वविद्यालयों में भेजा गया, जबकि 79 (एक सत्रीय विनिमय) एवं 7 (दोहरी उपाधि) सहयोगी विश्वविद्यालयों के छात्रों ने संस्थान के पाठ्यक्रमों में भाग लिया।

सहयोगी शैक्षणिक संस्थानों तथा विनिमय छात्रों की संख्या का विवरण **परिशिष्ट क3 और क4** में दिया गया है।

व्याख्यान श्रृंखला

वर्ष 2012-13 के दौरान निम्नलिखित प्रसिद्ध व्यक्तियों ने छात्रों को संबोधित किया :

राज बियानी	प्रबंध निदेशक, माइक्रोसॉफ़्ट इन्डिया
अनूप बागची	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज़ लिमिटेड
कुलदीप शर्मा	पुलिस महानिदेशक, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, नई दिल्ली

छात्रवृत्तियाँ

संस्थान ने शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर एक बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियाँ प्रदान की हैं। यह जरूरत के आधार पर भी छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है।

उद्योग छात्रवृत्तियाँ

इस वर्ष के दौरान अड़तीस छात्रों ने शैक्षणिक प्रदर्शन की योग्यता के आधार पर उद्योग-छात्रवृत्तियाँ प्राप्त की।

- **आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियाँ**

  ये छात्रवृत्तियाँ नौ छात्रों को प्रदान की गई।

- **सर रतन टाटा छात्रवृत्तियाँ**

  सर रतन टाटा ट्रस्ट द्वारा स्थापित सर रतन टाटा छात्रवृत्तियाँ, पीजीपी के द्वितीय वर्ष के छात्रों को उनके प्रथम वर्ष के शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर प्रदान की जाती हैं। ये छात्रवृत्तियाँ पाँच छात्रों को दी गई।

- **ओ. पी. जिंदल छात्रवृत्तियाँ**

  प्रत्येक को 1,25,000 रुपए की ओ.पी. जिंदल छात्रवृत्तियाँ दो पीजीपी छात्रों को दी गई।

- **सोसाइटी जनरल वैश्विक समाधान केन्द्र छात्रवृत्तियाँ**

  सोसाइटी जनरल वैश्विक समाधान केन्द्र प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलुरू ने चार पीजीपी छात्रों को छात्रवृत्तियाँ दी हैं। छात्रवृत्तियों की कुल राशि 12,72,000 रुपए थी।

- **श्री एस.के. शेठ स्मारक पुरस्कार**

  यह पुरस्कार श्रीमती शान्ति शेठ द्वारा संस्थापित अपने पति स्व. श्री एस. के. शेठ, संस्थान के प्रथम पुस्तकालयाध्यक्ष की स्मृति में पीजीपी कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में उच्चतम ग्रेड अंक प्राप्त करने वाले एक छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार निखिल अग्रवाल को दिया गया।

- **एस. उमापति पुरस्कार**

  यह पुरस्कार स्वर्गीय एस. उमापति के भाई द्वारा, जो एक पीजीपी छात्र थे, उनकी स्मृति में किसी एक छात्र की शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए संस्थापित, पीजीपी प्रथम वर्ष के श्रेष्ठ छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार निखिल अग्रवाल को दिया गया।

- **सर्वोत्तम पीजीपी ऑल राउंडर के लिए कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार**

  कोलेनगोडे वी.श्रीनिवास पुरस्कार, स्वर्गीय श्री कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास के माता-पिता द्वारा किसी असाधारण छात्र के बहुमुखी प्रदर्शन को पहचान दिलाने एवं संस्थान के साथ श्रीनिवास की स्मृति में सम्मान के लिए स्थापित किया गया, जो एक पीजीपी छात्र थे। इस वर्ष, यह पुरस्कार गोपाल बालाकृष्णन् को दिया गया।

शैक्षिक प्रदर्शन के लिए देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्वर्ण पदक

यह पुरस्कार, भारत के प्रथम राष्ट्रपति, स्व. डॉ राजेन्द्र प्रसाद की स्मृति में कामधेनु फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है। यह उस छात्र को दिया जाता है जो कार्यक्रम के दोनों वर्षों में सर्वोच्च ग्रेड अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार निखिल अग्रवाल को दिया गया।

महिला ऑल राउंडर पुरस्कार

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता पुरस्कार, इस संस्थान के अल्युम्नस श्री अरूण दुग्गल की पत्नी श्रीमती रीता दुग्गल द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को पहचान देने हेतु स्थापित किया गया है। इस वर्ष, यह पुरस्कार दिपन्नीता सेनगुप्ता को दिया गया।

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता स्वर्ण पदक क्वेजल फाउंडेशन द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को मान्यता देने हेतु स्थापित किया गया है। इस वर्ष, यह पुरस्कार दिपन्नीता सेनगुप्ता को दिया गया।

सजीव सिरपाल शैक्षणिक एवं सृजनात्मक उत्कृष्टता पुरस्कार

सुश्री कनक सिरपाल (पीजीपी 1984) एवं मित्रों द्वारा संस्थापित यह पुरस्कार श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में छात्रों में शिक्षाविदों एवं सृजनात्मकता की उत्कृष्टता की पहचान करने के लिए दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार निखिल अग्रवाल एवं सुमित सोमानी को दिया गया।

भा. प्र. संस्थान अहमदाबाद की विशेष आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्तियाँ (एसएनबीएस)

संस्थान ने कुल 6,99,63,000 रुपए की आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्तियाँ 103 पीजीपी और 34 पीजीपी-एबीएम के छात्रों को दी। इस छात्रवृत्ति में 74,000 रूपए से लेकर 5,25,000 रूपए तक की धनराशि थी। कुल पाठ्यक्रम फीस का अधिकतम 70 प्रतिशत समर्थन 29 छात्रों को दिया गया।

भारत सरकार - सर्वोच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए केन्द्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना

अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति के लिए - मानव संसाधन विकास मंत्रालय को नौ आवेदन भेजे गए।

अनुसूचित जनजाति के लिए - पिछले शैक्षणिक वर्ष की छात्रवृत्ति की 21,69,200 रुपए राशि प्राप्त हुई और प्राप्तकर्ताओं में बाँट दी गई। वर्तमान वर्ष के लिए, पाँच आवेदन प्राप्त हुए थे और उन्हें मानव संसाधन विकास मंत्रालय को भेजा गया है।

भा.प्र.सं.अ. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्तियाँ

इस वर्ष के दौरान, 164 छात्रों को प्रत्येक को 1500 रुपए के हिसाब से अ.जा./अ.ज.जा. छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।

पीजीपी पूर्वछात्र छात्रवृत्तियाँ

कई पीजीपी पूर्वछात्रों ने उदारतापूर्वक जरूरतमंद छात्रों को सहायता देने के लिए योगदान दिया है। जबकि कुछ निधियों का उपयोग एस.एन.बी.एस. प्रदान करने में किया गया, कुछ राशि एस.एन.बी.एस. को पूरा करने के लिए वापस करने के आधार पर प्रदान की गई।

राज्य सरकार की छात्रवृत्तियाँ

राज्य सरकार द्वारा (महाराष्ट्र एवं केरल सरकार द्वारा) प्रायोजित लगभग 31,09,037 रुपए राशि की छात्रवृत्तियाँ संस्थान ने इस वर्ष के दौरान पाँच छात्रों को प्रदान की।

विभिन्न छात्रवृत्तियों के प्राप्तकर्ताओं के नाम **परिशिष्ट क5 में दिए गए हैं।**

प्रवेश

जून 2012 की शुरूआत में तीन सौ इक्यासी छात्रों को पीजीपी में प्रवेश दिया गया।

श्रेणी	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	159	25	184
एनसी-ओबीसी	82	17	99
अ.जा.	44	14	58
अ.ज.जा.	20	8	28
विकलांग	12	-	12
कुल	**317**	**64**	**381**

कंप्यूटर-आधारित परीक्षा, सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट), 11 अक्टूबर से 06 नवम्बर, 2012 तक 21 दिनों की विन्डो जाँच के साथ आयोजित की गई। जून 2013 से शुरू होने वाले पीजीपी-स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए कई विदेशियों के सहित 1,80,855 आवेदन प्राप्त हुए।

प्राप्त आवेदनों की संख्या एवं छात्रों के प्रवेश के विवरण **परिशिष्ट क6 और क7** में दिये गये हैं।

2. कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) ने वैश्विक स्तर पर पहचान हासिल की है और एड्यूनिवर्सल, पेरिस द्वारा लगातार दो वर्ष तक (2011 एवं 2012) विश्वभर में कृषि व्यवसाय/खाद्य उद्योग प्रबंधन कार्यक्रम में इसे प्रथम स्थान पर रखा गया है।

जब से संस्थान ने कृषि, खाद्य, एवं अन्य विकास से संबंधित महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों के प्रबंधकीय मुद्दों को स्वीकार किया है तब से ही अपनी स्थापना के दिन से ही संस्थान ने सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण खाद्य एवं कृषि व्यवसाय के प्रति प्रतिबद्धता जताई है। इसका अनुसरण करते हुए सर्वप्रथम वर्ष 1974 में कृषि में विशेषज्ञता पैकेज के साथ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एसपीए) पेश किया गया। सन् 2000 में, बदलते आर्थिक परिवेश में संस्थान के कृषि व्यवसाय प्रबंधन शिक्षा के लिए दृष्टिकोण की समीक्षा के बाद कार्यक्रम को दोबारा बनाया गया और एक 15 महीने का कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू किया गया। वर्ष 2003 में इसे दो वर्षीय पूर्णकालीन कार्यक्रम में रूपांतरित कर दिया गया।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस कार्यक्रम का उद्देश्य खाद्य एवं कृषि व्यवसाय, ग्रामीण तथा संबद्ध क्षेत्रों में युवा महिला एवं पुरूषों को सक्षम व्यावसायिक प्रबंधक बनाना है। बढ़ती हुई पर्यावरणीय चिंताओं एवं उच्चतम बाजारोन्मुख प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में चुनौतियाँ बढ़ने से कृषि खाद्य उद्योग नीतियों में एवं प्रबंधन में बदलाव लाने के लिए प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता है। नवीन कौशलों के साथ साथ, इस उद्योग में कार्यरत लोगों को प्रबंधकीय कौशलों, नीति के वातावरण की परिचितता, एवं एक सामरिक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। यह कार्यक्रम छात्रों को गतिशील उद्योग में प्रमुख बदलावों और उन बदलावों की प्रक्रिया में प्रबंधन के कठिन कार्य के लिए तैयार करता है। यह कार्यक्रम, तेज़ी से बदलते कृषि व्यवसाय क्षेत्र के लिए छात्रों को तैयार करता है, साथ ही साथ इस कार्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य निम्नानुसार हैं :

- छात्रों को कृषि-व्यवसाय के संदर्भ में सामाजिक उद्देश्य के लिए प्रबंधकीय निर्णय लेने और निर्णयों के कार्यान्वयन के लिए वैचारिक एवं अंतर्वैयक्तिक कौशल से सुसज्जित करना।
- छात्रों को सफल व्यवसायियों के रूप में ढालने हेतु उन्हें कृषि-उद्यम अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- छात्रों में नेतृत्व-क्षमताएँ विकसित करना, ताकि वे परिवर्तन के अनुरूप ढल सकें और जिन संगठनों में वे कार्य करते हैं, उन्हें प्रेरित कर सकें।
- छात्रों की कल्पना-शक्ति का विस्तार करना तथा उनमें व्यावसायिकता, ईमानदारी, नैतिकता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता के मूल्यों को पैदा करना।

प्रवेश

इस वर्ष, संस्थान को पिछले वर्ष के 1,23,462 आवेदनों की तुलना में, 1,35,911 आवेदन प्राप्त हुए। एक कठिन चयन प्रक्रिया के बाद, जिसमें सामान्य प्रवेश परीक्षा, समूह चर्चा एवं साक्षात्कार शामिल थे, इस कार्यक्रम में 43 छात्र जून 2012 से जुड़े।

विवरण **परिशिष्ट ख1** में दिए गए हैं।

तैयारी कार्यक्रम

गणित, संचार एवं कम्प्यूटर कौशलों को मजबूत करने हेतु सभी छात्रों को 30 मई, 2012 से 15 जून, 2012 तक चलाए गये एक प्रारंभिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कहा गया।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए प्रवेश प्राप्त छात्रों के लिए 20 से 22 जून, 2012 की अवधि के दौरान एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पीजीपी-एबीएम कार्यकारी समिति के साथ बातचीत हुई और कम्प्यूटर एवं पुस्तकालय सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को केस-पद्धति शिक्षण से परिचित कराने के लिए केस-तैयारी और केस-चर्चा पर एक सत्र का भी आयोजन किया गया।

पाठ्यक्रम

इस कार्यक्रम का प्रथम वर्ष पीजीपी के साथ समान ही रहता है और दूसरे वर्ष में कुछ ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के अलावा चार क्षेत्र-विशेष अनिवार्य पाठ्यक्रम होते हैं।

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल का मुख्य उद्देश्य छात्रों को ग्रामीणों के जीवन से संपर्क कराना, ग्रामीणों के साथ बातचीत से सीखना और ग्रामीण परिवेश, समाज, संस्थानों, एवं अर्थव्यवस्था से परिचित होने का एक मौका प्रदान कराना है।

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल का पहला चरण, 1 से 10 अप्रैल, 2012 तक आयोजित किया गया। छात्रों को आठ समूहों में विभाजित किया गया। इन समूहों में से दो समूहों को बिहार के सीतामढ़ी और मधुबनी जिलों में, दो समूहों को सीड्स (एनजीओ) आधारित एक्सएलआरआई, जमशेदपुर में, दो समूहों को कलामंदिर, जमशेदपुर में एक अन्य एनजीओ में और आखिरी दो समूहों को आन्ध्र प्रदेश में रखा गया था।

दूसरा चरण इन्हीं स्थानों पर 11 से 18 दिसंबर, 2012 तक आयोजित किया गया।

पुरस्कार / छात्रवृत्तियाँ

विवरण **परिशिष्ट ख2** में दिए गए हैं।

विनिमय कार्यक्रम

पीजीपी-एबीएम के द्वितीय वर्ष के पाँच छात्र ईएसएसईसी-एसेक, एम.एस. एग्रि बिज़नेस स्कूल, पेरिस गए, और अक्टूबर-दिसम्बर, 2012 के दौरान एक सत्र व्यतीत किया।

प्राप्त आवेदनों की संख्या एवं प्रवेश प्राप्त छात्रों की संख्या के विवरण **परिशिष्ट ख3** एवं **परिशिष्ट ख4** में दिए गए हैं।

3. कार्यपालकों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम

कार्यपालकों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स) 8 अप्रैल, 2012 से शुरू हुआ। इस बैच में 6 महिलाओं सहित 85 छात्र थे। जी-मेट के औसत स्कोर 717 के साथ, औसत आयु 34 वर्ष, और उनके पास औसत 10 वर्ष 5 महीनों का कार्यानुभव था, इसमें 3 वर्ष एवं 2 महीने का अंतर्राष्ट्रीय अनुभव शामिल था।

पीजीपीएक्स 2012-13 के बैच के लिए **परिशिष्ट ग** देखें।

कार्यक्रम की संरचना

पाँच शैक्षणिक सत्रों में विस्तृत पीजीपीएक्स की संरचना लगभग छह खंड़ों में की गई है – प्रेरण, ब्लॉक निर्माण, शीर्ष प्रबंधन की तैयारी, अंतरराष्ट्रीय निमज्जन, चयनात्मकता एवं कैपस्टोन। इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान पच्चीस मुख्य/अनिवार्य एवं पाँच नए पाठ्यक्रमों सहित पैंतीस ऐच्छिक पाठ्यक्रम पेश किए गए।

अंतरराष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम

विदेशी संस्थानों में दो-सप्ताह के निमज्जन कार्यक्रम को शैक्षणिक प्रशिक्षण के तहत 3 से 14 सितम्बर, 2012 के दौरान पेश किया गया। छात्रों को तीन समूहों में बाँटकर भेजा गया :

- चाइनीज़ युनिवर्सिटी ऑफ हाँगकाँग, हाँगकाँग (24 छात्र)
- वारविक बिजनेस स्कूल, वारविक युनिवर्सिटी, कोवेन्ट्री (24 छात्र)
- ईएससीपी, पेरिस (37 छात्र)

शैक्षणिक प्रदर्शन और छात्रवृत्तियाँ

सभी 85 पीजीपीएक्स छात्रों ने सफलतापूर्वक स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसमें निम्नलिखित प्रशस्तियाँ दी गई :

- पीजीपीएक्स शीर्षस्थ आदित्य बंसल को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।
- आदित्य बंसल, अभिषेक वर्मा, आशुतोष शुक्ला, श्रीकान्त देव, एवं नवीन दोशी : शीर्षस्थ पाँचों छात्रों को प्रत्येक को 20,000 रुपए की राशि के साथ शैक्षणिक योग्यता पुरस्कार दिए गए।
- श्री अरुण दुग्गल (अध्यक्ष, श्रीराम कैपिटल लिमिटेड, आईआईएमए के आगंतुक संकाय, एवं 1974 बैच के पूर्वछात्र) द्वारा प्रायोजित 50,000 रुपए का ऑल-राउंड उत्कृष्टता पुरस्कार आदित्य बंसल को दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय मान्यता

पीजीपीएक्स ने *फ़ाइनेंसियल टाइम्स* एफ़टी वैश्विक एमबीए रैंकिंग्स 2013 में कैरियर प्रगति पैरामीटर पर प्रथम रैंक पर अपना स्थान जारी रखा।

पीजीपीएक्स छात्र गतिविधियाँ

संयोजन (कोनेक्सियन) 2012

कोन्नेक्सियन 2012, वार्षिक व्यापार सम्मेलन का आयोजन 2-3 नवम्बर, 2012 को किया गया। परिसर के अंदर 5 किलोमीटर की दौड़ के साथ इस कार्यक्रम की शुरूआत हुई। लगभग 20 व्यापार अग्रणी इस समारोह में उपस्थित रहे और "भारत का कायाकल्प – कॉरपोरेट क्षेत्र की भूमिका" मुख्य विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। जीई कैपिटल इंडिया, गोल्डमैन सैच्स इंडिया, आईएल एंड एफ़एस, पीडब्ल्यूसी, इंगरसोल रैंड, 3एम इंडिया, बेनेत्त कॉलमेन एंड कं., एरिक्सन ग्लोबल, टीसीएस, आईबीएम, एस्सार ग्रुप, अशोक लीलेंड, आल्स्टोम, बर्टलिंग लोजिस्टिक्स, तथा थर्मैक्स जैसी कम्पनियों से वरिष्ठ कार्यपालकों ने, छात्रों एवं संकायों के साथ व्यवसाय चक्रों का संचालन, नवाचार, भारत को वैश्विक ब्रांड बनाना और

आगामी विकास इंजनों को स्थापित करना, विषयों पर इस समारोह में विचारो का आदान-प्रदान किया गया। उद्यमों को बढ़ावा देने की अपनी समृद्ध परम्परा को आगे बढ़ाते हुए, व्यवसाय अग्रणियों की उद्यमों में प्राप्त उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए एक रात्रिभोज का भी आयोजन किया गया। विभिन्न शुरूआती आई.टी. एवं ई-कॉमर्स के सहसंस्थापकों ने श्रोतागण के साथ अपने अनुभव साझा किए।

एक्स-बिज़

इस वर्ष तत्काल रूप से एक्सबिज़ का आयोजन किया गया और इसमें एकाधिक ब्रांड खुदरा बिक्री के बारे में एफ़डीआई के प्रभाव पर ध्यान केन्द्रित किया गया। उद्योग विशेषज्ञों ने अपनी अंतर्दृष्टि आधारित अनुभवों पर अपने विचार व्यक्त किए और प्रतिभागी टीमों को मार्गदर्शन दिया। इसमें छह टीमें थी जो प्रत्येक एक हितधारक का प्रतिनिधित्व कर रही थी जैसे कि - ट्रान्स नेशनल रिटेलर, भारतीय संगठित खुदरा विक्रेता, भारतीय किराना स्टोर, भारतीय मिडलमैन, भारतीय किसान और भारत सरकार / नीति निर्धारक। इस समारोह की प्रस्तुति प्रोफ़ेसर शैलेन्द्र मेहता ने की। इस समारोह में प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों, भारतीय खुदरा व्यापारी महासंघ, ई-कॉमर्स कम्पनियों के प्रतिनिधियों, भारतीय संगठित खुदरा विक्रेताओं (फ़्यूचर ग्रुप), तथा खाद्य नीति में विशेषज्ञ वरिष्ठ पत्रकारों ने भाग लिया।

पीजीपीएक्स पूर्वछात्र मिलन

इस समारोह में बड़ी तादाद में पीजीपीएक्स पूर्वछात्र आए और अपनी सफलता की रोचक कहानियों तथा अपने रोजगार में पीजीपीएक्स के योगदान को साझा किया। इस समारोह का समापन अग्रणी बैच के सम्मान समारोह के साथ हुआ।

वक्तव्य श्रृंखला

वक्तव्य श्रृंखला पीजीपीएक्स छात्रों की एक पहल है जिसमें वरिष्ठ कॉरपोरेट अग्रणियों एवं प्रतिष्ठित लोगों को पीजीपीएक्स छात्रों से अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। निम्नलिखित वक्ताओं को आमंत्रित किया गया :

- श्री प्रशांत शर्मा, वरिष्ठ उप प्रमुख, जायडस केडिला, 26 मई, 2012
- श्री बी.वी. जगदीश, प्रबंध भागीदार, केएएजे वेन्चर्स, 29 जुलाई, 2012
- श्री संतोष अनू, कार्यालय प्रबंधन प्रमुख, डेलॉयट कंसल्टिंग सर्विसेज प्रा.लि., 18 अगस्त, 2012
- श्री रत्नेश्वर प्रसाद एवं श्री रत्नेश सहाय, भारतीय प्रतियोगिता आयोग (सीसीआई), 13 अक्टूबर, 2012
- श्री श्रीप्रकाश लोहिया, संस्थापक एवं अध्यक्ष, इंडोरमा कॉरपोरेशन, 27 नवम्बर, 2012
- श्री दीपक महुरकर, निदेशक एवं प्रमुख, तेल एवं गैस उद्योग विधि, प्राइस वॉटर हाउस कूपर्स, 20 दिसम्बर, 2012
- प्रोफ़ेसर बालाधरन्, रॉबर्ट बी. एवं कैन्डिस जे. हास, आगंतुक प्रोफ़ेसर, हार्वर्ड लॉ स्कूल, 02 जनवरी, 2013
- श्री कुलधर सैकिया, आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, असम, 06 जनवरी, 2013
- श्री यू. के. सिन्हा, अध्यक्ष, सेबी, 15 फरवरी, 2013

विपणन गतिविधियाँ

संस्थान ने उद्योगों एवं विदेशी प्रतिनिधिमंडलों को बढ़ावा देने के लिए 8 से 13 जनवरी, 2013 के दौरान वाइब्रंट गुजरात ग्लोबल ट्रेड प्रदर्शनी, गाँधीनगर में भाग लिया। ये प्रतिनिधिमंडल जापान, अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, जर्मनी, फ़्रान्स, रूस, चीन, बेल्जियम, नीदरलैंड्स, डेन्मार्क, ऑस्ट्रेलिया, फिलिपिंस, मोज़ाम्बिक एवं रवान्डा से आए थे।

2013-14 के लिए प्रवेश

पीजीपीएक्स 2013-14 के लिए छह सौ साठ आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 247 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए चुना गया। 92 उम्मीदवारों को प्रस्ताव दिए गए और 25 को प्रतीक्षा सूची में रखा गया।

4. प्रबंध में फैलो कार्यक्रम

फैलो कार्यक्रम के प्रारंभ से अब तक 279 छात्रों ने *भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद की फैलो* उपाधि प्राप्त की है। 23 मार्च, 2013 को स्नातक हुए 16 छात्रों को जोड़ने पर यह संख्या 295 हो गई है। 33 छात्र उनके शोध प्रबंध चरण में हैं और 34 छात्र पाठ्यक्रम कार्य कर रहे हैं।

वर्ष 2013 में स्नातक हुए एफ़पीएम छात्रों के विवरण, **परिशिष्ट घ** में दिये गये हैं।

पीजीपी, पीजीपी-एबीएम और एफपीएम में छात्रों की पिछले 10 वर्ष की संख्या के विवरण **परिशिष्ट ङ** में दिए गए हैं।

पुरस्कार हेतु शोध-प्रबंध प्रस्ताव

निम्नलिखित शोध-प्रबंध प्रस्तावों ने आईएफ़सीआई एवं अन्य पुरस्कार जीते :

छात्र का नाम	शोध-प्रबंध प्रस्ताव का शीर्षक	पुरस्कार
रवि कोठारी (पी एवं क्यूएम)	एकल पंक्ति सुविधा लेआउट समस्या के लिए मेटाह्युरिस्टिक्स (अनुमानी)	1. 15,000 रुपए का आईएफ़सीआई पुरस्कार 2. श्रेष्ठ शोध-प्रबंध प्रस्ताव के लिए 10,000 रुपए का चौधरी-पद्मनाभन-पंत पुरस्कार
अभिजीत खानरा (पी एवं क्यूएम)	अखबार वाले की समस्या पर निबंध	15,000 रुपए का आईएफ़सीआई पुरस्कार
रामकृष्णन् टी.एस. (पीएसजी)	भारत में यात्री परिवहन में रेल की बढ़ती हिस्सेदारी : एक खोजपूर्ण अध्ययन	15,000 रुपए का आईएफ़सीआई पुरस्कार
मनीषा मिश्रा (पी एंड आईआर)	उच्च व्यावसायिक शिक्षा के संदर्भ में दोषारोपण प्रक्रियाओं पर ध्यान केन्द्रित करते हुए आरक्षण की अनुभवात्मक धारणाओं के कार्यान्वयन के बाद का एक खोजपूर्ण अध्ययन	विकास क्षेत्र में श्रेष्ठ शोध-प्रबंध के लिए 75,000 रुपए का प्रोफ़ेसर तीरथ गुप्ता स्मृति पुरस्कार
स्मृति अगरवाला (ओबी)		प्रथम वर्ष में विद्वत्तापूर्ण प्रदर्शन के लिए चौधरी-पद्मनाभन-पंत पुरस्कार

छठी आईआईएम-ए डॉक्टरीय वार्ता

छठी आईआईएमए डॉक्टरीय वार्ता का आयोजन 7 से 9 जनवरी 2013 के दौरान किया गया। इस वार्ता के आकार में वृद्धि हुई और अनुसंधान समुदाय को अपने विचार आगे बढ़ाने तथा एक मूल्यवान अनुसंधान नेटवर्क बनाने के लिए मंच प्रदान किया।

इस वर्ष की वार्ता में, 102 पंजीकरण हुए, जिनमें से 78 पेपर प्रस्तुतकर्ता थे। 20 से अधिक प्रतिभागी दूसरे आईआईएमों से एफ़पीएम के उम्मीदवार थे। इस वार्ता के विभिन्न प्रवाहों में व्यवसाय नीति एवं रणनीति, संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक एवं उद्योग संबंध, विपणन, उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके, कम्प्यूटर एवं सूचना प्रणाली, सार्वजनिक नीति एवं सार्वजनिक प्रणालियाँ, अर्थशास्त्र, कृषि प्रबंधन, तथा वित्त एवं लेखाकरण जैसे क्षेत्र शामिल थे।

प्रोफ़ेसर मसाकी कोताबे, फ़ॉक्स स्कूल ऑफ़ बिज़नेस, टेम्पल युनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय एवं विपणन के वाशबर्न चेयर प्रोफ़ेसर मुख्य वक्ता के रूप में थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित कई शिक्षाविद् भी उपस्थित थे। केनसॉ स्टेट युनिवर्सिटी के प्रोफ़ेसर जॉ हाइर, दक्षिण कैरोलिना युनिवर्सिटी के प्रोफ़ेसर सुभाष शर्मा, चेस्टर युनिवर्सिटी के प्रोफ़ेसर पीटर स्टॉक्स, क्वीन्सलैंड युनिवर्सिटी के प्रोफ़ेसर सुनिल विनायक और संस्थान के कई संकायों ने अपने अनुसंधान के अनुभव साझा किए।

यह वार्ता एमरेल्ड पब्लिशिंग, सेज पब्लिशर्स, सेनगेज, बद्रुका मैनेजमेंट स्कूल, एच.पी. ग्लोबल एनालिटिक्स, एवं मिनिटैब इन्क द्वारा प्रायोजित की गई। इस समारोह का समापन निदेशक के संबोधन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ।

5 .नियुक्ति

आईआईएम अहमदाबाद से प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के लिए स्नातक हो रहे छात्रों के बैच की नियुक्ति प्रक्रिया उनकी पसंद के क्षेत्रों एवं कार्यों में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। छात्रों की उच्च गुणवत्ता तथा नियुक्ति की मजबूत प्रकृति, संस्थान के सफल भर्ती चक्र और छात्रों एवं भर्तीकर्ताओं के बीच पर्याप्त लचीलापन प्रदान करते हैं।

नियुक्ति प्रक्रिया

नियुक्ति प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की गई। शुरू में पार्श्विक प्रक्रिया थी जिसमें कम्पनियों ने कार्यानुभव वाले छात्रों के साक्षात्कार लिए और उन्हें मध्य स्तर के प्रबंधकीय पदों की पेशकश की। दूसरे चरण में, अंतिम नियुक्ति प्रक्रिया के तहत कंपनियों को कॉहार्ट सिस्टम के आधार पर बाँटकर प्रोफ़ाइल प्रस्तुत किए गए और उन्हें अलग अलग समूहों में परिसर में आमंत्रित किया गया। पिछले वर्षों की तरह, छात्रों को 'सपनों' से खेलने की अपनी अनुमति जारी रखते हुए, संस्थान ने उन्हें अपनी पसंद की किसी भी कम्पनी में जाने की छूट दी, चाहे उन्हें पहले पेशकश मिल गई हो। इसने छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्रों में अपना भविष्य बनाने की आजादी दी है।

पार्श्व नियुक्ति

बैच के पचास प्रतिशत छात्र पार्श्व नियुक्ति के लिए अर्हताप्राप्त थे, जिसने उनको अपने बेहतर कार्य अनुभव का लाभ उठाने के लिए एक अवसर प्रदान किया । पार्श्व नियुक्ति प्रकिया में प्रौद्योगिकी, परामर्शन, फार्मास्यूटिकल्स एवं विश्लेषिकी जैसे विविध क्षेत्रों से कम्पनियाँ शामिल हुई थी। जिन कम्पनियों ने भाग लिया वे हैं आदित्य बिरला ग्रुप, अमेजन, डेलॉइट, जनरल इलैक्ट्रिक, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, प्राइसवॉटरहाउस कूपर्स, तथा थॉमसन रॉयटर्स।

क्षेत्रीय अवलोकन

बाजार की विपरीत स्थितियों के बावजूद, संस्थान को नियुक्ति के किसी भी क्षेत्र में रूकावट नहीं आई। वर्ष 2011-13 के बैच के छात्रों को जिन वैश्विक निवेश बैंकों ने नियुक्त किया, उनमें अमेरिका मेरिल लिंच बैंक, बारक्लेस, सिटीबैंक, ड्यूश बैंक, गोल्डमेन सैच्स, एचएसबीसी, मॉर्गन स्टेनली, स्कॉटलैंड रॉयल बैंक, तथा स्टांडर्ड चार्टर्ड बैंक थी। कई अन्य बैंक एवं वित्तीय संस्थानों भी थे जिन्होंने इस वर्ष के छात्रों

को नियुक्त किया, जैसे कि एक्सिस बैंक, डीबीएस, एचडीएफसी, कोटक महिन्द्रा, जेएम फाइनेंसियल तथा यश बैंक। परामर्शन कम्पनियों ने अंतिम एवं पार्श्व दोनों प्रक्रियाओं में बड़ी तादाद में नियुक्ति की। परामर्शन भर्तीकर्ताओं में वैश्विक रणनीति परामर्शन कम्पनियों के साथ विशिष्ट परामर्शन कम्पनियाँ – एक्सेन्चर, ए.टी. केअर्नी, बेन एंड कम्पनी, बूज़ एंड कम्पनी, बोस्टन परामर्शन ग्रुप, केपजेमिनी, डेलॉइट, अर्न्स्ट एंड यंग, फ़ीडबेक वैन्चर्स, के.पी.एम.जी., मैककिन्से एंड कम्पनी, मॉनिटर ग्रुप, ओलिवर वाइमन, ओपेरा सोल्युशन्स, प्राइसवॉटरहाउस कूपर्स, टी.एस.एम.जी., तथा वैक्टर कन्सल्टिंग शामिल थी। बड़ी संख्या में छात्रों ने सैल्स एवं विपणन कंपनियों जैसे कि, एयरटेल, एशियन पेंट्स, एच.यु.एल., आई.टी.सी., क्राफ़्ट, लोरियल, मार्स, नेसले, पी एंड जी, पेप्सी, तथा रेकिट बेन्कीसर में पदभार सँभाले। आदित्य बिरला ग्रुप, सिपला, जनरल इलेक्ट्रिक, इंगरसोल रैंड, महिन्द्रा, रिलायन्स, आरपीजी ग्रुप, टीएएस, थॉमसन रॉइटर्स सहित अन्य द्वारा छात्रों को सामान्य प्रबंधन एवं नेतृत्व प्रोफाइल की पेशकश की गई। कोग्निजेंट, गूगल, ह्युलेट पैकार्ड, एचसीएल, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल तथा एसएपी जैसी प्रोद्योगिकी क्षेत्र की कम्पनियों में छात्रों ने नियुक्ति पाई।

प्रमुख नियोक्ता

वर्ष 2013 में पार्श्व नियुक्ति प्रक्रिया सहित नियुक्ति प्रक्रिया में 130 से अधिक कम्पनियों ने भाग लिया। संख्या की दृष्टि, बोस्टन कन्सल्टिंग ग्रुप सभी समूहों में से प्रमुख नियोक्ता था जिसने 15 छात्रों का भर्ती के लिए चयन किया। एक्सेन्चर ने 13 छात्रों को, और मैक्किंज़े एडं कम्पनी तथा कैपजेमिनी दोनों ने 10-10 छात्रों को भर्ती किया और बैन एंड कम्पनी ने 9 छात्रों को नियुक्त किया। वैश्विक निवेश बैंकों में, गोल्डमेन सैच्स ने वित्तीय विपणन तथा मात्रात्मक रणनीति में सर्वाधिक 7 छात्रों की नियुक्ति की। उपभोक्ता सामग्री एवं सेवा क्षेत्र में एयरटेल ने भारत तथा अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर विपणन एवं वित्त में सर्वाधिक 11 छात्रों को प्रस्तावित किया। अमेजन ने व्यवसाय विकास तथा संचालन में भूमिका के लिए 7 छात्रों को नियुक्त किया।

उद्यमिता

हमेशा से संस्थान ने छात्रों को कैरियर के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है और इस वर्ष, चार छात्रों ने अपने नए उपक्रम शुरू करने के लिए नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना। इन स्टार्टअप में फोटोग्राफरों के लिए एक ऑनलाइन सेम्पलिंग व विपणन अनुसंधान पोर्टल तथा परियोजना के उपकरणों के लिए एक ई-कोमर्स वेन्चर हैं। उद्यमिता को बढ़ावा देने की अपनी संस्कृति के साथ इस क्रम में संस्थान अपने छात्रों को एक नियुक्ति छुट्टी प्रदान करता है, जिसमें उनका उद्यम आगे नहीं बढ़ने के मामले में आगामी दो वर्षों में किसी एक में वे नियुक्तियों में भाग ले सकते हैं।

पीजीपी

नियुक्ति प्रक्रिया में जिन 360 छात्रों ने भाग लिया उन्हें 433 नियुक्तियों की पेशकश की गई।

पुराने संबंधों को मजबूत बनाना तथा नए संबंध स्थापित करना

नियुक्तियों को औद्योगिक संबंध एवं पारस्परिक सहयोग संघ बनाने के लिए एक अवसर के रूप में देखा जाता है। मौजूद नियोक्ता ना केवल बड़ी संख्या में भर्ती करने के माध्यम से आईआईएमए के साथ संबंध बनाए रखते हैं, बल्कि कई नई कम्पनियों ने भी नियुक्तियाँ की हैं। उनतालीस कम्पनियाँ पहली बार संस्थान

से जुड़ी। सूचीकृत सभी कम्पनियाँ राष्ट्रीय और/या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने संचालन क्षेत्र की अग्रणी कम्पनियाँ हैं। यह आईआईएमए के स्नातकों की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का एक संकेत है।

विदेशी पेशकशों की 13 स्वीकृतियाँ हुई। बाकी के 347 छात्रों के लिए स्वदेशी नियुक्तियाँ हुई।

पूर्व-नियुक्ति प्रस्ताव (पीपीओ) नियुक्तियाँ

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर 45 कम्पनियों द्वारा 107 पूर्व-नियुक्ति प्रस्ताव पेश किए गए, इनमें से 85 प्रस्ताव स्वीकार किए गए।

पीजीपी-एबीएम

इस कार्यक्रम को प्रतिकूल बाजार परिस्थितियों एवं नियुक्ति के अवसर घटने के बावजूद, कृषि व्यवसाय क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली प्रतिभा के आपूर्तिकर्ता के रूप में अच्छी पहचान मिली है। लगभग 25 से अधिक कम्पनियों ने नियुक्ति प्रक्रिया में भाग लिया और नियोक्ताओं के विविध समूह को इस बैच ने आकर्षित किया, इनमें बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से लेकर लघु एवं मध्यम उद्यम तथा उल्लेखनीय शुरूआती कम्पनियाँ भी शामिल थी। सिंजेंटा, फ्रन्टल रैन, जीएसएफसी, यश बैंक इसमें प्रमुख नियोक्ता थे, और प्रत्येक ने तीन छात्रों को भर्ती किया। इफ़को, आई3 कन्सल्टिंग, एस्कोर्ट्स, फ्रन्टल रैन, नैंसी बेरीज एंटरप्राइज सोल्युशन्स फ़ोर पोवर्टी, तथा ग्लैक्सोस्मिथक्लिन ने पहली बार यहाँ भर्ती की। सिंजेंटा, राबोबैंक, गोदरेज एग्रोवेट, स्टारऐग्री, तथा यश बैंक जैसे नियमित नियोक्ता उपस्थित थे। बेयर क्रोपसाइन्स लिमिटेड ने संस्थान से नियुक्ति करके भारत में पहली बार अपने वाणिज्यिक उत्कृष्टता नेतृत्व कार्यक्रम की पेशकश की।

इसमें बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कोर्पोरेट बैंकिंग, खाद्य एवं कृषि व्यवसाय अनुसंधान एवं सलाहकार, रसद एवं भंडारण प्रबंधन, मंच विकास, वृक्षारोपण, कमोडिटी व्यवसाय, कृषि मशीनरी, ग्रामीण बैंकिंग, और परामर्शन जैसे उप-क्षेत्रों में विभिन्न पदों की पेशकश की गई।

दो छात्रों ने नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रहते हुए – एक ने भंडारण में एक उद्यमी के रूप में अपना उद्यम शुरू करने और दूसरे ने सामाजिक क्षेत्र में अपना उद्यम शुरू करने का विकल्प चुना। जो छात्र अपने शुरूआती उद्यम शुरू करते हैं उन छात्रों को दो वर्ष की नियुक्ति छुट्टी प्रदान करके संस्थान उद्यमशीलता को समर्थन देता है।

पीजीपीएक्स

रोलिंग आधार पर पीजीपीएक्स नियुक्ति का प्रारंभ दिसम्बर में हुआ और प्रतिभागियों को मध्यम से वरिष्ठ स्तर के पदों के लिए नियुक्त किया गया। इसमें अच्छे योग्य प्रतिभागियों एवं संभावित रोजगार/पदभार को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस नियुक्ति सत्र ने अनेक क्षेत्रों से विविध नियोक्ताओं को आकर्षित किया। इस वर्ष की नियोक्ता सूची में कंपनियों के संगठन, बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ, लघु एवं मध्यम उद्यम (एसएमई) तथा शुरूआती और कई पहली बार आए नियोक्ता शामिल थे।

निम्न तालिका में छात्रों की वर्तमान स्थिति के विश्लेषण का विवरण दिया गया है :

छात्रों की कुल संख्या	85
अपने उद्यम शुरू करने के लिए नियुक्ति छुट्टी चाहने वाले छात्र	2
अपने दम पर नियुक्ति चाहने वाले छात्र (बाहरी नियुक्ति प्रक्रिया)	23
अध्ययन प्रोत्साहन अवकाश	4
नियुक्ति प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम प्रस्ताव प्राप्त करने वाले छात्र	45
प्रक्रिया में छात्र	11

नियुक्ति के लिए वापस आई कम्पनियों में गूगल, गोल्डमेन सैच्स, आरपीजी, हीरो मोटो कोर्प, अमेजोन, माइंडट्री आदि शामिल हैं। आईबीएम ने भारत में पहली बार अपना नेतृत्व विकास कार्यक्रम शुरू किया, जबकि थर्मैक्स ने अपने आने वाले उद्यम के लिए इस बैच से एक सीईओ को चयन किया। एरिक्सन तथा हीरो ने आज तक सबसे अधिक संख्या में प्रस्ताव दिए हैं।

नियोजन कार्यालय ने रुचि व्यक्त करने वाले छात्रों एवं कम्पनियों के बीच बातचीत की सुविधा के द्वारा पूर्ण समर्थन देना जारी रखा।

एफपीएम

एफपीएम नियुक्ति, निर्धारित नियुक्ति से आगे बढ़कर रोलिंग नियुक्ति प्रक्रिया बन गई है। चूँकि किसी भी छात्र ने नियुक्ति का विकल्प नहीं चुना था, इसलिए यह नई प्रक्रिया पिछले वर्ष लागू नहीं की जा सकी थी। इसीलिए वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में पहली बार नई प्रक्रिया देखी गई। नए नियमों के अनुसार, नियुक्ति सहायता नियुक्ति प्रक्रिया में छात्र के प्रवेश से लेकर अधिकतम 7 महीनों की अवधि के लिए ही प्रदान की जा सकती है। इस वर्ष 8 एफ़पीएम छात्रों ने ही अंतिम नियुक्ति को चुना है। व्यवसाय नीति से 1 उम्मीदवार, सीआईएसजी से 1, पी एवं क्यूएम से 1, अर्थशास्त्र से 1, विपणन से 2, पी एवं आईआर से 1, तथा पीएसजी से 1 छात्र ने नियुक्ति का विकल्प चुना। सामान्यतः उम्मीदवारों को विशिष्ट भूमिकाओं के लिए देखा गया, जिसके साथ उनकी व्यापक अनुसंधान रूचियों एवं पृष्ठभूमि का गठबंधन किया गया।

नए नियोक्ताओं से एफ़पीएम कार्यक्रम और नियुक्तियों की रोलिंग प्रकृति के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सम्पर्क किया गया। इस वर्ष करीबन 30 कम्पनियों से संपर्क किया गया और ज्यादातर से ओलिवर वाइमन, मोनिटर ग्रुप, इनफ़ोसिस लैब्स, जेनपैक्ट, तथा एटी किअर्नी सहित अनुकूल प्रतिक्रिया मिली।

निम्न तालिका में छात्रों की वर्तमान स्थिति के विश्लेषण का विवरण दिया गया है :

छात्रों की कुल संख्या	8
अपने दम पर नियुक्ति चाहने वाले छात्र	0
अपने उद्यम शुरू करने के लिए नियुक्ति छुट्टी चाहने वाले छात्र	0
अंतिम प्रस्ताव प्राप्त करने वाले छात्र	2
शैक्षणिक प्रस्ताव वाले छात्र	4
छात्रों की नियुक्ति शेष है	2

नियुक्ति के विवरण **परिशिष्ट च** में दिये गये हैं।

6 .दीक्षांत समारोह

संस्थान का अड़तालीसवाँ दीक्षांत समारोह, 23 मार्च, 2013 को आयोजित किया गया। श्री एल. एन. मित्तल, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, आर्सेलर मित्तल ने दीक्षांत भाषण दिया। दीक्षांत समारोह में, 16 एफपीएम छात्रों को "भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद फैलो" की उपाधि से सम्मानित किया गया, 373 छात्रों को प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया, 35 छात्रों को कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया, और 85 छात्रों को कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एकवर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया।

अड़तालीसवें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर आर्सेलर मित्तल के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री एल. एन. मित्तल

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के निम्नलिखित छात्रों को शैक्षिक कार्य-निष्पादन के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद पदक से सम्मानित किया गया :

- निखिल अग्रवाल
- अनिकेत तलवाई
- सुमित सोमानी

स्वर्ण पदक विजेता

निखिल अग्रवाल

अनिकेत तलवई

सुमित सोमानी

शशांक राठी

आदित्य बंसल

कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए शशांक राठी ने और कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए आदित्य बंसल ने शैक्षिक प्रदर्शन के लिए, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद पदक प्राप्त किया।

7. प्रबंध में संकाय विकास कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़डीपी) विशेष रूप से प्रबंध शिक्षा के संकाय सदस्यों एवं प्रशिक्षण संस्थानों के लिए बनाया गया है। पिछले कई वर्षों में एफ़डीपी की संरचना एवं पाठ्यक्रम में प्रबंध शिक्षकों के विकास की उभरती आवश्यकताओं को देखते हुए, उसे फिर से रचा गया है। 34वाँ एफडीपी 11 जून से 29 सितम्बर, 2012 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नेपाल से तीन और भूटान से एक सहित कुल इकतालीस प्रबंध शिक्षकों ने भाग लिया। इसमें से नौ महिलाएँ थी। इकतालीस में से सात ने प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों में डॉक्टरेट किया हुआ था। उनमें से चौदह स्वयं द्वारा प्रायोजित थे और दो आंशिक रूप से प्रायोजित थे। स्वयं द्वारा प्रायोजित चौदह प्रतिभागियों को कुल 49,000 रू. की फैलोशिप उपलब्ध कराई गई। इनमें से जिन प्रतिभागियों ने गुजरात केन्द्रित अनुसंधान अध्ययनों पर कार्य करने में उत्सुकता जताई, उनको क्षेत्रीय प्रबंधन अध्ययन केन्द्र द्वारा अनुसंधान अनुदान दिया गया। चार प्रतिभागियों ने छह अनुसंधान परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं और, उनके पूर्ण होने पर, उन्हें केस के लिए 6000/- रुपए और अनुसंधान रिपॉर्ट के लिए 15,000/- रुपए अनुसंधान एवं प्रकाशन कार्यालय के माध्यम से अनुसंधान फ़ैलोशिप के रूप में दिए जाएंगे।

एफ़डीपी में प्रबंध शिक्षकों के शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कौशलों पर विशेष रूप से शिक्षा तथा अनुसंधान तरीकों में जिन शिक्षकों को वर्तमान घटनाक्रम के परिचय का अवसर नहीं मिला है, ऐसे शिक्षकों के उन्नयन के लिए ध्यान दिया जाता है। 33वें एफडीपी के विकासशील गठन को जारी रखते हुए, 34वें एफ़डीपी में पाठ्यक्रम के तीन समूह पेश किये गए : अनुशासन आधारित पाठ्यक्रम, मूलभूत पाठ्यक्रम, और ऐच्छिक का एक समूह।

प्रतिभागियों ने क्षेत्रीय दौरे भी किए जिसमें साणंद स्थित टाटा नैनो फ़ैक्टरी भी थी। उन्होंने रणनीति अनुकार कार्यशाला में भी भाग लिया।

एफडीपी को एक गहन प्रबंधन संकाय विकास के अनुभव के लिए देश में सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम के तौर पर मान्यता प्राप्त है। अभी एफडीपी पूर्वछात्र नेटवर्क में नेपाल, बांग्लादेश, मालदीव, श्रीलंका, भूटान और इथियोपिया से 80 प्रबंध शिक्षकों सहित 664 सदस्य हैं।

अनुसंधान एवं प्रकाशन

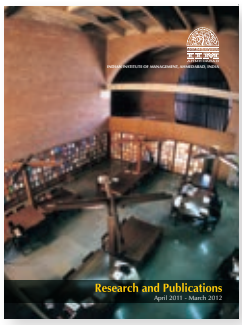

इस संस्थान में अनुसंधान महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि का गठन करता है। वित्तीय सहायता एवं अन्य समर्थनों की मात्रा के आधार पर वृहत, लघु, या मूलधन परियोजनाओं के रूप में वर्गीकृत अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तीय सहायता, इस संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। केस-लेखन एक अन्य महत्त्वपूर्ण गतिविधि है जिसे संस्थान से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। प्रकाशन के विभिन्न प्रकार जैसे पुस्तकें, मॉनोग्राफ्स , जर्नल्स में लेख, केस - इन अनुसंधान परियोजनाओं के परिणाम हैं।

वर्ष के दौरान, 4 अनुसंधान परियोजनाएँ, 4 मूलधन परियोजनाएँ, और 6 केस-विकास परियोजनाओं का कार्य पूर्ण किया गया। दस अनुसंधान परियोजनाएँ, 3 मूलधन परियोजनाएँ, और 4 केस-विकास परियोजनाओं का प्रारंभ किया गया। जबकि 4 परियोजनाओं को रोक दिया गया, 2 अनुसंधान परियोजनाओं को वापिस लिया गया। इसके अलावा, 20 ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजनाएँ चलाई गईं।

इस वर्ष के दौरान, शैक्षणिक समुदाय ने 12 पुस्तकें, 06 मोनोग्राफ एवं जर्नल्स में 78 लेख लिखे। उन्होंने पुस्तकों में 15 अध्यायों का योगदान दिया, सम्मेलनों में 124 आलेख प्रस्तुत किए और 51 वर्किंग पेपर लिखे।

इनके विवरण, **परिशिष्ट छ, ज और झ** में दिए गए हैं।

पेपर/संगोष्ठियाँ/प्रकाशन

सम्मेलनों/संगोष्ठियों में प्रस्तुत पेपरों, पत्रिकाओं के प्रकाशनों, तथा कार्यशालाओं में भाग लेने के विवरण, अनुसंधान एवं प्रकाशन समिति की अलग से प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट में व्यापक विस्तार से दिए गए हैं।

विकल्प : निर्णयकर्ताओं का जर्नल

विकल्प : निर्णयकर्ताओं का जर्नल, (www.vikalpa.com) भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद का एक तिमाही प्रकाशन है। वर्तमान में इसके 38वें वर्ष के प्रकाशन में, विकल्प शिक्षाविदों एवं प्रबंधकों के लिए

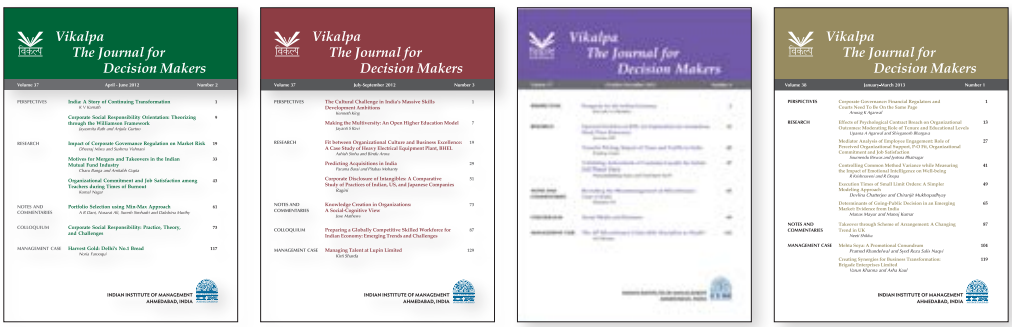

प्रबंधन विकास संप्रेषण के एक शीर्ष प्रबंध-जर्नल के रूप में उभरा है। इसमें अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर ध्यान केन्द्रित किया गया है, जो शैक्षणिक कठिनता और प्रतिभावों के मानकों को पूरा करते हैं तथा अभ्यासरत प्रबंधकों के लिए प्रासंगिक हैं।

विकल्प के प्रत्येक अंक में निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं। **दृष्टिकोण** उन उभरते मुद्दों व विचारों को प्रस्तुत करता है जो संगठनों में प्रबंधकों, प्रशासकों व नीति निर्माताओं से कार्रवाई या पुनर्विचार की मांग करते हैं। **अनुसंधान** में विश्लेषणात्मक या अनुसंधान आधारित लेख होते हैं, जो प्रबंधकीय व शैक्षणिक मुद्दों के समाधान पर ध्यान आकर्षित करते हैं। **अंतराफलक** ऐसे लेख प्रस्तुत करता है, जो प्रबंधकों के लिए व्यावहारिक रूप से उपयोगी होते हैं तथा उनके प्रबंधकीय कौशलों को अद्यतन बनाने में सहायक होते हैं। टिप्पणियाँ एवं व्याख्याएँ प्रारंभिक अनुसंधान, साहित्य की समीक्षा, और प्रकाशित आलेखों के विषय पर टिप्पणियों को समाविष्ट करती हैं। वार्ता के अंतर्गत समसामयिक विषय पर की गई चर्चा शामिल होती है। **प्रबंध केस** में, किसी एक प्रबंधक या संगठन ने, रणनीतिगत, प्रकार्यात्मक या प्रचालनात्मक स्तरों पर किसी वास्तविक स्थिति का सामना किया हो, उस पर निर्णय लिया हो या कार्रवाई की हो, उसका वर्णन होता है। निदान, अकादमी के सदस्यों एवं व्यवसायियों द्वारा किए गए किसी केस के विश्लेषण को प्रस्तुत करता है। पिछले दो वर्षों से, **विकल्प** ने केस और उसके निदान को एक ही अंक में समाहित करना शुरू कर दिया है अन्यथा बीते वर्षों में बाद वाले अंक में निदान का प्रकाशन होता था। *विकल्प* **पुस्तक समीक्षाएँ** भी प्रस्तुत करता है।

विकल्प, ऐसा जर्नल है जिसकी समीक्षा समान योग्यता वाले व्यक्तियों द्वारा की जाती है। प्रकाशन के लिए प्राप्त सामग्री की दोहरी अप्रत्यक्ष समीक्षा की जाती है और स्वीकृत सामग्री को उचित ढंग से संपादित किया जाता है। इस वर्ष के दौरान, लगभग 60 समीक्षक इसके समीक्षा कार्य में शामिल थे।

2012-13 के दौरान, विकल्प को 342 पेपर प्राप्त हुए, जिनमें से 289 को प्रारंभिक चरण में अस्वीकार कर दिया गया, तथा बाकी के समीक्षा प्रक्रिया में हैं।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

वर्ष 2012-13 में, संस्थान ने 53 प्रबंध विकास कार्यक्रम (एमडीपी) पेश किए। इनमें सरकारी विभागों सहित, निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों से 1,614 अधिकारियों ने भाग लिया। प्रबंध विकास कार्यक्रम गतिविधि 11,982 प्रतिभागी - दिवसों के लिए चलायी गई।

इन 53 कार्यक्रमों में से, चार कार्यक्रम नियमित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम थे। बाकी के 49 कार्यक्रमों में से, 3 नए कार्यक्रम थे, और 46 कार्यक्रमों की पुनरावृत्ति हुई थी। इन 3 नए कार्यक्रमों में से, एक वैश्विक कार्यक्रम था और हर एक की पेशकश वित्त एवं लेखा, सार्वजनिक प्रणाली तथा स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केन्द्र द्वारा की गई थी।

इनके विवरण **परिशिष्ट 'ञ'** में दिए गए हैं।

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह

1. इलेक्ट्रॉनिक अभिशासन केन्द्र (सीईजी)

सीईजी ने अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रक्रिया संघ कार्यकारी समूह 9.4 के साथ भागीदारी में न्यूज़लेटर इन्फ़ोरमेशन टैकनोलोजी इन डेवलप्ड कन्ट्रीज़ के तीन अंक प्रकाशित किए हैं। इन तीनों अंकों में आईटी व्यवसायियों, शिक्षाविदों, विकास व्यवसायियों, एवं भारत के अलावा, रूस, घाना, दक्षिण अफ़्रिका, नाइजिरिया, श्रीलंका, नेपाल, एवं अमेरिका जैसे देशों में आईसीटी नीति से संबंधित 20 लेख सम्मिलित थे। इस न्यूज़लेटर की वेबसाइट को 15 देशों के लगभग 2500 दर्शकों द्वारा देखा गया।

सीईजी संकाय ने निम्न विषयों पर पेपर लिखे :ई-अभिशासन, सेवा वितरण में आईसीटी की सशक्तीकरण-भूमिका के माध्यम से विकास और मोबाइल के लिए व्यवसाय मॉडल नवाचार तथा ऊभरती अर्थव्यवस्थाओं में कम आय वर्ग के लिए आईसीटी आधारित सेवाएँ। उन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुतियाँ भी रखीं।

नीति समर्थन एवं प्रशिक्षण

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीआईटी), भारत सरकार ने भारत में ई-शासन के कार्यान्वयन के लिए क्षमता निर्माण रोडमैप तैयार करने के लिए अक्टूबर 2012 में एक कार्यकारी समूह का गठन किया था। इस कार्यकारी समूह ने अपनी रिपोर्ट मार्च 2013 में प्रस्तुत की।

दिसम्बर 2012 में राष्ट्रीय ई-शासन अकादमी की स्थापना के बारे में डीआईटी ने एक कार्यकारी समिति का गठन किया। इस अकादमी के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए सीईजी से एक प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।

ई-शासन विषय पर विभिन्न संस्थानों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं में सीईजी संकायों द्वारा लगभग एक दर्जन प्रस्तुतियाँ की गई। इन कार्यशालाओं में से दो का आयोजन दिल्ली और केरल के कैबिनेट मंत्रियों तथा विधायकों के लिए किया गया था।

2. लिंग समानता, विविधता, और समावेशिता केन्द्र (जेडी सेन्टर)

लिंग की मुख्यधारा

वर्ष 2012-13 में इस केंद्र द्वारा नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों, नेताओं, प्रबंधकों, उद्यमियों, और अन्य भागीदार घटक दलों के साथ संवादों की एक श्रृंखला के माध्यम से लिंग को मुख्यधारा में लाने पर ध्यानकेन्द्रित करना था। इस केन्द्र का प्राथमिक कार्य जेडी वार्ता के माध्यम से लिंग संवेदनशील प्रक्रियाओं को सृजित करने, समर्थन देने, और उसे टिकाये रखने के लिए बेहतर समझ रखना है और लिंग भेद के प्रबंधन में असाम्यता से निपटना है। इसे नीति अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए जेडी वार्ता संध्या और शिक्षा के माध्यम से क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, और बाहरी पहुँच के माध्यम से क्षमता निर्माण के उद्देश्य से

रचा गया, जिसमें नीति निर्माताओं, अभ्यस्तों, विद्वानों, और पूर्वछात्रों को लिंग पहल पर सलाहकार समर्थन के साथ उपलब्ध किया जाता है, और लिंग समानता विविधता, एवं समावेशिता में ज्ञान सृजन एवं कार्रवाई अनुसंधान के लिए गतिविधियों के उपक्रम उपलब्ध कराये जाते हैं।

जेडी सेन्टर का विषयगत केन्द्र-बिंदु 2012-13

जेडी वार्ता संध्या का आयोजन लिंग भेद प्रबंधन में असामंजस्य की राजनीति पर आसपास के विभिन्न विषयों पर किया गया। आदर्श रूप से, "लिंग" शब्द पुरुष और स्त्री दोनों के दृष्टिकोण की एक समझ को दर्शाता है। यह केन्द्र "महिलाओं के अध्ययन" की धारा से अलग, जीवन के विभिन्न चरणों में उत्पन्न लिंग अन्याय और कार्य जीवन में वयस्क भूमिकाओं की संकीर्णता को त्वरित रूप से तय नहीं किये जाने पर ध्यान केन्द्रित करता है। इसी कारण से, इस केन्द्र ने जीवन-चक्र के परिप्रेक्ष्य में, गर्भ से लेकर बुढ़ापे तक लिंग भेद की राजनीतिक असामंजस्यता से निपटने के लिए प्रसव पूर्व देखभाल, शिशु देखभाल, बच्चे का पालन, शिक्षा, कार्यालय-जीवन में युगल की भूमिकाओं और प्रणालियों में संतुलन, आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा प्रबंधन तथा पेशेवर महिलाओं के जीवन में पुराने प्रतिनिधित्व को अपनाया है। इनमें से कुछ पहचानी गई प्राथमिकताओं में चुनी गई महिलाओं के प्रतिनिधित्व के तहत पेशेवर महिलाओं के उत्तरदायित्व की चयनित भूमिकाओं और कार्यस्थल पर तथा उच्च शिक्षा प्रणाली में लिंग विविधता, समानता, एवं समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण और बच्चे के पालन में लिंगगत व्यवहार और शैक्षिक पाठ्यक्रम के डिजाइन में प्रणालीगत कमी तथा महिला उद्यमियों और प्रबंधकों के लिए विशेष चुनौतियों का सामना करना है।

अनुसंधान एवं प्रकाशन

अनुसंधान कार्यसूची में परामर्शीय संवादों की एक श्रृंखला पर आधारित कार्य रखे गए और इस केन्द्र के साथ जुड़े हुए संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान एवं प्रकाशनों के परिणामों की टिप्पणी भी ली गई जिसमें कुछ चौंकानेवाले खुलासे हुए :

- इस वर्ष के दौरान महिला कर्मियों के साथ व्यापक यौन उत्पीड़न से लेकर विभिन्न रूपों में महिलाओं के खिलाफ हिंसा, इसके उपरांत व्यापक रूप से समुदाय-वर्गों में घरेलू हिंसा और दुष्कर्म का खतरा भी शीर्षस्थ मुद्दे बने रहे, यहाँ तक कि दिसम्बर 2012 की घटना पहले से ही राष्ट्रीय आक्रोश के रूप में फूट पड़ी थी। तदनुसार, जेडी वार्ता संध्या में एक दीर्घकालीन नीति अनुसंधान एजेंडा की पहचान करने के लिए दुष्कर्म, बदले की भावना, और महिलाओं के खिलाफ हिंसा विषयों को विचार विमर्श के लिए चुना।
- कार्यस्थलों पर महिला एवं पुरूष समान ही हैं परन्तु अलग अलग प्रदर्शन सूची है जिससे उचित व्यक्तिगत शैली विकसित हो और हम ऐसे संगठनात्मक डिजाइन में निर्देशों के बारे में काफी कम जानते हैं जो कि संभवतः व्यावसायिक भूमिकाओं में महिलाओं की प्रतिभागिता को बढ़ावा देते हैं।
- यदि उन्हें केवल मर्दाना मानदंडों के सीमित दायरे में अपनी क्षमताओं के विकास को सीमित रखने के लिए विवश कर दिया गया तो महिला कर्मियों का कैरियर विशेष रूप से कमजोर कर रहे हैं। अभी तक, विभिन्न जेडी वार्ता संध्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं और वकीलों की तरफ से मुख्य शिकायतों पर आवाज़ उठाई गई, वे विधि द्वारा अधिसूचित किए जाने के बावजूद भी सार्वजनिक प्रणालियों में लिंगगत न्याय नीतियों के कार्यान्वयन की कमी और संगठनों में विविधता के समर्थन के लिए अपर्याप्त हैं।
- संगठनात्मक भूमिकाओं में महिलाओं की प्रतिभागिता बढ़ने के कारण प्रबंधकीय शैलियों में काफी विविधता के साथ सहयोगात्मक संतुलन के लिए व्यवसायियों के तौर पर पुरूष भी हैरानी एवं काफी चिंतात्मक सीमाओं का आश्चर्यजनक अनुभव करते हैं।
- कतिपय जीवन कौशलों को व्याख्यानों के पाठन या श्रवण से अथवा केसों के विमर्श करने से नहीं सीखा जाता है और जब तक माता-पिता एवं शिक्षकों को शामिल करते हुए बच्चों के पालन एवं प्राथमिक शिक्षा की प्रथा में बदलाव नहीं लाया जाएगा तब तक पुरूषों व महिलाओं में वयस्क जीवन में कमी रहेगी।

- प्रोफ़ेसर आशा कौल और मंजरी सिंह ने कुछ भारतीय संगठनों में अपनाई गई अच्छी लैंगिक न्याय प्रथाओं के योगदानों का दस्तावेजीकरण करते हुए एक पुस्तक लिंग समावेशिता के नए मानदंड : सिद्धांत और सर्वोत्तम प्रथाएँ को सम्पादित किया।

सेवा पर केस अध्ययन के साथ प्रगति

अनुसंधान एवं प्रकाशन समिति के समर्थन से एक केस अध्ययन में सेवा (एसईडब्ल्यूए) की मूल विशेषताओं, संकर संगठनात्मक सुविधाओं, और प्रतिकारी शक्ति गतिशीलता को समझते हुए आनंद, मुर्शीदाबाद, तथा राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के दौरे किए गए ताकि गरीब महिलाओं द्वारा जिन चुनौतियों का सामना किया जाता है उसको तुरंत ही दस्तावेज किया जा सके।

जेडी वार्ता संध्या (2012-13) की मुख्य विशेषताएँ

वर्ष के दौरान पाँच वार्ता संध्याओं का आयोजन किया गया। 10 अक्टूबर, 2012 को जेडी वार्ता में पुरस्कार विजेता स्पेनिश मनोवैज्ञानिक रोमांचक फ़िल्म "द स्किन आई लिव इन" (अँग्रेज़ी उपशीर्षक के साथ) प्रदर्शित करते हुए और बाद में इस वार्ता संध्या के हमारे अतिथि एंकर डॉ. अपूर्व शाह के द्वारा इस फिल्म का विश्लेषण किया गया और एक अंतर्क्रियात्मक चर्चा हुई। इस फ़िल्म के विषय में यौन उत्पीड़न, चिंता, अकेलापन, विश्वासघात, लैंगिक पहचान और मृत्यु शामिल हैं।

21 नवम्बर, 2012 को "*लैंगिक समानता पर संवाद : 21वीं सदी के लिए अधूरा एजेंडा*" विषय पर एक विशेष जेडी वार्ता संध्या का आयोजन किया गया ताकि यह समझा जाए कि गैरसरकारी संगठन-एनजीओ गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए क्या करते हैं और इस केन्द्र की दीर्घ अवधि अनुसंधान एजेंडा के नीति अनुसंधान प्रश्नों की सूची बनाने के लिए सभी एनजीओ के अनुभव और श्रेष्ठ प्रथाओं को प्रदर्शित किया जा सके।

17 दिसम्बर, 2012 को हुई *जेडी* वार्ता संध्या में, पुरूषों एवं महिलाओं की तरफ से प्रभाव जुटाने के लिए संघर्ष से प्रेरित विषय –"*महिलाओं का प्रभाव*" *था।* विरोध आंदोलनों की लघु फ़िल्म क्लिप एक खुली चर्चा के बाद प्रदर्शित की गई।

7 फरवरी, 2013 को आयोजित *जेडी* वार्ता संध्या में सामान्यतः भारतीय समाज में लिंग समानता, विविधता और समावेशिता की राजनीति के संदर्भ में जस्टिस वर्मा समिति रिपोर्ट एवं विशाखा फैसले की सिफारिशों के बारे में जीवंत चर्चा हुई और यदि ये सिफारिशें कार्यान्वित की जानी हो तो विशेषतः कार्यस्थलों पर सकुशलता, सुरक्षा और सद्भाव के प्रभाव पर चर्चा हुई।

7 फरवरी, 2013 को एक विशेष *जेडी* वार्ता संध्या में जिन सघन मुद्दों को उठाया गया, उन पर 8 मार्च, 2013 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जस्टिस जे.एस. वर्मा के साथ चर्चा हुई। "*द जैंडर इक्वेशन*"(लैंगिक समीकरण) शीर्षक पर अपनी वार्ता में जस्टिस जे.एस. वर्मा ने कहा कि कैसे पुरुष प्रधान समाज मे लैंगिक न्याय के विरूद्ध मुकाबला करना है क्योंकि वे गलत तरीके से महिलाओं पर नम्रता के मानदंडों को थोपते हैं। उन्होंने भारतीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ऐतिहासिक फैसलों की व्यूह-रचना के माध्यम से लैंगिक समानता, विविधता और समावेशिता के संघर्ष का पता लगाया। उन्होंने दृढ़ता से इशारा करते हुए समाधान के रूप में अलगाव का विरोध जताया और कहा कि अलगाव भेदभाव का ही एक रूप है जिससे पुरूष प्रधानता को प्रोत्साहन मिलता है।

लैंगिक अध्ययन

वर्ष के दौरान, इस केन्द्र और विक्रम साराभाई पुस्तकालय ने लैंगिक अध्ययनों के विषयों के बारे में विक्रम साराभाई पुस्तकालय में सभी सबंधित संसाधनों को एकसाथ लाते हुए ऐसे अध्ययनों के बारे में संदर्भ पुस्तक सामग्रियों के लिए एक नया वर्गीकरण बनाने हेतु सहयोगात्मक कार्य किया। इसके अलावा, इस केन्द्र द्वारा दीर्घ अवधि अनुसंधान एजेंडा का गठन करके थीम के अनुसार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित प्रमुख लेखों को भी निकालकर सूचीबद्ध किया।

3. अवसंरचना नीति एवं विनियमन केंद्र (सीआईपीआर)

अवसंरचना नीति एवं विनियमन केंद्र (सीआईपीआर), परामर्शी सेवाओं, शिक्षा, प्रकाशन, अनुसंधान तथा अवसंरचना, नीति व विनियमन के क्षेत्रों में प्रशिक्षण को बढ़ावा देता है। सीआईपीआर, संस्थान में उपलब्ध बुनियादी ढाँचे व विनियमन के क्षेत्रों में नीति अनुसंधान में महत्वपूर्ण अनुभव को शक्ति प्रदान करने का प्रयास करता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

पावर एक्सचेन्ज इंडिया लिमिटेड के लिए पावर मार्केट लीडरशिप कोर्स – 24 से 26 सितम्बर, 2012।

भारत सरकार के नियामकों के फोरम (एफ़ओआर), के लिए इलैक्ट्रिसिटी विनियामकों का अभिविन्यास कार्यक्रम। यह कार्यक्रम दो चरणों में चलाया गया : पहला चरण संस्थान में 11 से 13 अक्टूबर, 2012, और दूसरा चरण सान फ़्रान्सिस्को में लॉरेन्स बर्कली नेशनल लैबोरेटरी में 18 से 22 मार्च, 2013।

पावर एक्सचेन्ज इंडिया लिमिटेड के लिए विद्युत उत्पादन अनुकूलन पर नेतृत्व कार्यक्रम –18 से 20 मार्च, 2013।

प्रबंध विकास कार्यक्रम (सार्वजनिक प्रणाली समूह के माध्यम से प्रस्तुत अथवा सीआईपीआर संकाय द्वारा समन्वित)

- अवसंरचना में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी), 15 से 20 अक्टूबर, 2012
- अवसंरचना में कानूनी व विनियामक मुद्दे, 5 से 9 नवम्बर, 2012
- व्यवसाय नेतृत्व और कानून, 17 से 19 दिसम्बर, 2012
- कॉरपोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की छानबीन, 13 से 15 फरवरी, 2013
- ब्रिक्स के बारे में ब्रिक्स : एक ब्रिक अनुभव, 4 से 8 मार्च, 2013

4. नवाचार, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई)

नवाचार, ऊष्मायन और उद्यमिता केन्द्र (सीआईआईई) नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए 2001 में स्थापित किया गया। गुजरात सरकार तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से 2007 में भौतिक अवसंरचना एवं प्रौद्योगिकी व्यापार ऊष्मायन की स्थापना हुई थी।

अनुसंधान में रुचि के प्राथमिक क्षेत्रों के रूप में तीन क्षेत्र उभरे हैं :

- ऊष्मायन एवं निवेश
- उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र विकास
- अनुसंधान एवं प्रशिक्षण

पावर ऑफ़ आइडियाज़ 2012

पावर ऑफ़ आइडियाज़ 2012 कार्यक्रम जिसका शुभारंभ इस वर्ष जून में किया गया था, उसका समापन एक 10 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला में प्रतिभागी बनी 75 टीमों के साथ सितम्बर में हुआ। अपने स्टार्टअप्स के विकास के लिए अपनी क्षमताओं के निर्माण में कम्पनियों को सहायता करने के लिए इस कार्यशाला में वरिष्ठ एवं विशेषज्ञ अग्रणियों ने भाग लिया। पचास कम्पनियाँ 2 लाख रुपए के पुरस्कार के लिए चुनी गई और 20 कम्पनियों को 20 लाख रुपए के मूलधन वित्तपोषण के लिए चुना गया।

30 नवम्बर और 1 दिसम्बर, 2012 को अंतिम 75 कम्पनियों के लिए सीआईआईई ने एक निवेशक प्रदर्शन का आयोजन किया। इसमें देश के अग्रणी उद्यमी पूंजीपतियों और दाताओं के नेटवर्क ने भाग लिया।

उद्यम गतिवर्धक इन्फ़्यूज़ (आईवीए)

- प्रारंभिक चरण के शुद्ध तकनीकी उद्यमों के उद्देश्य से भारत के पहले गतिवर्धक कार्यक्रम उद्यम गतिवर्धक इन्फ़्यूज़ का शुभारंभ सीआईआईई ने किया। 2 अगस्त, 2012 को कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ और 130 से अधिक आवेदकों में से विस्तृत मूल्यांकन के लिए 21 स्टार्टअप्स को चुना गया। बारह को 30 अक्टूबर से 11 नवम्बर, 2012 के दौरान संस्थान में तीन-दिवसीय आईवीए बूट शिविर के लिए आमंत्रित किया गया। भारत में शुद्ध तकनीकी क्षेत्र के कौन क्या है ऐसे ब्यौरे सहित 20 से अधिक संरक्षकों ने इन स्टार्टअप्स को भविष्य के विकास पथ रचने में सहायता करने के लिए उन्हें तीन दिनों तक मार्गदर्शन दिया। इस कार्यक्रम के तहत और अधिक समर्थन के लिए चार स्टार्टअप्स को चुना गया। ये स्टार्टअप्स गतिवर्धक चरण में प्रविष्ट हो गए जिसके दौरान आगामी 6 से 8 महीनों तक इन्फ़्यूज़ टीम करीबी से कार्यरत रहेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि वे अपने लक्ष्य को प्राप्त करते हैं तथा बड़े निवेश के लिए तैयार हो जाते हैं। सीआईआईई अन्य 8 स्टार्टअप्स के साथ भी निकट संपर्क में है जो बूट शिविर के लिए उनके साथ काम के लिए केस-दर-केस आधार पर चुने गए थे ।

क्षमता विकास और पारिस्थितिकी तंत्र निर्माण के लिए जीआईजेड कार्यशालाएँ

जर्मन अंतरराष्ट्रीय सहयोग सोसाइटी (जीआईजेड) के सहयोग में सीआईआईई के सामाजिक उद्यम कार्यक्रम, आरोहण ने भारत में सामाजिक उद्यमों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र विकास एवं क्षमता निर्माण पर जोर देते हुए कार्यशालाओं की एक श्रृंखला का शुभारंभ किया। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य सामाजिक उद्यमों एवं सामाजिक ऊष्मायन पहल के लिए समर्थन बुनियादी सुविधाओं में सुधार लाना है।

जीआईजेड-आरोहण पहल का लक्ष्य उद्यमों एवं ऊष्मायनकर्ताओं को शिक्षा देते हुए प्रभावी रूप से कैसे इन मुद्दों से निपटा जा सकता है उस पर रखा गया।

आई-गतिवर्धक – 2012

आई-गतिवर्धक, आई टी और मोबाइल क्षेत्र में अभिनव प्रौद्योगिकियों को पहचान दिलाने, प्रोत्साहित करने तथा प्रेरणा के लिए सीआईआईई द्वारा किया गया एक प्रयास है। इस वर्ष, आठ टीमों ने व्यवसाय मॉडल को परिष्कृत करते हुए; न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद की व्याख्या करते हुए (एमवीपी); उपयोगकर्ता के अनुभव/बातचीत को गठित करते हुए; और उपयोगकर्ता अधिग्रहण के लिए समर्थन और मार्गदर्शन प्राप्त किए। इस कार्यक्रम के आखिरी महीने में आई-गतिवर्धक में प्रारंभिक चरण के दाता एवं वी. सी. निवेशकर्ताओं को लाने पर जोर दिया गया। इस प्रणाली से निवेशकों के दृष्टिकोण को समझने में स्टार्टअप्स को मदद मिली और उनको नेटवर्क बनाने में मदद मिली। आई-गतिवर्धक 2012 के लिए डेमो डे (प्रदर्शन दिवस) समारोह 25 जनवरी, 2013 को मनाया गया। सिकोइया, नेक्सस, ओमदियार, मोतीलाल ओसवाल पी.ई., यूर्नेस्ट, तथा आई.ए.एन. ऐसे कुछ निवेशक हैं जिन्होंने इसमें भाग लिया।

पारिस्थितिकी तंत्र विकास

सीआईआईई का लक्ष्य शुरूआती नवीन आविष्कारकों तथा उद्यमियों को विभिन्न प्रकार के समर्थन के माध्यम से इच्छुक उद्यमियों एवं नवीन आविष्कारों के लिए एक अनुकूल माहौल प्रदान करना है। इस केन्द्र ने देशभर में कई प्रमुख उद्यमिताओं को बढ़ावा देने के प्रयासों के साथ भागीदारी के लिए आगे कदम बढ़ाये हैं। उसकी विश्वसनीयता एवं नेटवर्कों को देखते हुए, सीआईआईई उद्यमशीलता की पहल को बढ़ावा देने की पहल के लिए पसंदीदा साथी है।

मार्गदर्शक नेटवर्क

उद्यमशीलता की भावना को उत्प्रेरित करने के लिए, संस्थान के पूर्वछात्रों एवं सीआईआईई ने एक सक्रिय सलाहकार नेटवर्क के माध्यम से देशभर में सीआईआईई की पहुँच के लिए भागीदारी की है। यह नेटवर्क इच्छुक उद्यमियों की मदद करने हेतु पूर्वछात्रों की विशेषज्ञता एवं सीआईआईई के ऊष्मायन अनुभव का लाभ उठायेगा।

नवोदित उद्यमियों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराने हेतु कई मार्गदर्शन क्लिनिकों के दौर आयोजित किए गए। ये मार्गदर्शक स्टार्टअप्स के लिए सीआईआईई द्वारा आयोजित प्रशिक्षण / कार्यशालाओं में सक्रिय रूप से उपस्थित रहते हैं।

आईआईएमए मेवरिक बैठक

सभी बैचों से सफल एवं नवोदित पूर्वछात्रों, उद्यमियों, एवं परिवर्तनकर्ताओं को आईआईएमए मेवरिक बैठक 2013 में एक साथ मंच पर लाया गया और उनकी उद्यमशीलता एवं सृजनात्मक स्वप्नों का अनुसरण करने के लिए युवा अभ्यर्थियों को प्रेरित किया गया। सन् 2008 में उद्यमशीलता के समर्थन में पूर्वछात्रों एवं उनके वर्तमान संगठनों की पहचान बनाने, जश्न मनाने और संलग्न करने की एक पहल के हिस्से के रूप में सीआईआईई द्वारा आयोजित आईआईएमए उद्यमी बैठक की सफलता पर यह बैठक आयोजित की गई।

इस समारोह में बाहर से लगभग 150 प्रतिभागी उपस्थित रहे, इनमें अधिकतर पूर्वछात्र थे, कुछ उद्यमी थे, अन्य ऐसे छात्र थे जो उद्यमशीलता के बारे में कुछ अधिक जानना चाहते थे और जिन उद्यमियों ने नए मार्गों को चुनकर उद्यम अपनाया, उनके अनुभवों से कुछ सीखना चाहते थे।

युवा मेवरिक्स फैलोशिप कार्यक्रम

युवा मेवरिक्स फैलोशिप कार्यक्रम अपनी तरह के ऐसे कार्यक्रमों में से एक है जो उद्यमशीलता अथवा अन्य अपारम्परिक कैरियर को तुरंत प्रारंभ करने की इच्छा रखने वाले स्नातक हो रहे छात्रों को आधार प्रदान करता है। इस पुरस्कार में दो वर्ष तक प्रति महीने 30,000 रुपए की फैलोशिप दी जाएगी। यह फैलोशिप पूर्वछात्रों द्वारा समर्थित है और इससे पुरस्कार विजेताओं को अपने संघर्ष के समय के दौरान खुद को बनाए रखने में सहायता मिलेगी।

अनुसंधान एवं प्रशिक्षण

सीआईआईई नई प्रवृत्तियों, नवाचार एवं उद्यमशीलता के क्षेत्र में अनुसंधान एवं प्रशिक्षण को अंजाम देता है। संस्थान के छात्रों एवं इच्छुक उद्यमियों, दोनों को उपक्रम निवेश, उद्यमशीलता, और प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में आवश्यक कौशलों का विकास करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान जाता है।

सीआईआईई प्रासंगिक विषयों में विभिन्न संगोष्ठियों और प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करने के अलावा, नए पाठ्यक्रम एवं केसों के गठन में भी शामिल रहा है। इस वर्ष के दौरान, 75 छात्रों सहित 25 टीमों ने निधि प्रबंधन कार्यक्रम पाठ्यक्रम (एफ़एमपीसी) में भाग लिया और स्टार्टअप्स से सौदों के मूल्यांकन एवं परिश्रम करने के कारणों पर बातचीत की।

सीआईआईई के संकाय ने राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान के सहयोग से नए प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग, डिजाइन, तथा व्यवसाय मॉडल शीर्षक के रूप में एक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किया। इस पाठ्यक्रम में डिजाइन और प्रबंधन के छात्रों की टीम द्वारा नई प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग की पहचान करना, इन अनुप्रयोगों में से किसी एक के लिए डिजाइन तैयार करना और इनको बाजार में ले जाने के लिए मॉडल की खोज करना शामिल हैं। चौवन छात्रों ने (दोनों संस्थानों से 27 - 27 छात्र) यह पाठ्यक्रम लिया।

इस वर्ष के दौरान ब्रिटेन और भारत में ऊष्मायन के मॉडल पर एक ब्रिटिश परिषद् समर्थित परियोजना शुरू की गई। संस्थानगत ऊष्मायन मॉडलों पर साहित्य की समीक्षा के अलावा, इस परियोजना के तहत शैक्षणिक संस्थानों में इनक्यूबेटरों के छह केसों (प्रत्येक देश में तीन) पर अध्ययन शुरू होगा।

सीआईआईई निवेश गतिविधियाँ

सीआईआईई ने ऊष्मायन एवं निवेश गतिविधियों के माध्यम से उद्यमिता को समर्थन देने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रारंभिक चरण में जोखिम पूँजीवादी निवेशकर्ताओं को दूरदर्शिता वाले निवेशकर्ता और

क्रांतिकारी स्टार्टअप्स को एकसाथ लाने की दिशा में आगे बढ़ाए कदम के रूप में देखा गया तथा उनसे जुड़ने के लिए प्रयास किए गए। इसमें मिलान निधियाँ, तथा ऊष्मायन एवं प्रबंधकीय समर्थन उपलब्ध कराने के द्वारा लेन-देन के बारे में सहयोग करते हुए परिश्रम के कारण, स्टार्टअप मूल्यांकन सेवाएँ उपलब्ध कराना शामिल हैं। यह एक उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र का सृजन करने के अंतिम लक्ष्य के क्रम में है जो कि नवीन सोच और उद्यमशीलता को बनाए रखने तथा समृद्ध करने में सक्षम है।

ऑनलाइन निवेश प्रदर्शन

संभावित निवेशकर्ताओं एवं उद्यमी टीम को जोड़ने के लिए एक ऑनलाइन वेब सम्मेलन प्लेटफॉर्म के ऊपर आठ निवेश प्रदर्शनों को अंजाम दिया गया। ये प्रदर्शन एक सप्ताह के बाद पूरे किए गए जिसमें टीम ने निवेशक-समूह के समक्ष एक घंटे की प्रस्तुति रखी थी, और उसके बाद एक प्रश्नोत्तरी राउंड हुआ।

निवेशक प्रदर्शन दिवस

आई-गतिवर्धक के अंत में प्रदर्शन दिवस का आयोजन किया गया। विचारों की शक्ति एक समारोह था और इसमें देशभर से आए निवेशकों के साथ प्रतिभागियों के बारे में अधिक जानने के लिए और उत्पाद को पहली नजर में देखने की घटना के बारे में बताना था।

निवेश के अवसर और संबंध निर्माण

सेक्टर-केन्द्रित निवेश की पहलों से अलग, सीआईआईई ने व्यक्तियों (संगठित एवं असंगठित) और संस्थानगत निवेशकों के साथ सक्रिय सौदों के बारे में उन्हें सूचित करते हुए समय समय पर बातचीत जारी रखी है। इससे समरसता एवं सहयोग की संभावनाओं को खोजते हुए, सह-निवेश के अवसरों से सौदों के लिए सिंडिकेट्स बनाने में भी सहायता मिली है।

एक सक्रिय एवं साथ-साथ आवश्यकता के आधार पर अंजाम दी गई निवेश संबंधित गतिविधियों के माध्यम से लगभग 2 मिलियन डॉलर के अनुवर्ती धन जुटाव के लिए लगभग 15 सीआईआईई वित्तपोषित कम्पनियाँ आगे बढ़ी। सीआईआईई देश में अग्रणी दाता निवेशकों को समाहित करते एक नेटवर्क को रचने में समर्थ बन चुका है, जबकि देश में दाता नेटवर्कों एवं उपक्रम पूँजीपतियों के रूप में संगठित निवेशको के लिए सक्रिय बातचीत करने के लिए पाइपलाइन भी कर चुका है। ये निवेशकर्ता प्रारंभिक चरण की कम्पनियों के लिए निधि जुटाएंगे और परामर्शन से सहायता करेंगे, जिससे वे आगे अपने प्रारंभिक उत्पाद बना सकेंगे और एक शुरूआती टीम इकट्ठा कर पायेंगे।

5. कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए)

संस्थान में कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) एक अंतर्विषयक समूह है, जो खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण एवं संबंधित क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त नीति एवं समस्या समाधान के अनुसंधान में संलग्न है। शिक्षण, प्रशिक्षण एवं परामर्शी गतिविधियों के इन क्षेत्रों में भी सीएमए शामिल है।

अनुसंधान

सात अनुसंधान परियोजनाएँ प्रगति में हैं :

- कृषि व्यवसाय एवं संबद्ध गतिविधियों में आजीविका संवर्धन के लिए क्रेडिट बनाम क्रेडिट-प्लस अभिगमः एक समेकित अध्ययन रिपोर्ट
- भूमि स्वास्थ्य, पौधों का स्वास्थ्य, और मानव स्वास्थ्य
- भारत में प्रमुख खाद्यान्नों के विपणन और विक्रेय अधिशेष का आकलन
- भारत में तिलहन और पाम उत्पादन की समस्याएँ तथा संभावनाएँ
- संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकी का एक विश्लेषण : लघु सिंचाई प्रणाली का एक केस

- लघु वित्त के तहत स्वयं सहायता और संयुक्त देयता समूह संस्थानों की स्थिरता
- कृषि में जैव प्रौद्योगिकी : वादे, प्रदर्शन, चिंताएँ, और अर्थशास्त्र की जाँच

पाठ्यक्रम

कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) के संकायों ने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में 21 और फैलो प्रबंध कार्यक्रम (कृषि) में छह पाठ्यक्रम चलाए।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- कृषि निवेश विपणन
- अनुबंध खेती प्रबंधन
- खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- सामरिक प्रतिस्पर्धा एवं सहयोगात्मक लाभ के लिए बौद्धिक संपदा का दोहन करना
- सम्मेलन / कार्यशालाएँ
- निचले स्तर पर रचनात्मकता एवं नवीनता पर दूसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 7 से 8 दिसम्बर, 2012।
- एईआरसी परियोजनाओं में भाग लेने के लिए कार्यपद्धति कार्यशाला, 16 अप्रैल, 2012।

6.स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केन्द्र (सीएमएचएस)

परियोजनाएँ

- संक्रमण नियंत्रण हस्तक्षेप अध्ययन : विकासशील देशों में प्रसव देखभाल एवं स्वास्थ्य प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रवेश बिन्दु के रूप में संक्रमण नियंत्रण का प्रयोग (एबरडीन विश्वविद्यालय)
- गुजरात सरकार के चिरंजीवी कार्यक्रम का मृत्युदर प्रभाव मूल्यांकन और जननी सुरक्षा योजना, (मैकआर्थर फ़ाउंडेशन) के तहत आपातकालीन प्रसूति देखभाल के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी का अध्ययन।
- भारत में मातृ स्वास्थ्य में सुधार करने और दाई कार्य को मजबूत करने के लिए स्वीडिश एवं भारतीय संस्थानों के बीच भागीदारी, सीडा चरण – 3 (कारोलिंस्का संस्थान, स्वीडन और नर्सिंग अध्ययन अकादमी, हैदराबाद)।
- टीकाकरण कार्यक्रम के लिए मानव संसाधन आवश्यकता मूल्यांकन का एक अध्ययन (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)।
- अस्पताल प्रबंधन केस विकास (जॉह्नसन एंड जॉह्नसन भारत)।

7.खुदरा बिक्री केंद्र

खुदरा बिक्री केन्द्र का उद्देश्य अंतिम ग्राहक तक उत्पाद एवं सेवाओं के वितरण की क्षमता एवं गुणवत्ता में सुधार करने के लिए खुदरा प्रबंधन विषयक ज्ञान का सृजन और प्रसार करना है। नौ संकाय-सदस्यों की एक अंतःशास्त्रीय टीम को इस केन्द्र के उद्देश्यों से संबंधित अनुसंधान, प्रशिक्षण, व परामर्शी कार्यकलाप में लगाया गया है।

प्रबंधन विकास / संस्थान के आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2011-12 के दौरान, दो कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए :

- खुदरा प्रबंधन पर अल्पावधि कार्यक्रम, दुबई
- खुदरा प्रबंधन

8.कंप्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह (सी. एंड आई.एस.जी.)

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- प्रबंधकीय कम्प्यूटिंग
- व्यापार के लिए इंटरनेट प्रौद्योगिकी
- व्यापार के लिए सूचना प्रणाली

ऐच्छिक

- विकास के लिए डिजिटल समावेशन
- ईआरपी प्रणालियाँ : प्रौद्योगिकी योजना और कार्यान्वयन
- उद्यम डिजिटल अवसंरचना
- ई-शासन में परामर्श : दूरदृष्टि से कार्यान्वयन तक (पीजीपी-एबीएम के लिए खुला)
- निर्णय निर्धारण के लिए डाटा दृश्यावलोकन

एफ़डीपी

- प्रबंधन के लिए आई.टी.

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

- ईआरपी प्रणालियाँ : तकनीकी योजना एवं कार्यान्वयन

9.सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी)

इस वर्ष के दौरान, सार्वजनिक प्रणाली समूह ने अपने कार्यकलाप को पर्यावरण, परिवहन, अवसंरचना, शहरी प्रबंध, स्वास्थ्य प्रबंध और मूल्यांकन पर केन्द्रित किया।

पाठ्यक्रम

पीजीपी

- कार्बन वित्त
- पर्यावरण प्रबंध
- सुशासन एवं गरीबी में जी रहे लोग
- अस्पताल एवं स्वास्थ्य देखभाल प्रबंध
- अवसंरचना विकास एवं वित्त व्यवस्था
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- अवसंरचना सेवा प्रबंधन में कानूनी एवं विनियामक मुद्दे
- ऊर्जा व्यवसाय प्रबंधन
- विकास के लिए भागीदारी रंगमंच
- संगठनों में सत्ता एवं राजनीति
- सार्वजनिक वित्त
- सार्वजनिक नीति
- सामाजिक उद्यमिता : सामाजिक परिवर्तन का नवीनीकरण
- शहरी अर्थव्यवस्थाएँ और व्यवसायिक वातावरण
- अपशिष्ट व्यवसाय प्रबंधन

एफपीएम

- आर्थिक विकास एवं वृद्धि
- इलैक्ट्रिक पावर अर्थशास्त्र और नीति
- ऊर्जा एवं पर्यावरण नीति
- स्वास्थ्य नीति एवं योजना
- व्याख्यात्मक अनुसंधान तरीके
- सार्वजनिक वित्त
- सार्वजनिक प्रबंध
- सार्वजनिक नीति
- पर्यावरण प्रबंध के लिए सार्वजनिक नीति उपकरण
- परिवहन नीति पर संगोष्ठी

पीजीपीएक्स

- कार्बन वित्त
- पर्यावरण प्रबंध (पीजीपी ऐच्छिक पीजीपीएक्स के लिए खुला)
- अस्पताल प्रबंध (पीजीपी ऐच्छिक पीजीपीएक्स के लिए खुला)
- बुनियादी ढाँचे में कानूनी एवं विनियामक मुद्दे
- ऊर्जा व्यवसाय प्रबंधन (पीजीपी ऐच्छिक पीजीपीएक्स के लिए खुला)
- दूरसंचार उद्यम प्रबंधन
- सामाजिक उद्यमिता : सामाजिक परिवर्तन में नवीनीकरण
- परिवहन अवसंरचना

पीजीपी-एबीएम

- कृषि व्यवसाय में कार्बन वित्त
- ऊर्जा बाजार एवं कृषि व्यवसाय

एफडीपी

- जनतांत्रिक समाज में व्यवसाय
- जलवायु परिवर्तन प्रबंध पर पाठ्यक्रम डिजाइन
- पर्यावरण प्रबंध
- स्वास्थ्य और अस्पताल प्रबंध
- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके
- सामाजिक उद्यमिता : सामाजिक परिवर्तन का नवीनीकरण

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस वर्ष के दौरान इस समूह ने निम्नलिखित कार्यक्रम प्रस्तुत किए :

- चिकित्सकीय लैब प्रबंधन
- अस्पताल प्रबंध
- अवसंरचना में कानूनी एवं विनियामक मुद्दे*

*इसे व्यवसाय नीति विषय में संयुक्त रूप से प्रस्तुत किया गया

- अवसंरचना में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी)

10. रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवाचार केंद्र (आरजेएमसीईआई)

रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवाचार केन्द्र (आरजेएमसीईआई) को शिक्षा के क्षेत्र में समस्याओं का मुकाबला करने के लिए नवाचार एवं नवीन दृष्टिकोण पर कार्य करने का काम सौंपा गया है। उच्च शिक्षा और संस्था निर्माण पर एक ध्यान केन्द्रित पहल के साथ प्राथमिक शिक्षा, साक्षरता और माध्यमिक शिक्षा को शामिल करने तक इसका दायरा धीरे-धीरे विस्तृत हुआ है। समीक्षा के तहत इस वर्ष के दौरान, आरजेएमसीईआई ने प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों पर अपने अनुसंधान बढाए हैं। "शौक्षणिक नवाचार बैंक : सार्वजनिक विद्यालयों में विकेन्द्रीकृत व्यावसायिक विकास और गुणवत्ता संवर्धन" परियोजना को नवम्बर-2012 में हेवलेट पैकार्ड स्थिरता व सामाजिक नवाचार पुरस्कार (भारतीय इंटीग्रल शिक्षा परिषद्, भारतीय शिक्षा नवाचार कोष द्वारा समर्थित) दिया गया। राज्य एवं पंचायत स्कूलों में कार्यरत प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों के शैक्षणिक नवाचारों के लिए एक क्लीयरिंग हाउस निर्मित करने के लिए चल रहे काम के मापन में इस पुरस्कार का उपयोग किया जा रहा है। इस परियोजना का लक्ष्य उन सरकारी शिक्षकों को मजबूत बनाने का है जो अपने तुरंत संदर्भों में शैक्षणिक समस्याओं के समाधान हेतु अपने बूते पर प्रयोग एवं नवाचार करते हैं।

"शिक्षण एवं सीखने के परियोजना आधारित तरीके : छात्रों की शिक्षा के संज्ञानात्मक-प्रेरक पहलुओं के प्रति एवं शिक्षकों की रोजगार संतुष्टी, आत्मसम्मान एवं रचनात्मकता के प्रति इसके संबंध" विषय पर तीन स्कूलों का एक अध्ययन पूर्ण हुआ। निलोबराय विद्यालय, रालेगाँव सिद्धि, और बैंगलुरू के परिक्रमा स्कूल जैसे नवाचार स्कूलों के अध्ययन को भी अंजाम दिया गया।

आरजेएमसीईआई ने माध्यमिक स्कूलों के प्रिंसिपलों के लिए तथा प्रबंधन शिक्षा संस्थानों के निदेशकों के लिए हफ्ते भर के कार्यक्रमों की पेशकश जारी रखी।

"शिक्षा में उद्यमशीलता" विषय पर पीजीपी के लिए एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम और एफडीपी व एफपीएम के लिए संचार संबंधित वैकल्पिक पाठ्यक्रम भी पेश किये गए।

अनुशासनिक क्षेत्र

संस्थान में आठ अनुशासनिक क्षेत्र हैं : व्यापार नीति, संचार, अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक व औद्योगिक संबंध तथा उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके।

1 .व्यापार नीति

पाठ्यक्रम

पीजीपी के प्रथम वर्ष में रणनीतिक प्रबंधन, व्यवसाय के वैधानिक पहलू, और व्यवसाय कराधान में इस क्षेत्र ने अनिवार्य पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए हैं।

ऐच्छिक पाठ्यक्रम

- व्यवसाय, सरकार और कानून
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- उद्यमिता एवं नए उपक्रम की योजना
- रणनीति परामर्शन की नींव
- नवाचार एवं बौद्धिक सम्पदा
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार
- नेतृत्व : दृष्टि, अर्थ और वास्तविकता
- उभरते बाजारों में रणनीति
- प्रौद्योगिकी और बौद्धिक सम्पदा
- उच्च-तकनीक उद्योगों के लिए प्रौद्योगिकी रणनीति

पीजीपी-एबीएम – 2

- अंतरराष्ट्रीय कृषि व्यवसाय

पीजीपीएक्स

- कैपस्टन अनुकार
- कॉर्पोरेट अभिशासन
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय
- नेतृत्व, मूल्य और नैतिकता
- नई और छोटी कंपनियों का प्रबंधन
- विलय और अधिग्रहण (संयुक्त रूप से वित्त एवं लेखा क्षेत्र में पेश किया गया)
- सामरिक प्रबंधन

एफपीएम

- डेटा प्रबंधन और विश्लेषण

एफडीपी

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
- विधिक पर्यावरण
- रणनीति निर्माण और कार्यान्वयन
- उभरते बाजारों में रणनीति

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस क्षेत्र ने निम्नलिखित प्रबंध विकास कार्यक्रम प्रस्तुत किए :

- अनुबंध प्रबंधन
- विकास के लिए रणनीतियाँ
- 21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्त्व
- नवाचार, कोर्पोरेट रणनीति, और प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन
- ज्ञान प्रबंधन
- व्यवसाय नेतृत्व और कानून
- प्राधिकरण, संगठन, रणनीतियाँ और संबद्धता की राजनीति पर कार्य सम्मेलन

उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों के बारे में केसों को विकसित करने का काम क्षेत्रीय संकायों ने जारी रखा। रूचि के अनुसंधानों में बौद्धिक संपदा अधिकार, वैश्विकीकरण, विश्व के बाजार और क्षमता विकास से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं।

2.संचार

पाठ्यक्रम

पीजीपी / पीजीपी-एबीएम

अनिवार्य

- मौखिक व्यापार संचार
- लिखित विश्लेषण और संचार – 1
- लिखित विश्लेषण और संचार – 2

ऐच्छिक

- चीनी व्यवसाय
- फ्रेन्च व्यवसाय
- जर्मन व्यवसाय
- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा संचार
- सांस्कृतिक पहचान और अंतर-सांस्कृतिक संचार
- मुश्किल संचार
- अंतर-सांस्कृतिक संचार क्षमता
- प्रबंधकीय संचार
- मीडिया और समाज : अर्थशास्त्र, राजनीति, नैतिकता, और जन संचार प्रौद्योगिकियाँ
- संगठनात्मक संचार
- प्रेरक संचार
- नेताओं के लिए सामरिक चर्चा कौशल

पीजीपीएक्स

- प्रबंधन संचार (मुख्य)

एफपीएम

- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार
- लिखित विश्लेषण और संचार 1

एफडीपी

- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- प्रभावी संचार रणनीतियाँ
- लोगों को साथ लेकर : प्रोत्साहन द्वारा प्रबंधन
- जीतने की कगार : नेतृत्वकर्ताओं के लिए संचार रणनीतियाँ

3.अर्थशास्त्र

पीजीपी

- आर्थिक वातावरण एवं नीति
- बृहत् अर्थशास्त्र एवं नीति
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- निर्णय निर्धारण के लिए अर्थमितीय पद्धति
- संगठन का अर्थशास्त्र
- रणनीति का अर्थशास्त्र (संयुक्त रूप से व्यवसाय नीति क्षेत्र के साथ प्रस्तुत)
- खेल सिद्धांत और अनुप्रयोग
- विकासशील देशों में श्रम बाजार
- मौद्रिक सिद्धांत और नीति
- सार्वजनिक वित्त (संयुक्त रूप से सार्वजनिक प्रणाली समूह के साथ प्रस्तुत)

पीजीपीएक्स

- कंपनियाँ एवं बाजार
- अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था एवं राजनीतिक माहौल
- खुली अर्थव्यवस्था में बृहत्-अर्थशास्त्र

एफपीएम

- उन्नत सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- अर्थमिति

एफडीपी

- अर्थशास्त्र मॉड्यूल

4.वित्त एवं लेखाकरण

पीजपी

पाठ्यक्रम

- कॉर्पोरेट वित्त
- लागत एवं नियंत्रण प्रणालियाँ
- वित्तीय लेखा, रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण
- वित्तीय बाजार

ऐच्छिक

- वैकल्पिक निवेश और बचाव निधि (नया)
- व्यावहारिक वित्त
- निर्धारित आय प्रतिभूतियाँ - सी
- निर्धारित आय प्रतिभूतियाँ - आर
- वायदा, विकल्प व जोखिम प्रबंधन
- वित्तीय संस्थाओं का प्रबंधन
- बीमा व्यवसाय का प्रबंधन

- विलय, अधिग्रहण, एवं कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- आधुनिक निवेश व पोर्टफोलियो प्रबंधन
- मूल्य निर्धारण व्युत्पन्न प्रतिभूति (नया)
- हस्तांतरण मूल्य निर्धारण के सिद्धांत
- प्रतिभूति विनियमन
- कॉर्पोरेट वित्त पर संगोष्ठी पाठ्यक्रम
- वित्त में प्रसंभाव्य कलन
- रणनीतिगत वित्तीय प्रबंधन
- व्यापार रणनीतियाँ
- कम्पनियों का मूल्यांकन (नया)
- उद्यम पूंजी एवं निजी इक्विटी

एफपीएम

- गणितीय वित्त (ऐच्छिक)
- लेखांकन शोध पर संगोष्ठी पाठ्यक्रम (ऐच्छिक)
- कॉर्पोरेट वित्त पर संगोष्ठी पाठ्यक्रम
- निजीकरण पर संगोष्ठी (ऐच्छिक)
- वित्त सिद्धान्त 1
- वित्त सिद्धान्त 2
- बृहत् अर्थशास्त्र एवं वित्त के लिए समय श्रेणी पद्धति (ऐच्छिक)

पीजीपीएक्स

- कॉर्पोरेट वित्त
- वित्तीय कार्य का प्रभावशाली प्रबंधन (ऐच्छिक)
- वित्तीय बाजार
- वित्तीय रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण
- वित्तीय विवरण विश्लेषण (ऐच्छिक)
- प्रबंधन नियंत्रण और संगठनात्मक प्रदर्शन के लिए मेट्रिक्स
- विलय और अधिग्रहण
- सामरिक लागत प्रबंधन

एफडीपी

- लेखा
- वित्तीय प्रबंधन

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- उन्नत कॉर्पोरेट वित्त
- मूल्य निर्धारण और प्रतिरक्षा व्युत्पन्न प्रतिभूतियाँ
- रणनीतिगत लागत प्रबंधन

इस क्षेत्र के संकाय अन्य क्षेत्रों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल हुए और विभिन्न संस्थानों में परामर्शन सेवाएँ पेश की।

अनुसंधान

इस वर्ष काफी संख्या में अनुसंधान परियोजनाएँ शुरू की गई।

5 .विपणन

वर्ष 2012-13 में विपणन क्षेत्र ने भी शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श गतिविधियों, और अकादमिक प्रशासन की दिशा में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। अग्रणी व्यवसायियों द्वारा अनुभव बाँट कर इस क्षेत्र के पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया गया। उद्योग से कई वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारियों ने क्षेत्र द्वारा पेश हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों में अपने अनुभव बाँटे। इस क्षेत्र के संकायों ने परामर्शन सहायता प्रदान की और अंबुजा सीमेंट, ल्यूपिन, जे.के. सीमेंट, ब्लू स्टार, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, टाटा, और एक्साइड को स्वनिर्धारित कार्यक्रमों की पेशकश की।

पाठ्यक्रम

इस क्षेत्र ने पीजीपी, एफ़पीएम और पीजीपीएक्स में अनिवार्य और ऐच्छिक पाठ्यक्रम पेश किए।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- विपणन निर्णयों के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण
- बी टू बी (व्यापार से व्यापार तक) विपणन
- उपभोक्ता आधारित व्यवसाय रणनीति
- उपभोक्ता संबंध प्रबंधन
- विक्रय बल के कार्य निष्पादन को बढ़ाना
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार
- खुदरा व्यापार का प्रबंधन
- लाभ के लिए मूल्य निर्धारण
- मात्रात्मक डेटा विश्लेषिकी और व्यवसाय / विपणन में उसके अनुप्रयोग
- संगठनात्मक प्रदर्शन का अवलोकन

अनुसंधान

अनुसंधान के ध्यान केन्द्रित विषयों में उपभोक्ता व्यवहार, ब्रांडिंग, विज्ञापन, बिक्री संवर्धन, खुदरा बिक्री, सूचना उत्पाद एवं सेवाएँ, पिरामिड तलक्षेत्र, सेवा केन्द्रित रणनीति जैसे शामिल थे।

परामर्शन

परामर्शन कार्यों में उपभोक्ता मूल्य, व्यवसाय विकास, नेतृत्व कौशल, ब्रांड प्रबंधन, सामरिक योजना निर्माण, सामरिक कार्यान्वयन योजना विकास, और अन्यों के बीच खुदरा रणनीति के लिए कार्यान्वयन योजना की समझ एवं स्थापना जैसे विषयों को शामिल किया गया।

6. संगठनात्मक व्यवहार

पाठ्यक्रम

पीजीपी / पीजीपी-एबीएम 1

- व्यक्तिगत गतिशीलता
- पारस्परिक एवं सामूहिक प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक गतिशीलता

पीजीपी2

- सहनिर्माणाधीन संगठनात्मक परिवर्तन
- उद्यमी व्यक्तित्व का विकास
- स्व-रचनात्मकता का विकास
- मानव संसाधन विकास स्कोर कार्ड 2500 से बौद्धिक पूंजी प्रबंधन
- संगठन में सत्ता एवं राजनीति
- प्रतिभा प्रबंधन

पीजीपीएक्स

- संगठन व्यवहार
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- प्रदर्शन करने की क्षमता : आत्म जागरूकता की यात्रा
- नेतृत्व कौशल पर कार्यशाला

एफपीएम 1

- बृहत् संगठन व्यवहार (ओबी)
- सूक्ष्म संगठन व्यवहार (ओबी)

एफपीएम 2

- उन्नत सूक्ष्म संगठन व्यवहार (ओबी)
- संगठन व्यवहार में उन्नत अनुसंधान के तरीके
- अनुप्रयुक्त व्यवहार विज्ञान 1
- अनुप्रयुक्त व्यवहार विज्ञान 2
- अनुसंधान का क्राफ़्टिंग और प्रकाशन
- राष्ट्रीय संस्कृति : कल्पित कथाएँ, अर्थ, और उपाय
- संगठनात्मक सिद्धांत और उसका सामाजिक संदर्भ

एफडीपी

- संगठनात्मक व्यवहार को समझना

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- मुख्य क्षमता के रूप में रचनात्मकता और नवाचार
- व्यावसायिक महिलाओं की नेतृत्व क्षमताओं और संभावनाओं को बढ़ावा देना
- पारस्परिक प्रभावशीलता एवं टीम निर्माण
- नेतृत्व एवं परिवर्तन प्रबंधन

7. कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध

पीजीपी 1

- क्षमता निर्माण प्रणालियाँ
- कार्मिक क्षमता

पीजीपी 2

- व्यापार स्थिति सुधार और संगठनात्मक परिवर्तन
- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन

ऐच्छिक

- क्षमताओं का विश्लेषण एवं निर्माण
- व्यापार स्थिति सुधार और संगठनात्मक परिवर्तन
- व्यापार स्थिति सुधार और संगठनात्मक परिवर्तन
- समझौता-वार्ता का प्रबंधन
- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन

एफडीपी

- मानव संसाधन प्रबंधन

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन
- मानव संसाधन प्रबंधन, दुबई
- वार्ता एवं कौशल क्लिनिक

अनुसंधान

- इस क्षेत्र के संकाय सदस्यों ने केस-लेखन, शिक्षण-सामग्री विकास और उनकी अभिरूचि के क्षेत्रों के अनुसंधान में अपना योगदान दिया।

8. उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके

पाठ्यक्रम

पीजीपी 1

- निर्णय निर्माण 1एवं 2
- संचालन प्रबंधन 1एवं 2
- संभावना एवं सांख्यिकी 1, 2 एवं 3

पीजीपी 2

- डाटा विश्लेषण के उन्नत तरीके
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- डेटा विश्लेषण में सांख्यिकीय पद्धतियाँ

पीजीपीएक्स

- डेटा विश्लेषण
- माँग-पूर्ति के लिए परिचालनों की डिजाइनिंग
- रसद प्रबंध
- निर्णय के लिए मॉडलिंग
- गुणवत्ता प्रबंधन
- सेवा स्तरों की स्थापना एवं वितरित करना
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- जोखिम की समझ और आकलन

एफपीएम

- प्रबंधन में उन्नत संभावना
- अनुप्रयुक्त बहुभिन्नरूपी विश्लेषण
- डेटा विश्लेषण
- संचालन अनुसंधान
- वास्तविक विश्लेषण

एफ़डीपी

- डाटा विश्लेषण के अनुप्रयोग
- निर्णय निर्माण
- संचालन प्रबंधन

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- प्रबंधन में उन्नत विश्लेषिकी
- उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन
- रसद समाधान वितरण
- खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- परियोजना प्रबंध
- मात्रात्मक डाटा विश्लेषिकी और व्यवसाय/विपणन में इसके अनुप्रयोग
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- जोखिम : मॉडलिंग और प्रबंधन
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

अनुसंधान

- प्रौद्योगिकी प्रबंधन, प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों, विनिर्माण, निर्णय समर्थन प्रणाली, रसद, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, राजस्व प्रबंधन, अनुकूलन, नेटवर्क अनुकूलन एवं बहु-अनुमानी, नेटवर्क विश्वसनीयता, वित्त में सांख्यिकीय मॉडलिंग, और सांख्यिकीय निष्कर्ष ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ क्षेत्रीय संकाय सदस्यों ने प्रकाशनों के माध्यम से अपना योगदान दिया है।

पूर्वछात्र गतिविधियाँ

इस वर्ष के दौरान, पूर्वछात्रों के डाटाबेस सुव्यवस्थित किए गए। विस्तृत सत्यापन के बाद, पूर्वछात्र डाटाबेस (वर्तमान पतों के साथ हैं उनके) की संख्या 16,670 सदस्यों तक पहुँची है। कुल मिलाकर, पूर्वछात्रों की संख्या 35,000 से थोड़ी-सी ज्यादा है। इस तरह, लगभग 50 प्रतिशत सदस्यों तक पहुँचने की पुष्टि हुई है।

एक नया अत्याधुनिक पूर्वछात्र पोर्टल (www.iimaalumni.org) दिसम्बर 2012 में शुरू किया गया था। इसमें कई नई सुविधाएँ जैसे, पूर्वछात्र निर्देशिका, समाचार एवं घोषणाएँ, चैप्टर पृष्ठ, विशेष रूप से प्रदर्शित पूर्वछात्र, सामाजिक नेटवर्किंग, मार्गदर्शन कार्यक्रम, चर्चा मंच, चैप्टर समाचार एवं घटनाएँ, रोजगार केन्द्र, इत्यादि हैं। इस पूर्वछात्र प्रबंध प्रणाली से हमें आगे भी संपर्क सुधार में मदद मिलेगी।

एमडीपी पूर्वछात्र दर्जे के लिए कारगर पात्रता

01 अप्रैल, 2012 से पहले, संस्थान से स्नातक हुए सभी छात्र 1967 में गठित एक गैर पंजीकृत संगठन आईआईएमए पूर्वछात्र संघ (आईआईएमएएए) के सदस्य बन गए। 01 अप्रैल, 2012 से, संस्थान ने एमडीपी पूर्वछात्र सदस्यता के लिए एक या एक से अधिक लघु अवधि के कार्यक्रमों में 21 दिनों की उपस्थिति के रूप में पात्रता मानदंडों की शुरूआत की है। इस तरह से, दीर्घावधि कार्यक्रम वाले प्रतिभागी स्वतः ही पूर्वछात्र बन जाते हैं, जबकि एमडीपी प्रतिभागियों को पूर्वछात्र दर्जा प्राप्त करने के लिए कम से कम 21 दिनों की उपस्थिति आवश्यक है।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद पूर्वछात्र संघ

इस संघ का संविधान अपने कार्यों - संस्थानों की बातों को आगे बढ़ाने से लेकर चैप्टरों को स्थापित करने एवं बनाए रखने तक के व्यवस्थापन के लिए एक कार्यकारी समिति (ईसी) प्रदान करता है। अभी कई वर्षों से कार्यकारी समिति निष्क्रिय है। आंतरिक विमर्शों एवं अनुमोदनों के बाद, संस्थान ने कार्यकारी समिति के गठन का निर्णय लिया है। इसका गठन वर्ष 2013-14 के दौरान किया जाएगा।

पूर्वछात्र सदस्यता शुल्क

वर्ष 2012-13 के दौरान, सदस्यता शुल्क में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 0.7 प्रतिशत (वर्ष 2011-12 के दौरान 38.70 लाख रुपए से वर्ष 2012-13 के दौरान 39.04 लाख रुपए तक) की वृद्धि हुई है।

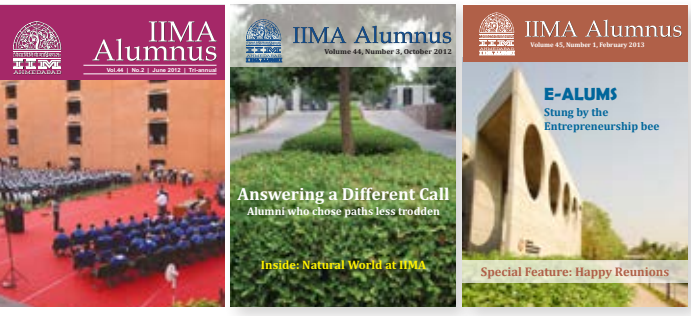

आईआईएम-ए अल्युम्नस पत्रिका

वर्ष में तीन बार – जून, अक्टूबर, फरवरी में प्रकाशित आईआईएम-ए अल्युम्नस पत्रिका के अक्टूबर 2012 के अंक में डिजाइन, संरचना एवं कवरेज में प्रमुख सुधार देखा गया। इस पत्रिका के प्रकाशन की लागत को पूरा करने के एक हिस्से रूप में विज्ञापन शामिल हैं। वर्ष 2012-13 के दौरान, विज्ञापनों के माध्यम से 6.23 लाख रुपए अर्जित किए गए।

रजत जयंती पुनर्मिलन

21 से 23 दिसम्बर, 2012 के दौरान 1988 (1986-1988) में स्नातक हुए पीजीपी बैच का रजत जयंती पुनर्मिलन आयोजित किया गया। लगभग 94 पूर्वछात्रों ने सहपरिवार इसमें भाग लिया। इस पुनर्मिलन के दौरान, 1988 के बैच को पढ़ाने वाले 16 संकायों को सम्मानित किया गया। अब आगामी रजत जयंती पुनर्मिलन 20 से 22 दिसम्बर, 2013 के दौरान आयोजित किया जाएगा।

अन्य पुनर्मिलन

रजत-जयंती पुनर्मिलन के अतिरिक्त, विभिन्न पीजीपी बैचों के पुनर्मिलन भी आयोजित किये गए : 4 से 6 जनवरी, 2013 के दौरान (40 वर्ष पूर्ण करने पर) 1970-72 बैच का मिलन हुआ; 28 से 30 दिसम्बर, 2012 के दौरान (20 वर्ष पूर्ण करने पर) 1990-92 बैच का; 23 से 24 दिसम्बर, 2012 के दौरान (15 वर्ष पूर्ण करने पर) 1995-97 बैच का; और 14 से 16 दिसम्बर, 2012 के दौरान (10 वर्ष पूर्ण करने पर) 2000-2002 बैच का।

पूर्वछात्र शैक्षणिक संबंध

संबंधित क्षेत्रों में कार्यरत पूर्वछात्रों द्वारा कई ऐच्छिक पाठ्यक्रम पेश किए गए। इन पूर्वछात्रों को नियमित रूप से अपने ज्ञान एवं अनुभव को साझा करने के महत्व के बारे में सूचित किया जाता है। संस्थान में अक्टूबर 2012 में पूर्वछात्रों के लिए केस लेखन पर एक दो-दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

पूर्वछात्रों पहचान-पत्र

पूर्वछात्रों के लिए पहचान-पत्र की एक अनूठी अवधारणा की शुरूआत की गई। पूर्वछात्रों के वर्गीकरण के आधार पर, इस वर्ष के दौरान, लगभग 650 पहचान-पत्र जारी किए गए।

लिंक्डइन पहल

अपने पूर्वछात्रों को कैरियर समर्थन प्रणाली उपलब्ध कराने की एक पहल के रूप में संस्थान ने दो समूहों की स्थापना के लिए लिंक्डइन के साथ गठबंधन किया है। ये दो समूह हैं - (क) आईआईएमए पूर्वछात्र समूह, यह उन सभी दीर्घावधि के पूर्वछात्रों के लिए है जो दीक्षांत समारोह के जरिए स्नातक हुए हैं। इस समूह के लिए नियोजन कार्यालय नियोक्ता उप-समूह का हिस्सा बनने के लिए हमारे महत्वपूर्ण नियोक्ताओं को आमंत्रित करेगा; और (ख) आईआईएमए कार्यकारी शिक्षा पूर्वछात्र समूह, जो कि अल्पावधि कार्यक्रम के पूर्वछात्रों के लिए है। इस समूह तक नियोक्ताओं की पहुँच उपलब्ध नहीं करायी जाती। संस्थान की नीति के अनुरूप जो छात्र दीक्षांत समारोह के माध्यम से स्नातक हुए हैं वे ही नियोजन सेवाएँ प्राप्त कर सकते हैं। इस पहल के पीछे का उद्देश्य पूर्वछात्रों को साथियों के साथ नेटवर्क बनाने की सुविधा देना और एक बुनियादी ढांचा बनाना है जो नियोक्ताओं को पूर्वछात्रों के साथ बातचीत करने की स्वीकृति देगा, जो उन्हें ऐसा करने की अनुमति देते हैं। नियोक्ताओं के लिए, यह लाभ है इससे मध्यम से वरिष्ठ स्तर तक के पद भरने के लिए जानकारी की खोज की लागत कम हो जाती है। पूर्वछात्रों के लिए, केवल

अपनी मातृसंस्था और अपने बैच के साथियों के साथ सम्पर्क में रहने का ही फायदा नहीं है बल्कि मध्य कैरियर बदलाव के लिए संभावित नियोक्ताओं के साथ जुडने का भी है। वर्तमान छात्रों के लिए, वरिष्ठों तक पहुँचने की क्षमता और कैरियर-विशेष चर्चा बोर्डों में भाग लेने का लाभ शामिल है। संस्थान के लिए, पूर्वछात्रों की कैरियर प्रगति को निरंतर ट्रैक करने की क्षमता और परिसर में नियोजन सेवा उपलब्ध कराने से आजीवन स्थानांतरण के साथ-साथ पूर्वछात्रों से संबंध बनाने के दोनों उद्देश्यों का लाभ मिलता है। अब तक 1750 पूर्वछात्र इन समूहों से जुड़ चुके हैं।

पूर्वछात्रों की तरफ से निधियाँ

वर्ष 2012-13 के दौरान, विभिन्न बैचों और व्यक्तिगत रूप से पूर्वछात्रों ने संस्थान को 3 करोड़ रुपये का दान दिया है। प्रमुख दानदाता इस प्रकार हैं :

बैच	नाम (यदि व्यक्तिगत हैं तो)	राशि लाख रुपए में
1966	दीवान अरुण नंदा	16.50
1971	बैच	7.50
1975	टंडन परिवार प्रतिष्ठान	135.00
1985	दीपक गुप्ता	6.50
1989	बैच	15.50
1992	पुलक सी. प्रसाद	10.00
1996	बैच	7.00
2001	बैच	37.31
1969	मार्टी जी. सुब्रह्मणियम्	15.00

छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार

इस वर्ष के दौरान, पूर्वछात्रों द्वारा निम्न छात्रवृत्तियाँ/पुरस्कार दिए गए :

- **सजीव सिरपाल शैक्षणिक एवं रचनात्मक उत्कृष्टता पुरस्कार :** कनक सिरपाल (पीजीपी 1984) और मित्रों द्वारा श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में यह पुरस्कार स्थापित किया गया। यह पुरस्कार पीजीपी प्रतिभागियों के बीच शिक्षाविदों और रचनात्मकता में उत्कृष्टता की पहचान दिलाता है। पीजीपी को दो छात्रों, निखिल अग्रवाल और सुमित सोमानी को प्रत्येक को 2 लाख रुपए के पहले पुरस्कार दिए गए।
- **मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार :** प्रोफ़ेसर मार्टी सुब्रह्मणियम् (पीजीपी 1967-69) द्वारा श्री मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ की स्मृति में यह पुरस्कार स्थापित किया गया है। यह पुरस्कार एक संकाय सदस्य को उस दीक्षांत समारोह में स्नातक हुए पीजीपी बैच के अध्यापन के लिए दिया जाता है। 50,000 रुपए का पहला पुरस्कार प्रोफ़ेसर अनुराग अग्रवाल को दिया गया।
- **1969 बैच छात्रवृत्ति** : वर्ष 2011-13 से पीजीपी 1969 बैच के दाताओं ने आर्थिक, सामाजिक और शारीरिक रूप से कमजोर प्रथम वर्ष के पीजीपी छात्रों को समर्थन देने का निर्णय लिया। पाँच छात्रों के लिए प्रत्येक को 2 लाख रूपए की वित्तीय सहायता पीजीपी 1969 निधि वर्ग से जारी की गई।
- **श्री जी. सी. मित्तल उद्यमिता सहायता** : अंकित मित्तल द्वारा स्थापित 2 लाख रुपए की यह सहायता उन स्नातक छात्रों के लिए है जो अपना उद्यम स्थापित करना चाहते हैं। यह पुरस्कार सिद्धि करनानी (पीजीपी-एबीएम 2013) को मिला।

सभा गतिविधियाँ

इस वर्ष के दौरान अहमदाबाद, बैंगलुरू, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, लंदन, अमेरिका आदि में स्थित सभाएँ विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करने में काफी सक्रिय रही।

दिनांक	सभा	समारोह	उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणियाँ
7 मई, 2012	चेन्नई	समकालिक और परिवार मिलन समारोह	30	प्रमुख श्री मुरलीधरन् द्वारा इस मिलन समारोह में स्वागत प्रवचन हुआ। कंडास्वामी भारतन् द्वारा रचित फ़िल्म आईआईएमए : 50 वर्ष (उनके तीन दर्जे हैं – पीजीपी 1978 पूर्वछात्र, प्रोफ़ेसर, व मुख्य कार्यपालक अधिकारी कवितालय जो कि आईआईएमए पर श्रेष्ठ परिप्रेक्ष्य दे रहे हैं) को काफी पसंद किया गया।
12 मई, 2012	हैदराबाद	समकालिक - लगभग 450 से अधिक सक्षम स्कूलों को लेकर	90	प्रोफ़ेसर अतनू घोष, डीन पूर्वछात्र एवं बाह्य संबंध, ने पूर्वछात्रों से जुड़े रहने पर बढ़ते महत्त्व पर विशेष ध्यान देते हुए संस्थान के विकास के बारे में निरूपण किया। आईआईएमए में दाखिला प्राप्त चौबीस हैदराबादी उपस्थित रहे थे।
20 मई, 2012	बैंगलुरू	वार्षिक समकालिक	160	वार्षिक समकालिक बैठक का आयोजन हुआ। पूर्वछात्रों द्वारा लगभग 30 नए छात्रों का स्वागत किया गया।
मई, 2012	लंदन	पैन आईआईएम यूरोप पूर्वछात्र संघ गतिविधियाँ	130	हाल ही में लंदन में सबसे बड़ा समारोह हुआ जिसमें लंदन मे रहने वाले सभी आईआईएम के ग्रीष्मकालीन इंटर्न्स का एक संयुक्त इंटर्न्स रात्रिभोज में स्वागत किया गया। इसमें आईआईएमए के प्रोफ़ेसर बी.एच. जाजू, डीन, एवं आईआईएम बैंगलुरू के संकायों सहित 130 प्रतिभागी उपस्थित थे।
मई, 2012	अमेरिका	पैन आईआईएम यूरोप पूर्वछात्र संघ गतिविधियाँ	–	सैन फ्रान्सिस/खाड़ी एरिया में प्रोफ़ेसर त्रिलोचन शास्त्री, तथा प्रोफ़ेसर राकेश बसंत के साथ रात्रिभोज।
2 जून, 2012	अमेरिका	पैन आईआईएम यूरोप पूर्वछात्र संघ गतिविधियाँ	–	प्रोफ़ेसर इन्दिरा परीख, पूर्व डीन, आईआईएम के साथ रात्रिभोज। वॉशिंगटन डी.सी.
28 सितम्बर, 2012	सिंगापुर	वार्षिक रात्रिभोज एवं नृत्य समारोह	–	सिंगापुर सभा ने वार्षिक रात्रिभोज एवं नृत्य समारोह का आयोजन किया। पुराने बैचों ने युवा बैच से कहीं अधिक नाचगान किया।
20 अक्टूबर, 2012	अहमदाबाद	निदेशक को विदाई	–	निवर्तमान निदेशक प्रोफ़ेसर समीर बरुआ के लिए इस सभा ने विदाई समारोह का आयोजन किया।
अक्टूबर 2012	अमेरिका	पैन आईआईएम यूरोप पूर्वछात्र संघ गतिविधियाँ	–	प्रोफ़ेसर अनिल गुप्ता के साथ सुबह का अल्पाहार, टोरन्टो।
3 नवम्बर, 2012	दिल्ली	पूर्वछात्र महा मिलन समारोह	300	इस दिवाली मिलन में प्रोफ़ेसर समीर बरुआ की उपस्थिति से चार चाँद लग गए। उन्होंने संस्थान की उपलब्धियों के बारे में बात कही और संस्थान को इससे भी अधिक ऊँचाई पर ले जाने के लिए पूर्वछात्रों से अधिक सहयोग की माँग की।
10 नवम्बर, 2012	चेन्नई	दिवाली मिलन समारोह	50	
25 नवम्बर, 2012	हैदराबाद	रवि जे. मथई स्मृति व्याख्यान	125	सुश्री मल्लिका साराभाई मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता रहीं। आईआईएमए की पूर्वछात्र एवं बाह्य संबंध समिति के सदस्य प्रोफ़ेसर सरल मुखर्जी ने भी इस समारोह में उपस्थिति दर्ज करायी और पूर्वछात्रों से बातचीत की।
16 और 17 फरवरी, 2013	हैदराबाद		28	वीकएंड रिसोर्ट में मनोरंजन
23 फरवरी, 2013	कोलकाता	महामहिम श्री एम.के. नारायणन् राज्यपाल, पश्चिम बंगाल के साथ वार्ता सत्र	70	वार्ता सत्र के लिए चयनित विषय था, दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्व एशिया में अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दे और व्यवसाय पर उसके प्रभाव। प्रोफ़ेसर समीर बरुआ ने संस्थान भविष्य की महत्त्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में विचार साझा किए। प्रोफ़ेसर शेखर चौधरी, निदेशक, आईआईएम-कोलकाता और आईआईएमए पूर्वछात्र (एफ़पीएम 1980) भी उपस्थित थे।

वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले

रैंकिंग और सर्वेक्षण

इस वर्ष के दौरान संस्थान ने 17 व्यावसायिक-स्कूलों के सर्वेक्षणों (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) में भाग लिया। संस्थान ने सभी प्रमुख एवं प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में शीर्ष स्थान बनाये रखा। रैंकिंग में स्पष्ट रूप से दर्शाया गया है कि संस्थान के कार्यक्रम और छात्र उच्च गुणवत्ता के हैं और वैश्विक रूप से श्रेष्ठ में से हैं।

प्रबंध में एफ.टी *(फाइनान्सियल टाइम्स)* मास्टर्स रैंकिंग 2012

प्रबंध में मास्टर्स रैंकिंग 2012 में रैंकिंग के लिए वैश्विक रूप से समीक्षित 70 कार्यक्रमों में संस्थान दसवें रैंक पर रहा। संस्थान ने प्रबंध शिक्षा के वैश्विक नक्शे पर शीर्ष 10 स्थानों में एकमात्र भारतीय बी-स्कूल के रूप में बने रहना जारी रखा है।

संस्थान के पीजीपी कार्यक्रम को नियोजन सफलता रैंक में प्रथम स्थान पर रैंककृत किया गया है।

एफटी वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2013

यह संस्थान *फाइनान्सियल टाइम्स वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2013* में शीर्ष 100 बी-स्कूलों में छब्बीसवें स्थान पर रहा है। इसके अलावा, *एफ़.टी. कैरियर प्रगति रैंकिंग* में पीजीपीएक्स ने दुर्लभ गौरव प्राप्त करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

इकोनोमिस्ट रैंकिंग 2012

यह संस्थान *इकोनोमिस्ट पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम रैंकिंग 2012* में स्थान प्राप्त करने वाला एकमात्र भारतीय व्यावसायिक-स्कूल है।

रैंकिंग के लिए 'खुले नए रोजगार अवसर' कसौटी में शीर्ष दस व्यावसायिक-स्कूलों की सूची में संस्थान ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया क्षेत्रीय रैंकिंग 2012 में संस्थान को पाँचवाँ स्थान प्राप्त हुआ है तथा *दी इकोनोमिस्ट पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम रैंकिंग 2012* में वैश्विक रूप से 22 स्थान आगे बढ़कर 56वाँ स्थान प्राप्त हुआ है।

एड्युनिवर्सल सर्वोत्तम मास्टर रैंकिंग 2012

आईआईएमए के कृषि-व्यवसाय में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) ने इस क्षेत्र के लिए वैश्विक रूप से शीर्ष 50 रैंककृत कार्यक्रमों में *एड्युनिवर्सल कृषि-व्यवसाय / खाद्य उद्योग प्रबंधन की सर्वोत्तम मास्टर* रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। *एड्युनिवर्सल* उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक विशेष फ्रांसीसी रेटिंग एजेंसी है।

विवरण **परिशिष्ट ट** में दिये गये हैं।

वैश्विक भागीदारी

संस्थान ने प्रतिष्ठित विदेशी व्यावसायिक -स्कूलों / विश्वविद्यालयों के साथ भागीदारी की शुरुआत की है। संस्थान द्वारा अंतरराष्ट्रीयकरण के प्रयासों के लिए निम्नलिखित विश्वविद्यालयों के साथ नए क्षेत्रों में शैक्षणिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए समझौता सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गए :

- कातोलिका लिस्बन बिज़नेस एवं अर्थशास्त्र स्कूल, पुर्तगाल
- ईएससी ब्रेतान्य ब्रेस्त – ब्रितानी प्रबंधन स्कूल, फ़्रान्स
- प्रबंधन स्नातक स्कूल, क्योटो युनिवर्सिटी, जापान
- लुवेन प्रबंधन स्कूल, बेल्जियम
- युनिवेर्सिदाद ईएसएएन, पेरु
- वॉरसॉ अर्थशास्त्र स्कूल, पोलेंड

सामरिक भागीदारी

संस्थान ने दोहरी उपाधि कार्यक्रम के लिए ईबीएस बिज़नेस स्कूल, जर्मनी के साथ सामरिक भागीदारी की शुरूआत की है, इसमें दोनों भागीदार संस्थानों के छात्र अनुभव साझा करेंगे, जिससे वैश्विक प्रबंधन व्यवहारों की काफी गहरी समझ का योगदान हो सके। इसके साथ ही संस्थान, चार भागीदार विश्वविद्यालयों के साथ दोहरी उपाधि (डीडी) कार्यक्रम प्रस्तुत करता है। दोहरी उपाधि कार्यक्रम पर छात्र केवल उच्च गुणवत्ता की शिक्षा ही प्राप्त नहीं करते, बल्कि एक पूरे वर्ष तक विदेश में रहकर अध्ययन एवं निवास के द्वारा अपनी सीमा को विस्तृत करने का अवसर प्राप्त करते हैं।

विदेशी संस्थानों के साथ संलग्नता

इस वर्ष के दौरान विदेशी संस्थानों / अंतर्राष्ट्रीय एजेन्सियों के 20 उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ अकादमिक सहयोग के लिए सार्थक संवाद में संस्थान संलग्न रहा है।

कुछ महत्त्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडलों में शामिल हैं :

- प्रोफ़ेसर सुरेश कलाज्ञानम्, लेखाकरण में सहयोगी प्रोफ़ेसर, एडवर्ड्स स्कूल ऑफ़ बिजनेस, सेसकेचवन युनिवर्सिटी, कनाडा
- प्रोफ़ेसर एंटोनियो बातिस्ता, कार्यपालक शिक्षा के डीन, एफ़डीसी, ब्राजील
- प्रोफ़ेसर डॉ. मोहम्मद गुलाम सामदानी फ़कीर, उपकुलपति, बीआरएसी युनिवर्सिटी, ढाका
- प्रोफ़ेसर केओएच चीन यी, निदेशक (एशिया), नेशनल युनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर, सिंगापुर
- प्रोफ़ेसर पीटर वायएच पैंग, सहायक उपप्रमुख, नेशनल युनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर, सिंगापुर
- प्रोफ़ेसर निक वैल्स, सहयोगी प्रोफ़ेसर, निदेशक, एमबीए कार्यक्रम, युनिवर्सिटी ऑफ़ सिडनी, ऑस्ट्रेलिया
- प्रोफ़ेसर कियोशी कोबायशी, निदेशक, एशिया बिजनेस स्कूल, ग्रेज्युएट स्कूल ऑफ़ मेनेजमेंट, क्योटो युनिवर्सिटी, जापान
- प्रोफ़ेसर टिमोथी एस. दूपनिक, वाइस प्रोवोस्ट एवं प्रोफ़ेसर, युनिवर्सिटी ऑफ़ कैरोलिना, कोलम्बिया
- प्रोफ़ेसर योशिहिरो टोकुगा, डीन, ग्रेज्युएट स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट, क्योटो युनिवर्सिटी, जापान
- प्रोफ़ेसर एक्सल शूमाकर, सहयोगी डीन, इंटरनेशनल संबंध, ईबीएस उनिवेर्सितात फ़्यूर विर्तचाफ़्त उंद रेच्त, ईबीएस बिजनेस स्कूल, जर्मनी
- ग्रेज्युएट स्कूल ऑफ़ मेनेजमेंट, क्योटो युनिवर्सिटी, जापान से प्रतिनिधिमंडल

संस्थान में ला साबाना युनिवर्सिटी, कोलम्बिया के छात्र

आईआईएमए में अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के लिए अध्ययन दौरे

कार्यक्रम/अनुसंधान अध्ययन	विदेशी प्रतिभागी/संगठन	अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी
व्यवसाय का बहु-संस्कृतिवाद और वैश्विक परिप्रेक्ष्य	ला साबाना युनिवर्सिटी, कोलम्बिया में अर्थशास्त्र एवं प्रशासनिक विज्ञान अंतरराष्ट्रीय स्कूल (आईएसईएएस)	34
शैक्षणिक दौरा	विदेशों से बैंक अधिकारी	40
कृषि उद्यमिता	क्योटो युनिवर्सिटी, जापान	1 (अनुसंधान कार्य)

प्रेस सम्मेलन जारी है

मीडिया संपर्क

संस्थान नियमित रूप से बड़ी संख्या में प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ अपनी पहुँच के हिस्से के रूप से जुड़ा हुआ है। यह समर्थन कई साक्षात्कारों, प्रेस ब्रीफिंगों, प्रेस सम्मेलनों एवं प्रेस विज्ञप्तियों को जारी करने के माध्यम से बढ़ाया गया है।

संस्थान में रक्षा सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारी

प्रोटोकॉल और दौरे

प्रत्येक वर्ष संस्थान की गतिविधियों और कार्यक्रमों के लिए सक्षम आगंतुकों की उपलब्धता करायी जाती है। वर्ष 2012-13 के दौरान, संस्थान ने लगभग 4000 आगंतुकों का स्वागत किया, इनमें विदेशी नागरिक, सरकारी अधिकारी, कॉरपोरेट एवं शिक्षा क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी, सशस्त्र बलों के वरिष्ठ कार्मिक, पेशेवर तथा छात्र शामिल थे।

नयी पहल

हाल ही के वर्षों में, संस्थान ने भारतीय संस्कृति और भारतीय प्रबंध प्रणालियों में रूचि रखने वाले अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों की बढ़ती संख्या की मेजबानी की है। इस माँग को पूरा करने के लिए, संस्थान ने आईआईएमए पूर्वछात्र संघ, अहमदाबाद सभा के साथ एक सहयोगात्मक कार्यक्रम प्रारंभ किया है जिसके तहत जो पूर्वछात्र शीर्ष कंपनियों के अधिकारी हैं वे विदेशी प्रतिभागियों के साथ सर्वोत्तम प्रणालियों को साझा करते हैं और भारतीय घरों के दौरे करने की व्यवस्था करते हैं।

सहायता अनुदान

वर्ष 2012-13 के दौरान, इस संस्थान ने गैर-योजना (नियमित) एवं योजना (नियमित) के अंतर्गत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से कोई भी सहायता अनुदान प्राप्त नहीं किया।

वर्ष 2012-13 के दौरान, इस संस्थान को अन्य पिछड़ी जाति के विस्तार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से 1419.25 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ।

वर्ष 2012-13 के दौरान, संस्थान को एफ़पीएम छात्रों के वित्तीय समर्थन के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से 100.96 लाख रुपए का अनुदान निम्न रूप से प्राप्त हुआः

1) अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए = 10.96 लाख रुपए

2) अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए = 20 लाख रुपए

3) अनुसंधान बुनियादी ढ़ाँचे एवं आकस्मिकता के लिए = 70 लाख रुपए

बुनियादी ढाँचे का विकास

संस्थान की बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकताओं को पूरा के लिए, नए परिसर में निर्माण कार्य एक सतत प्रक्रिया है। 320 कमरों वाले छात्रावास का कार्य पूर्ण होने के साथ, अब नए परिसर में कुल निर्मित क्षेत्र लगभग 7 लाख वर्ग फुट है। वर्ष 2012-13 में पूर्ण हुए नए छात्रावासों में डी-34 तथा डी-35 थे जो कि छात्र गतिविधि ब्लॉक (एसएबी) और उपयोगिता बिल्डिंगों के साथ बुनियादी सुविधा में सम्मिलित हैं।

शैक्षणिक बुनियादी सुविधा

	नए परिसर का शैक्षणिक ब्लॉक	अंतरराष्ट्रीय प्रबंध विकास केन्द्र
कक्षाएँ	5	3
संगोष्ठी कक्ष	3	2
सिंडीकेट कक्ष	8 (+ 9 छात्रावासों में)	22

आवासीय सुविधा

छात्रावास का प्रकार	एकल कक्ष	संलग्न शौचालय वाले कमरे	स्टुडियो एपार्टमेंट एवं आवास	एक शयनकक्ष, हॉल व रसोई के एपार्टमेंट
छात्रावास (डी- 19 से डी-27 तक)	284			
छात्रावास (डी- 26 एवं 27)		66		
छात्रावास (डी- 29,31,32,33,35)		240		
छात्रावास (डी-30 एवं डी-34)			40	
आईएमडीसी		152	8	
विवाहित छात्रावास				120
कुल	**284**	**458**	**48**	**120**

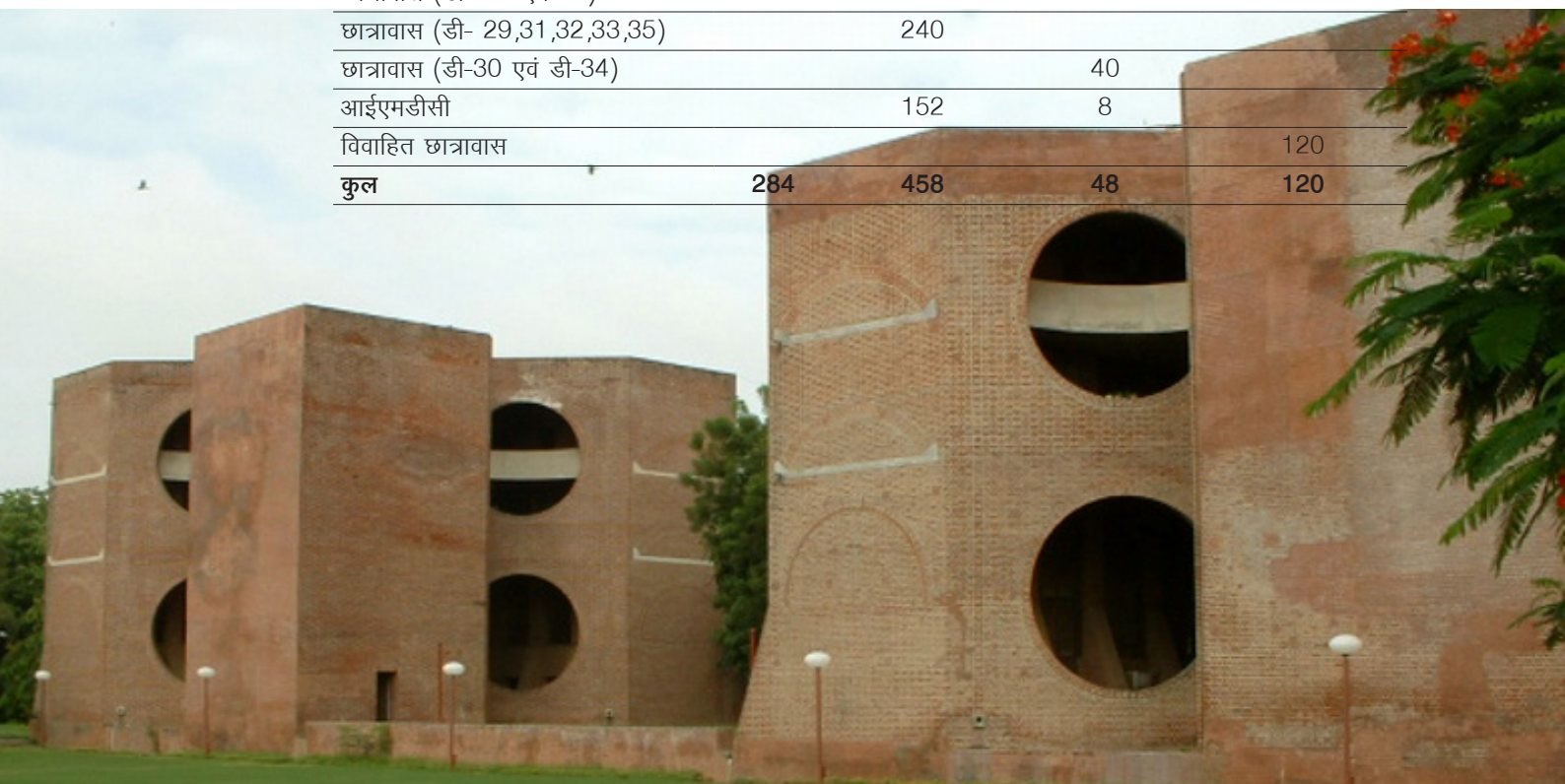

कार्मिक

वर्ष 2012-13 के दौरान, सात संकाय सदस्यों ने इस संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। तीन संकाय सदस्यों और एक स्टाफ सदस्य ने संस्थान की सेवा से त्यागपत्र दिया। सत्रह स्टाफ सदस्यों ने सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्ति ली।

दो संकाय सदस्यों को अन्यत्र कार्यभार ग्रहण करने के लिए, अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई, जबकि दो संकाय सदस्यों ने अनुपस्थिति की छुट्टी समाप्त होने पर, पुनः संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया।

परिशिष्ट ठ8 में कर्मचारियों की संख्या का विवरण दिया गया है।

अधिकारी एवं कर्मचारी विकास गतिविधि

वर्ष के दौरान, कई अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों को अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा आयोजित, कौशल विकास एवं साथ ही साथ सामान्य पर्यवेक्षी व प्रबंधकीय कार्य संबंधी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए प्रायोजित किया गया। संस्थान ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में कई कर्मचारियों को प्रायोजित करना जारी रखा। महिला दिवस समारोह के एक भाग के रूप में 08 मार्च, 2013 को संस्थान की 50 महिला कर्मचारियों के ज्ञान संवर्धन एवं प्रोत्साहन के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नए भर्ती हुए ग्रुप बी/सी/डी कर्मचारियों के लिए 06 सितम्बर, 2012 को एक प्रेरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन

संस्थान पूर्णतया भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल की अध्यक्षता में राजभाषा के बेहतर कार्यान्वयन के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें समय समय पर आयोजित की गई।

संस्थान में, 14 से 28 सितम्बर, 2012 के दौरान राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं (हिन्दी निबंध लेखन, हिन्दी कविता पाठ, शब्द-ज्ञान, आशु-भाषण, तथा सुलेखन) का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में 90 से भी अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया। समापन-दिवस के अवसर पर विजेताओं को नगद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किये गये। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल ने संस्थान के सभी सदस्यों को रोजमर्रा के कार्यकलापों में राजभाषा हिन्दी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।

संस्थान की हिन्दी पत्रिका "***प्रतिबिम्ब***" के द्वितीय अंक का प्रकाशन जनवरी 2013 में किया गया। इस अंक की प्रतियाँ सभी आईआईएम, आईआईटी, शासी मंडल के सदस्यों, संबंधित मंत्रालयों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी 150 सदस्यों को अहमदाबाद एवं गाँधीनगर में भेजी गई। इस पत्रिका को संस्थान के वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया।

वर्ष के दौरान, हिन्दी में टिप्पण व प्रारूपण पर, तीन हिन्दी-कार्यशालाएँ आयोजित की गई, इनमें 80 कर्मचारियों ने भाग लिया। इन कार्यशालाओं में व्याख्यान देने के लिए हिन्दी के प्रसिद्ध वक्ताओं को आमंत्रित किया गया।

वर्ष के दौरान, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गई। इनमें भारत सरकार द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु "ख" क्षेत्र के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर जोर दिया गया।

कर्मचारी पुरस्कार/सम्मान

एक संकाय सदस्य को और एक कर्मचारी को, 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के निमित्त, इस वर्ष के दौरान पुरस्कृत किया गया। एन.वी. पिल्लई, मोहना गंगाधरन्, मंजुला एस. नायर, वी.विजयन्, कीर्ति आचार्य, विजयपाल कोटड, मंजुलाबेन एच. साकरिया, डी.आर. प्रजापति, सतीश एन. शाह, ई.पी. सिद्धार्थन्, एस. जयशंकर, के.टी. विल्सन, धना देवा परमार, आर.एस. मणि, के.एस. सोमयाजुलु, जी.ए. चन्द्रशेखरन्, मगन पी. गोहेल, मफाभाई एम. सोलंकी, आर. गुरुमूर्ति, एस.एम. मकवाना, एन.आर. सोलंकी, मोतीलाल बी. वर्मा, करसन एम. सोनखिया, और आर.जी. मिश्रा को संस्थान की रिकॉर्ड दीर्घ सेवा से सेवानिवृत्त होने पर, इन कर्मचारियों को संस्थान द्वारा सुदीर्घ सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया।

इसके विवरण **परिशिष्ट ठ** में दिये गए हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अधीन, वर्ष के दौरान पचानवे आवेदन प्राप्त हुए तथा निपटाए गए।

छात्र गतिविधियाँ

एबेकस

एबेकस, एक मुकाबला क्लब है, इसमें सभी गणित एवं साँख्यिकी के उत्साहियों को परिसर पर इकट्ठा कर एकसाथ लाया जाता है।

वर्ष की शुरूआत में, यह क्लब उन छात्रों की मदद करने का प्रयास करता है जो पाठ्यक्रम आधारित मात्रात्मक या गाणितीय ज्ञान कम रखते हैं या उनको पूर्व ज्ञान नहीं है। यह क्लब जैसे कि संभाव्यता और सांख्यिकी के रूप में विषयों की मूल बातों के माध्यम से मार्गदर्शन करता है ।

इस क्लब ने अपनी प्रमुख वार्षिक प्रतियोगिता नटक्रेकर का आयोजन किया जो एक-सप्ताह का समारोह है। इसमें श्रेष्ठ बौद्धिकता वालों के बीच अंतिम पारितोषिक के लिए कड़ा मुकाबला हुआ।

एबेकस ने पोकर, ब्रिज एवं रुबिक्स क्यूब जैसी विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया। इस वर्ष की पोकर कार्यशाला में, उत्साहियों ने खेल के पीछे रही गाणितीय अवधारणाओं को जानने में काफी रुचि जताई।

व्यवसाय प्रबंधन एवं विशेषकर वित्तीय भूमिकाओं में मात्रात्मक तरीकों का उपयोग दिन-प्रति-दिन बढ़ता जा रहा है और यह इस तथ्य से रेखांकित हुआ है कि साक्षात्कारों में कम्पनियाँ पहेलियाँ रखती हैं। इस उद्देश्य के लिए, एबेकस क्लब ने टेसरऐक्ट समारोह का आयोजन किया, जिसमें क्लब ने हर दूसरे दिन पहेलियों का एक सेट ग्रीष्मकालीन नियोजन के एक महीने पहले भेजा ताकि छात्रों को अपने विश्लेषणात्मक एवं आँकड़ों के कौशलों का ज्ञान ताज़ा करने में मदद मिल सके।

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए छात्र जाए उससे पहले, उन्होंने प्रथम सत्र में जो सीखा है उसे परखने की अवधारणा से एबेकस क्लब एम.एस. एक्सेल पुनरावर्तन सत्रों का आयोजन करता है।

एबेकस ऐसी अधिक रमणीय घटनाओं के आयोजन के लिए तत्पर रहता है और विशेषकर, कॉन्फ़्लुअन्स और कैओस के दौरान जिनमें अन्य कॉलेजों के छात्र भाग लेते हैं और अपने मानसिक कौशलों की शक्ति को साबित करते हैं।

शैक्षणिक परिषद्

शैक्षणिक परिषद्, छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच एक अंतरफलक के रूप में कार्य करता है, प्रशासन के समक्ष छात्रों की जरूरतों का प्रतिनिधित्व करता है और शैक्षणिक नीति बनाने की प्रक्रिया में भाग लेता है।

शैक्षणिक परिषद् वर्तमान पाठ्यक्रमों की शिक्षण सामग्री एवं अध्यापन के तरीकों में बदलाव तथा सुधार के लिए सुझाव देने और नए पाठ्यक्रमों को अपनाने में छात्रों की प्रतिक्रिया देने तथा प्रोफ़ेसरों के साथ विचार – विमर्श करने के लिए उत्तरदायी है।

यह परिषद् प्रत्येक सत्र में छात्रों की सुविधा के लिए वैकल्पिक पंजीकरण प्रक्रिया के लिए एक गतिशील पाठ्यक्रम प्रक्रिया का आयोजन करता है। यह पाठ्यक्रमों के बीच के संघर्ष को कम करने के लिए पीजीपी कार्यालय के साथ काम करता है और इस तरह छात्रों को विस्तृत श्रेणी के ऐच्छिकों में से पाठ्यक्रमों के चयन हेतु सक्षम बनाता है।

इस वर्ष शैक्षणिक परिषद् तीन सत्रों के अंतर्गत 150 से अधिक ऐच्छिकों में कामयाब रही। पीजीपी, पीजीपी-एबीएम, पीजीपीएक्स, तथा एफ़पीएम कार्यक्रमों में पेशकृत ये उच्चतम आँकड़े हैं। इस परिषद् द्वारा एक व्याख्यान श्रृंखला की भी शुरूआत की गई, इसमें आईआईएमए के पूर्वछात्रों को आगंतुक वक्ताओं के तौर पर आमंत्रित किया गया।

आगामी वर्ष के दौरान, परिषद् की प्रोफ़ेसरों द्वारा परिचय विडियो उपलब्ध कराके और वरिष्ठ छात्रों की अनौपचारिक प्रतिक्रियाओं को व्यवस्थित करके ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के चयन में छात्रों को सहायता करने की योजना है। यह परिषद् छात्रों एवं संकायों के मध्य सक्रिय अंतरफलक के माध्यम से वर्तमान शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार लाने के लिए पीजीपी कार्यालय के साथ भी कार्य करेगी। यह परिषद् ग्रेड के प्रसार के लिए एक ऑनलाइन पॉर्टल बनाने की भी योजना बना रही है।

कृषि व्यवसाय क्लब

एक भावुक टीम के साथ, कृषि व्यवसाय क्लब कृषि व्यवसाय में सर्वोत्तम प्रथाओं को लाने के प्रयास करता है जिसकी कल्पना में ग्रामीण समृद्धि के लिए कृषिव्यवसाय एक उपकरण के रूप में है। इस वर्ष के दौरान, इस क्लब ने कृषि व्यवसाय और उससे संबंधित डोमेन में प्रख्यात वक्ताओं के साथ वक्ता सत्रों की मेजबानी की।

इस क्लब ने व्यापक प्रतिभागियों को आकर्षित करते हुए *इनक्विज़िशन* (बहुउद्देश्यीय सामान्य ज्ञान एवं व्यवसाय क्विज़) जैसी गतिविधियों की मेजबानी की। इस क्लब ने ध्यान केंद्रित समूह चर्चाओं तथा कृषि व्यवसाय सम्मेलनों की मेजबानी की जिसमें इस उद्योग के दिग्गजों ने कृषि व्यवसाय क्षेत्र की वर्तमान चुनौतियों पर चर्चा की।

एक समर्पित अर्धवार्षिक पत्रिका "दी एग्रिबिज़नेस फ़ॉकस" और एक ब्लॉग "एग्रिबिज़नेस ऑन द रोड टू रुरल प्रोस्परिटी " के साथ यह क्लब मनोरंजन तथा ज्वलंत मुद्दों पर अपनी अंतर्दृष्टि के लिए अवसर प्रदान कराता है।

यह क्लब संस्थान और प्रमुख घटनाओं को महसूस करने के लिए छात्रों के लिए क्रोनोस – एमडीएमएस (मिड डे मिल स्किम - मध्याह्न भोजन योजना) के साथ कॉन्फ़्लुअन्स के कृषि व्यवसाय क्षेत्र का आयोजन करता है। ग्रामीण विपणन के लिए *रुरल क्रुसेडर्स* ने जबरदस्त भागीदारी को आकर्षित किया। इस बार *ग्रीन पहल* सभी छात्रों के लिए खुला था और फ्लैगशिप इवेंट्स पोर्टफोलियो के लिए *आविष्कार, व्यापार योजना प्रतियोगिता* का आयोजन किया गया।

सिंजेंटा चैलेंज में प्रमुख वक्ताओं को इस क्षेत्र की अंतरदृष्टि के लिए संभावनाएँ तलाशते देखा गया। गरीबों के लिए स्थायी आजीविका पैदा करने पर भी एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

पूर्वछात्र सहभागिता कक्ष

पूर्वछात्र सहभागिता कक्ष का मुख्य लक्ष्य पूर्वछात्रों और छात्रों के बीच दीर्घकालीन संबंध बनाना है और छात्रों के बीच नेतृत्व विकास में सहायता करने के लिए पूर्वछात्रों को सक्षम बनाए रखना भी है।

सिंक्रोनी, जो कि पूर्वछात्र कक्ष के सहयोग से आयोजित एक *वार्षिक* मिलन है इसके आयोजन में विश्वभर के विभिन्न क्षेत्रों के साथ सहयोग में सम्मानित पूर्वछात्रों, और आईआईएमए के वर्तमान एवं भावि छात्रों

को एकसाथ लाया गया। संस्थान के विभिन्न हितधारकों के लिए सिंक्रोनी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अंतर्क्रिया के लिए एक मंच है। सिंक्रोनी 2012 का आयोजन दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई, बैंगलुरू, पुणे, कोलकाता, हैदराबाद, सिंगापुर, हाँगकाँग, और लंदन में किया गया। इस इवैंट में कई कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। इससे नेटवर्क के लिए एक शानदार अवसर उपलब्ध हुए और दिग्गजों के साथ अच्छे अनौपचारिक संबंध स्थापित करते हुए व्यवसाय की खूबियाँ सीखी गई।

हर वर्ष पूर्वछात्र प्रकोष्ठ, पूर्वछात्रों को अपनी मातृसंस्था में वापस लाने के प्रयास में विभिन्न बैचों के लिए पुनर्मिलन समारोह की मेजबानी करता है। पुनर्मिलन समारोह पूर्वछात्रों एवं उनके परिवारों को अपने बैच के साथियों से मिलने, अपने अनुभवों को बाँटने, एक दूसरे के साथ नेटवर्क बनाने, और संस्थान के साथ मजबूत संबंध बनाने के लिए उत्कृष्ट मंच प्रदान करते हैं। प्रसन्न चेहरों और उत्साहित अभिव्यक्ति से समग्र परिसर में उत्साह की विशेष भावना फैल जाती है। अपने आदर्श स्वरूप पूर्वछात्रों के साथ निकटता से बातचीत करने से वर्तमान छात्र काफी खुश एवं बहुत उत्साहित महसूस करते हैं। इस वर्ष 1972, 1988, 1992, 1997 एवं 2002 के बैचो के पुनर्मिलन हुए।

पूर्वछात्र प्रकोष्ठ पूर्वछात्रों द्वारा अतिथि व्याख्यानों की श्रृंखला का भी आयोजन करता है। इससे छात्रों के लिए विभिन्न उद्योगों के प्रारंभिक ज्ञान और उद्योग जगत के दिग्गजों की तरफ से कैरियर के रास्ते तय करने का बड़ा अवसर उपलब्ध होता है।

पूर्वछात्र प्रकोष्ठ ने एक स्मारिका के तौर पर पूर्वछात्र पहचान पत्र वितरित करना प्रारंभ किया, और संस्थान के साथ उनके सहयोग की पहचान भी दी। पिछले वर्ष से प्रारंभ यह पहल, वर्ष 2011 बैच में स्नातक हुए छात्रों को पूर्वछात्र पहचान पत्र देने के साथ शुरू हुई है। संस्थान की स्थापना के बाद से स्नातक हुए, सभी पूर्वछात्रों को ये पहचान पत्र भेजने के प्रयास जारी हैं।

बीटा

बीटा का उद्देश्य एक शैक्षणिक अनुशासन के साथ में कैरियर के विकल्प के रूप में वित्त में रूचि को बढ़ावा देना है। क्लब ने कई राष्ट्रीय स्तर की वित्तीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

बीटा वित्त में कैरियर लक्षित छात्रों को निरंतर मार्गदर्शन एवं परामर्शन प्रदान करती है। यह बीटा आज का शब्द (डब्ल्यूओटीडी) तथा बीटा दैनिक श्रृंखला, बीटा प्राइमर, आरईएम श्रेणी, तथा बीटा मार्गदर्शक कार्यक्रम के द्वारा किया जाता है। डब्ल्यूओटीडी तथा दैनिक श्रृंखला का उद्देश्य छात्रों को वित्तीय अवधारणाओं की समझ एवं वित्तीय समाचारों से अद्यतन करने में सहायता करना है। इन प्रकाशनों के लिए पाठक वर्ग की संख्या में समग्र भारत के बी-स्कूलों की 50 प्रतिशत से भी अधिक सदस्यता शामिल हुई है।

ग्रीष्मकालीन नियोजन से ठीक पहले बीटा मार्गदर्शक कार्यक्रम का आयोजन होता है और इसका लक्ष्य कैरियर के विकल्प के रूप में वित्त में प्रथम वर्ष के छात्रों की रुचि जगाना है। इनमें से प्रत्येक को द्वितीय वर्ष के बीटा सदस्य बनकर मार्गदर्शक बनने का कार्य सौंपा जाता है।

इस वर्ष, इस क्लब ने प्रसिद्ध ब्लूमबर्ग योग्यता कसौटी (बैट) का आयोजन किया जिससे वैश्विक स्तर पर अपने साथियों के साथ अपने वित्तीय ज्ञान के मापदंड में छात्रों को सहायता मिली। पूरे वर्षभर इस क्लब ने बीटा व्याख्यान श्रृंखला की मेजबानी की जिसमें प्रारंभ में प्रोफ़ेसर जयंत वर्मा द्वारा *उप प्राथमिक संकट* पर वार्ता हुई। इस श्रृंखला के हिस्से के रूप में, श्री भावतोष वाजपाई, प्रबंध निदेशक एवं प्रमुख, इंडिया इक्विटीज़, बार्कलेस तथा पूर्वछात्र, ने *वित्त में रोजगार : मिथक और वास्तविकताएँ* पर वार्ता की।

डीबी सीआईबी केन्द्र के सहयोग में बीटा ने वित्त पर एक कार्यशाला का भी आयोजन किया जिसमें श्री राजेश तोलानी, ग्लोबल मार्केट इक्विटी टीम के व्यवसाय अध्यक्ष और बिश्वरूप चक्रबोर्ती, वरिष्ठ उप

प्रमुख, डच बैंक सीआईबी केन्द्र ने भाग लिया।

इस क्लब ने *फिनोमिना, वित्त शिखर सम्मेलन,* और *एक्सचेकर - राष्ट्रीय वित्त प्रतियोगिता* नाम से चार दिवसीय अंतर आईआईएम प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। एक सप्ताह तक चलने वाले *फिनोमिना* वित्त उत्सव में वक्ता श्रृंखला तथा प्रतियोगिताओं जैसे आयोजनों के साथ प्रथम वर्ष के छात्रों को वित्त जगत् में एक परिचायात्मक मंच प्रदान किया गया।

एक्सचैकर (राजकोष), राष्ट्रीय स्तर की वार्षिक प्रतियोगिता का आयोजन बीमा, पुनर्बीमा व कार्मिक लाभ व्यवसाय पर ब्रिटिश आधारित अग्रणी ग्रुप जार्दिन लोयड थोम्पसन ग्रुप के सहयोग में बीटा द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता के तीसरे संस्करण में देश के शीर्ष 40 बी-स्कूलों से छात्रों ने भाग लिया, और *विज़ार्ड्स ऑफ़ फ़ाइनेंस* का ताज जीत लिया और एक लाख रुपए के पुरस्कार का दावा किया गया। यह इस तरह का पहला ऐसा वित्त इवैंट बना रहा जो किसी वैश्विक बिजनेस स्कूल में आयोजित होने वाला था और केवल निमंत्रण पर पूँजी बाजारों, निवेश बैंकिंग, निजी इक्विटी, तथा बीमा के चार वित्तीय कार्यक्षेत्रों में प्रतिभागियों का परीक्षण हुआ। इसके साथ ही इस इवैंट के समापन पर परिसर में एक ऑनलाइन व्हॉटदफ़िन पहेली और एक व्याख्यान श्रृंखला का भी आयोजन किया गया। बाद में इस इवेंट में अग्रणी वक्ता जैसे कि श्री श्रीवत्स कृष्ण, राष्ट्रीय टॉपर, आईएएस (1994) और विश्व अर्थव्यवस्था मंच (2003) पर शीर्ष 100 अग्रणियों में से एक; श्री सुदीप नायर, व्यवसाय ट्रांसफ़ोर्मेशन प्रमुख, जार्दिन लोयड थोम्पसन ग्रुप; और श्री प्रशांत गिरबाने, निवेश प्रबंधक एवं उद्यमी जो पहले टीसीएस कैपिटल मार्केट और राष्ट्र संघ में रहे, उपस्थित थे।

इस क्लब ने इस वर्ष *दी एफिसियन्ट फ़्रन्टियर* (टीईएफ़) नाम से अपने फ़्लैगशिप प्रकाशन का 12वाँ संस्करण शुरू किया जिसमें 30,000 रुपए के प्रथम पुरस्कार वाली लेखन प्रतियोगिता भी थी। इस पत्रिका में दुनिया के वित्तीय संस्थानों के कुछ प्रमुखों के विचारों वाले लेख प्रकाशित हुए और कोर्पोरेट गृहों तथा व्यवसाय स्कूलों में व्यापक रूप से इसे पढ़ा जाता है। इस वर्ष के संस्करण में परिवर्तन पर प्रकाश डालते प्रमुख वित्तीय समारोहों/विचारों जो कि वैश्विक रूप से तथा राष्ट्रीय स्तर पर वित्तीय क्षेत्रों में हुए उन्हें शामिल किया गया।

कम्प्यूटर केन्द्र समिति - सीसीसी

कम्प्यूटर केंद्र समिति अथवा सीसीसी के रूप से परिसर में हर जगह जाना जाता है, यह क्लब परिसर में छात्रों की आईटी की बुनियादी जरूरतों को संभालता है और संस्थान के प्रशासन में छात्रों के प्रतिनिधि के रूप में कार्यकारी बनते हुए छात्रों के आई टी संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है।

सीसीसी, अपने लैपटोप थोक सौदे और नवांगतुक छात्र अंतर्क्रिया समूह से, आने वाले नए बैच के छात्रों के साथ बातचीत करने का अनूठा विशेषाधिकार प्राप्त करता है। परिसर में छात्रों के रोजमर्रा जीवन को सीसीसी छूता है इसलिए इसके संबंध काफी मजबूत बने रहते हैं, फिर चाहे लैन व वाई-फाई नेटवर्क के माध्यम से हों, प्रिन्टर, संस्थान का मेल-बॉक्स अथवा डीबैब हो।

हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय सौदे हुए हैं जिनमें मोबाइल फोन कनैक्शन के लिए माइक्रोसॉफ़्ट विन्डोज़-ऑफ़िस सौदा, बाहरी एचडीडी, डाटा काड्र्स और सीयूजी थे। हालाँकि परिसर में अब तक का सबसे महत्त्वपूर्ण और सबसे बड़ा सौदा लैपटोप सौदा है। पिछले वर्ष, इस सौदे से अन्य आईआईएम से सहयोग करते हुए, आँकड़ों की शक्ति पर मोलभाव का उपयोग करते हुए बड़े डिस्काउंट पर प्रभावी ढंग से लेन-देन की सौदेबाजी देखने को मिली थी।

पिछले वर्ष प्रौद्योगिकी के पक्ष में कम्प्यूटर केन्द्र समिति ने महत्त्वपूर्ण प्रगति की है। इसमें सरलता से वाई-फ़ाई से एंड्रोइड ऐप के साथ कनेक्शन बनाया गया। केवल एक क्लिक के साथ सीधे ही वाई-फ़ाई

ऐप स्थापित हो जाता है। स्थानीय सर्वर से प्रेरित एक ऑनलाइन संगीत पॉर्टल भी सीसीसी ने बनाया है।

वैब ऐप्स बनाना एक नयापन है जो हाल ही में शुरू हुआ है। एक ऑनलाइन छात्र सूचना निर्देशिका भी बनायी गई ताकि बैच के सहपाठियों के सम्पर्क विवरण या पृष्ठभमि के बारे में पत लगाया जा सके। द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए बैच-प्रोफ़ाइल टूल बनाया गया जो एक और महत्त्वपूर्ण ऐप था, यह ग्रीष्मकालीन नियोजन के दौरान प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए काफी उपयोगी रहा।

कैओस

संस्थान ने अपने वार्षिक सांस्कृतिक साहित्यिक-संगीतमय उत्सव की मेजबानी करते ही उत्साहोन्माद एवं आनंदोल्लास का वातावरण बन गया। ऐयरटेल, के सहयोग में कैओस महा उत्सव का आयोजन 20 से 23 दिसम्बर, 2012 के दौरान हुआ। भारत के सबसे बड़े बिजनेस स्कूल के सांस्कृतिक महोत्सव के रूप में कैओस भारी भीड़ को आकर्षित करते हुए, समारोहों एवं प्रदर्शनों की मेजबानी करते हुए, उम्मीदों पर खरा उतरा।

विशेष श्रेणियों और समारोहों के साथ फैश पी, (फ़्लैगशिप फ़ैशन महोत्सव), व्हाय सो सीरियस (अनौपचारिक), फ़िल्मी खेल, स्पेलिंग बी, तथा विविध खेलों के सहित ललित कला, अभिनय, साहित्य और प्रश्नोत्तरियाँ, नृत्यकला तथा धून आदि प्रकार के समारोहों को कैओस महोत्सव में प्रदर्शित किया गया। इस समारोह के प्रत्येक दिन के अंत में विशाल-शेखर, गौरव दागाँवकर, तथा डिस्क जॉकी शान जैसे प्रसिद्ध कलाकारों के शानदार संगीत समारोह भी समर्थक के तौर पर शामिल किये गए।

कैओस के पहले दिन नृत्यकला - फ़्लैगशिप समूह नृत्य प्रतियोगिता के प्रारंभिक एवं आखिरी मुकाबले के प्रदर्शन को प्रस्तुत किया गया। कैओस में इस वर्ष अन्य एक अद्वितीय समारोह - स्पैल बी - के प्रारंभिक मुकाबले का भी आयोजन हुआ। एक पूर्वछात्र गौरव दागाँवकर द्वारा इस दिवस का समापन समकालिकों की विशिष्टता के साथ हुआ।

कैओस टीम द्वारा डिजाइन किए विशेष संगीत समारोहों – ब्लिज़ार्ड्स ऑफ़ रॉक तथा एट वर्ल्ड्स ऐंड, ब्लिज़ार्ड्स ऑफ़ रॉक - के साथ दूसरे दिन का आरंभ हुआ। इस अर्ध समर्थक रॉक बैंड प्रतियोगिता में अहमदाबाद में बाहर से आए सात बैंड्स को लघुसूचीकृत किया गया और रॉक के कड़े मुकाबले में उन्होंने अपना प्रदर्शन दिखाया। इस दिन के अन्य प्रमुख आकर्षणों में पॉटपूरी, सोलो डान्स, गैमिंग तथा अनौपचारिक शामिल थे। ब्लिज़ार्ड्स ऑफ़ रॉक प्रतियोगिता तथा बैंड सउलमैट से निकले अंतिम प्रतियोगियों सहित रॉक नाइट का आरंभ थिंक फ़्लोयड, भारत के सबसे बड़े तथा एकमात्र पिंक फ़्लोयड को श्रद्धांजली शॉ द्वारा प्रदर्शन के साथ हुआ।

पहले दो दिन तक इस महोत्सव के लिए संगीत ही केन्द्र बिंदु बना रहा तो तीसरे दिन फ़ैशन ही प्रमुख आकर्षण बना रहा। फ़ैश-पी प्रतियोगिता, जो कैओस के समारोहों में सर्वाधिक प्रतीक्षित समारोह है, उसमें देशभर से एनआईडी सहित शीर्ष पुरस्कार जीतने वाले प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस दिन अन्य प्रतियोगिताएँ भी शामिल थीं जिसमें वेस्टर्न सोलो गायक, जोड़ी नृत्य प्रतियोगिता और एक सालसा

कार्यशाला जैसी प्रतियोगिताओं से काफी लोग आकर्षित हुए। इस दिन की समाप्ति इलैक्ट्रोनिक संगीत व नृत्य उत्सव कैओस सनबर्न के साथ हुई।

आखिरी दिन बॉलिवुड की प्रसिद्ध हस्तियों में से विशाल दादलानी और शेखर रावजानी ने बॉलिवुड़ नाइट प्रदर्शन किया। इस दिन तेजी लोकप्रिय हो रहे दक्षिण अमेरिकी नृत्य बेचटा वर्कशोप, पेन्सिल स्केचिंग प्रतियोगिता तथा फ़िल्म *रॉकेट ब्वाय* का प्रदर्शन जैसी अपरम्परागत घटनाएँ भी आयोजित हुई। और जैसे कि परीकथाओं में ज़ोम्बियों तथा पिशाचों का एक स्थान होता है व लोग उनमें विश्वास करते हैं, इस महोत्सव के अंतिम दिन भारत की पहली मूल ज़ोम्बी फ़िल्म, *राइज़ ऑफ़ द ज़ोम्बी* की टीम ने भी कैम्पस पर अपना प्रदर्शन किया। चार दिवसीय इस महोत्सव को बड़ी सफलता मिली वो ही एक महानतम नवीनता व लोकप्रियता को एक उपयुक्त श्रद्धांजलि थी।

कॉन्फ्लुअन्स

आईआईएमए का अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय स्कूल शिखर सम्मेलन *कॉन्फ़्लुअन्स* अपनी तरह का सबसे बड़ा एशिया प्रशांत क्षेत्र का सम्मेलन है। इसे विश्वस्तर पर काफी गौरवपूर्ण स्थान मिला है और प्रमुख महाविद्यालयों के छात्रों को व ऐसे ही अग्रणी उद्योग प्रमुखों को यह अपने ओर आकर्षित करता है। कॉन्फ़्लुअन्स 2012 में सत्रों के साथ साथ अद्वितीय कार्यशालाएँ जिनमें व्यवसाय जगत् के आला दर्जे के महत्त्व के विषयों को लिया गया, और अग्रणी वक्ताओं द्वारा उत्तम व्याख्यानों, अंतर्क्रियात्मक चर्चाओं, तथा प्रतिस्पर्धात्मक समारोहों को शामिल किया गया। वित्त, विपणन, नीति, रणनीति, तथा प्रबंधन के कृषि व्यवसाय क्षेत्रों में 22 प्रतियोगिताएँ रखी गई थी। इन प्रतियोगिताओं में कुछ विदेशी संस्थानों की प्रविष्टियों सहित देशभर से लगभग 16,000 छात्रों ने भाग लिया। अर्थव्यवस्था और प्रबंधन में वर्तमान चुनौतियों को प्रतिबिंबित करते हुए छह नए समारोह आयोजित हुए। सामाजिक कल्याण में सुधार के लिए प्रबंधन के तहत *गैर सरकारी संगठन चलना* और *उद्देश्यपूर्ण अभियान* जैसे समारोहों के माध्यम से भी समाज कल्याण को आगे बढ़ाया गया। *उद्देश्यपूर्ण अभियान* के लिए सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता लाने के लिए एक वीडियो बनाना जरूरी था इसलिए अपने संचालनों में सुधार लाने के सुझावों के लिए छात्रों ने एक दिन गैर सरकारी संगठन में बिताया था। कॉन्फ़्लुअन्स 2012 में व्यवसाय कार्यशाला और मास्टर प्लान : भारत की सबसे बड़ी व्यवसाय योजना प्रतियोगिता जैसी प्रमुख घटनाओं की एक किस्म भी शामिल थी।

श्री एम.वी. टंकसाले

श्री पैट्रिक फोलिस

श्री अरविंद लाल

श्री क्रिस ग्विलबो

श्री महेश मूर्ति

परम वीर चक्र विजेता योगेन्द्र सिंह यादव

श्री अमीष त्रिपाठी

श्री विरेन रासकिन्हा

इस वर्ष इस शिखर सम्मेलन का विषय था–"हवा का बदलता रूख : नेतृत्व के नए मानदंड"। सुश्री देबजानी घोष, श्री अरिन्दम् भट्टाचार्य, श्री सुधीर वासुदेरा, श्री एम.वी. टंकसाले तथा श्री पैट्रिक फोलिस जैसे व्यवसाय अग्रणियों को और श्री अरविंद लाल, श्री क्रिस ग्विलबो, तथा श्री महेश मूर्ति जैसे उद्यमियों को ढेर सारे वक्ताओं के तौर पर शामिल किया गया। परम वीर चक्र विजेता योगेन्द्र सिंह यादव, श्री अमीष

त्रिपाठी तथा श्री विरेन रासकिन्हा द्वारा साझा की गई कहानियों ने श्रोताओं को जकड़कर रखा।

एफ़आईसीसीआई (फ़िक्की) के सहयोग में एक गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया इसमें सरकारी, उद्योग एवं शिक्षा क्षेत्र से वक्ताओं ने एकत्र होकर भारत में बढ़ते युवा रोजगार के मुद्दे पर चर्चा की। प्रख्यात हस्तियों के इस पैनल में सुश्री जयंती रवि, डॉ. अक्षय अग्रवाल और श्री विशाल मेहता शामिल थे।

तीन दिनों तक चले इस शिखर सम्मेलन में आईआईएमए समुदाय के काफी उत्साही प्रतिभागियों को देखा गया। संगठित समिति के सदस्यों के लिए यह सम्मेलन वास्वविक जीवन प्रबंधन में सीखने का बड़ा अनुभव साबित हुआ।

परामर्श (कन्सल्ट) क्लब

प्रबंध परामर्शन के व्यवसाय में उत्कृष्टता का अनुसरण करने वाले छात्रों के लिए **परामर्श** क्लब एक संगठन है। यह क्लब व्यवसाय की समझ विकसित करने एवं बढ़ाने हेतु तैयार गतिविधियों के माध्यम से छात्रों, संकायों, पूर्वछात्रों और व्यवसायियों के बीच बातचीत के लिए अवसर प्रदान करता है।

इस क्लब ने क्षेत्र आधारित केस अध्ययनों के बारे में क्लब के प्रमुख इवैंट - सेक्टोरामा 2012 का अत्यंत सफल आयोजन किया। इसमें 80 बी-स्कूलों की 2000 से अधिक टीमों ने भाग लिया, जिसमें फार्मास्यूटिकल्स एवं स्वास्थ्य देखभाल, खुदरा बिक्री, टैकनोलॉजी, मीडिया एवं टैलिकोम, ऑटोमोबाइल, वित्तीय सेवाएँ, और ऊर्जा जैसे क्षेत्र शामिल थे।

इस क्लब के साथ प्रोक्टर एंड गैम्बल ने ग्राहक एवं बाजार ज्ञान (सीएमके) के बारे में अपने रणनीति अनुकार खेल का आयोजन करने में सहयोग किया। पिछले वर्ष में यह इवैंट दो बार आयोजित किया गया था – पीजीपी-1 छात्रों के लिए अक्टूबर में और पीजीपी-2 छात्रों के लिए फरवरी में। प्रत्येक इवैंट में 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

इस क्लब ने आईआईएम-बैंगलुरू और आईआईएम-कोलकाता के परामर्श क्लबों के सहयोग में आउदिरे नाम की पत्रिका का प्रकाशन किया। इस वर्ष की आउदिरे पत्रिका ने के.वी. कामथ (अध्यक्ष –इनफोसिस लिमिटेड एवं गैर-कार्यकारी अध्यक्ष - आईसीआईसीआई बैंक) और संजीव बिखचंदानी (संस्थापक एवं सी ई ओ– नौकरी डॉट कॉम) जैसे प्रमुख व्यक्तियों के साक्षात्कार को प्रकाशित करके अपने मानक बढ़ा दिये। इस पत्रिका में तीनों आईआईएमों के छात्रों के भी लेखों को प्रकाशित किया गया। इस क्लब ने एक मासिक समाचार पत्र पैनोरामा का भी प्रकाशन किया जिसमें इस क्षेत्र के मुख्य वाहकों, ऊभरती प्रवृत्तियों, प्रमुख खिलाड़ियों, और विनियामकों एवं नीतियों में परिवर्तन के प्रभाव का विश्लेषण समाहित किया गया।

यह क्लब बॉलीवुड के व्यापार को लेकर सार्वजनिक क्षेत्र में प्रबंधन विषयों के बारे में लेखों के साथ अपने ब्लॉग का रखरखाव करता है। इस क्लब ने आईआईएमए केस बुक के अद्यतन संस्करण का प्रकाशन किया है जिसमें परामर्श कम्पनियों द्वारा ग्रीष्मकालीन और अंतिम नियुक्ति के दौरान आयोजित केस साक्षात्कारों के लेख हैं जो छात्रों को अपनी परामर्शन नियुक्तियों के लिए बेहतर तैयारी करने में मददगार होते हैं।

सांस्कृतिक समिति

इस वर्ष, सांस्कृतिक समिति (कल्टकॉम) ने पीजीपी-1 की टी-शर्ट्स के लिए विचारों पर चर्चा करके अपनी गतिविधियों को शुरू किया। विशेष आदर्श वाक्य ***मजाकिया शीर्षकों के लिए समय नहीं है*** के साथ डिजाइनकृत ये टी-शर्ट्स रोचक एवं ध्यानाकर्षक डिजाइन वाले हैं।

जन्माष्टमी के अवसर पर पाँच सेक्शनों के नवांगतुकों एवं पुराने छात्रों के बीच रस्साकशी मची और जीतने की कड़ी टक्कर देखी गई। इस उच्च एड्रेनालाईन अवसर पर कट्टर शारीरक मजबूती का प्रदर्शन हो जाता है। इस अवसर पर मटकीफोड़ का आयोजन छात्रावासों के मध्य रखा गया था।

पाँच दिवसीय गणेश महोत्सव ने आईआईएमए समुदाय को रोमांचित कर दिया। भगवान गणेश की स्तुति में पूजा के साथ इस महोत्सव का प्रारंभ हुआ। इस महोत्सव के समापन पर गणेशजी की प्रतिमा के विसर्जन का जुलूस पूरे परिसर में निकाला गया।

कल्टकॉम ने आईआईएमए में रास गरबा का भी आयोजन किया, इसमें आईआईएमए समुदाय से व साथ ही साथ माइका (एमआईसीए), एनआईडी, निफ़्ट (एनआईएफ़टी), तथा सैप्ट (सीईपीटी) जैसे अन्य महाविद्यालयों से भी 1200 से अधिक लोग आए थे।

फुटलूज़ के सहयोग में आयोजित गरबा नृत्य कार्यशाला में आईआईएमए समुदाय के प्रतिभागियों में काफी उत्साह देखा गया।

एबेकस के सहयोग में आयोजित, पोकर नाइट अपनी तरह का पहला प्रसंग था। इस इवैंट का उद्देश्य कैम्पस में विकसित हो रही पोकर समुदाय की पीढ़ी को इसमें शामिल करना था। इसमें मँझे हुए विशेषज्ञ खिलाड़ियों से इस जंग में प्रत्येक व्यक्ति रत रहा और रातभर अपने दिमाग पर जोर देते रहे।

मेसकॉम के सहयोग में आयोजित, ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए प्रथम वर्ष के सभी छात्रों की नियुक्ति की पार्टी मनाई गई। इसमें पूरे आईआईएमए समुदाय को शानदार रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया गया और उसके बाद संगीत, नृत्य, तथा डीजे के शानदार संगीत के साथ जश्न मनाया गया।

वाक्पटुता (इलोकन्स)

सार्वजनिक बोलचाल क्लब, इलोकन्स ने जिन छात्रों को सार्वजनिक भाषण, संचार एवं नेतृत्व कौशलों में सुधार करने में रूचि है उन्हें रविवार की साप्ताहिक बैठक के साथ मदद करने का प्रयास जारी रखा है। प्रारंभ में, टोस्टमास्टर्स पद्धति का पालन किया गया, परन्तु बाद में आईआईएमए समुदाय की आवश्यकताओं के अनुरूप करने के लिए अनुकूलित किया गया।

रविवार के ये सत्र छात्रों के प्रेम तथा राजनीति विषयक आशु-भाषण तथा गरम बहस द्वारा विवादों के प्रदर्शन के साथ भीड़ से भरे हुए रहे। सदस्य सक्रिय रूप से प्रतिभागियों को शारीरिक भाव भंगिमाओं, शब्दों के सटिक उपयोग और सही सामग्री के बारे में प्रतिक्रिया देते थे।

रैंडम सेक्शन के मजाक से भरे जीवंत अनुभव ऐसे थे जिसका प्रतिभागियों को उत्सुकता पूर्ण इंतजार रहता था। इसके बाद सोमवार को मन-डे मस्ती होती थी जिसमें सोमवार को आईआईएमए समुदाय को एक विजेता मेल भेजा जाता था।

एंत्रे

जब क्लबों के नाम आते हैं तो एक ही नाम आता है जो अपारम्परिक और जोखिम लेने वाला है। यह नाम है एंत्रे, उद्यमिता क्लब। इस क्लब ने नवाचार, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केन्द्र के साथ मजबूत संबंध स्थापित किया है, जिससे छात्रों को अपने स्वप्नों को पूरा करने के काफी अवसर प्राप्त हुए हैं।

यह कहना गलत नहीं होगा कि एंत्रे क्लब धीरे धीरे छात्रों द्वारा देखे जा रहे उद्यमिता के तरीके को पुनः परिभाषित कर रहा है। अक्टूबर 2012 में आयोजित एंत्रे मेला जैसे समारोह न केवल भारत में अपितु अन्य कई देशों में भी उद्यमिता को बड़े तौर पर बढ़ावा देते हैं। जिस जगह पर एंत्रे स्टोर शुरू किया गया, इसे ब्रिक्स के रूप में परिभाषित किया गया है। आज, ब्रिक्स आईआईएमए की वस्तुएँ बेचने का ही स्टोर नहीं

है बल्कि वह छात्रों को अपने विचारों को वास्वतिकता में रूपांतरित करने का मंच भी प्रदान करता है।

इस वर्ष स्वप्नों के पीछे दौड़ने वालों की श्रृंखला की उत्पत्ति हो गई। जिन पूर्वछात्रों ने अपने स्वप्नों की दौड़ लगाई उन्हें छात्रों के साथ अनौपचारिक वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया। साथ ही, प्रौद्योगिकी उद्यमिता क्षेत्र में अन्य प्रसिद्ध व्यवसायियों को भी वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया था। लोगों को अपने विचारों को साझा करने और विशेषज्ञों से निर्णायक अनुभव जानने के लिए अक्टूबर में एक बूटकैम्प का भी आयोजन किया गया।

इस क्लब ने सीआईआईई की आईआईएम मैवरिक्स 2013 की पहल को भी समर्थित किया। यह क्लब जो छात्र उद्यमिता का पालन करना चाहते हैं उनके लिए एक अनुकूलित समर्थन प्रणाली विकसित करने के बारे में विचार करता है और उसके लिए छात्र गतिविधि केंद्र (एसएसी) और प्रशासन के साथ भी निरंतर कार्यरत है।

साम्यावस्था (इक्विपोइज़)

अर्थशास्त्र में रूचि को पोषित करने की एक दृष्टि के साथ इक्विपॉइज़ क्लब चलाया जाता है। अग्रणी प्रबंध स्कूल का एक हिस्सा होते हुए, समारोहों के आयोजन करके पहले से विषय के व्यवहार्य पहलुओं को सामने लाने का प्रयास यह क्लब करता है जिसमें यथार्थवादी व्यवसाय परिदृश्यों में आर्थिक सिद्धांतों के कार्यान्वयन शामिल हैं।

इस वर्ष क्लब ने तीन नए समारोह आयोजित किए : टैलेन्ट स्टॉक एक्सचेन्ज, चाणक्य की चुनौती, और मुद्रा जंग। टैलेन्ट स्टॉक एक्सचेन्ज का आयोजन टी-नाइट के दौरान हुआ और टी-नाइट में प्रतिभागियों को अपने सैक्शन के प्रदर्शन की भविष्यवाणी करने की अनुमति थी। व्यापक रूप से मंद आर्थिक औचित्य के खिलाफ़ सैक्शन की वफादारी खड़ी थी। चाणक्य की चुनौती का आयोजन पबपोल एसआईजी के समन्वय में हुआ, जो एक सार्वजनिक नीति एवं आर्थिक प्रश्नोत्तरी के रूप में था। इस समारोह में 100 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए। बृहत् अर्थशास्त्र तथा नीति निर्माण पर आधारित नवीन प्रारूप और पेचीदा प्रश्नों को इसमें काफी सराहा गया। मुद्रा जंग एक वेब आधारित मुद्रा पॉर्टफोलियो अनुकार था। यह प्रतियोगिता दो महीने तक चली और इसमें विदेशी मुद्रा बाजार के बारे में जागरूकता एवं रूचि पैदा की गई।

इक्विपोइज़ क्लब ने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए "क्विज़-मास्टर्स" का आयोजन किया। यह काफी लोकप्रिय प्रतियोगिता है। इससे छात्रों को पीजीपी कार्यालय के समक्ष जाने से पहले क्या हो सकता है उसका अनुमान लगाने का अवसर मिलता है। जबकि प्रारंभ में छात्रों को लगा कि उनका कोड अब पक्का हो गया है परन्तु पीजीपी कार्यालय ने फिर से पूरे बैच को आश्चर्य में डाल दिया था।

इक्विपोइज़ ने सूक्ष्म अर्थशास्त्र एवं बृहत् अर्थशास्त्र पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों के लिए उपचारात्मक सत्रों का आयोजन कर दिया था। ग्रीष्मकालीन नियुक्ति से ठीक पहले, क्लब के पुराने सदस्य छात्रों ने वर्तमान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बारे में एक समाचार सुधारात्मक सत्र आयोजित किया।

कॉन्फ्लुअन्स के दौरान, इक्विपोइज़ क्लब ने बजट, नीति निर्माण समारोह का आयोजन किया। इसमें देशभर से लगभग 150 से अधिक टीमों ने भाग लिया। टीम को एक ऑनलाइन राउंड पार करना था और इसके बाद अंतिम चयनित प्रतियोगियों को किसी देश का परिकल्पित केस अध्ययन दे दिया गया। सामाजिक-राजनीतिक डाटा का उपयोग करते हुए, इन टीमों को राजकोषीय एवं मौद्रिक नीति के साथ प्रस्तुत होना था।

ग्रीष्मकालीन नियुक्ति से ठीक पहले कैलिडोस्कोप का उल्लेखनीय प्रकाशन हुआ। हाल ही के आर्थिक समारोहों के एक वैश्विक निवेश आयोजनों को इसमें प्रस्तुत किया गया। इको-कोन्सेप्ट्स, एक नियमित

मेलर (पत्राचार) में मुख्य आर्थिक परिकल्पनाओं के संक्षिप्त सारांशों को समाहित किया गया है। इस क्लब का वेबसाइट अब प्रकाशनों का पूरा संग्रह भी उपलब्ध कराता है।

विनिमय परिषद्

सितम्बर से दिसम्बर तक की अवधि एक तरफ नवागंतुक छात्रों के लिए तनावपूर्ण होती है, तो दूसरी तरफ कई पुराने छात्रों के लिए काफी उदास मनोदशा वाली होती है। इस परीक्षण के समय पर उनके मूड को सही करने के लिए एक क्लब है वह है, विनिमय परिषद्।

अधिकृत रूप से यूरोप से आने वाले और संस्थान से जाने वाले छात्रों के लिए छात्र विनिमय कार्यक्रम की सुविधा प्रदान करते हुए विनिमय परिषद् ने इस प्रक्रिया को सहज, सुखद एवं यादगार वैश्विक अंतर्दृष्टि को आत्मसात् करने का प्रयास किया है। बाहर जा रहे पुराने छात्रों के लिए जरूरी प्रत्येक वस्तु - मुद्रा, वीज़ा और सबसे महत्त्वपूर्ण यूरेल पास से लेकर बैकपैक तक के लिए सरल पहुँच और बेहतर वस्तु विनिमय के थोक सौदे का आयोजन करके - इस परिषद् ने यह सुनिश्चित किया कि छात्रों के पास विनिमय सत्र के लिए आवश्यक सब कुछ आ चुका है।

आगंतुक छात्रों का पंजीकरण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रत्येक छात्र के लिए दोस्त निर्दिष्ट करते हुए, अपने ठहराव के दौरान सभी पूछताछ के लिए परिषद् ने एक संपर्क सूत्र का आश्वासन दिया। आने वाले छात्रों को छात्र समुदाय से मिलाया गया और परिषद् द्वारा नियमित पार्टियों, जन्मदिन समारोहों तथा समुदाय के समारोहों में भाग लेने के लिए उनको आमंत्रित करने के साथ उस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए मदद की गई। परिषद् ने जोधपुर, जयपुर, गोवा तथा आगरा और अन्य शहरों के दौरे के लिए भी उनकी मदद की।

एक स्मारिका के रूप में, विनिमय छात्रों को भारत भर में अपनी यात्रा और खासकर, आईआईएमए की पहचान बताते हुए टी-शर्ट्स दिए गए। वे कई मित्रों, देश के सर्वोत्तम प्रबंधन कार्यक्रम के शैक्षिक अनुभव और ताज के प्यार के साथ बाहर गए तभी पुराने छात्र उच्च भावनाओं के साथ वापिस लौट आए। विनिमय परिषद् ने नवांगतुक छात्रों के लिए एक संक्षिप्त परिचय एवं जानकारी हस्तांतरण सत्र का आयोजन किया जो आगामी वर्ष में आवेदन करने वाले हों और इसमें सभी आवश्यक यात्रा संबंधित जानकारी भी साझा की गई।

संकाय छात्र सहभागिता

संकाय छात्र सहभागिता (एफएसआई) प्रकोष्ठ संकाय सदस्यों एवं छात्रों के बीच अनौपचारिक संबंधों एवं बातचीत को बढ़ावा देता है। यह प्रकोष्ठ नियमित रूप से शिक्षक-छात्र रात्रिभोज, क्रिकेट मैच, प्रकृति में टहलना, और सामान्य विषयों पर विचार विमर्श जैसे इवैंट्स का आयोजन करता है जिससे प्रोफसरों और छात्रों के बीच की सीमारेखा को धुंधला किया जा सके और सोच तथा विचारों का एक परस्पर विनिमय हो सके।

इसके लिए, एफ़एसआई ने कॉफ़ी विथ प्रोफ़ेसर का आयोजन किया जो छात्रों और संकाय के साथ शांति से बातचीत करने का एक मंच प्रदान करता है, जहाँ आप उनसे कुछ भी और सबकुछ एक छत के नीचे पूछ सकते हैं, चाहे वह शिक्षाविदों, वन्य जीवन, खेलकूद अथवा साहस के बारे में हों।

5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया गया। छात्रों ने अपने दुलारे प्रोफेसरों के लिए अद्भुत इवेंट्स की बाद एक श्रृंखला रखी थी। प्रोफेसरों ने छात्रों के साथ अपने पढ़ाने के अनुभवों और अपने छात्र जीवन के अनुभवों को भी साझा किया। शिक्षक दिवस समारोह का मुख्य आकर्षण, अनुकूलित स्मृतिचिन्हों और छात्रों के संदेशों वाले ग्रीटिंग कार्डों से प्रोफेसरों को पहचानना एवं सम्मान करना था।

इस क्लब ने संकाय-छात्रों के क्रिकेट मैचों का आयोजन किया, इन खेलों का दोनों ने ही पूरी तरह से आनंद उठाया। प्रोफेसरों के साथ अनेक तरीकों से बातचीत हुई, जैसे कि औपचारिक, अनौपचारिक, वर्ग में, वर्ग से बाहर, सामाजिक, शैक्षणिक, आकस्मिक, योजनाकृत, लेकिन जो इन क्रिकेट मैचों ने हासिल किया, वह शायद ही किसी खेल के रूप में देखने को मिलता है।

संकाय सदस्य छात्रों के लिए एक गुरू के रूप में होने के कारण वे छात्रों को गुरुओं के साथ संबंध बनाने और उनकी रुचि के क्षेत्र में मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए अवसर प्रदान करते हैं। नए बैच के संस्थान में आने के पहले दो सप्ताह के अन्दर ही गुरु नियत हो जाते हैं। संकाय सदस्यों को भी उनकी रुचि एवं उपलब्धता के बारे में पूछा गया है। यह क्लब गुरूओं और शिष्यों के बीच के अधिकतम हितों का अधिव्यापन करने की कोशिश करता है।

यह क्लब संकाय सदस्यों के जन्मदिन समारोहों का आयोजन करता है।

उद्योग सहभागिता मंच (एफ़आईआई)

उद्योग सहभागिता मंच (एफ आई आई) छात्र परामर्शन निकाय है। सबसे पुराने छात्र संगठन के रूप में, एफ आई आई ने अपने अस्तित्व के कई वर्षों से अधिक छात्रों एवं उद्योग के बीच एक सफल सहभागिता की सुविधा में मदद की है। विभिन्न पृष्ठभूमि, उद्योग अनुभव, व प्रति वर्ष एफ़आईआई परियोजना टीम का एक हिस्सा बनने में रुचि रखने वाले लगभग 300 से भी अधिक छात्रों के साथ एफ़आईआई ने निरंतर रूप से बहुउद्यमी एवं बहुव्यावसायिक कार्यों वाली कम्पनियों में प्रभावी एवं व्यावहारिक समाधान दिये हैं।

एफ़आईआई की कोर टीम परियोजना पिचों, चर्चाओं के लिए मंच प्रदान करती है और समग्र प्रशासनिक प्रक्रिया को सँभालती है। यह उद्योग में संस्थान के वर्चस्व की ब्रांड एवं गुणवत्ता को प्रतिबिंबित करने वाले समाधानों को सुनिश्चित करता है। एफ़आईआई परियोजना टीम बेहद प्रेरित छात्रों से मिलकर बनी हुई होती हैं। अद्वितीय टीम की आवँटन प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि क्लायंट और टीम संचालित परियोजना के मध्य रुचि एवं समुचित सहयोगों का संरेखण बना रहे।

एफ़आईआई के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय कम्पनियों जैसे कि, अमेजोन, सिस्को, जीई, फ़िनआईक्यू, तथा टेट्रापाक के साथ सेवा दे रही टीमों के लिए यह वर्ष अभूतपूर्व रहा। सामाजिक संस्थानों जैसे कि, ओरोविले से लेकर खेल प्रबंधन सैक्टर जैसे कि, बाईचुंग भुटिया का भारतीय फुटबॉल फेडरेशन तक विविध क्षेत्रों से परियोजनाएँ एफ़आईआई को मिली। इस वर्ष पहली बार दस लाख रुपए को पार करते हुए शीर्षस्थ राजस्व में 60 प्रतिशत वृद्धि देखी गई। पिछले वर्ष की तुलना में परियोजनाओं की संख्या में भी 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इससे न केवल बड़ी संख्या में ऊभरते प्रबंधकों को जीवंत परामर्श कार्य पर काम करने का अवसर मिला, बल्कि यह भी सुनिश्चित हुआ कि उपयोगीकरण का स्तर अच्छा रहा। इस वर्ष एफ़आईआई टीमों की सफलता लगभग प्रत्येक पंजीकृत टीम द्वारा प्राप्त रेटिंग औसत से अधिक दर पर दिखाई दी है।

कई नयी पहलें इस कोर टीम द्वारा शुरू की गई जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रक्रियाएँ सुव्यवस्थित चल रही हैं और कुशल तरीके से परियोजना पिच को अंजाम दिया जा रहा है। पंजीकरण प्रक्रिया को एफ़आईआई वेबसाइट के साथ एकीकृत कर दिया गया था और मानकीकृत वितरण योग्य टैम्पलेट्स बनाकर आईटी टूल्स का उपयोग करते हुए और भी सुव्यवस्थित किया गया तथा पूर्व नामांकन एवं प्रतिक्रिया पूर्ण होने के बाद के कार्य को अंजाम दिया गया।

एफ़आईआई ने कन्सल्ट क्लब के सहयोग में एक केस अध्ययन कार्यशाला का आयोजन किया, जिससे केस का दस्तावेजीकरण करके ज्ञान की क्षमताओं को बनाया जा सके ताकि भविष्य की टीमों द्वारा उसे फिर से उपयोग में लिया जा सके। गूगल साइट का उपयोग करके एक ऑनलाइन परियोजना ट्रेकर के

लिए एक दूसरी पहल प्रगति पर है जो एफ़आईआई समन्वयकों, परियोजना टीमों एवं क्लायंटों के लिए एक ही जगह खरीदारी करने का माध्यम बनेगा।

उत्कृष्ट टीमों को पुरस्कृत करने के लिए, जनवरी में एक अंतिम पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह को श्री वी.जी. पटेल, अध्यक्ष, सीईआरसी एवं भारतीय उद्यमिता क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों में से एक, ने सुशोभित किया। इस वर्ष, पुरस्कार संरचना को परिवर्तित किया गया और शीर्षस्थ पाँच टीमों को बड़े पुरस्कार देने के अलावा, अन्य उच्च कार्य प्रदर्शन प्रस्तुत करने वाली 23 टीमों को प्रत्येक को 15,000 रुपए के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कौशल (फिनेस)

कौशल (फिनेस), ललित कला क्लब एक विशेष रूचि समूह है जो परिसर में कला के विभिन्न रूपों को बढ़ावा देने के लिए है। यह क्लब ललित कला में छात्रों की रूचियों को आगे बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

यह वर्ष समारोहों के पैमाने एवं दायरे के संदर्भ में खुद ही एक मिल का पत्थर बन गया। आर्ट मेला, दो दिवसीय कला महोत्सव का आयोजन इस वर्ष हुआ। इस मेले के एक हिस्से के रूप में, कार्टून, सुलेख की कार्यशालाओं सहित ओत कूत्यूर (फैशन) तथा फ़ेइस द पेंट जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। एक कला प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

द वॉर ऑफ़ द डोर्म्स (छात्रावासों के मध्य जंग), अंतर छात्रावास की प्रारंभिक प्रतियोगिता का आयोजन छात्रावास में उत्साह के स्तर को और छात्रावास की अद्वितीय संस्कृति को खोजने के लिए किया गया। फ़िनेस क्लब ने इस वर्ष प्रयास संगठन के बच्चों के लिए भी कला क्लासीस शुरू किए, जो काफी लोकप्रिय रहे। अन्य समारोहों में, जॉय ऑफ़ गिविंग के हिस्से के रूप में पेंटिंग प्रदर्शनी और तेल चित्रकला कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आगामी वर्ष के लिए, इस क्लब ने मॉडर्न आर्ट, ओरिगामी एवं एडोब फ़्लैश, सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों पर आधारित नवीन समारोह, आईआईएमए में कलाकारों के लिए ऑनलाइन गैलेरी, विभिन्न छात्रावास एवं सैक्शन स्तर की प्रतियोगिताएँ, और राष्ट्रीय स्तर की डिजाइन प्रतियोगिता जैसी अपारम्परिक कला की कार्यशालाओं के आयोजनों की नयी पहल के लिए योजना बनाई है।

फुटलूज़

डान्स क्लब *फुटलूज़* ने नवागंतुक छात्रों के लिए फ़च्चा नाइट के साथ अपने नये वर्ष का प्रारंभ किया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर फुटलूज़ ने प्रोफ़ेसरों को टी-नाइट का लुत्फ दिलाया।

फुटलूज़ ने आईआईएमए समुदाय के लिए डान्स कार्यशालाओं का भी आयोजन किया। इसमें सालसा, बॉलिवुड़, तथा गरबा जैसी शैलियाँ पेश की गई और उत्साही छात्रों के समूह ने उत्सुकता से भाग लिया।

एक और सफल ग्रीष्मकालीन नियुक्ति सत्र के बाद, छात्रों को फुटलूज़ द्वारा एक ट्रीट दी गई - यह डान्स नाइट थी। सभी प्रकार के डान्स – विदेशी, फ़्यूज़न, या शास्त्रीय – कई दिनों तक पूर्व तैयारी करके प्रस्तुत किए गए। कंटेंप्ररी, शास्त्रीय, बॉलिवुड़, बेली डान्स, हिप-होप, एवं नौटंकी-हिपहोप तथा धुनबद्ध हिपहोप जैसे कुछ भव्य नृत्य प्रदर्शन हुए। गणतंत्र दिवस समारोह पर फिर से परम्परागत एवं नवीन डान्स का मिश्रण था।

जेनेसिस

जेनेसिस प्रश्नोत्तरी एवं गेमिंग समारोहों का आयोजन करता है जिससे छात्रों को एकत्रित होने, मंथन करने और आईटी क्षेत्र की नवीनतम घटनाओं में शामिल होने में मदद मिल सके। पिकटोनिक जैसी गतिविधियों को छात्र समुदाय द्वारा उत्साहपूर्वक अपनाया गया, इसने आवश्यक चुनौती प्रदान की, जिसकी लालसा आईआईएमए का उच्च बौद्धिक समुदाय रखता है। केस अध्ययनों पर आधारित प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई, इससे प्रतिभागियों को आईटी क्षेत्र की चुनौतियों को समझने में सहायता मिली है।

नियमित रूप से न्यूज़लेटर को रखा गया जिसमें प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अद्यतन नवाचारों का अनुसरण हुआ और एक ही स्थान पर छात्रों को आवश्यक सभी जानकारियाँ प्राप्त करने में सहायता मिली। टैकजेन, जेनेसिस की एक मासिकी पत्रिका है। इसमें नवीनतम तकनीकी अद्यतन और उद्योग जगत के वर्तमान रुझान शामिल हैं।

कैरियर के अच्छे विकल्पों की जानकारी के लिए प्रथम वर्ष के छात्रों को सुविधा देने हेतु जेनेसिस ने सैक्टर जागरूकता सत्रों का आयोजन किया, इनमें पीजीपीएक्स छात्रों द्वारा हुई वार्ता भी शामिल थी।

आईआईएम अहमदाबाद सांस्कृतिक एवं नाट्य सोसायटी

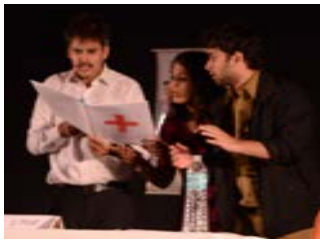

पूरे वर्षभर एक अत्यंत प्रतिभावान टीम ने "दारियो फ़ॉ के ऐक्सिडैन्टल डेथ ऑफ़ एन एनार्किस्ट', के हिन्दी संस्करण, बेचारा मारा गया नाटकों द्वारा आईआईएम ऐक्ट्स का प्रदर्शन जारी रखा। आईआईएम ऐक्ट्स ने ना केवल शानदार स्क्रिप्ट के साथ न्याय किया बल्कि कई प्रस्तुतियों को अनुसरण के लिए उच्च मानक स्थापित किए।

गुलज़ार के *खराशें* ने इस वर्ष संघर्षक टुकड़ा होने के सबूत दिए, माइका में सांस्कृतिक महोत्सव में विजेता रहकर संकल्प ने, इस वर्ष गोवा में आयोजित नोकिया इंडिया फ़ेस्ट के अंतिम में प्रविष्टी ली। अन्य फ़िल्मों में मोन्टी पाइथोन की फ़्लाइंग सर्कस स्कैच पर आधारित *आलवेज़ लुक एट द ब्राइटर साइड ऑफ़ लाइफ़* और *तुमसे ना हो पाएगा* पूर्णतया स्वदेशी नुक्कड़ नाटक, आईआईटी गाँधीनगर में आयोजित अंतरंगी 2013 में विजेता रहे।

आईआईएम ऐक्ट्स की ताज़ा सफलता है, रिड्यूस्ड् शैक्सपियर कम्पनी की *द कम्प्लीट वर्क्स ऑफ़ विलियम शैक्सपियर* तीन व्यक्तियों का एक अद्वितीय नाटक जिसमें न केवल शैक्सपियर के 37 नाट कों को समाहित किया गया था बल्कि रैप एवं स्पॉर्ट्स शैली के भी कई प्रकार शामिल थे। आईआईएम ऐक्ट्स ने स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के लिए भी कुछ लघु विषयक नाटकों का मंचन किया।

अंग्रेजी प्रस्तुतियाँ भी सुर्खियों से दूर नहीं थी, जिसके तहत अच्छे निर्देशन वाली आलवेज़ और चेन्नई से अग्रणी नाट्य ग्रुप एवम के सहयोग के साथ इस वर्ष कैओस में फ़ाइव प्वाइंट समवन भी सुर्खियों में थे।

संस्थान की समर्थन प्रणाली

संस्थान में यह कार्यक्रम अत्यंत कठिन है और छात्रों को इसमें स्वयं ही समायोजित होने की जरूरत रहती है। संस्थान में सुरक्षा की कई विधाएँ और समर्थन की प्रणालियाँ हैं।

जाति वर्ग का कोई प्रकटीकरण नहीं

सबसे पहले तो, संस्थान की व्यापक नीति के अनुसार, किसी को अपनी जाति का खुलासा करने की जरूरत नहीं है, फिर चाहे वे सामान्य, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग अथवा अन्य किसी भी वर्ग से हो, और सभी पर छात्रों से जाति के बारे में पूछने पर प्रतिबंध है। वर्गों/वर्गखंडों/अध्ययन समूहों में छात्रों के बीच कोई भेदभाव नहीं है। जाति की जानकारी का उपयोग केवल प्रवेश से पहले ही किया जाता है और यह जानकारी छात्रों के लिए उपलब्ध नहीं होती है।

समर्थन के माध्यम

जो लोग कठिनाइयों का सामना करने में मुश्किलें पाते हैं, उनके लिए सहायता के विभिन्न प्रकार उपलब्ध हैं और उनका दायरा जरूरत के अनुसार बदलता रहता है।

वित्तीय समर्थन

संस्थान ज़रूरतों को पूरा करने के लिए बेताब रहता है, और अपनी इन वास्तविकताओं के बारे में स्वयं पर गर्व महसूस करता है। किसी की भी आर्थिक स्थिति को देखते हुए उसे शिक्षा से वंचित नहीं किया जाता और जरूरतमंद छात्रों की सहायता के लिए विभिन्न रूपों में शुल्क मुक्ति/छात्रवृत्तियाँ/वित्तीय पैकेज उपलब्ध हैं। इनमें से कुछ विशेष रूप से अ.जा./अ.ज.जा. और अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों और फीस वहन नहीं करने वाले छात्रों के लिए हैं।

प्रारंभिक कार्यक्रम

कार्यक्रम में जुड़ने से पहले भी कुछ छात्रों को संचार कौशल, कम्प्यूटर कौशल और मात्रात्मक तरीकों पर कक्षाओं के साथ प्रारंभिक पाठ्यक्रम में शामिल होने के लिए कहा जाता है। यह एक महीने लंबा कार्यक्रम है और बैच के लगभग 20 प्रतिशत छात्रों को इसमें प्रवेश दिया जाता है। इसमें भी उम्मीदवारों की स्थानीय भाषा के माध्यम का खयाल रखा जाता है।

छात्र गुरू

द्वितीय वर्ष के 50 से अधिक छात्रों की एक टीम सीधे ही प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ जुड़ती है। प्रत्येक गुरू के समूह में 8 से 10 छात्र होते हैं जिनके लिए वह व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होता है। मूलतः, यह कार्यक्रम प्रथमवर्ष के छात्रों के लिएउन अवसरों की पहचान करता है जिसमें वे सबसे ज्यादा रुचि रखते हैं। जैसे ही प्रवेशपत्र जारी किये जाते हैं उसके तुरंत बाद गुरू आवंटित हो जाते हैं और वे अपने शिष्यों की परिसर में सेट होने से लेकर कैरियर के विकल्प चुनने तक में हर संभव मदद करते हैं।

विशेष जरूरतों की पहचान

आने वाले प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ यहाँ आने से बहुत पहले ही सम्पर्क किया जाता है जिससे यदि संस्थान के साथ जुड़ने से पहले उनकी कोई विशेष जरूरत या आवश्यकता हो तो उसे समझ जा सके। संस्थान सभी तरह के विकलांग छात्रों को समान अवसर प्रदान करता है और उनको विशेष सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास करता है जिनकी उन्हें जरूरत है।

उपचारात्मक सत्र

उपचारात्मक सत्र प्रत्येक पाठ्यक्रम में छात्रों द्वारा एक दूसरे के लिए चलाये जाते हैं। आमतौर पर ये प्रत्येक स्लॉट में दो या तीन बार किये जाते हैं। ये उपचारात्मक सत्र हर छूटे हुए विषय के एक-एक भाग को ताज़ा करने का उत्तम तरीका है। छात्रों द्वारा आयोजित होते हैं, इसलिए ऐसे सत्रों में 100 से अधिक छात्रों का शामिल होना आम है।

छात्रों का व्यक्तिगत एवं कैरियर विकास केन्द्र

यह एक पेशेवर परामर्शदाता केन्द्र है, जो छात्रों के व्यक्तिगत एवं व्यवसायिक विकास के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए उपलब्ध है। मार्गदर्शक टीम और छात्र परिषद् इस केन्द्र में काफी बारीकी से काम करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि यह सुविधा छात्र समुदाय मे अच्छी तरह से जानी जाती है।

छात्रालय जीवन

एक छात्रालय में 19 से 39 मित्र होते हैं जो एक साथ रहते हैं। प्रत्येक छात्रालय का एक छात्रालय प्रतिनिधि होता है और मित्रों का एक समूह होता है जो हमेशा पास में ही उपलब्ध रहते हैं।

छात्रों की परिषद् के बारे में उल्लेख किये गये प्रत्येक चरण यह यकीन दिलाते है कि छात्रों की पहचान करने एवं उनकी मदद सुनिश्चित करने के लिए यह एक ठोस समर्थन प्रणाली है। आवश्यकताओं की पहचान करने और उनका उचित पद्धति के माध्यम से पता लगाने में परस्पर सहयोग के साथ ये प्रणालियाँ काम करती हैं।

अन्तर्दृष्टि (इनसाइट)

अन्तर्दृष्टि (इनसाइट) संस्थान का पहला ऐसा महोत्सव है जो 2012 में आयोजित हुआ और देश में आईएसओ प्रमाणपत्र पाने में पाँचवें क्रम पर स्थान बनाया है।

एनब्लिक एवं वेकिंग द डेड जैसी नयी प्रतियोगिताओं के साथ आठ विपणन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई जिसमें देशभर के बिजनेस-स्कूलों से आए छात्रों ने पारितोषिक जीतने के लिए बाजी लगायी। ए.सी., निल्सन से विपणन अनुसंधान जैसी विभिन्न विपणन कार्यशालाएँ और अच्छे संबंधों द्वारा ब्रांड निर्माण जैसी कार्यशालाओं में लगभग 400 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस समारोह के संकाय परामर्शक प्रोफ़ेसर अरविन्द सहाय ने भी कर्मचारियों को जिन समस्याओं का सामना करना पडेगा, मुद्दों को संबोधित करते हुए प्रायोजकों के लिए एक व्यावसायिक विपणन कार्यशाला का आयोजन किया।

पहली बार वक्ता सत्रों का आयोजन हुआ और इनमें कुछ प्रतिभावान वक्ताओं ने आकर अपनी अद्भुत अंतर्दृष्टि से प्रतिभागियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जबकि श्री आनंद हाल्वे ने 20वीं सदी की कुछ सर्वाधिक सृजनात्मक ब्रांडों के बारे में वार्ता की, राहुल रौशन ने फ़ेइकिंग न्यूज़ के अपने सफर के बारे में वार्ता की। दूसरे दिन, *सत्यमेव जयते* की टीम ने यह शॉ बाजार अनुसंधान में रूचि को मापने के लिए कैसे उपयोग किया जा सकता है विषय पर चर्चा की।

द ग्रेट अहमदाबाद मेला प्रच्छन्न बाजार अनुसंधान के लिए एक मंच के रूप में बना रहा जिसे बहुत बड़ी सफलता मिली। दो दिनों तक, सभी आयु वर्ग के लगभग 8000 से अधिक लोगों ने इसमें भाग लिया। पहली बार, 1200 से अधिक स्कूली बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इसी समय, युवाओं और बुजूर्गों ने *हर एक फ्रेन्ड जरूरी होता है* और *तम्बोला हाउसी* जैसे इवेंट्स का आनंद उठाया। इसके अलावा, कैम्पस वॉक थी जिसमें इतिहास, स्थापत्य, व संस्थान की संस्कृति को प्रदर्शित किया गया और सैंकड़ो लोग आकर्षित हुए। वहीं आगंतुकों ने इस उत्सव का पूरा आनंद लिया, तथा परियोजना टीमें अविश्वसनीय अंतर्दृष्टि को प्राप्त करने में सहायक ऐसे अपने प्रच्छन्न सर्वेक्षणों के लिए रोमांचित थी।

साहित्य संगोष्ठी डेस्क (एलएसडी)

साहित्य संगोष्ठी डेस्क (एलएसडी) की वार्षिक पुस्तक से वर्ष का ज़ोरदार रूप से आरम्भ हुआ, लेकिन उसी समय उसका कार्य भी पूरी तरह से अनुकूल रहा।

इस टीम ने नवागंतुक छात्रों के लिए साहित्यिक संस्कृति में लिट वीक (साहित्य सप्ताह) के साथ शुरूआत की। इस सप्ताह के दौरान, जस्ट-ए-मिनट, पोट-पुर्री, शब्दखेल और नवागंतुक छात्रों के लिए (फच्चा) एक

प्रश्नोत्तरी जैसे इवैंट्स आयोजित किये। सैक्शन के उत्साह कुल मिलाकर किसे कहते हैं यह नवागंतुक छात्रों को बताने के लिए एलएसडी ने सैक्शन फ़िक्शन नामक वर्ष की पहली अंतर अनुभाग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

प्रथम बार आयोजित छात्र-संकाय वाद-विवाद में परिसर के सबसे आदरणीय प्रोफेसरों में से दो – प्रोफेसर निहारीका वोहरा और प्रोफ़ेसर सेबास्तियन मोरिस के सामने छात्रों की बहस हुई।

फिर से एक बार एलएसडी ने आईआईटी मुम्बई टैकफेस्ट के अहमदाबाद चैप्टर में जीत जारी रखी, पिछले तीन वर्षों से यह इसकी निरंतर तीसरी जीत है। निहिलंथ, अंतर-आईआईटी-आईआईएम प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में नौ छात्र विजेता बने और अन्य सभी संस्थानों को बड़े अंतर से हराया। निरमा विश्वविद्यालय, डीए-आईआईसीटी, जीएनएलयू, तथा अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित अधिकांश प्रत्येक प्रतियोगिता में शीर्ष तीनों स्थानों में रहते हुए एलएसडी ने अपना प्रभुत्व अहमदाबाद में जमाया।

मैड क्लब

मैड क्लब छात्रों के जीवन में नवीनतम फ़िल्मों, टीवी धारावाहिकों, खेलों, वृत्तचित्रों, और भी बहुत कुछ उपलब्ध कराते हुए थोड़ा-सी मस्ती जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। छात्रों की तरफ से फ़िल्मों और सिट कॉम के लिए किए गए अनुरोध स्वीकार किये जाते हैं और तुरंत पूरे किए जाते हैं।

वर्षभर यह क्लब नियमित फ़िल्मों की प्रस्तुति करता है। उनमें से एक, *जय भीम कॉमरेड*, और एक मुम्बई में सन् 1997 में पुलिस द्वारा मारे गये 10 दलितों पर आधारित आनंद पटवर्धन का एक वृत्तचित्र था।

इस क्लब ने समकालीन समस्याओं के बारे में भोजपुरी फ़िल्म *देसवा* के फिल्मांकन में भी सार्वजनिक नीति एसआईजी के सहयोग में सहायता की। इस अवसर पर निदेशक नीतिन चन्द्रा और निर्माता नीतू चन्द्रा ने भाग लिया और उसके बाद एक जीवंत वार्तालाप भी हुई थी।

राइडिंग सोलो टु द टॉप ऑफ द वर्ल्ड, तनाव से मुक्ति दिलाती प्रस्तुति रही। गौरव जानी द्वारा मुम्बई से विश्व के दूरतम स्थल चांगथेंग प्लातो, लदाख तक की अपनी अकेले मोटर साइकिल यात्रा के बारे में फिल्म एक ऐसा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता वृत्तचित्र है जिसे 11 पुरस्कार मिले और इसकी प्रस्तुति 21 फ़िल्म महोत्सवों में हुई।

मीडिया कक्ष

मीडिया कक्ष, छात्र समुदाय के लिए अधिकृत मीडिया चैनल है जो मेहनती एवं प्रतिभावान छात्रों द्वारा योग्य रूप से हकदार होने के नाते किये गये सभी अच्छे कार्यों को प्रचार में स्थान दिलाना सुनिश्चित करता है।

कैओस, कॉन्फ़्लुअन्स जैसे कैम्पस के महोत्सवों को बढ़ावा देने हेतु बाहरी मीडिया घरानों के साथ कार्य करने से लेकर क्लब की गतिविधियों के बारे में स्टोरी प्रकाशन तक और छात्रों द्वारा परम्परा से बाहर की गतिविधियों, सामाजिक मीडिया नेटवर्कों पर ब्रांड दृश्यता का अधिक बड़ा सृजन जैसे कार्य मीडिया कक्ष मेहनतपूर्वक करता है और समाचारों को दूर व व्यापक स्तर तक पहुँचाता है। नवागंतुक बैच के लिए स्वागत किट तैयार कराना, छात्रों के विजिटिंग कार्ड छपवाना, कई पीरियडिकल प्रकाशित करने का काम भी इस क्लब ने किया।

भोजनालय समिति

अपनी शीर्ष प्राथमिकता के रूप में भोजनालय समिति ने हमेशा भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता को बनाये रखा। इसी कारण से बेहतर खाना उपलब्ध कराने के विकल्प के रूप में मुख्य परिसर में बिजार खोला गया।

इस समिति ने छात्र समुदाय के लिए दो रात्रिभोजों का भी आयोजन किया और भोजन की बर्बादी को कम करने पर भी ध्यान दिया गया।

रैडिसन, आईएसटीए, तथा मेरियोट जैसे रेस्तरांओं में इस समिति ने डाइनिंग एटिकेट (भोजन शिष्टाचार) कार्यशालाओं की भी पहल की जिसमें प्रसिद्ध प्रशिक्षण संकायों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया।

संगीत क्लब

अद्भुत गायकों, उत्कृष्ट गिटार वादकों, प्रतिभावान तबलचियों, कमाल के कीबोर्ड वादकों, फ़िडलवादकों, शहनाईवादकों ने प्रसिद्ध अँग्रेज़ी, हिन्दी एवं प्रादेशिक गानों को बजाया और यही कैम्पस में संगीत क्लब की शानदार लोकप्रियता का कारण बनी ।

इस वर्ष क्लब ने कुछ बड़े समारोह आयोजित किए, जिसमें नवागंतुक प्रतिभावान छात्र संगीतकारों को जोड़ा गया। श्रोताओं ने इसे अभूतपूर्व बताया।

उसके बाद था काफ़े टान्सटाफ्ल - सी.टी. में आयोजित निर्बाध संगीतमय रात्रि कार्यक्रम *यूफोनी*। ग्रीष्मकालीन नियुक्ति से ठीक पहले ही इस समारोह का आयोजन हुआ, जिसे बड़ी सफलता मिली।

उसके बाद ग्रीकी नाइट्स थीं, जो मुक्त रूप से प्रवाहित सभी संगीत सत्रों के लिए खुला ऐसा समारोह था जिसमें सर्वाधिक अंतर्मुखी व विशिष्ट ऐसे बाथरूम सिंगरों को भी मंच पर लाया गया।

टी-नाइट, शिक्षक दिवस, तथा स्वतंत्रता दिवस के दौरान भी समारोह किये गये।

निशे

निशे ने एयरटेल का प्रारम्भ, ब्रांड प्रश्नोत्तरी के साथ नवागंतुक बैच का स्वागत किया। इस समारोह में काफी लोग उत्साह के साथ आए।

निशे ने भारत में पहली बार राष्ट्रीय स्तर का ऑनलाइन अनुकार समारोह यूटोपिया – विपणनकारों का जंग अलग तरह का आयोजन किया। यह आठ दिनों तक चला, और शीर्ष 37 बिजनेस-स्कूलों से विपणन क्षेत्र के उत्साही प्रतिभागियों की भीड़ का तांता लगा रहा।

इसके बाद विभिन्न अपारम्परिक विषयों पर चर्चा सत्रों की एक श्रृंखला का आयोजन हुआ। "कैरियर के रूप में विपणन " सत्र में नवागंतुक छात्रों को एक विपणनकार के जीवन की आवश्यक जानकारी दी गई। निशे ने विपणन क्षमता में मार्गदर्शन कार्यक्रमों की सहायता देना जारी रखा।

कॉन्फ़्लुअन्स 2012 में आयोजित "बियांड द केस" ने लोगों लोगों पर अपनी पकड़ जमायी। यह विपणन का प्रमुख इवैंट था जिसने वास्तविक बाजार स्थल को प्रेरित किया। प्रतिभागियों ने प्रच्छन्न विपणन अनुसंधान करने के लिए एक शॉपिंग मॉल में कैडबरी बोर्नविटा लिटल चैम्प्स और वयस्क एमएफ़डी वर्ग पर अपना धावा जमाने के लिए अपनी स्टॉल डिजाइन की। केवल तीन घंटे की अवधि में ही 2500 से अधिक लोगों ने सार्वजनिक रूप से पंजीकरण कराके इस समारोह में भाग लिया। वर्ष के अंत में, इस क्लब ने एड-मैड शॉ आयोजित किया जिसमें संभावित सृजनात्मक विज्ञापनकर्ताओं ने भाग लिया।

नियुक्ति सत्र के दौरान निशे काफी सक्रिय रहा। हर वर्ष की तरह, शब्दजाल रहस्योद्घाटन, ब्रांड अपडेट , विज्ञापन विश्लेषण, कम्पनी प्रोफ़ाइल, तथा कई अन्य लेखों के साथ निशे ने उपचारात्मक (आरईएम) सत्रों का आयोजन किया। अग्रणियों द्वारा वक्ता श्रेणी चलायी गई और कार्यशालाओं का आयोजन विपणन क्षेत्र में एच.यु.एल. तथा लोवेस लिन्तास द्वारा किया गया। इसके अलावा, यह विपणन ज्ञान के अपने भंडार को बनाए रखने के लिए जारी रखा।

निशे ने संकाय एवं उद्योग के साथ मिलकर *ऊभरते बाजारों में विपणन उत्कृष्टता केन्द्र* के लिए भी काम किया। निशे ने जनवरी में *ऊभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन नवाचार* पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भी आयोजन किया, जिससे ऊभरते बाजारों से संबधित विपणन रणनीतियों के बारे में चर्चा करने का वैश्विक मंच विपणन के दिग्गजों को मिला।

राम-बाण (पैनेसिया)

पैनेसिया स्वास्थ्य देखभाल क्लब ने भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के समर्थन से 22 जुलाई, 2012 और 20 जनवरी, 2013 को रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। इस नेक काम के लिए छात्रों एवं कर्मचारियों के स्वैच्छिक दान से 356 से अधिक युनिट रक्त एकत्र किया गया।

अगस्त 2012 में, *पैनेसिया* ने अपना समाचार पत्र *पैनेसिया प्लस* जारी किया, जिसमें फार्मास्यूटिकल उद्योग पर ध्यान केन्द्रित किया गया। उसी महीने में, इस क्लब ने *प्रयास* के छात्रों के लिए दंत जाँच शिविर का आयोजन किया।

वार्षिक राष्ट्रीय व्यवसाय महोत्सव कॉन्फ़्लुअन्स के दौरान, पैनेसिया ने अधिकांश संभव दर्शकों तक पहुँचने के लिए एड्स जागरूकता अभियान चलाया।

पैनेसिया ने छात्रों के लिए हेपेटाइटिस-ए टीकाकरण की दूसरी खुराक के लिए एक थोक सौदे की व्यवस्था की।

परिप्रेक्ष्य (पर्स्पैक्टिव्स)

फोटोग्राफी क्लब पर्स्पैक्टिव ने फोटोग्राफी प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ और बड़ी संख्या में शामिल छात्रों के साथ फोटो-वॉक आयोजित किए।

क्लब ने विनिमय छात्रों के लिए हैरिटेज वाक का आयोजन किया, जिसमें उन्हें कैमरे के माध्यम से अहमदाबाद की संस्कृति का अनुभव कराया गया। छात्रों के लिए यह एक अनूठा अनुभव था। इस क्लब ने कॉन्ट्रीन्जी जैसे विभिन्न संगठनों द्वारा आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए सदस्यों एवं छात्रों को प्रोत्साहित भी किया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी भी शामिल हुए।

प्रकृति

प्रकृति ने नवम्बर की ठंड़ी सुबह में पक्षियों के विहंगम दृश्यों को देखने और फोटोग्राफी का अद्‌भुत आनंद उठाने के लिए नल सरोवर झील की यात्रा का आयोजन किया। क्लब ने ऊर्जा संरक्षण के लिए अंतर छात्रावास क्षमता प्रतियोगिता जारी रखी, जिसे सभी तरफ से काफी प्रशंसा मिली।

छात्रावासों के बाथरूमों में पोस्टरों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया जिससे पानी का अपव्यय कम हुआ। प्रकृति के प्रति जागरूकता पर न्यूज़लेटरों और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के द्वारा जोर दिया गया।

प्रयास

इस वर्ष *प्रयास* ने स्वतंत्रता दिवस, नवरात्रि, तथा होली के अवसरों पर प्रतिभावान बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया। लेकिन इसने शिक्षा पर अपना ध्यान केंद्रित रखना निर्बाध जारी रखा, जैसे कि सात बच्चों को नगर पालिका स्कूल से निजी स्कूल में स्थानांतरित करने के लिए अवसर प्रदान किया।

प्रयास ने *जॉय ऑफ गिविंग सप्ताह* का आयोजन किया, जिससे छात्रों एवं प्रोफ़ेसरों को विशेषतया अपने तरीके से समाज को कुछ लौटाने के अवसर उपलब्ध हुए। एक राष्ट्रीय स्तर के चैरिटी कार्यक्रम शेडो-ए-

सीईओ (मुख्य कार्यपालक अधिकारी की परछाँई) के लिए बोली लगाई गई जिसमें छात्रों को अपनी पसंद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ एक दिन बिताने के लिए दान करना था। हालाँकि, इस सप्ताह का मुख्य आकर्षण यह रहा, जिसमें परिसर के बाहर के व्यक्तियों को संस्थान का एवं प्रथम वर्ष के छात्र का जीवन अनुभव करने के लिए आईआईएमए में एक दिन बिताने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रतिभागियों को स्वैच्छिक रूप से दान देने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जो केवल *प्रयास* के लिए था। कपड़ा एकत्रीकरण का अभियान चलाया गया जिसमें पुराने एवं अनचाहे कपड़ों को एकत्र करके जरूरतमंदों को वितरित किया गया।

प्रयास ने इन बच्चों के लिए एक नये शिक्षक को भर्ती किया और बच्चों ने अच्छी शिक्षा मिल रही है यह सुनिश्चित करने मासिक प्रदर्शन के मूल्यांकन का आयोजन किया। प्रयास ने यह भी सुनिश्चित किया कि वे पोष्टिक भोजन ले रहे हैं और नियमित स्वास्थ्य जाँच में भाग ले रहे हैं। पूर्वछात्रों द्वारा 5 लाख रुपए की दान राशि वित्तीय समर्थन के लिए प्रदान की गई।

सार्वजनिक नीति एस.आई.जी. (विशेष हित समूह)

सार्वजनिक नीति एस.आई.जी. ने छात्रों को नीति क्षेत्रों में कुछ प्रसिद्ध हस्तियों के साथ बातचीत के अवसर प्रदान किये हैं :

- प्रंजोय गुहा ठाकुर्ता, समाजसेवक, कमेंटेटर और शिक्षाशास्त्री
- डॉ. हरेन दास, अध्यक्ष, असम औद्योगिक विकास निगम
- प्रोफ़ेसर सेबास्तियन मोरिस, आईआईएम अहमदाबाद
- प्रोफ़ेसर अनिल गुप्ता, समन्वयक, सृष्टि, हनी बी नेटवर्क संस्थापक, कार्यकारी उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय नवाचार परिषद्
- हर्ष मंडेर, राष्ट्रीय सलाहकार परिषद् के पूर्व सदस्य और साम्प्रदायिक सद्भाव कार्यकर्ता
- जगदीप एस. छोकर, संस्थापक सदस्य, स्वदेशी सुधार संघ
- शैलेष गाँधी, अग्रणी आरटीआई कार्यकर्ता
- विजय महाजन, सामाजिक उद्यमी एवं संस्थापक तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बेज़िक्स सोश्यल एंट रप्राइज़ ग्रुप

एस.आई.जी. ने सूचना अधिकार अधिनियम, मौद्रिक नीति पक्षाघात एवं महिला सुरक्षा, टीवी खबरें : टीआरपी के लिए नैतिकता, असम की राजनीतिक उथलपुथल, इत्यादि जैसे मुद्दों पर पैनल चर्चा, संगोष्ठियों व वक्ता सत्रों का आयोजन किया। एस.आई.जी. ने राष्ट्रीय युवा नीति पर भारत सरकार को भी परामर्श भेजे।

एस.आई.जी. ने एडीआर के सहयोग में गुजरात के चुनावों पर सूचित निर्णय निर्माण पर एक अभियान का आयोजन किया। देश में अग्रणी विचारकों से मिलकर एस.आई.जी. ने नागरिक समाज एवं पी.आर. एस. विधायी अनुसंधान केन्द्र के साथ परियोजनाओं पर कार्य करना शुरू किया। चाणक्य, चक्रव्यूह, आइडियाफ़ेस्ट तथा प्रश्नोत्तरियाँ जैसे आयोजनों के अलावा कन्या बचाओ विषय पर एक लघुफ़िल्म की पहल भी की गई।

खेल समिति (स्पोर्ट्स समिति)

स्पोर्ट्स समिति ने यलगार खेल आयोजन के साथ वर्ष की शुरूआत की, जो विशेषकर प्रथम वर्ष के छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों ने अंतर-महाविद्यालय खेल महोत्सव शौर्य में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। अहमदाबाद से चयनित सात संस्थानों को परास्त करके आईआईएमए ने अपना प्रभुत्व जमाया। शतरंज एवं टेबल-टेनिस जैसी वर्षभर चलने वाली अंतर आईआईएमए प्रतियोगिताओं के साथ अंतर-अनुभागीय स्पोर्ट्स बैठक एवं संघर्ष, आईआईएमए,बी,सी,एल स्पोर्ट्स बैठकों में संस्थान का उत्साह अपने चरम पर था।

स्पोर्ट्सकॉम ने आईआईएमए टीमों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं जैसे गाँधीनगर में पेट्रो कप, माइका में समर, तथा अल्टिमेट फ़्रिस्बी टूर्नामेंट में भी भाग लेने में सहायता की।

स्टारगेजर्स (तारों के अवलोकनकर्ता)

ऐस्ट्रोनोमी क्लब, स्टारगेजर ने खगोल विज्ञान के प्रति उत्साहियों के लिए प्रश्नोत्तरी एवं फ़ैन्टसी फ़ैक्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह छात्रों को विज्ञान कथा आलेखन द्वारा अपनी साहित्यिक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करता है। सृजनशील छात्रों के लिए, अच्छे तरह से डिजाइन अपने न्यूज़लेटर **कोरोना** में विजेता विज्ञान कथा आलेखों, पहेली चित्रांकनों, वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षेत्र पर टिप्पणियों, ताज़ा ऐस्ट्रोफिज़िकल निष्कर्षों और आकाशीय नेविगेशन पर शिक्षा सामग्री को समाहित करके प्रकाशित किया। इसमें उपग्रह पर उतरते हुए लाइव वीडियो, मंगल पर रोवर्स ने लिए फोटोग्राफ, और मिशन की तरफ से नियमित अद्यतनों सहित मंगल अभियान में "जिज्ञासा" को भी शामिल किया गया। कैओस के दौरान इस क्लब ने एक प्रेरणादायक फ़िल्म *अक्टूबर स्काय* की भी प्रस्तुति की।

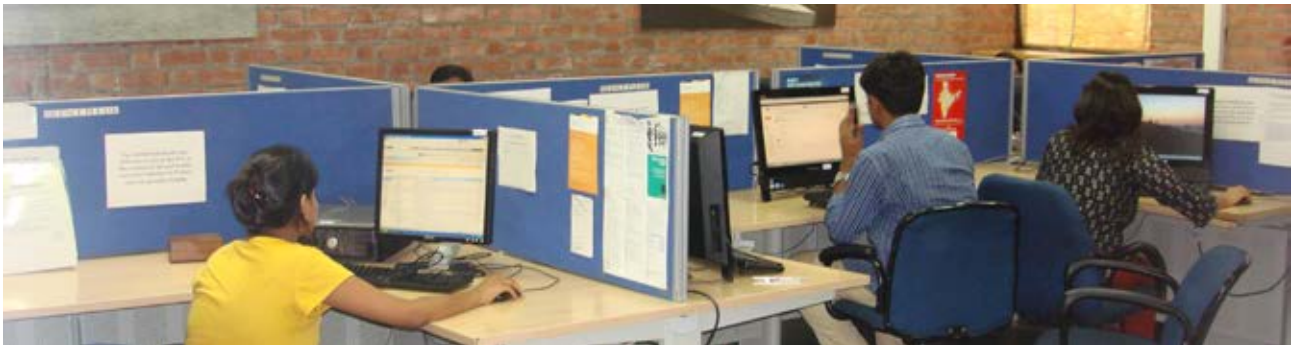

विक्रम साराभाई पुस्तकालय

विक्रम साराभाई पुस्तकालय, सेवाओं की विस्तृत श्रृंखलाओं के माध्यम से सूचनाओं को सर्वाधिक विस्तृत संभव पहुँच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसके द्वारा प्रस्तुत सेवाओं की श्रेणी में यह प्रतिबद्धता दिखाई देती है। इसकी वैबसाइट http://www.iimahd.ernet.in/library/ विभिन्न ऑनलाइन डेटाबेसों के साथ जुड़ी हुई है, जो इस संस्थान के और पुस्तकालय के भीतर नेटवर्क किए हुए किसी भी कम्प्यूटर से उपलब्ध है। यह पुस्तकालय, दोनों (मुद्रित व अमुद्रित) ही प्रकार की सामग्रियों के संग्रह को एवं इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों को, चयन, प्राप्ति, संगठन, संरक्षण, आरक्षित, रखरखाव करने, तथा इन तक पहुँच को, सुगम बनाने के अपने प्रयासों को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ता है जो सदस्यों की अभिरूचियों और आवश्यकताओं को पूरा करता है।

इस वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने अपने संग्रह में 3161 पुस्तकें और 936 जर्नलों के जिल्दबंद भाग शामिल किए।

	मदों की संख्या	
संसाधन	पुस्तकें	1,78,890
	पत्रिकाओं के जिल्दबंद भाग	44,009
	कार्य पत्र	2,289
	शोध प्रबंध	277
	परियोजना प्रतिवेदन	1,780
	शैक्षणिक वीडियो कैसेट्स	128
	सीडी/डीवीडी	2,145
	मँगाए जाने वाले जर्नल्स की वर्तमान सदस्यता	1108
	समाचार पत्र	30
	वापस ली गई पुस्तकें	2000

- **ई-संसाधन** यह पुस्तकालय, उपयोगकर्ताओं को नवीनतम विद्वतापूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए अनेक कंपनियों और उद्योगों के डेटाबेस, ग्रंथसूची संबंधी डेटाबेस और ई-जर्नल्स मँगाता है।

कंपनी/उद्योग/देश के डेटाबेस

- कैपिटैलाइन, सीएमआइई - बिजिनेस बीकॉन, कैपैक्स, कॉमोडिटीज़, ईआईएस, आईएएस, इंडिया ट्रेड्स, प्रोवेस एवं भारत के राज्य सीआरआईएसआईएनएफ़एसी, डेटास्ट्रीम (वर्ल्डस्कोप शामिल), डीएसआई डेटा सर्विस, ईआईयू कंट्री रिपोर्ट्स, (ब्राजील, रूस, चीन और मिस्र), यूरोमॉनीटर (जीएमआईडी), एफटी डोट कोम (1888-2007), एफटी आर्काइव, गार्टनर, इंडियास्टैट.कॉम, इंडिकस डिस्ट्रिक्ट जीडीपी 2006-7और 2011-12, इनफ्रालाइन - कोयला क्षेत्र, तेल व गैस क्षेत्र, और विद्युत क्षेत्र,

इनसाईट, इन्वैस्ट इंडिया, आईएसआई एमर्जिंग मार्केट्स - एशिया, मार्केटलाइन एड्वांटेज, नैसकोम, प्राइम डेटाबेस, रॉयटर्स 3000 ऐक्स्ट्रा होस्टेड टर्मिनलस, रॉयटर्स नॉलेज, वेन्चर इन्टेलिजन्स : वर्ल्ड इन्वेस्टमेंट सर्विस (ईआईयू) ।

ई-जर्नल डेटाबेस

- एबीआई/इन्फॉर्म कंप्लीट (2000 से अधिक शीर्षक), एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी (40 से अधिक शीर्षक), ईबीएससीओ ऐकेडेमिक सर्च प्रीमियर (4500 से अधिक शीर्षक), ईबीएससीओ बिजिनेस सोर्स कंप्लीट (1200 से अधिक शीर्षक), ईबीएससीओ - साइकार्टिकल्स (66 शीर्षक), ईबीएससीओ - इकॉनलिट (ऐबस्ट्रैक्ट्स), ऐल्सवियर - बिजिनेस मैनेजमैंट एंड एकाउंटिंग, डिसीजन साइंस इकॉनॉमिक्स, इकॉनॉमैट्रिक्स वित्त एवं कंप्यूटर विज्ञान (400 से अधिक शीर्षक), ऐल्सवियर (विज्ञान एवं प्रत्यक्ष), एमराल्ड मैनेजमैंट ऐक्स्ट्रा (170 से अधिक शीर्षक), आइईईई इलैक्ट्रॉनिक लाइब्रेरी (आइईएल), आइजीआई फुल-टैक्स्ट (50 से अधिक शीर्षक), इंडियन जर्नल्स डाट कॉम - बिजिनेस/इकॉनॉमिक्स/ मैनेजमैंट पैकेज(46शीर्षक)।
- जे-गैट (जेसीसीसीऋईन्डेस्ट), जेएसटीओआर (1300 से अधिक शीर्षक), क्लुवर – स्प्रिंगर लिंक (15 शीर्षक), ऑक्सफ़ॉर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (94 शीर्षक), प्रोजेक्ट म्यूज़ (296 शीर्षक), सेज (एचएसएस संग्रह सहित – 400 से अधिक शीर्षक), टेयलर एंड फ्रान्सिस (32 शीर्षक), विली-ब्लैकवेल (500 से अधिक शीर्षक), विली इंटरसाइंस

ई-जर्नलों की बैक-फाइलें

- ऐल्सवियर (कृषि व जीव विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, फर्माकोलॉजी, टॉक्सिकोलॉजी एंड फार्मासिटिक्स, व्यवसाय प्रबंधन व लेखाकरण, निर्णय विज्ञान अर्थशास्त्र, अर्थमिति और वित्त) (550 से अधिक शीर्षक), एमराल्ड मैनेजमैंट ऐक्स्ट्रा (170 से अधिक शीर्षक)।

विधिक एवं अन्य डेटाबेस

- एआईआर (ऑल इंडिया रिपोर्टर), उच्च न्यायालय (1965-2010), आपराधिक कानून (1960-2010), उच्चतम न्यायालय (1950-2010),वेस्टलॉ (इंडलॉ सहित), आईएसआई वैब ऑफ नॉलेज (1999-2006 से प्रशस्तिपत्र सूचकांक), वर्ल्ड बैंक डेटाबेस, आईएमएफ़ ई-पुस्तकालय, कार्बोनफ़ाक्तोर्स, जेओवीई (वीडियो जर्नल), पेपर्स इन्वाइटेड, प्रोकेस्ट थीसिस एंड डिसर्टेशन, सेज रिसर्च मैथड्स ऑनलाइन, डबल्यूएआरसी डेटाबेस

ई-पुस्तकें

- ईब्रेरी

विशेष खोज सॉफ्टवेयर

- एब्स्को डिस्कवरी, एब्स्को ए - ज़ेड़, आंतरिक उपयोगकर्ताओं के लिए रिमोट लॉगइन

सेवाएँ

- वितरण
- पठन सुविधा
- मेल चेतावनी सेवा
- संदर्भ व सूचना
- स्कैनिंग
- डेटाबेस खोज सेवा
- दस्तावेज वितरण
- अंतर्पुस्तकालय ऋण
- फोटोकॉपी
- अनुक्रमण एवं ग्रंथ सूची
- सारांशकरण
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- सूचना साक्षरता कार्यक्रम
- ऑनलाईन सार्वजनिक सुविधा कैटैलॉग
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- अनुसंधान सहायता

प्रकाशन

यह पुस्तकालय, वर्ष 1998 से दो त्रैमासिक सूचना बुलेटिन प्रकाशित कर रहा है :

- प्रबंधन में वर्तमान विषयवस्तु : विपणन
- प्रबंध के वर्तमान सूचकांक : विपणन

इसने शोधकर्ताओं को व्यवसाय / प्रबंधन संबंधित अनुसंधान की सुविधा के लिए निकमैन (राष्ट्रीय प्रबंध सूचना केन्द्र) की सदस्यता देना शुरू किया है। हाल ही में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में विपणन में अनुसंधान का दस्तावेजीकरण शुरू किया है।

कल्याण गतिविधियाँ

स्थायी कर्मचारियों (40 वर्ष से अधिक आयु वाले महिला एवं पुरूष कर्मचारियों दोनों) के लिए सामान्य स्वास्थ्य जाँच का कार्यक्रम, अप्रैल-जून 2012 के दौरान, कल्याण समिति द्वारा स्टर्लिंग अस्पताल, अहमदाबाद में आयोजित किया गया। कुल 304 समुदाय-सदस्य, इस गतिविधि से लाभान्वित हुए।

16 नवम्बर, 2012 को कल्याण समिति द्वारा गुजराती नव वर्ष दिवस मेल-मिलाप समारोह का आयोजन किया गया। नववर्ष का स्वागत दीप जलाकर और पटाखे फोड़कर तथा समुदाय में मिठाई बाँटकर किया गया।

11 दिसम्बर, 2012 को संस्थान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षा व खेल संबंधी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन व अच्छी समाज सेवा करने वाले 44 बच्चों और स्टाफ-सदस्यों को निदेशक द्वारा पुरस्कार दिये गए। आरजेएम सभागार में आईआईएमए समुदाय के बच्चों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

कल्याण समिति कार्मिकों के बच्चों की उच्चतर शिक्षा के लिए 10 मासिक किश्तों में वसूली योग्य ब्याजमुक्त ऋण प्रदान करके परोक्ष रूप से जरूरत को पूरा करती है। जिस कर्मचारी के बच्चे ने उच्चतर माध्यमिक स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वह इस ऋण के लिए आवेदन कर सकता है। इस वर्ष चार कार्मिक सदस्यों ने शिक्षा ऋण योजना से कुल 1,90,000 रुपए का लाभ लिया।

इस वर्ष के दौरान, संस्थान के सेवानिवृत्त कार्मिक सदस्यों के लिए *प्रोफेसर बी.एच. जाजू-कल्याण समिति चिकित्सा योजना* के तहत संस्थान से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 1,86,900 रु. की धनराशि वितरित की गई।

महिला कर्मचारियों के लिए एक महिला कक्ष बनाया गया, जिसका उद्घाटन 8 मार्च को महिला दिवस के अवसर किया गया।

आईआईएमए समुदाय के लिए योगा कोचिंग कक्षाएँ नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं।

कल्याण समिति ने गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, प्रतिभा संध्या कार्यक्रम, क्रिसमस समारोह, और नवरात्रि समारोहों के आयोजनों में कर्मचारी मनोरंजन क्लब की गतिविधियों को समर्थन दिया।

HAPPY NEW YEAR

परिशिष्ट

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

वर्ष 2012-13 में पीजीपी छात्र संख्या

क1

	पीजीपी I	पीजीपी II
कार्यक्रम से जुड़े	**381**	**372**
(-) अलग हुए	3	-
(-) जिन्हें अनुमति दी गई/2013 में पुनः जुड़ने को कहा गया	1	-
(अ) पुनरावृत्ति करने वाले	3	-
(अ) जिन्हें 2012 में पुनः जुड़ने के लिए अनुमति दी गई	1	
प्रथम वर्ष में संख्या	**381**	-
(-) जिनसे हटने के लिए कहा गया	4	-
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	1	-
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री एवं जनरल) पूरी नहीं करने पर स्नातक नहीं हो सके	-	8
(-) शैक्षणिक अनुशासनहीनता के कारण स्नातक नहीं हो सके	-	-
(अ) पूर्व वर्ष के स्नातक	-	1
(अ) डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	-	8
कुल प्रोन्नत/स्नातक	**376**	**373**

पीजीपी 2 में पेश किए गए नए पाठ्यक्रम

क2

- वैकल्पिक निवेश और बचाव कोष
- ग्राम्य-शहरी मतभेद के अंतर को दूर करना
- सांस्कृतिक पहचान और अंतर-सांस्कृतिक संचार
- ई-विपणन
- निर्णय निर्धारण के लिए अर्थमितीय पद्धतियाँ
- वृद्धि, न्याय संगतता और समानता – 5 डब्ल्यू और 1 एच
- ब्रिक -बीआरआईसी देशों में अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय एवं विदेशी बाजार प्रवेश
- उच्च प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के विश्व में विपणन प्रबंधन
- मीडिया निवेश प्रबंधन
- मौद्रिक सिद्धांत और नीति
- मूल्य निर्धारण व्युत्पन्न प्रतिभूति
- खेल विपणन
- प्रमुखों के लिए रणनीतिक वार्तालाप कौशल
- डिजिटल विपणन और ई-व्यवसाय के लिए रणनीतियाँ
- ऊभरते बाजारों में रणनीति
- प्रौद्योगिकी और बौद्धिक सम्पदा अधिकार
- अपशिष्ट प्रबंधन

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क3 छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत भा. प्र. सं. अहमदाबाद से विदेशी संस्थाओं में गए छात्र

विनिमय संस्थान का नाम	भा. प्र. सं. अ. से गए छात्रों की संख्या
यूरोप	
ईडीएचईसी	3
ईएससीपी-ईएपी	12
ईएससी	4
ईएसएसईसी	7
ईएसएसईसी, एमएस, एमआईए (पीजीपी-एबीएम के लिए)	5
यूरोपीयन बिजनेस स्कूल	2
एचईसी प्रबंध स्कूल	3
इन्स्तित्यूतो दे एमप्रैसा, माद्रिद	2
फार्जेम अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय	5
सॉल्वे बिजनेस स्कूल	3
बोकोनी विश्वविद्यालय	4
कोलोन विश्वविद्यालय	7
मॉसट्रिच विश्वविद्यालय	1
मैनहेम विश्वविद्यालय	4
विएना अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय	1
मुनस्टर बिज़नेस व अर्थशास्त्र स्कूल	5
डब्ल्यूएचयू कोब्लेंज प्रबंध स्नातक स्कूल	1
उत्तरी अमेरिका	
यू एस ए	
शिकागो बिजनेस स्नातक स्कूल विश्वविद्यालय	2
वॉशिंग्टन विश्वविद्यालय (जॉह्न एम. ऑलिन बिजनेस स्कूल)	2
कनाडा	
मैकगिल विश्वविद्यालय, मोन्ट्रियल	1
कुल	**74**
डबल डिग्री कार्यक्रम	
बोकोनी युनिवर्सिटी	5
एचईसी प्रबंध स्कूल	2
कुल	**7**

क4 छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत विदेशी संस्थाओं से भा. प्र. सं. अहमदाबाद में आए छात्र

विनिमय संस्थान का नाम	आए हुए छात्रों की संख्या
एशिया	
एशियाई प्रबंधन संस्थान	2
एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान	2
केएआईएसटी प्रबंध स्नातक स्कूल	1
यूरोप	
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल	4
ईडीएचईसी	4
ईएससीपी - ईएपी	12
ईएसएसईसी	7
एचईसी प्रबंध स्कूल	5
आल्तो अर्थशास्त्र व बिज़नेस प्रशासन स्कूल	1
इन्स्तित्युतो दे एम्प्रेसा	3
एचएचएल - लिपजिग प्रबंध स्नातक स्कूल	1
सोल्वे बिजनेस स्कूल	2
स्टॉकहॉम अर्थशास्त्र स्कूल	2
बोकोनी विश्वविद्यालय	4
कोलोन विश्वविद्यालय	6
मास्ट्रिच विश्वविद्यालय	2
मैनहेम विश्वविद्यालय	2
सेंट गैलन विश्वविद्यालय	1
वियेना अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय	3

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

विनिमय संस्थान का नाम	आए हुए छात्रों की संख्या
मुनस्टर व्यवसाय एवं अर्थशास्त्र स्कूल	4
डब्ल्यूएचयू कोब्लेन्ज़ प्रबंध स्नातक स्कूल	2
उत्तरी अमेरिका	
यू एस ए	
शिकागो बिजनेस स्नातक स्कूल विश्वविद्यालय	1
टैक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन (मैककोम्ब बिज़नेस स्कूल)	1
वॉशिंग्टन विश्वविद्यालय (जॉह्न एम. ऑलिन बिजनेस स्कूल)	2

विनिमय संस्थान का नाम	आए हुए छात्रों की संख्या
कनाडा	
सोदर बिजिनेस स्कूल	1
शुलिच बिज़नेस स्कूल	2
दक्षिण अमेरिका	
लॉस आन्देस प्रबंध स्कूल यूनिवेर्सिदाद	2
कुल	**79**
डबल डिग्री कार्यक्रम	
बोकोनी युनिवर्सिटी, मिलानो, इटली	5
एचईसी प्रबंध स्कूल, पेरिस, फ़्रान्स	2
कुल	**7**

छात्रवृत्तियाँ

क5

उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2011-12	
नाम	**छात्रवृत्ति**
राहुल शरण	इनफोसिस
रिज़ुरेख साहा	आईसीआईसीआई
तुलसियन अंकित विनोद	जैट एज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
शान्तनु अग्रवाल	एसबीआई म्युचुअल फंड
गौरव श्रीवास्तव	एस.एम. शाह
अनमोल अरोरा	भा.प्र.सं.अ. रजत जयंती/ पीजीपी 87 बैच/संकाय स्मारक एवं एडको
सौरभ छाजेड़	भा.प्र.सं.अ.
अतुल कुमार	भा.प्र.सं.अ.
कार्तिकेय के. शर्मा	भा.प्र.सं.अ.
रणमित सिंह पेंटल	भा.प्र.सं.अ.
सिद्धार्थ गुप्ता	भा.प्र.सं.अ.
आदित्य मोंगा	भा.प्र.सं.अ.
अंशुल गुप्ता	भा.प्र.सं.अ.
राहुल जंद	भा.प्र.सं.अ.
गौतम मिधा	भा.प्र.सं.अ.
सुबोध भंडारी	भा.प्र.सं.अ.
अंकित कुमार माधोगरिया	भा.प्र.सं.अ.
विकास लोहिया	भा.प्र.सं.अ.
तुषार गर्ग	भा.प्र.सं.अ.

उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2011-13	
नाम	**छात्रवृत्ति**
अनिकेत तलवाई	एमफेसिस अवॉर्ड
निखिल अग्रवाल	जैट एज सिक्यूरिटीज प्राइवेट लिमिटेड
सुमित सोमानी	आईएफसीआई लिमिटेड
राहुल शरण	आईएफसीआई लिमिटेड
गौरव सिंह तेवटिया	एस. एम. शाह
शशांक	मोनसेंटो
जैन अतिनकुमार हीराचंद	सुरेंद्र पॉल एवं भा.प्र.सं.अ.
सारांश गोयल	डन व ब्राडस्ट्रीट इनफार्मेशन सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं भा.प्र.सं.अ.
गौरव श्रीवास्तव	भा.प्र.सं.अ.
अदूर विक्रमादित्य राव	भा.प्र.सं.अ.
रणमित सिंह पेंटल	भा.प्र.सं.अ.
तुलसियन अंकित विनोद	भा.प्र.सं.अ.
स्निग्धा रश्मि	भा.प्र.सं.अ.
वेंकट आर.	भा.प्र.सं.अ.
आकाश अग्रवाल	भा.प्र.सं.अ.
अभिराम आर.	भा.प्र.सं.अ.
श्रीजीत रामचन्द्रन	भा.प्र.सं.अ.
सिद्धार्थ गुप्ता	भा.प्र.सं.अ.
गुप्ता भरत सुनील	भा.प्र.सं.अ.

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियाँ

पीजीपी-1	**पीजीपी-2**
कृतिका शर्मा	गोपाल बालाकृष्णन
निखिल मान	मनीष मेनन
रोहित सिंह साहनी	निखिल प्रताप गुलाटी
सचिन भारद्वाज	वीरेन्द्र सिंह शेखावत
उदित केजरीवाल	

सर रतन टाटा छात्रवृत्तियाँ

निखिल अग्रवाल	शशांक
अनिकेत तलवाई	जैन अतिनकुमार हीराचंद
सुमित सोमानी	

ओ.पी. जिंदल छात्रवृत्तियाँ

अनमोल अरोड़ा
पी. रघुल

सोसाइटी जनरल वैश्विक समाधान केंद्र छात्रवृत्तियाँ

दासीरेड्डी सुचरिथा	शांतनु अग्रवाल
लिपिका मित्रा	नवनीत सिंह

पूर्वछात्र अंशदान छात्रवृत्तियाँ

प्रायोजक	राशि (रू.)	पुरस्कार विजेता	कक्षा/बैच
पीजीपी 1969 कक्षा	2,00,000	गारा नीतेश कुमार	पीजीपी-1/ 2012-14
	2,00,000	राहुल प्रताप सिंह	
	2,00,000	एन. सदानंदन	
	2,00,000	आर. विग्नेश	
	2,00,000	डी. चन्द्रशेखर	
तेग इंडस्ट्रीज़ (श्री मदन मोहन्का)	1,50,000	यू. श्रीराम	पीजीपी-1/2012-14
श्री बी.वी. दोशी	3,00,000	श्रीकान्त चिगिलिपल्ली	पीजीपी-2/2011-13
श्री दीपक गुप्ता	3,00,000	अतुल कुमार	पीजीपी-2/2011-13
	3,00,000	श्री गोपाल बालाकृष्णन्	
एस.एन.बी.एस. के साथ विलय छात्रवृत्तियाँ			
वारबर्ग पिनकस	16,80,000	आदित्य सिंह	पीजीपी-1/2012-14
		अंकित गर्ग	
		अनुग्रह जैन	
		आशीष एच. पतिरा	
		छेड़ा भाविक राजेश	
		गुरु कृष्णन् वी.	
श्री अरुण नंदा	16,50,000	अंकित कुमार एम.	पीजीपी-2/2011-13
		अतुल कुमार	
		गोपाल बालाकृष्णन्	
		शफ़ीक़ मोहमद एम.	
		दीपक मेहता	

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

प्रायोजक	राशि (रू.)	पुरस्कार विजेता	कक्षा/बैच
श्री दीप कालरा	2,50,000	गौरव सिंह तेवटिया	पीजीपी-2/2011-13
राज्य सरकार की छात्रवृत्तियाँ			
महाराष्ट्र राज्य	6,23,200	रामटाके अभय मनोहर	पीजीपी-1/2012-14
	7,56,837	देवेन्द्र मोहन अल्हट	पीजीपी-2/2011-13
	7,27,500	सुमेध नीलकंठ देवगड़े	
	7,61,500	विनयकुमार जलिंदर काटे	
केरल राज्य	2,40,000	के.एम. मोहम्मद इब्राहिम	पीजीपी-1/2011-13

पीजीपी के लिए प्राप्त आवेदन

क6

श्रेणी	2012-2014 बैच			2013-2015 बैच		
	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	101334	39690	141024	101283	42200	143483
एन सी - अन्य पिछड़ा वर्ग	16454	3596	20050	18929	4807	23736
अनुसूचित जाति	7527	2287	9814	7955	2457	10412
अनुसूचित जनजाति	1831	659	2490	1945	767	2712
विकलांग	448	60	508	426	86	512
कुल	**127594**	**46292**	**173886**	**130538**	**50317**	**180855**
%	**73.38**	**26.62**	**100.00**	**72.18**	**27.82**	**100.00**

पीजीपी प्रवेश (2013-2015 बैच)

क7

चरण	लिंग / कुल	सामान्य वर्ग	आरक्षित वर्ग					कुल
			नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	शारीरिक रूप से विकलांग	जी मैट	
भा.प्र.सं.अ. को प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या	पुरुष	101251	18929	7955	1945	426	32	130538
	महिला	42188	4807	2457	767	86	12	50317
	कुल	**143439**	**23736**	**10412**	**2712**	**512**	**44**	**180855**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवार	पुरुष	449	273	138	56	26	5	947
	महिला	103	42	40	33	10	1	229
	कुल	**552**	**315**	**178**	**89**	**36**	**6**	**1176**
साक्षात्कार के लिए उपस्थित रहे उम्मीदवार	पुरुष	424	250	124	47	24	3	872
	महिला	99	37	34	26	9	1	206
	कुल	**523**	**287**	**158**	**73**	**33**	**4**	**1078**

कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ख1

पीजीपी-एबीएम 2012-13 में छात्रों की संख्या

	पीजीपी-एबीएम1	पीजीपी-एबीएम2
कार्यक्रम में शामिल हुए	40	35
बीच में छोड़ दिया	-	-
2013 में अनुमति दी गई / पुनः शामिल होने के लिए कहा गया	-	-
रिपीटर	2	-
2012 में फिर से जुड़ने के लिए अनुमति दी गई	1	-
प्रथम / द्वितीय वर्ष की संख्या	43	35
अपना नाम वापस लेने के लिए कहा गया	-	-
दोहराने के लिए कहा गया	2	-
शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हुए (डबल डिग्री एवं सामान्य)	-	-
शैक्षिक अनुशासनहीनता के कारण स्नातक नहीं हुए	-	-
पिछले वर्ष से स्नातक	-	-
डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	-	-
कुल पदोन्नत / स्नातक हुए	41	35

ख2

पुरस्कार / छात्रवृत्तियाँ

- कृषि व्यवसाय प्रबंधन के स्नातकोत्तर कार्यक्रम में उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन के लिए श्री शशांक राठी को संस्थान के स्वर्ण पदक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- सुश्री सिद्धि करनानी को श्री आर. सी. माथुर (आईआईएम अहमदाबाद पीएमए 1972 बैच) सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंडर पीजीपी – एबीएम महिला छात्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- सुश्री सिद्धि करनानी और श्री शशांक राठी को उनके उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन के लिए आईआईएमए पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

ख3

पीजीपी - एबीएम के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या

	बैच 2012-14			बैच 2013-2015		
श्रेणी	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	106447	43097	149544	105938	45601	151539
एनसी-अन्य पिछड़ा वर्ग	17528	4083	21611	19995	5420	25415
अनुसूचित जाति	8044	2566	10610	8394	2737	11131
अनुसूचित जनजाति	2000	778	2778	2119	891	3010
शारीरिक रूप से विकलांग	471	68	539	451	95	546
कुल	**134490**	**50592**	**185082**	**136897**	**54744**	**191641**
प्रतिशत	**72.66508**	**27.33491**	**100**	**71.43408**	**28.56591**	**100**

ख4

पीजपी – एबीएम प्रवेश : 2013-2015

क्रम सं.	विवरण	लिंग	सामान्य श्रेणी	आरक्षित श्रेणी					
			कुल सामान्य	एनसी-ओबीसी	अ.जा.	अ.ज.जा.	विकलांग	जीमैट	कुल
1	कैट परीक्षार्थियों की संख्या	पुरुष	105938	19995	8394	2119	451	अनुपलब्ध	136897
		महिला	45601	5420	2737	891	95	अनुपलब्ध	54744
		कुल	**151539**	**25415**	**11131**	**3010**	**546**	**अनुपलब्ध**	**191641**
2	पीजीपी - एबीएम आवेदकों की संख्या	पुरुष	77485	15047	6168	1489	328	0	100517
		महिला	29547	3514	1764	514	55	0	35394
		कुल	**107032**	**18561**	**7932**	**2003**	**383**	**0**	**135911**
3	साक्षात्कार के लिए बुलाये गये उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	207	133	64	34	13	0	451
		महिला	59	19	23	9	2	0	112
		कुल	**266**	**152**	**87**	**43**	**15**	**0**	**563**
4	साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	100	69	30	17	7	0	223
		महिला	28	11	17	7	0	0	63
		कुल	**128**	**80**	**47**	**24**	**7**	**0**	**286**

पीजीपीएक्स

पीजीपीएक्स 2012-13 : छात्रों का प्रोफ़ाइल

पैरामीटर	औसत
जीमैट	717.41
10 अगस्त, 2011 को कुल कार्य अनुभव	10 वर्ष 5 महीने
10 अगस्त, 2011 को अंतरराष्ट्रीय कार्य अनुभव	3 वर्ष 2 महीने
31मार्च, 2012 को आयु	34 वर्ष

अंतरराष्ट्रीय कार्य प्रदर्शन

- 6 (5.88%) अंतरराष्ट्रीय छात्र हैं। इनमें से, 1 विदेशी नागरिक और 5 स्थायी विदेशी निवासी हैं।
- 31 (36.47%) छात्र भारत के बाहर रहते हैं जो कि विश्व के आठ देशों से हैं।
- 74 (87%) छात्रों के पास कार्य और अध्ययनों के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन हैं।
- 75 (88.24%) छात्रों ने अपने देश के अलावा कम से कम एक अन्य देश का दौरा किया हुआ है।

शैक्षणिक पृष्ठभूमि

- 19 (22.35%) छात्रों ने अपने देश के बाहर से उपाधि प्राप्त की है।
- 37 (43.53%) छात्रों के पास स्नातक से भी उच्च योग्यता (व्यावसायिक, स्नातकोत्तर) है।
- 65 (76.47%) छात्र इंजीनियर हैं।
- 17 (20.00%) छात्र आईआईटी / एनआईटी से स्नातक हैं।
- उद्योगों में – एयरलाइन/यात्रा, बीपीओ, रक्षा, शिक्षा, ऊर्जा/विद्युत, वित्तीय सेवाएँ, सरकारी सेवाएँ, बुनियादी सुविधाएँ, आईटी एवं आईटीईएस, प्रबंध परामर्शन, निर्माण इंजीनियरिंग, निर्माण प्रक्रिया, मीडिया, खुदरा, टेलीकॉम शामिल हैं।
- 6 (7.06%) छात्र महिलाएँ हैं।
- 65 (76.47%) छात्र विवाहित हैं; और 40 (47.06s) छात्रों के बच्चे हैं।

प्रबंध में फ़ेलो कार्यक्रम

स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाले एफ़पीएम छात्र

नाम	क्षेत्र	शोध प्रबंध शीर्षक	शोध प्रबंध परामर्शन समिति
बसंत कुमार पुरोहित	विपणन	विक्रय प्रतिनिधि के प्रदर्शन के बारे में कथित उच्च योग्यता का प्रभाव	प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर पी.के. सिन्हा प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा
देबदत्त पाल	कृषि	ग्रामीण संस्थागत ऋण प्रबंधन : आपस में लेनदेन से सबक	प्रोफ़ेसर समर के. दत्ता (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर वसंत पी. गाँधी प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा
दीपक सेठिया	पीएसजी	विकास और सार्वजनिक वित्त के निहितार्थ : भारतीय राज्यों में बचत और निवेश	प्रोफ़ेसर रवीन्द्र एच. धोलकिया (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर प्रेम पंगोत्रा प्रोफ़ेसर तथागत बंद्योपाध्याय
हरीश वेंकटेश राव	पी एवं क्यूएम	जीवन बीमा फ़र्म में परिसम्पत्ति-देयता प्रबंधन के लिए प्रसंभाव्य अनुकूलन आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली	प्रोफ़ेसर प्रोफ़ेसर गौतम दत्ता (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर संकर्षण बासु प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल
किन्शुक सौरभ	पीएसजी	विलय और अधिग्रहण, प्रशासन संरचनाओं और मूल्यांकन पर निबंध	प्रोफ़ेसर अजय पांडेय (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर सिद्धार्थ सिन्हा प्रोफ़ेसर सुनील माहेश्वरी
मनीषा मिश्रा	पी एवं आईआर	उच्च व्यावसायिक शिक्षा के संदर्भ में दोषारोपण प्रक्रियाओं पर ध्यान केन्द्रित करते हुए आरक्षण की कार्यान्वयन अनुभवात्मक धारणाओं का एक खोजपूर्ण अध्ययन	प्रोफ़ेसर जेरोम जोसफ (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अनिल के. गुप्ता प्रोफ़ेसर टी.वी. राव
मयंक ज्योत्सना सोनी	विपणन	उपभोक्ता की प्रतिक्रिया पर मात्रा की कमी और समय के अभाव की अपील का प्रभाव : श्रेष्ठता और सौदे के झुकाव के लिए जरूरत की भूमिका	प्रोफ़ेसर अब्राहम कोशी (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर निहारीका वोहरा प्रोफ़ेसर सरल मुखर्जी
नवल भारती वर्मा	पीएसजी	प्रणालीगत जोखिम और उसके चालकों का मापन	प्रोफ़ेसर अजय पांडेय (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर रवीन्द्र एच. धोलकिया प्रोफ़ेसर विनीत विरमाणी
पलक जैन	अर्थशास्त्र	प्रत्यक्ष विदेशी निवेश जावक में अंतरराष्ट्रीय बदलावों और भारत से एफ़डीआई के केसों में निर्धारक	प्रोफ़ेसर सेबास्तियन मोरिस (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर राकेश बसंत प्रोफ़ेसर अजय पांडेय
प्रेम प्रकाश देवानी	विपणन	व्यावसायिक संबंधों में कृतज्ञता और दायित्व की भूमिका	प्रोफ़ेसर पी.के. सिन्हा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अरिन्दम् बनर्जी प्रोफ़ेसर निहारीका वोहरा
राहुल चन्द्र शील	ओ बी	कर्मचारी के कार्यव्यवहार पर कोर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) की धारणाओं के प्रभाव का अध्ययन	प्रोफ़ेसर निहारीका वोहरा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर पी.डब्ल्यू. खोकले प्रोफ़ेसर ज्योर्ज कंडाथिल

प्रबंध में फ़ेलो कार्यक्रम

नाम	क्षेत्र	शोध प्रबंध शीर्षक	शोध प्रबंध परामर्शन समिति
रजनीश कुमार राय	बी पी	एकसाथ सहयोग और प्रतिस्पर्धा के अंतर-कम्पनी गठबंधन में मूल्य सृजन और मूल्य विनियोजन का एक अध्ययन	प्रोफ़ेसर जेरोम जोसफ (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर राकेश बसंत प्रोफ़ेसर सुनिल शर्मा
रवि कोठारी	पी एवं क्यूएम	एकल पंक्ति सुविधा रचना में समस्या के लिए उच्चस्तरीय प्रणालियाँ	प्रोफ़ेसर दीप्तेश घोष (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर तथागत बंद्योपाध्याय प्रोफ़ेसर वी. वेंकट राव
रूपिका राज	विपणन	ब्रांड-उपभोक्ता संबंध के संदर्भ में उपभोक्ताओं के व्यवहार एवं मनोवृत्ति पर ब्रांड पावर के कथित आधार का प्रभाव	प्रोफ़ेसर अब्राहम कोशी (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा प्रोफ़ेसर निहारीका वोहरा
सब्यसाची सिन्हा	बी पी	शुरूआती कम्पनियों के विकास के चरण में दगाबाजी से निपटना	प्रोफ़ेसर एस. मणिकुट्टी (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर राकेश बसंत प्रोफ़ेसर शैलेन्द्र मेहता
सुदीप के. कृष्णन्	सीआईएसजी	खुलेपन और परियोजना निष्पादन का परिमाण : मुक्त नवाचार सूचना प्रौद्योगिकी पहलों का एक बहु देशीय प्रायोगिक आकलन	प्रोफ़ेसर रेखा जैन (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर राकेश बसंत प्रोफ़ेसर कविता रंगनाथन्

स्नातकोत्तर एवं फ़ेलो कार्यक्रम : छात्रों की संख्या

स्नातकोत्तर एवं फ़ेलो कार्यक्रम : छात्रों की संख्या

	प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	प्रबंध में फ़ेलो कार्यक्रम	कुल
2002-03	357	61	46	464
2003-04	424	55	49	528
2004-05	501	55	54	610
2005-06	493	56	69	618
2006-07	488	55	66	609
2007-08	518	54	75	647
2008-09	560	44	84	688
2009-10	602	54	79	735
2010-11	688	77	69	834
2011-12	747	78	73	898
2012-13	**753**	**78**	**84**	**915**

नियुक्ति

च1 बैच रुपरेखा

शैक्षणिक पृष्ठभूमि	
कार्य	**%**
इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी	92
कला व विज्ञान	3
वाणिज्य और व्यवसाय प्रशासन	3
चिकित्सा विज्ञान	2

कार्य अनुभव	
अवधि	**%**
नए	30
1 - 12 महीने	10
13 - 24 महीने	25
25 - 36 महीने	18
> 36 महीने	17

च2 प्रस्ताव एवं स्वीकार

समूह	प्रस्ताव	स्वीकार
समूह1	98	91
समूह2	161	137
समूह3	146	110
समूह4	28	22
कुल	433	360

*एक छात्र नियुक्ति छुट्टी से वापस आया और उसकी नियुक्ति की गई।

च3 नए भर्तीकर्ता

कम्पनी का नाम	कम्पनी का नाम	कम्पनी का नाम
एशिपैक प्रोजेक्ट्स प्रा. लिमिटेड	इंटरटैक	साहिबा फ़ैब्रिक्स
बोस्टन साइन्टिफ़िक	जुवालिया एंड यू	सैमसंग
कैरेटलेन	लैटेंटव्यू	एसएपी
सिप्ला लिमिटेड	मार्केटसैंडमार्केट	सीशेल
दाससोल्ट सिस्टम्स	मार्स	सोनाटा सॉफ़्टवेयर
एज्युशार्प	मेडिटैब	सुवर्णम् कैपिटल
फ्रेन्ड्स स्टील	नापतोल	टैक्सीफ़ॉरश्योर
ज्ञानसिस इन्फ़ॉटेक	पेन शोएन बर्लैंड	थॉम्सन रॉइटर्स
हॉन्डा	परफ़िट टैक	टाइगर एनालिटिक्स
आईक्रिएट	प्लेगैम्स 24 बाय 7	वाल्यू
इफ़को	ऋषभ इन्स्ट्रुमेन्ट्स	वरहाद कैपिटल
इंडिजीन	एसएडीआईजी	

स्थल अनुसार नियुक्ति

च4

स्थान	2011		2012		2013	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
भारत	270	88.82	322	88.46	347	96.39
यूएसए	4	1.32	3	0.82	1	0.28
यूरोप/यूके (लंदन)	11	3.62	14	3.85	1	0.28
एशिया-पैसिफिक (हॉंगकॉंग, सिंगापुर, टोक्यो)	17	5.59	17	4.67	6	1.67
कुवैत, यूएई,अफ़्रीका	2	0.66	8	2.20	5	1.39
कुल	**304**	**100.00**	**364**	**100.00**	**360**	**100.00**

विदेशी और देशी प्रस्ताव एवं स्वीकार

च5

स्थान	2011			2012			2013		
	प्रस्ताव	स्वीकार	प्रस्तावों के स्वीकार का प्रतिशत	प्रस्ताव	स्वीकार	प्रस्तावों के स्वीकार का प्रतिशत	प्रस्ताव	स्वीकार	प्रस्तावों के स्वीकार का प्रतिशत
विदेशी	34	34	100	42	42	100	13	13	100
देशी	391	270	69.05	401	322	80.30	420	347	82.62
कुल	**425**	**304**	**71.53**	**443**	**364**	**82.17**	**433**	**360**	**83.14**

क्षेत्रवार/कार्यवार नियोजन

च6

क्षेत्र/कार्य	2011			2012			2013		
	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत
बिक्री/विपणन (एफ़एमसीजी)	1	56	18.42	8	84	25.27	0	30	8.33
निवेश बैंकिंग वाणिज्यिक बैंकिंग/वित्त	28	69	31.91	31	43	20.33	7	52	16.39
प्रणालियाँ/आईटी/ आई टी ई एस	0	17	5.59	0	26	7.14	0	42	11.67
परिचालन (टेलीकॉम, ऑनलाइन सेवाएँ, फार्मा एवं हैल्थकेयर)	0	11	3.62	1	1	0.55	3	33	10.00
परामर्शी	5	83	28.95	2	126	35.17	0	115	31.94
कम्पनी संगठन	0	0	0.0	0	0	0.0	1	32	9.17

नियुक्ति

च6

क्षेत्र/कार्य	2011			2012			2013		
	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत
सामान्य प्रबंधन (रिटेल, विनिर्माण, प्राइवेट इक्विटी, इंजीनियरिंग एवं टैकनोलोजी आदि)	0	34	11.18	0	42	11.54	2	23	6.94
अन्य (पर्यटन, रसद, रियल एस्टेट, शिक्षा प्रबंधन)	0	0	0.0	0	0	0.0	0	20	5.56
कुल	**34**	**270**	**100**	**42**	**322**	**100**	**13**	**347**	**100**

च7

क्षेत्रवार शीर्ष भर्तीकर्ता

क्षेत्र	भर्तीकर्ता	कितने भर्ती किए गए	कुल स्वीकार का प्रतिशत
परामर्श	बी सी जी	15	4.2
	एक्सेन्चर	13	3.6
	मैकिन्से एंड कंपनी	10	2.8
बैंकिंग एवं वित्त सेवाएँ	गोल्डमैन साक्स	7	1.9
	कोटक बैंक	5	1.4
	एचएसबीसी	4	1.1
कम्पनी संगठन	रिलायन्स इंडस्ट्रिज़ लिमिटेड	9	2.5
	महिन्द्रा एंड महिन्द्रा	7	1.9
	आदित्य बिरला ग्रुप	5	1.4
आई टी और प्रणालियाँ	माइक्रोसॉफ्ट इंडिया	7	1.9
	कॉग्निजेंट टेकनोलोजीज	6	1.7
	ज्ञानसिस इनफ़ोटेक	6	1.7
उपभोक्ता सामान	नेसले	5	1.4
	एशियन पेंट्स	4	1.1
टेलीकॉम	एयरटेल	11	3.1

च8

नियुक्ति से बाहर रहने का विकल्प चुनने वाले छात्र

छात्रों के नाम	उद्यमिता के क्षेत्र
पीजीपी	
कुणाल गुप्ता	ई-कॉमर्स के माध्यम से नवीन परियोजनाओं और अनुसंधान के लिए उपकरणों की खरीद हेतु छात्रों को सरल तरीके प्रदान करना
वैंकट आर.	फ़ॉकलोईड से होकर व्यावसायिक फोटोग्राफरों का नेटवर्क सृजित करना
अतुल संतोष तिरके	समाज की आवाज़ - उत्पादों की राय साझा करने का एक मंच प्रदान करना
पीजीपी-एबीएम	
सिद्धि करनानी	फसलोपरांत प्रबंधन

ग्रीष्मकालीन नियुक्ति का क्षेत्रवार वितरण

च9

क्षेत्र	नियुक्तियों की संख्या	क्षेत्र	नियुक्तियों की संख्या
वित्त	107	संचालन	16
विपणन / बिक्री	95	मानव संसाधन (एच.आर.)	3
परामर्श	84	अन्य	19
प्रणालियाँ / आई.टी.	20	निर्णय लेना बाकी	7
सामान्य प्रबंध	26	कुल	377

पीजीपी-एबीएम की क्षेत्रवार नियुक्ति

च10

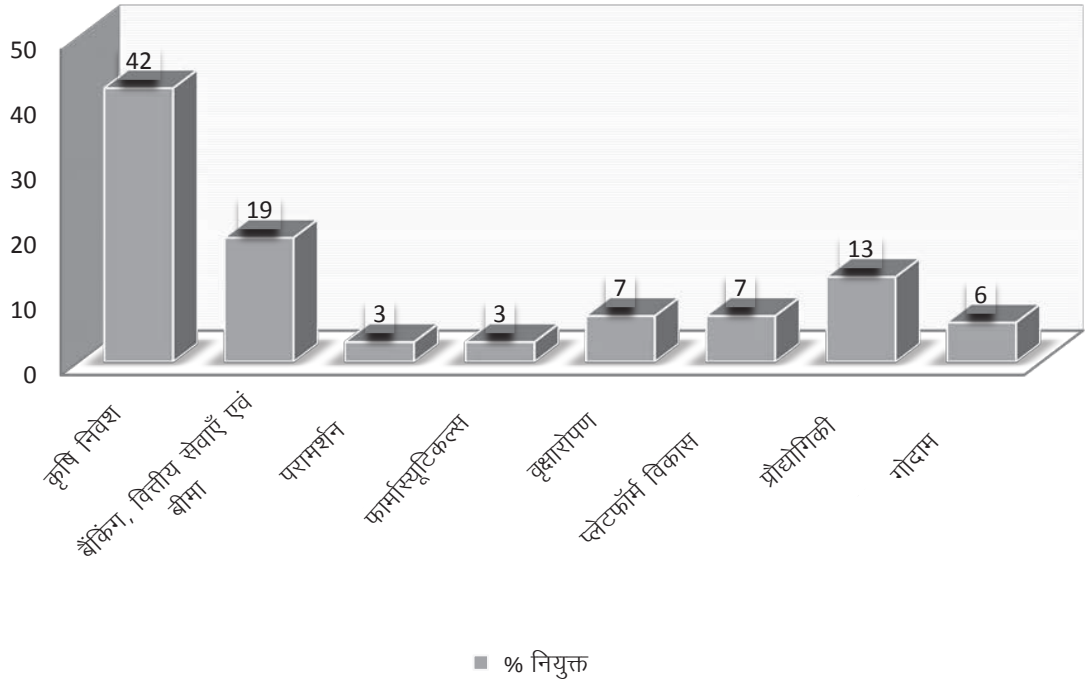

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

छ1

जारी परियोजनाएँ

स्थिति / परियोजना का प्रकार	परियोजनाएँ					
	जारी परियोजनाएँ	प्रारंभ की गईं परियोजनाएं	कुल	पूरी हो चुकी परियोजनाएँ	वापस ली गई परियोजनाएँ	प्रतिबंधित परियोजनाएँ
अनुसंधान परियोजना	11	10	21	4	1	1
मूल धन परियोजना	9	3	12	4	-	-
केस विकास परियोजना	10	4	14	6	1	3
ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजना				20		
आर एंड पी द्वारा संयोजित संगोष्ठी				14		
शोधकार्य-पत्रक				46		

प्रारंभ की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

- कंटेनर टर्मिनल संचालनों के लिए स्टॉकेस्टिक मॉडलिंग और डिजाइन अंतर्दृष्टि
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- भारत के आईटी सेक्टर में कार्यस्थल पर गुंडागर्दी
  (प्रोफ़ेसर प्रेमीला डी'क्रूज़)
- भारत में आईटीईएस-बीपीओ सेक्टरों में समूहीकरण का पथ
  (प्रोफ़ेसर प्रेमीला डी'क्रूज़ एवं एर्नेस्टो नोरोन्हा)
- ग्राम स्तरीय मोबाइल तदर्थ नेटवर्क के यथार्थवादी अनुकार
  (प्रोफ़ेसर कविता रंगनाथन् और डॉ. अनु विद्यानाथन्)
- विभिन्न प्रकार की वाहन आधारित प्रोद्योगिकियों का उपयोग करते हुए वितरण गोदामों की समग्र क्षमता में सुधार लाना
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- वस्तु विनिमय व्यवसाय में बंदोबस्ती प्रभाव : प्रायोगिक साक्ष्य
  (प्रोफ़ेसर विश्वनाथ पिंगाली)
- पारिवारिक स्वामित्व, जानकार व्यवसायीकरण और नकदी
  (प्रोफ़ेसर जोशी जेकब और शोभेश के. अगरवाला)
- एकाधिक ग्राहक वर्ग के लिए सेवा स्तर बाधाओं के साथ हब-एंड-स्पोक नेटवर्क डिजाइन का अधिकार पूर्वक एकाधिक आवंटन
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- प्रबंधन शिक्षा के माध्यम से सामाजिक गतिशीलता - महिलाओं द्वारा अपनाए गए रास्ते
  (प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन)
- फूस की आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए बंद-लूप वस्तुसूची मॉडल
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)

मूलधन परियोजनाएँ

- बचत और बाहरी परिवर्तनों के बारे में भारतीय उपभोक्ता के व्यवहारिक हिस्सों के लिए एनएसएचआईई (2010-11) का उपयोग करते हुए एनसीएईआर द्वारा एकत्रित संभावनाओं का मूल्यांकन डाटा
  (प्रोफ़ेसर अरिन्दम् बनर्जी)
- अंतरराष्ट्रीयकरण (जावक एफ़डीआई) के पूर्ववृत्त और परिणाम
  (प्रोफ़ेसर चित्रा सिंगला)
- संयुक्त-देयता, एकाधिक उधार और अधिकतम लाभ
  (प्रोफ़ेसर विश्वनाथ पिंगाली)

केस विकास परियोजनाएँ

- प्रथम पुस्तक पर केस
  (प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन)
- मीनाचिल कंक्रीट
  (प्रोफ़ेसर एम.एम. मोनिपल्ली)
- इतना करें : नए संचार वातावरण में उपभोक्ताओं को जुड़ना
  (प्रोफ़ेसर अभिषेक)
- रिलायंस बुनियादी ढाँचे पर केस श्रृंखला
  (प्रोफ़ेसर एम.आर. दीक्षित)

पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

- व्यवसाय, मीडिया कानून और इंटरनेट
  (प्रोफ़ेसर अनुराग अग्रवाल)
- भारत में सामाजिक गतिशीलता
  (प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन)
- भारतीय आईपीओ बाजार अवमूल्यन का अध्ययन
  (प्रोफ़ेसर शोभेश कुमार अगरवाला और जोशी जेकब)
- छंटनी के प्रक्रियात्मक आयाम : आईटी सेक्टर का अध्ययन
  (प्रोफ़ेसर प्रेमीला डी'क्रूज़)

मूल धन परियोजनाएँ

- भारत में शिल्पकारों के सशक्तिकरण के उपाय
  (प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन)
- उच्च रूप से लेप्टोकुर्टिक लाभ वितरणों को प्रदर्शित करते हुए कमोडिटी बाजारों में मूल्य पूर्वानुमान करने के तीन तरीकों के तुलनात्मक कार्यनिष्पादन की जाँच
  (प्रोफ़ेसर अर्नब कुमार लाहा)
- निगमित सामाजिक लापरवाही के केस
  (प्रोफ़ेसर नवदीप माथुर और अंकुर सरीन)
- क्या भारत के लिए ब्याज दरों में 'ए' टर्म संरचना है?
  (प्रोफ़ेसर विनीत विरमाणी)

केस-विकास परियोजनाएँ

- बाबाजोबडॉटकॉम - सूचना रोजगार सेक्टर का डिजिटलीकरण
  (प्रोफ़ेसर कविता रंगनाथन् और अंकुर सरीन)
- संगठनात्मक ज्ञान के साथ क्षेत्र बिक्री बल को समर्थित करते हुए : यूरेका फ़ोर्ब्स का एक केस अध्ययन
  (प्रोफ़ेसर संजय वर्मा)
- यूरोपा ग्रुप, चेन्नई
  (प्रोफ़ेसर एस. मणिकुट्टी)
- क्वेन्च पुस्तकालय समाधान
  (प्रोफ़ेसर एम.एम. मोनिपल्ली)
- अक्षय पात्र – खाद्य आपूर्ति श्रृंखला
  (प्रोफ़ेसर अतनु घोष और जी. रघुराम)
- निलोबराय विद्यालय, अहमदनगर
  (प्रोफ़ेसर राजीव शर्मा)

प्रतिबंधित परियोजनाएँ

- भारतीय हीरा उद्योग में अनौपचारिक सेक्टर की कम्पनियों की संस्कृति की तलाश (अनुसंधान परियोजना)
  (डॉ.इन्दु राव)
- अन्स्र्ट एंड यंग : लेन-देन सलाहकार सेवाएँ (केस विकास परियोजना)
  (प्रोफ़ेसर अरविन्द सहाय)
- सिटीबैंक जापान - ऑनलाइन बैंकिंग (केस विकास परियोजना)
  (प्रोफ़ेसर अरविन्द सहाय)
- ऑलकार्गो ग्लोबल के लिए सीआरएम रणनीति (केस विकास परियोजना)
  (प्रोफ़ेसर संजय वर्मा)

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

वापस ली गई परियोजनाएँ

- सुभिक्षा खुदरा श्रृंखला (केस विकास परियोजना)
  (प्रोफ़ेसर अतनु घोष)
- वफादारी योजनाओं के बीच उपभोक्ता की पसंद का मूल्यांकन - मुक्ति अंक अथवा पूरक पुरस्कार
  (अनुसंधान परियोजना)
  (प्रोफ़ेसर संजय वर्मा और अब्राहम कोशी)

ग्रीष्मकालीन इन्टर्नशिप परियोजनाएँ

- केस चर्चाओं के लिए एक रणनीति रचनाकार और मूल्यांकन प्रणाली
  (प्रोफ़ेसर एम.आर. दीक्षित और संजय वर्मा)
- विशिष्टता के लिए उपभोक्ता की जरूरतों की जांच
  (प्रोफ़ेसर धीरज शर्मा)
- भारत में समाचार पत्रों के लिए प्रयोक्ता रेटिंग प्रदान करना
  (प्रोफ़ेसर धीरज शर्मा)
- बेंडर के विघटन का उपयोग करते हुए स्टोकेस्टिक मांग और सेवा स्तर बाधाओं के साथ हबएंडस्पोक नेटवर्क डिजाइन
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- बड़े पैमाने पर मिश्रित पूर्णांक प्रोग्रामिंग के लिए बेंडर अपघटन तेजी
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- स्वायत्त वाहन-आधारित गोदाम प्रणाली के लिए डिजाइन अंतर्दृष्टि
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- कंटेनर टर्मिनलों पर पोत प्रवास समय वितरण के बारे में पोत के आकार के निहितार्थ को समझना
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- आपूर्ति श्रृंखला में खेल के सैद्धांतिक मॉडलों के बारे में साहित्यिक समीक्षा
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- सामाजिक उद्यमों के ऊष्मायन में सरकारी नियमों की भूमिका की जाँच
  (प्रोफ़ेसर वैभव भमोरिया)
- निगमित सामाजिक अनुत्तरदायित्व के बारे में केस
  (प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन और नवदीप माथुर)
- एयरलाइन डाटा के लिए पूर्वानुमान प्रणाली का परम्परागत पूर्वानुमान और आर.एम. आधारों के मिश्रण पर आधारित विकास
  (प्रोफ़ेसर गौतम दत्ता)
- प्रतिस्पर्धा में रही एयरलाइनों के कई फ़्लाइट लैग्स के मूल्य निर्धारण का अध्ययन
  (प्रोफ़ेसर गौतम दत्ता)
- विक्रेता स्थान समस्या के लिए बैंडर का विघटन
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- स्थिर आगमन दरों के साथ पंक्तियों के नेटवर्क में प्रतीक्षारत समय की संभावनाओं का आकलन
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- विभिन्न सामाजिक उद्यमों के लिए निधियों को जुटाने की प्रक्रिया की जाँच
  (प्रोफ़ेसर पीयूष कुमार सिन्हा)
- समय पर परिवर्तनीय आगमन दरों के साथ पंक्तियों के नेटवर्क में समय की संभावनाओं का प्रतीक्षारत आकलन
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- भारतीय पूँजी बाजार में माइक्रोस्ट्रक्चर बाजार मुद्दे
  (प्रोफ़ेसर शोभेश कुमार अगरवाला)
- भंडारण प्रणालियों में प्रौद्योगिकीय प्रगति की समीक्षा
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- ट्रांसपोर्टरों के लिए इष्टतम बेड़े मिश्रित निर्णय लेना
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- रोगी प्रवाह प्रतिरूपण और संसाधन संकुलन को समझना
  (प्रोफ़ेसर के.वी. रमणी)

2012-13 के दौरान संस्थान में आयोजित संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक
प्रोफ़ेसर दीपक हेगडे न्यू योर्क युनिवर्सिटी- लियोनार्ड एन. स्टर्न स्कूल ऑफ़ बिज़नेस	क्या एक हाथ से ताली बज सकती है?अमेरिकी वैंचर कैपिटल में नैतिक निकटता के भुगतान	26 जून 2012
प्रोफ़ेसर शुभाशीष डे भारतीय प्रबंध संस्थान, कोझीकोड	भारतीय राज्यों की ब्याज लागत पर सरकारी प्रतिभूति बाजार की ढील का प्रभाव	24 जुलाई 2012
डॉ. दीपांकर सिन्हा महानिदेशक, डीजीसीआई एवं एसएस कोलकाता	ईएक्सआईएम डाटा और डीजीसीआई एवं एस की भूमिका	14 अगस्त 2012
सुश्री पद्मजा नायर स्वतंत्र परामर्शक	स्वच्छता पर केंद्रित दक्षिण एशिया में राज्य व गैर सरकारी संगठन सेवा प्रदाताओं के बीच संबंध	23 अगस्त 2012
प्रोफ़ेसर योगेश अग्रवाल भारतीय प्रबंध संस्थान, लखनऊ	दीर्घकालीक संचार नेटवर्क का डिजाइन : एक बहुफलकीय दृष्टिकोण	21 सितम्बर 2012
प्रोफ़ेसर अतनु आर. सिन्हा भारतीय प्रबंध संस्थान, बैंगलूरु	एक हलकी सी मुसकान : विक्रेताओं की रियायत पैटर्न और खरीदारों की अपेक्षाओं पर कीमतें	11 अक्टूबर 2012
प्रोफ़ेसर उत्पल भट्टाचार्य इन्डियाना युनिवर्सिटी, ब्लूमिंगटन	पारिवारिक म्युच्युअल निधि में परस्पर विरोधी पारिवारिक मूल्य	19 नवम्बर 2012
डॉ. शुभब्रत दास भारतीय प्रबंध संस्थान, बैंगलूरू	राउंड-रोबिन टूर्नामेंट में नॉकआउट टूर्नामेंट तथा टीमों की प्रगति के पथ बनाते हुए निष्पक्षता से मूलधन लगाना	4 दिसम्बर 2012
डॉ. रोहित वर्मन भारतीय प्रबंध संस्थान, कोलकाता	अवमानना और प्रशंसाओं के बीच :भारतीय विज्ञापनों में उपनिवेश के बाद के अनुकरण की समझ	10 दिसम्बर 2012
डॉ. रामनाथन् सुब्रमणियम् आगंतुक संकाय, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद	आंतरिक श्रम बाजार व्यवहारों के तहत कर्मचारी सहयोग एवं भागदौड़ का एक एजेंसी सैद्धांतिक मॉडल	16 जनवरी 2013
प्रोफ़ेसर राज के. शाह शिकागो युनिवर्सिटी	कौन शिखर छू सकता है :प्रबंधकीय संगठनों में सामान्य बनाम विशेषज्ञ	30 जनवरी 2013
प्रोफ़ेसर अमलेन्दु दुबे भारतीय प्रबंध संस्थान, इन्दौर	रूझान और चक्रीय अयुग्मन :दृश्यमान कारण और तरंगिका सहसंबंध पर आधारित नए अनुमान	21 फरवरी 2013
डॉ. रणधीर मित्रा पेनसिल्वेनिया स्टेट युनिवर्सिटी स्टेट कॉलेज	हाइज़ेनबर्ग की अनिश्चितता : भौतिकी, नैतिकता और राजनीति	07 मार्च 2013
प्रोफ़ेसर जॉनाथन गोसलिंग एक्सेटर युनिवर्सिटी, यू.के.	जहाँ कोई भी प्रभारी नहीं है ऐसे बहु क्षेत्र की भागीदारी की प्रभावशीलता में सुधार :ब्रिटेन में बाढ़ सुरक्षा के मामले में सामान्यीकरण	11 मार्च 2013

प्रकाशन

पुस्तकें

बेन्स, पॉल; क्रिस, फ़िल; केली, पेज एवं सिन्हा, पीयूष कुमार, *मार्केटिंग*, नई दिल्ली : ऑक्सफ़र्ड युनिवर्सिटी प्रेस, 2013

बैनर्जी, अरिन्दम्, *मैनेजमेंट एसेन्सियल्स : ए रेसिपी फ़ॉर बिज़नेस सक्सेस,* नई दिल्ली : सेज पब्लिकेशन, अगस्त, 2013

देवधर, सतीष, *डे टू डे इकॉनोमिक्स,* नोएडा : रैंडम हाउस पब्लिशर्स इंडिया प्रा.लि., जुलाई, 2012

लैम्ब, चार्ल्स; हेयर, जोसफ; शर्मा, धीरज एवं मैकडेनियल, कार्ल, *मार्केटिंग*, नई दिल्ली : सेनगेज पब्लिकेशन, प्रथम दक्षिण एशियाई संस्करण, जुलाई, 2012

माथुर, अजीत एन., *स्ट्रेटेजीस फ़ॉर द फ़्युचर : अंडरस्टैंडिंग इंटरनेशनल बिज़नेस,* नोएडा : रैंडम हाउस पब्लिशर्स इंडिया प्रा.लि., जुलाई, 2012

मोनिपल्ली, एम.एम., *बिज़नेस कम्युनिकेशन : फ़्रॉम प्रिन्सिपल्स टू प्रैक्टिस,* नई दिल्ली : मैकग्रॉ-हिल हायर एज्युकेशन, अप्रैल, 2013

पंगोत्रा, प्रेम; शुक्ल, पी.आर., *इनफ़्रास्ट्रक्चर फ़ॉर लो-कार्बन ट्रान्सपोर्ट इन इंडिया : ए केस स्टडी ऑफ़ द देल्ही-मुम्बई डेडिकेटेड फ़्राइट कोरिडोर,* नई दिल्ली : मैग्नम कस्टम पब्लिशिंग, 2012

पाठक, अखिलेश्वर और सावन, गोडियावाला, *बिज़नेस टैक्सेशन,* नई दिल्ली : टाटा मैकग्रॉ-हिल, 2012

रमणी, के.वी.*हॉस्पिटल मैनेजमेंट : टेक्स्ट एंड केसीस,* नोएडा : पिअरसन एज्युकेशन, 2013

सरन, एस.; शरण, वी.; कुमार, बी.; गर्ग, अमित और शानबाग, अनिरुद्ध, *मिटिगेटिंग कार्बन एमिशन्स इन इंडिया : द केस फ़ॉर ग्रीन फ़िनान्सियल इन्स्ट्रुमेंट्स,* जर्मनी : ड्युश जेसेलशाफ़्ट फ़्युर इन्तेरनाशियोनाल जुसामेनार्बेत (जीआईजेड़) जीएमबीएच, 2012

सिंह, सुखपाल, *मॉडर्न फ़ूड वैल्यु चेन्स इन इंडिया : इमर्जिंग पॉटेंशियल फ़ॉर द पूअर,* नई दिल्ली : संस्कृति, 2012

उप्रेति, डी.सी.; धर, एस.; हॉगमिन, डी.; किम्बाल, बी.ए.; गर्ग, अमित; और उपाध्याय, जे., *टैकनॉलॉजीस फ़ॉर क्लाइमैट चैंज मिटिगेशन : ऐग्रिकल्चर सैक्टर,* नई दिल्ली : मैग्नम कस्टम पब्लिशिंग, 2012

मोनोग्राफ

अगरवाला, शोभेश के,; बरुआ, एस.के.; जेकब, जोशी और वर्मा, जयंत आर., *भारत में छात्रों, युवा कर्मचारियों और सेवानिवृत्तों में वित्तीय साक्षरता का सर्वेक्षण*, अहमदाबाद : भारतीय प्रबंध संस्थान, जून 2012

बाजपाई, निरुपम; धोलकिया, रवीन्द्र और टॉवल, मेगान, *इनक्रिज़िंग दी अवेलेबिलिटी ऑफ़ स्किल्ड बर्थ ऐटेन्डन्स इन रुरल इंडिया,* नई दिल्ली : युनिसेफ भारत और एनआरएचएम की अंतरराष्ट्रीय सलाहकार पैनल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, कार्यपत्रक श्रृंखला संख्या 9, मुम्बई : कॉलम्बिया ग्लोबल सेन्टर्स, जनवरी 2013 (http://globalcenters.columbia.edu/mumbai/files/globalcenters_mumbai/UNICEF%20IV_Skilled%20Birth%20Attendance_28Jan2013.pdf)

बाजपाई, निरुपम; धोलकिया, रवीन्द्र और वैनतेया, ज्योति, *इनक्रिज़िंग दी अवेलेबिलिटी ऑफ़ स्पेशियलिस्ट सर्विसिज़ इन रुरल इंडिया,* नई दिल्ली : युनिसेफ़ इंडिया और एनआरएचएम की अंतरराष्ट्रीय सलाहकार पैनल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, कार्यपत्रक श्रृंखला संख्या 8, मुम्बई : कॉलम्बिया ग्लोबल सेन्टर्स, जनवरी 2013 (http://globalcenters.columbia.edu/mumbai/filesglobalcenters_mumbai/WPB_UNICEF%20III_Specialist%20Services_Fec2013.pdf)

धोलकिया, रवीन्द्र; कुमार, प्रभात; अग्रवाल, राजेश; मुखर्जी, शान्तनु और अली, सैयद नासिर, *रिपॉर्ट ऑफ़ द कमिटी ऑन कॉस्ट सेविंग एंड रिसोर्स ओप्टिमाइजेशन इन एयर इंडिया* : नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारत सरकार, मार्च 2013

पाल, देबदत्ता; घोष, अनिर्बन; नासकर, सौविक; लायक, तपस और दत्ता समर के., *एसेसिंग पॉलिसी इन्टरवेन्शन्स इन ऐग्री-बिज़नेस एंड एलाइड सैक्टर : क्रेडिट वर्सस क्रेडिट-प्लस एप्रोच इन लिवलिहूड प्रमोशन,* नई दिल्ली : एलाइड़ पब्लिशर्स, 2013

रघुराम, जी.,*एविएशन मॉनॉग्राफ,* अहमदाबाद : पी.एस.जी. मॉनॉग्राफ 74, भारतीय प्रबंध संस्थान, जून 2012

व्यावसायिक पत्रिकाओं में लेख

अग्रवाल, अनुराग के.,"कॉरपोरेट गवर्नेंस : कॉन्फ़िडेन्शियलिटी एंड रॉल ऑफ़ मीडिया इन चैन्जिंग टाइम्स,"*जर्नल ऑन गवर्नेंस, नेशनल लॉ युनिवर्सिटी, जोधपुर,* आई, 6 (2012), 733-765

अग्रवाल, अनुराग के., कॉर्पोरेट गवर्नेंस : "फ़ाइनेंसियल रेगुलेटर्स एंड कॉर्ट्स नीड टू बी ऑन द सेम पेज" *विकल्प : द जर्नल फ़ॉर डिसिज़न मेकर्स,* 38, 1 (जनवरी-मार्च 2013), 1-11

अलग, मुनीष, "पॉजिटिव एंड नॉर्मेटिव आस्पेक्ट्स ऑफ़ प्राइस एंड द मार्केट इन इंडियन एग्रिकल्चर : ए लुक एट गवर्नमेंट पॉलिसी इन्टरवेन्शन्स इन फ़ूड मैनेजमेंट इन एन अनचैन्जिंग नेरेटिव ऑफ़ ट्रेडिशनल एग्रिकल्चर" *अन्वेषक,* 42, 1-2 (जनवरी-दिसम्बर 2012)

भद्रा, धीमान; घोष, एम. और किम, डी., "एस्टिमेशन ऑफ़ मेडिअन हाउसहोल्ड इनकम फ़ॉर स्माल एरियाज़ : ए बेयेशिन सेमिपैरामेट्रिक एप्रोच," *कोलकाता स्टेटिस्टिकल एसोसिएशन बुलेटिन,* 64 (मार्च-जून 2012), 115-142

कैल्विन, के.; क्लार्क, एल.; क्रेई, वी.; ब्लैनफ़ॉर्ड, जी.; केजुन, जे.; कईनुमा, एम.; क्रिग्लेर, ई.; लुदेरेर, जी. और शुक्ला, पी.आर., "द रॉल ऑफ़ एशिया इन मिटिगेटिंग क्लाइमेट चैन्ज : रिसल्ट्स फ़्रॉम दी एशिया मॉडलिंग एक्सरसाइज़", *एनर्जी इकॉनॉमिक्स,* 34, 3, (2012), एस251-एस260

चतुर्वेदी, वी.; इयोम, जे.; क्लार्क, एल.ई. और शुक्ला, पी.आर., "लॉंग टर्म बिल्डिंग एनर्जी डिमांड फ़ॉर इंडिया : डिसएग्रेगेटिंग एंड युज़ एनर्जी सर्विसिज़ इन एन इंटिग्रेटेड एसेसमेंट मॉडलिंग फ़्रेमवर्क," *एनर्जी पॉलिसी,* (2012) (ऑनलाइन संदर्भ : http://dx.doi.org/10.1016/j.enpol.2012.11.021)

डी'क्रूज़, प्रेमिला और नोरोन्हा, एर्नेस्तो, "होप टूडिस्पेर : दी एक्सपिरियन्स ऑफ़ ऑर्गेनाइज़िंग इंडियन काल सेन्टर एम्प्लोयीज़,"*इंडियन जर्नल ऑफ़ इंडस्ट्रियल रिलेशन्स,* 48 (2013), 471-486

डी'क्रूज़, प्रेमिला; टेलर, फिल; नोरोन्हा, एर्नेस्तो और स्कोलारियोस डोरा, "दी एक्सपिरियन्स ऑफ़ वर्क इन इंडियाज़ डोमेस्टिक काल सेन्टर इंडस्ट्री,"*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ह्युमन रिसॉर्स मेनेजमेंट,* 24, 2 (जनवरी, 2013), 436-452

डी'क्रूज़, प्रेमिला और नोरोन्हा, एर्नेस्तो, "हाई कमिटमेंट मेनेजमेंट प्रैक्टिसिस री-एक्ज़ामिन्ड : द केस ऑफ इंडियन काल सेन्टर्स," *इकॉनॉमिक एंड इंडस्ट्रियल डेमोक्रसी,* 33, 2 (मई, 2012), 185-205

देवधर, सतीष; मेहन्दीरत्ता, एस.; रमणी, के.वी.; मावलंकर, दिलीप; घोष, एस. और ब्रेगन्ज़ा, वी.,"इवेल्युएशन ऑफ़ मिड-डे मील स्कीम,"*जर्नल ऑफ़ इंडियन स्कूल ऑफ़ पॉलिटिकल इकॉनॉमी,* 22 (2012), 33-48

धोलकिया, रवीन्द्र और सप्रे, अमी ए., "स्पीड ऑफ़ एड्जस्टमेन्ट एंड इनफ़्लेशन-आउटपुट ट्रेड ऑफ्फ़ इन इंडिया,"*जर्नल ऑफ़ क्वांटिटेटिव इकॉनॉमिक्स,* 10, 1 (जनवरी-जून 2012), 1-17

प्रकाशन

धोलकिया, रवीन्द्र और पंड्या, मनीष बी.,"एस्टिमेटिंग अर्बन एंड रुरल इनकम्स इन गुजरात : 1993-94 टू 2004-05," *जर्नल ऑफ़ इनकम एंड वैल्थ,* 34, 2 (जुलाई-दिसम्बर 2012), 16-37

धोलकिया, रवीन्द्र, "प्रॉस्पेक्ट्स फ़ॉर दी इंडियन इकॉनॉमी,"*विकल्प : द जर्नल फ़ॉर डिसिज़न मेकर्स,* 37, 4 (अक्टूबर-दिसम्बर 2012), 1-10

दीक्षित, एम.आर. और यादव, सुधीर, "कैपेबिलिटी पॉर्टफ़ॉलियो फ़ॉर दी इनिशियल फेइज़ ऑफ़ इंटरनेशनलाइज़ेशन ऑफ़ इमर्जिंग इकॉनॉमी फ़र्म्स : ए स्टडी इन दी इंडियन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री,"*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बिज़नेस एंड ग्लोबलाइजेशन,* (2013), 383-407

दोशी, विजयेता और खोकले, प्रद्युमन, "एन इन्स्टिट्युशनल पर्सपैक्टिव ऑन कॉरपोरेट सोशियल रिस्पॉन्सिबिलिटी,"*विकल्प : द जर्नल फ़ॉर डिसिज़न मेकर्स,* 37, 2 (2012), 98-102

दत्ता, गौतम और घोष, प्रियंको, "ए पैसेन्जर रेवन्यु मैनेजमेंट सिस्टम (आरएमएस) फ़ॉर ए नेशनल रेलवे इन एन इमर्जिंग एशियन इकॉनॉमी,"*जर्नल ऑफ़ रेवन्यु एंड प्राइसिंग मैनेजमेंट,* 11 (6 अप्रैल, 2012), 487-499 (ऑनलाइन संदर्भ : DOI:10.1057/rpm.2012.10)

फ़्यु, डब्ल्यु.जी.; गाँधी, वसन्त पी.; काओ, एल.जे.; लिव, एच.बी. और झू, जेड़.वाय.,"राइज़िंग कन्सप्शन ऑफ़ एनिमल प्रॉडक्ट्स इन चाइना एंड इंडिया : नेशनल एंड ग्लोबल इम्प्लिकेशन्स,"*चाइना एंड वर्ल्ड इकॉनॉमी,* 20, 3 (2012), 88-106

गाँधी, वसन्त पी. और खांडकर, वर्षा, "फ़्रन्टियर टैकनॉलॉजीस इन ऐग्रिकल्चर बायोटेकनॉलॉजी : द प्रॉमिस एंड पर्फ़ॉर्मन्स ऑफ़ बीटी कॉटन इन इंडिया,"*इंडियन जर्नल ऑफ़ ऐग्रिकल्चरल इकॉनॉमिक्स,* 67, 3 (जुलाई-सितम्बर 2012)

गंगवार, रचना; मोरिस, सेबास्तियन; पांडेय, अजय और रघुराम, जी., "कन्टेनर मुवमेंट बाय रेल इन इंडिया : ए रीव्यु ऑफ़ पॉलिसी इवॉल्युशन,"*ट्रान्सपॉर्ट पॉलिसी,* 22 (जुलाई, 2012), 20-28

गर्ग, अमित; विश्वनाथन्, एस. और अवशिया, वी., "लाइफ़ सायकल ग्रीनहाउस गैस एमिशन एसेसमेंट ऑफ़ मेजर पेट्रॉलियम ऑयल प्रॉडक्ट्स फ़ॉर ट्रान्सपॉर्ट एंड हाउसहोल्ड सैक्टर्स इन इंडिया,"*एनर्जी पॉलिसी,* (2013), 38-48 (ऑनलाइन संदर्भ :http://dx.doi.org/10.1016/j.enpol.2013.02.018)

गर्ग, अमित; झाला, एन.; पाठक, एस. और कनकल, बी., "एन एम्पिरिकल एप्रोच युज़िंग स्पातियल एंड नोनस्पातियल डाटा फ़ॉर सरफ़ेस वाटर अवेलेबिलिटी अलॉंग कैनाल,"*क्लाइमेट चैन्ज एंड एन्वायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी,* 1, 1 (2013), 1-10 (ऑनलाइन संदर्भ : DOI: 10.5958/j.2320-6411.1.1.001)

गर्ग, अमित; हाल्सनेस, कर्स्टन; क्रिस्टन्सन, जॉह्न; फॉयन, हेलेन इस्टेन; कारावई, मरिना; रॉवियर, एमिलियो ला; ब्रामली, मैथ्यु; झु, ज़ियान्ली; मिशेल, कैथरिन; रॉय, जॉयश्री; तनाका, कनाको; कातायमा, हिदेफ़ुमी; मेना, कार्लोस; ओबियोह, इमोह; बेशमेकॉव, इगॉर; म्वाकासॉन्दा, स्टैनफ़ॉर्ड; ली, म्योंग-क्यून; विनलुआन, मार्लिन; ह्वांग, यु जॉ और सेगाफ़्रेडो, लॉरा, "क्लाइमेट चेन्ज मिटिगेशन पॉलिसी पैराडिग्मस : नेशनल ऑब्जेक्टिव्स एंड अलाइनमेंट्स,"*मिटिगेशन एंड एडेप्शन स्ट्रेटेजीस फ़ॉर ग्लोबल चेन्ज,* (2012) (ऑनलाइन संदर्भ : DOI 10.1007/s11027-012-9426-y)

गर्ग, अमित और अवशिया, वी.,"ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड : टेकिंग क्लाइमेट लीडरशिप,"*स्पैन्ड्रल,* 5 (मॉनसून 2012), 111-127

घोष, दीप्तेश, "ए डाइवर्सिफ़िकेशन ऑपरेटर फ़ॉर जेनेटिक एलगोरिदम्," 49, 3 (2012), 299-313

गुप्ता, अनिल के., "टैपिंग दी एंत्रप्रिनियरियल पॉटेंशियल ऑफ़ ग्रासरूट्स इनोवेशन," *स्टैनफ़ॉर्ड सोशियल इनोवेशन रिव्यु,* 11, 3 (ग्रीष्म 2013), 18-20

प्रकाशन

गुप्ता, अनिल के., "इनोवेशन्स फ़ॉर द पूअर बाय द पूअर,"*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ टैकनॉलॉजिकल लर्निंग, इनोवेशन एंड डेवलपमेंट,* 5, 1/2 (2012), 28-39

गुप्ता, मोना; रमणी, के.वी. और सूर्स, वेर्नेर, "एडोलिसन्ट हैल्थ इन इंडिया : स्टिल एट क्रॉसरोड्स,"*एड्वान्सिस इन एप्लाइड्र सोशियोलॉजी,* 2, 4 (2012), 320-324

गुप्ता, विशाल और सिंह, एस., "एम्पिरिकल इवेल्युएशन ऑफ़ डायमेन्शनलिटी ऑफ़ ऑर्गेनाइजेशनल सिटिज़नशिप बीहेवियर फ़ॉर इंडियन बिज़नेस कॉन्टेक्ष्ट,"*साइकोलॉजिकल स्टडीज़,* 57, 4 (2012), 392-403

गुप्ता, विशाल; सिंह, एस.; कुमार, एस. और भट्टाचार्य, ए., "डवल्पमेंट ऑफ ए केज्वल फ्रेमवर्क लिंकिंग लीडरशिप टू एम्मपलाइ क्रियेटिविटी : ए स्टडी ऑफ़ इंडियन आर.एंड डी. लैबोरेटरिज़,"*इंडियन जर्नल ऑफ़ इंडस्ट्रियल रिलेशन्स,* 48, 1 (2012), 120-136

गुप्ता, विशाल और सिंह, एस., "एन एम्पिरिकल स्टडी ऑफ़ द डायमेन्शनलिटी ऑफ़ ऑर्गेनाइजेशनल जस्टिस एंड इट्स रिलेशनशिप विथ ऑर्गेनाइजेशनल सिटिजनशिप बिहेवियर इन दी इंडियन कॉन्टेक्ष्ट,"*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ह्युमन रिसॉर्स मैनेजमेंट,* 24, 6 (2013), 1277-1299

गुप्ता, विशाल और कुमार, एस., "इम्पैक्ट ऑफ़ पर्फ़ॉर्मन्स अप्रेज़ल जस्टिस ऑन एम्प्लोयी एंगेजमेंट : ए स्टडी ऑफ़ इंडियन प्रोफ़ेशनल्स,"*एम्प्लोयी रिलेशन्स : दी इंटरनेशनल जर्नल,* 35, 1 (2013), 61-78

गुप्ता, विशाल और सिंह, एस., "हाउ लीडर्स इम्पैक्ट एम्प्लोयी क्रिएटिविटी : ए स्टडी ऑफ़ आर. एंड डी. लैबोलेट रीज़,"*मैनेजमेंट रिसर्च रिव्यु,* 36, 1 (2013), 66-88

ऐयंगर, श्रीकान्त और धोलकिया, रवीन्द्र, "एक्सेस ऑफ़ द रुरल पूअर टू प्राइमरी हैल्थकेयर इन इंडिया,"*रिव्यु ऑफ़ मार्केट इंटिग्रेशन,* 4, 1 (अप्रैल, 2012), 71-109

जैन, रेखा और एयरॉन, प्रगीत, "ऑपॉर्चुनिटी कैरेक्टरिस्टिक्स एनेबलिंग कॉमर्सियलाइजेशन इन हाई-टैक एन्वायर्नमेंट : ए स्टडी ऑफ़ इंडियन टैलिकॉम स्टार्ट-अप्स,"*जर्नल ऑफ़ ग्लोबल बिज़नेस एड्वान्समेंट,* 5, 3 (2012), 226-247

जोसफ, जेरोम और जगन्नाथन, एस., "थ्री रिप्रेज़न्टेशन्स ऑफ़ इनसिक्योरिटी इन थ्री नेरेटिव्स ऑफ़ अनऑर्गेनाइज़्ड वर्कर्स,"*इंडियन जर्नल ऑफ़ इंडस्ट्रियल रिलेशन्स,* 48, 3 (जनवरी 2013), 450-459

कईनुमा, एम.; शुक्ला, पी.आर. और जियेंग, केजुन, "फ़्रेमिंग एंड मॉडलिंग ऑफ़ लॉ कार्बन सोसाइटी : एन ओवरव्यु,"*एनर्जी इकॉनॉमिक्स,* 34 (2012), एस316-एस324

कौल, आशा, "मैन एंड वुमन टॉक इन इंडियन ऑर्गेनाइजेशन्स : ग्रामाटिकल एंड सिंटेक्टिकल सिमिलरिटिज़,"*जर्नल ऑफ़ बिज़नेस कम्युनिकेशन,* 49, 3 (2012), 254-276

खन्ना, वी. और कौल, आशा, "क्रिएटिंग सिनर्जीस फ़ॉर बिज़नेस ट्रान्सफ़ॉर्मेशन : ब्रिगेड एंटरप्राइज़िस लिमिटेड,"*विकल्प : द जर्नल फॉर डिसिज़न मेकर्स,* 38, 1 (2013), 119-130

कोठारी, आर. और घोष, दीप्तेश, "टेबु सर्च फ़ॉर द सिंगल रॉ फ़ेसिलिटी लेआउट प्रॉब्लेम युज़िंग एक्ज़ोस्टिव 2-ऑप्ट एंड इन्सर्शन नेबरहूड्स,"*युरोपियन जर्नल ऑफ़ ऑपरेशनल रिसर्च,* 224, 1 (2013), 93-100 (ऑनलाइन संदर्भ : http://dx.doi.org/10.1016/j.ejor.2012.07.037)

कोठारी, आर. और घोष, दीप्तेश, "इनसर्शन बेज़्ड लिन-केर्निगन ह्अरिस्तिक फॉर सिंगल रॉ फ़ेसिलिटी लेआउट,"*कम्प्युट र्स एंड ऑपरेशन्स रिसर्च,* 40,1 (2012), 129-136 (ऑनलाइन संदर्भ : http://dx.doi.org/10.1016/j.cor.2012.05.017)

प्रकाशन

कोठारी, आर. और घोष, दीप्तेश, "द सिंगल रॉ फ़ेसिलिटी लेआउट प्रॉब्लेम : स्टेट ऑफ़ दी आर्ट,"*ऑपसर्च,* 49, 4 (2012), 442-462 (ऑनलाइन संदर्भ : http://link.springer.com/article/10.1007%2Fs12597-012-0091-4)

कोठारी, आर. और घोष, दीप्तेश, "एन एफ़िसियन्ट जेनेटिक अलगोरिदम फ़ॉर सिंगल रॉ फ़ेसिलिटी लेआउट,"*ऑप्टिमाइजेशन लेटर्स,* (2013) (ऑनलाइन संदर्भ : DOI: 10.1007/s11590-012-0605-2)

लाहा, ए.के.; महेश, के.सी. और घोष, डी.के., "एसबी-रॉबस्ट एस्टिमेटर्स ऑफ़ द पैरामिटर्स ऑफ़ द व्रेप्ड नॉर्मल डिस्ट्रिब्युशन,"*कम्युनिकेशन्स इन स्टेटिस्टिक्स : थियोरी एंड मैथड्स,* 42, 4 (2013), 660-672

लाहा, ए.के. और महेश, के.सी., "एसबी-रॉबस्ट एस्टिमेटर फ़ॉर द कॉन्सन्ट्रेशन पैरामिटर ऑफ़ द सर्कुलर नॉर्मल डिस्ट्रिब्युशन,"*स्टेटिस्टिकल पेपर्स,* 53, 2 (2012), 457-467

महापात्रा, डी.; शुक्ला, पी.आर. और धर, एस., "एक्स्टर्नल कॉस्ट ऑफ़ कॉल बेज़्ड इलैक्ट्रिसिटी जनरेशन : ए टैल ऑफ़ अहमदाबाद सिटी,"*एनर्जी पॉलिसी,* 49 (2012), 253-265

माथुर, अजीत एन., "सर्च फ़ॉर इन्क्लुसिव ग्रोथ एमिड्स्ट एक्स्क्लुसिव एप्रॉप्रिएशन इन मणिपुर,"*इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 47, 9 (2012), 61-66

माथुर, नवदीप, "ऑन द साबरमती रिवरफ़्रन्ट : अर्बन प्लानिंग एज़ टॉटलिटेरियन गवर्नेंस इन एहमदाबाद,"*इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 47, 47-48 (2012), 64-75

मिरसोएव, तोलिब; ग्रीन, ऐंड्रूच्यु; जरीन, नैंसी; पिअरसन स्टिफन; बर्ड, फिलिप्पा; बुई, थी थु हा; क्रिआन, झु; रमणी, के.वी.; झियाओग्वांग, यांघ; मुखोपाध्याय, एम और सूअर्स वेरनेर, "रॉल ऑफ़ एविडेन्स इन मैटर्नल हैल्थ पॉलिसी प्रोसेसीस इन वियेटनाम, इंडिया एंड चाइना : फ़ाइंडिंग्स फ़्रॉम एचईपीवीआईसी प्रॉजेक्ट,"*एविडेन्स एंड पॉलिसी,* 10 (2013), 1-19

मिश्रा, स्मीता; मोनिपल्ली, एम.एम. और जयकर, कृष्ण पी., "सेल्फ़प्रेजन्टेशन इन ऑनलाइन एन्वायर्नमेंट्स : ए स्टडी ऑफ़ इंडियन मुस्लिम मैट्रिमॉनियल प्रोफ़ाइल्स,"*एशियन जर्नल ऑफ़ कम्युनिकेशन,* 23, 1 (फरवरी, 2013), 38-53

मिश्रा, सुशान्त कुमार; भटनागर, दीप्ति; डी'क्रूज़, प्रेमिला और नोरोन्हा, एर्नेस्तो, "लिंकेज बिट्वीन पर्सीव्ड ऐक्स्टर्नल प्रेस्टिज एंड इमॉशनल लेबर : मेडिटेशन इफ़ैक्ट ऑफ़ ऑर्गेनाइझेशनल आइडेन्टिफ़िकेशन अमॉंग फार्मास्युटिकल रिप्रेजन्टेटिव्स इन इंडिया,"*जर्नल ऑफ़ वर्ल्ड बिज़नेस,* 47, 2 (अप्रैल, 2012), 204-212

मोनिपल्ली, एम.एम., "दी ऑर्गेनिक फ़र्म : मैनेजिंग बाय पर्सुएशन,"*एनएचआरडी नेटवर्क जर्नल,* 5, 4 (अक्टूबर 2012), 33-37

नायर, निशा और वोहरा, निहारीका, "द कॉन्सेप्ट ऑफ़ एलियनेशन : टुवर्ड्स कॉन्सेप्चुअल क्लेरिटी,"*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ऑर्गेनाइजेशनल एनालिसिस,* 20, 1 (2012), 25-50

नमाजु, एम.; फ़ुजीमॉरी, एस.; शुक्ला, पी.आर. और मात्सुओका, वाय., " टू लॉ कार्बन डेवलपमेंट पाथवेज़ इन इंडिया,"*ग्लॉबल एन्वायर्नमेंटल रीसर्च,* 17, 1 (2013), 119-128

नन्दराम, बी.; भट्ट, डी.; भद्रा, धीमान और शेन, जी., "बेयेशियन प्रिडिक्टिव इन्फ़ियरन्स ऑफ़ ए फ़ाइनाइट पॉप्युलेशन प्रोपोर्शन अंडर सेलेक्शन बायस,"*स्टेटिस्टिकल मैथडोलॉजी,* 11 (2013), 1-21

नन्दराम, बी.; भट्ट, डी.; सेन्ड्रून्सक, जे. और भद्रा धीमन, "ए बेयेशियन टेस्ट ऑफ़ इंडिपेंडन्स इन ए च्यू-वे कन्टिन्जन्सी टैबल युज़िंग सरोगेट सैम्पलिंग,"*जर्नल ऑफ़ स्टेटिस्टिकल प्लानिंग एंड इन्फ़ियरन्स,* 143 (2013), 1392-1408

प्रकाशन

राय, एच. और सिंह, मंजरी, "ए स्टडी ऑफ़ मिडिएटिंग वेरिएबल्स ऑफ़ द रिलेशनशिप बिट्वीन 360^0 फ़ीडबैक एंड एम्प्लोयी पर्फ़ोर्मेन्स,"*ह्युमन रिसॉर्स डेवलपमेंट इंटरनेशनल,* 16, 1 (2013), 56-73

राम मोहन, टी.टी.,"इज़ द ग्लॉबल फ़ाइनेंसियल सिस्टम सेफ़र?"*इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 48, 2 (12 जनवरी, 2013), 10-11

राम मोहन, टी.टी.,"हाउ डु वी रिज़ॉल्व द टू-बिग-टू-फ़ेल प्रॉब्लेम," *इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 47, 35 (1 सितम्बर, 2012), 10-13

रंगनाथन, कविता और इयान फ़ॉस्टर, "डीकपलिंग कॉम्प्युटेशन एंड डाटा शेड्युलिंग इन डिस्ट्रिब्युटेड डाटा-इन्टेन्सिव एप्लिकेशन्स," *ऑम्नी-प्रेस* (नवम्बर 2012)

रति, नीरपाल; भटनागर, दीप्ति और मिश्रा, सुशांत के., "इफ़ैक्ट ऑफ़ इमॉशनल लेबर ऑन इमॉशनल एक्ज़ोशन एंड वर्क एटिट्युड्स अमॉंग हॉस्पिटलिटी एम्प्लोयीस इन इंडिया,"*जर्नल ऑफ़ ह्युमन रिसॉर्सिस इन हॉस्पिटलिटी एंड टूरिज़म,* 12, 3 (2013), 273-290

रॉय देबजीत; कृष्णमूर्ति, ए.; हेरग्यु, एस.एस. और मैम्बॉर्ग, सी.जे.,"ब्लॉकिंग इफ़ैक्ट्स इन वेयरहाउस सिस्टम्स विथ ऑटोनॉमस व्हीकल्स,"*आई ईईई ट्रान्ज़ेक्शन्स ऑन ऑटोनॉमस सायन्स एंड इंजीनियरिंग* (2013)

सरदेशमुख, श्रुति आर.; शर्मा, धीरज और गोल्डन, टिमॉथी डी., "इम्पैक्ट ऑफ़ टेलीवर्क ऑन एक्ज़ोशन एंड जॉब एंगेजमेंट : ए जॉब डीमांड्स एंड जॉब रिसॉर्सिस मॉडेल," *न्यू टैकनॉलॉजी, वर्क एंड एम्प्लोयमेंट,* 27 (2012), 193-207

सरीन, अंकुर, "वॉकेशनल एज्युकेशन : स्किलफ़ुल यूज़ ऑफ़ पब्लिक फ़ंड्स?'इन कॉलॉक्वियम : प्रिपेरिंग ए ग्लॉबली कम्पिटिटिव स्किल्ड वर्कफ़ॉर्स फ़ॉर इंडियन इकॉनॉमी : इमर्जिंग ट्रैंड्स एंड चैलेंजिस,"*विकल्प : द जर्नल फ़ॉर डिसिज़न मेकर्स,* 37, 3 (जुलाई-सितम्बर 2012), 115-120

सेठिया, दीपक और धोलकिया, रवीन्द्र, "इस्युज़ इन प्रिपेरिंग बैक सिरीज़ ऑफ़ स्टेट इनकम विथ बेस इयर 2004-05 : चैलेंजिस फ़ॉर स्टेट ब्युरोज़,"*जर्नल ऑफ़ इनकम एंड वैल्थ,* 34, 1 (जनवरी-जून 2012), 107-115

शारदा, कीर्ति, "मैनेजिंग टैलेंट एट ल्युपिन लिमिटेड : मैनेजमेंट केस,"*विकल्प : द जर्नल फ़ॉर डिसिज़न मेकर्स,* 37, 3 (जुलाई-सितम्बर 2012), 129-144

शर्मा, विजय पॉल, "ऐग्रिकल्चरल डेवलपमेंट अंडर द न्यू इकॉनॉमिक रेजिम : पॉलिसी पर्स्पैक्टिव एंड स्ट्रेटेजी फ़ॉर द 12 फ़ाइव इयर प्लान,"*इंडियन जर्नल ऑफ़ ऐग्रिकल्चरल इकॉनॉमिक्स,* 67, 1 (2012), 46-78

शर्मा, विजय पॉल, "एक्सलरेटिंग ऐग्रिकल्चरल डेवलपमेंट फ़ॉर इनक्लुसिव ग्रॉथ : स्ट्रेटेजिक इस्युज़ एंड पॉलिसी ऑप्शन्स,"*विकल्प : द जर्नल फ़ॉर डिसिज़न मेकर्स,* 37, 1 (जनवरी-मार्च 2012), 1-17

शुक्ला, पी.आर. और चतुर्वेदी, वी., "लॉ कार्बन एंड क्लीन एनर्जी सिनारियोज़ फ़ॉर इंडिया : एनालिसिस ऑफ़ टार्गेट्स एप्रॉच," *एनर्जी इकॉनॉमिक्स,* 34 (2012), एस487-एस495

सिंह, मंजरी और सरकार, ए., "द रिलेशनशिप बिट्वीन साइकॉलॉजिकल एम्पावरमेंट एंड इनोवेटिव बिहेवियर : ए डायमेन्शनल एनालिसिस विथ जॉब इन्वॉल्वमेंट एज़ मिडियेटर,"*जर्नल ऑफ़ पर्सोन्नेल साइकॉलॉजी* (पहले इसका नाम *झाइत्स्क्रफ़्त फ़्युर पर्सोनलसाइकॉलॉजि* था), 11, 3 (2012), 127-137

सिंह, सुखपाल, "न्यू मार्केट्स फ़ॉर स्मालहॉल्डर्स इन इंडिया : एक्स्क्लुज़न, पॉलिसी एंड मैकेनिज़्म्स,"*इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 47, 52 (29 दिसम्बर, 2012), 95-105

प्रकाशन

सिंह, सुखपाल, "लैंड, लिवलिहूड्स एंड स्टेट इन इंडिया : इस्युज़ एंड चैलेंजिस,"*अन्वेषक,* 42, 1-2 (2012), 161-176

सिंह, सुखपाल, "रॉल ऑफ़ एफ़डीआई इन मल्टि-ब्रांड रिटेल ट्रेड इन इंडिया एंड इट्स इम्प्लिकेशन्स,"*रिव्यू ऑफ़ मार्केट इंटिग्रेशन,* 4, 3 (2012), 283-308

सिंह, सुखपाल, "फ्रेश फ्रूड रिटेल चेन्स एंड ट्रैडिशनल फ्रूट एंड वेजिटैबल्स रिटेलर्स इन इंडिया,"*प्रॉडक्टिविटी,* 53, 2 (जुलाई-सितम्बर 2012), 123-143

सिंगला, चित्रा; वेलियात, राजाराम और ज्यॉर्ज, रेजी पी., "फ़ेमिली फ़र्म्स एंड इंटरनेशनलाइजेशन-गवर्नेंस रिलेशनशिप्स : एविडेन्स ऑफ़ सेकन्डरी एजेन्सी इस्युज,"*स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट जर्नल,* पब्लिश्ड ऑनलाइन, (25 मार्च, 2013)

सिन्हा, सिद्धार्थ, पब्लिक एंड प्राइवेट सैक्टर बैंक्स : कन्वर्जन्स इन पर्फ़ॉर्मेंस,"*इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 47, 20 (19 मई, 2012), 25-30

स्मेरेकोव्स्की जॉसफ जी. और वैंकटेशन, प्रहलाद, "एन इंटिगर प्रोग्रामिंग फ़ॉर्मुलेशन फ़ॉर द प्रोजेक्ट शेड्युलिंग प्रॉब्लेम विथ इरेंगुलर टाइम-कॉस्ट ट्रेडऑफ़्स,"*कम्प्युटर्स एंड ऑपरेशन्स रिसर्च,* 39, 7 (जुलाई, 2012), 1402-1410

विजय शेरी चंद और वसावडा, मुकुल, "लीडरशिप डेवलपमेंट फ़ॉ द पब्लिक इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सिस्टम,"*विकल्प : द जर्नल फ़ॉर द डिसिज़न मेकर्स,* 37, 3 (जुलाई-सितम्बर, 2012), 120-127

वोहरा, निहारीका और शील, राहुल, "कॉरपोरेट सोश्यल रिस्पॉन्सिबिलिटी : प्रैक्टिस, थियोरी, एंड चैलेंजिस : इंट्रॉडक्शन कॉलॉक्वियम"*विकल्प : द जर्नल फ़ॉर डिसिज़न मेकर्स,* 37, 2, 2012, 73-116

पुस्तकों में अध्याय

बालाकृष्णन्, सुंदर और दत्ता समर के.,"एन्स्योरिंग सस्टेनेबल कॉरपोरेट सोश्यल रिस्पॉन्सिबिलिटी"इन आर.के. मिश्रा, सुलग्न सरकार और पूनम सिंह (संपा.), *स्ट्रेटेजिक कॉरपोरेट सोश्यल रिस्पॉन्सिबिलिटी,* नई दिल्ली : ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया, 2012, 176-193

डी'सूज़ा, एर्रोल और भट्टाचार्यजी, डी., "वर्कफ़ॉर्स डेवलपमेंट एंड स्किल फ़ॉर्मेशन इन इंडिया : शॉर्टेज एमिड्स्ट सरप्लस,"इन जॉह्न बेन्सन, हावर्ड गॉस्पेल एंड वाय. झू (संपा.), *वर्कफ़ॉर्स डेवलपमेंट एंड स्किल फ़ॉर्मेशन इन एशिया,* लंदन : रूटलेज, 2013

गाँधी, वसंत पी., "पार्टिसिपैटरी इरिगेशन मैनेजमेंट इन इंडिया (आन्ध्र प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र)"इन गामिनी हेरत (संपा.), *इन्स्टिट्युशनल आस्पेक्ट्स ऑफ़ वॉटर मैनेजमेंट : इवेल्युएटिंग दी एक्सपिरियन्स,* न्यू यॉर्क : नॉवा सायन्स पब्लिशर्स, 2012, 215-240

जोएरी, रॉजेल्ह और शुक्ला, पी.आर., "दी एमिशन्स गैप – एन अपडेट,"*दी एमिशन्स गैप रिपॉर्ट 2012 : ए यूएनईपी सिंथेसिस रिपॉर्ट,* नैरोबी : युनाइटेड नेशन्स एन्वायर्नमेंट प्रोग्राम (युएनईपी), 2012, 21-29

कृष्णामूर्ति, ए.; रॉय, देबजीत और भाट, एस., "एनालिटिकल मॉडेल्स फ़ॉर एस्टिमेटिंग वेइटिंग टाइम्स एट ए डिज़ास्ट र रीलिफ़ सेन्टर"इन वासिलेयस सेइपेकिस, सुमिया इकॉउआ, और इयोएन्निस मिनिस (संपा.), *ह्युमिनिटेरियन एंड रिलीफ़ लॉजिस्टिक्स : रिसर्च इस्युज़, केस स्टडीज़ एंड फ़्युचर ट्रेंड्स, 54,* स्प्रिंगर अंडर द सिरीज़ ऑपरेशन्स रिसर्च / कम्प्युटर सायन्स (ओआरसीएस), 2013, 21-42

कृष्णामूर्ति, ए.; रॉय, देबजीत और भट एस., "पर्फ़ॉर्मेन्स ट्रेड-ऑफ़्स इन लेआउट्स फ़ॉर रिलीफ़ सेंटर्स" इन माइक ऑग्ले, आर. दे कॉस्टर (संपा.), *प्रोग्रेस इन मटेरियल हैंडलिंग रिसर्च,* 2012

माथुर, अजीत एन. और चट्टोपाध्याय, गौरांग, "एक्सिपरिएन्शियल लर्निंग : दी इंडियन एक्सिपरियन्स फ्रॉम द पॉर्टो-हिस्ट ॉरिक पीरियड टु द प्रेज़न्ट"इन एलियट एराम, रॉबर्ट बेक्स्टर और अकी नुत्केविच (संपा.), *ट्रेडिशन, क्रिएटिविटी एंड सक्सेशन इन द ग्लॉबल ग्रुप रिलेशन्स नेटवर्क,* लंदन : कारनेक बुक्स, 2012, 23-40

नोरोन्हा, एर्नेस्तो और डी'क्रूज़, प्रेमिला, "लैटेंट एंड मेनिफ़ेस्त प्वाइँट्स ऑफ़ कॉन्फ़िलक्ट इन इंडियन काल सेन्टर्स"इन पी. सिन्हा (संपा.), *कन्टेनिंग वर्कप्लेस कॉन्फ़िलक्ट्स,* नई दिल्ली : बुकलाइन, 2012

राम मोहन, टी.टी.,"बैंक्स : फ़ाइनेंसिंग द फ्युचर" इन आशिमा गोयल (संपा.), *हैंडबुक ऑन दी इंडियन इकॉनॉमी*

रॉय, देबजीत और दे कॉस्तर, आर., "ऑप्टिमल डिजाइन ऑफ़ कन्टेनर टर्मिनल लेआउट"इन एन्द्रे कार्रानो, रेने दे कॉस्तर, बेनोइत मॉन्त्रइल, केवनि ग्यू, माइकेल ऑग्ल, जेफ़ स्मिथ (संपा.), *प्रोग्रेस इन मटेरियल हैंडलिंग रिसर्च,* 2012, 506-516

शर्मा मीनाक्षी, "द नेटिव एलिमेंट इन द स्टील फ्रेम"इन राल्फ क्रेइन, अन्ना जॉह्नसन, और सी. विजयश्री (संपा.), *एम्पायर कालिंग : एड्मिनिस्टरिंग कॉलॉनियल ऑस्ट्रेलिया एंड इंडिया,* 2013, 133-147

शर्मा, राजीव; दीक्षित, एम.आर. और प्यादाह, अखिला, "डज इट कट बोथ वेयज़? इन्वेस्टिगेटिंग द रिलेशनशिप ऑफ़ 'प्रॉजेक्ट बेज़्ड' टीचिंग एंड लर्निंग टू क्रिएटिविटी ऑफ़ चिल्ड्रन एंड टीचर्स"इन राकाइल जैकॉब्स(संपा.), *क्रिएटिव एंगेजमेंट्स विथ चिल्ड्रन : इंटरनेशनल पर्स्पैक्टिव्स एंड कॉन्टेक्ट्स,* 2012

सिंह, सुखपाल, "वर्टिकल कॉ-ऑर्डिनेशन इन ऐग्रिबिजनेस इन इंडिया : मेकिंग कॉन्ट्रेक्ट फ़ार्मिंग वर्क फ़ॉर स्माल प्रॉड्युसर्स" इन एन. घोष और सी.एस.सी. शेखर (संपा.), *द फ़्युचर ऑफ़ इंडियन ऐग्रिकल्चर : टैकनॉलॉजी एंड इन्स्टिट्युशन्स,* नई दिल्ली, एकेडेमिक फ़ाउंडेशन 2013, 101-118

वोहरा, निहारीका, "मेंटल हैल्थ ऑफ़ अर्बन स्कूल-गॉइंग चिल्ड्रन इन इंडिया"इन उषा नायर (संपा.), *चाइल्ड एंड एडॉलिसन्ट मेंटल हैल्थ,* नई दिल्ली : सेज पब्लिकेशन्स, 2012

झू, जेड.वाई.; लिउ, एच.बी. और गाँधी, वसन्त पी.,"चेइन्जिंग पैटर्न्स ऑफ़ फ़ूड कन्सम्प्शन इन इंडिया एंड चाइना"इन जैकेट, पी., पचौरी, आर.के. और तुबियाना, एल. (संपा.), *टॉवर्ड्स ऐग्रिकल्चरल चेइन्ज? डेवलपमेंट, दी एन्वायर्नमेंट एंड फ़ूड,* दिल्ली : तेरी प्रेस, 2012, 102-105

सम्मेलन प्रस्तुतियाँ

अगरवाला, शोभेश के. और पांडेय, अजय, "व्हेदर क्रॉस-लिस्टिंग, स्टॉक-स्पेसिफ़िक एंड मार्केट-वाइड कैलेंडर इवैंट्स इम्पैक्ट इंट्राडे वॉलेटिलिटी डायनेमिक्स? एविडेंस फ़्रॉम दी इंडियन स्टॉक मार्केट युज़िग हाई-फ़्रिक्वन्सी डाटा," एफ़ईजी-जेएफ़एम सिम्पॉज़ियम ऑन द फ़ाइनेंसियल इकॉनॉमैट्रिक्स ऑफ़ डेरिवेटिव सिक्युरिटीज़ एंड मार्केट्स एट देआकिन युनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया, 10-11 जनवरी, 2013

अली, सलमान एस. और रहमान, सैयद मिज़ानुर, "फ़ाइनेंसिंग डेवलपमेंटल एक्टिविटी एंड डेब्ट," टेन्थ हार्वर्ड फ़ॉरम ऑन इस्लामिक फ़ाइनेंस, हार्वर्ड युनिवर्सिटी, 24-25 मार्च, 2012

अली, सलमान एस.,"री-इंटरनेशनलाइजेशन प्रॉसेस इन ऑर्गेनाइजेशन," छठा आईआईएमए डॉक्टरेट कॉलॉक्वियम, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 7-8 जनवरी, 2013

आनंद, टी.; वोहरा, निहारीका; भटनागर, दीप्ति और शारदा, कीर्ति, "हेल्पिंग बिहेवियर्स अमॉंग सॉफ़्टवेयर प्रोफ़ेशनल्स ए क्रॉस-कल्चरल कम्पेरिज़न," तेरहवाँ द्विवार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, इंटरनेशनल सॉसाइटी फ़ॉर द स्टडी ऑफ़ वर्क एंड ऑर्गेनाइजेशनल वैल्युस (आईएसएसडब्ल्यूओवी), गोवा, 20-23 जून, 2012

प्रकाशन

आनंद, टी.; भटनागर, दीप्ति; वोहरा, निहारीका और शारदा कीर्ति, "कल्चर एंड हेल्प सीकिंग : ए कम्पेरिज़न ऑफ़ इंडियन एंड अमेरिकन हेल्प सीकर्स इन द सॉफ़्टवेयर इंडस्ट्री," इंटरनेशनल एकेडेमी ऑफ़ क्रॉस कल्चरल साइकॉलॉजी कॉन्फ्रेन्स, स्टेलनबॉश, दक्षिण अफ्रीका, 17-21 जुलाई, 2012

आनंद, टी.; भटनागर, दीप्ति; वोहरा, निहारीका और शारदा, कीर्ति, "हेल्प सीकिंग एट वर्कप्लेस : एक्स्पलॉरिंग परस्पेप्शन्स एंड इनहिबिशन्स," एकेडमी ऑफ़ इंटरनेशनल बिज़नेस, साउथईस्ट यूएसए चैप्टर 2012 वार्षिक सम्मेलन, फ़ॉर्ट लोदरदाले, फ़्लॉरिडा, 31 अक्टूबर-2 नवम्बर, 2012

बालाकृष्णन, सुंदर और दत्ता, समर के., "एन्स्योरिंग सस्टेनेबल कॉरपोरेट सोश्यल रिस्पॉन्सिबिलिटी," कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सार्वजनिक उद्यम संस्थान, हैदराबाद, 5-6 दिसम्बर, 2012

बालासुब्रमणियन, एन.; बरुआ, एस.के. और कार्तिक, डी.,"कॉरपोरेट गवर्नेंस इस्युज़ इन एक्ज़िक्युटिव कॉम्पनसेशन : दी इंडियन एक्स्पिरियन्स," भारतीय प्रबंध संस्थान, बैंगलुरू, 18 जनवरी, 2013

बसन्त, राकेश, "पैनलिस्ट ऑन द राउंड टैबल डिस्कशन ऑन मुस्लिम सिटिज़नशिप एंड डेवलपमेंट : चैलेंजिस फ़ॉर पॉलिसी रिसर्च," सामाजिक विज्ञान अनुसंधान एवं समावेशी नीतियाँ- आदिवासियों,दलितों तथा मुस्लिमों पर कार्यशाला, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोसियल सांइनसेज, मुम्बई, 29 अगस्त, 2012

बसन्त, राकेश, "पैनलिस्ट ऑन द डिस्कशन ऑन एंगेजिंग द बॉप एज़ कॉन्ज़्युमर्स एंड डिस्ट्रिब्युटर्स एट द इनक्लुसिव बिज़नेस फ़ॉरम," एशियाई विकास बैंक और दालबर्ग ग्लॉबल डेवलपमेंट एड्वाइज़र्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, 31 अगस्त, 2012

बसन्त, राकेश, "एफ़रमेटिव एक्शन एंड पार्टिसिपेशन ऑफ़ मार्जिनलाइज़्ड ग्रुप्स इन हायर एज्युकेशन," नीति अनुसंधान केन्द्र और कानून एवं अल्पसंख्यक मामले द्वारा परामर्शन, नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 2012

बत्रा, सफल और शर्मा, सुनिल, "एक्सप्लोरिंग लिंकेजिस बिट्वीन स्ट्रेटेजी फ़ॉर्मुलेशन एंड इकॉनॉमीज अंडर ट्रान्ज़िशन," स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट सोसाइटीस एन्युअल कॉन्फ्रेन्स, प्राग, 7-9 अक्टूबर, 2012

भद्रा, धीमान; डैनियल्स, एम.जे.; किम, एस.डी.; घोष, एम. और मुखर्जी, बी., "ए बेयेशियन सेमिपैरामेट्रिक एप्रॉच फ़ॉर इनकॉरपोरेटिंग लॉगिट्युडिनल इनफ़ॉरमेशन ऑन एक्सपोज़र हिस्टरी फ़ॉर इनफ़ियरन्स इन केस-कंट्रोल स्ट डीज़," प्रॉबेबिलिटी एंड स्टेटिस्टिक्स पर आठवाँ त्रिवार्षिक कोलकाता सिम्पॉज़ियम, सांख्यिकी विभाग, कोलकाता युनिवर्सिटी, कोलकाता, दिसम्बर 2012

भद्रा, धीमान, "ए ब्रीफ़ इन्ट्रोडक्शन टू स्प्लाइन्स," आईआईएमए समर स्कूल, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, मई 2013

चौधरी, वी. और कौल, आशा, "एंगेजिंग एम्प्लोयीज़ इन कॉरपोरेट सिटिज़नशिप एक्टिविटीज़ : द केस ऑफ़ आईबीएम इंडिया," एतमाल, एरास्मस युनिवर्सिटी, रॉट्टरडेम, 6 फरवरी, 2013

डी'क्रूज़, प्रेमिला और नोरोन्हा, एर्नेस्तो, "वर्कप्लेस रिलेशनशिप्स एंड मेनेजरियल आइडियोलॉजी एज़ डिटरमिनंट्स ऑफ़ बायस्टैंडर बिहेवियर," आठवाँ आईएडब्ल्यूबीएच कॉन्फ्रेन्स, कॉपनहेगन, 12-15 जून, 2012

डी'क्रूज़, प्रेमिला; नोरोन्हा, एर्नेस्तो और बियल, डी., "द वर्कप्लेस बल्लिइंग-ऑर्गेनाइझेशनल चेइन्ज इंटरफ़ेस : इमर्जिंग चैलेंजिस फ़ॉर ह्युमन रिसॉर्स मैनेजमेंट," बारहवाँ आईएचआरएम कॉन्फ्रेन्स, गुड़गाँव, 12-14 दिसम्बर, 2012

दधीच, हर्ष, "अंडरस्टैंडिंग कन्ट्री-ऑफ़-ऑरिजिन इफ़ैक्ट इन सर्विसीज़ सैक्टर : डु कन्ज़्युमर्स बीहेव एनी डिफ़रन्टली?" छठा ग्रेट लेइकस-एनएएसएमईआई मार्केटिंग कॉन्फ्रेन्स, चेन्नई, दिसम्बर 2012

प्रकाशन

दधीच, हर्ष और शर्मा, धीरज, "इफ़ैक्ट ऑफ़ कंट्री ऑफ ऑरिजिन एंड कन्ज़्युमर एथनॉसेन्ट्रिज़म ऑन द परसेप्शन ऑफ़ कन्ज़्युमर्स एटिट्युड टॉवर्ड्स मल्टिनेशनल सर्विस प्रॉवाइडर्स," ग्लॉबल मार्केटिंग कॉन्फ्रेन्स, सियोल, 19-22 जुलाई, 2012

देबनाथ, कनीश, "दी इंट्राप्रिनरियल ड्राइव," दसवाँ द्विवार्षिक उद्यमिता सम्मेलन, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद, 20-22 फरवरी, 2013

धोलकिया, अर्चना और धोलकिया, रवीन्द्र, "इकॉनॉमिक रिफ़ॉर्म्स एंड डेवलपमेंट इन गुजरात," कॉलम्बिया युनिवर्सिटी कॉन्फ्रेन्स, भारतीय अंतरराष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली, 7-8 अगस्त, 2012

धोलकिया, हेम एच.; पुरोहित, पल्लव; राव, शिल्पा और गर्ग, अमित, "इम्पैक्ट ऑफ़ करन्ट पॉलिसीज़ ऑन फ़्युचर एयर क्वालिटी एंड हैल्थ आउटकम्स इन देल्ही, इंडिया," यूरोपीय भूविज्ञान संघ सम्मेलन, विएना, अप्रैल 2013

दोशी, विजयेता, "परसिव्ड ट्रान्सफ़ॉर्मेशनल लीडरशिप : रॉल ऑफ़ मेटाकॉग्निशन्स एंड सोशियो-इमॉशनल स्किल्स," बारहवाँ अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन सम्मेलन, प्रबंध विकास संस्थान, गुड़गाँव, 10-13 दिसम्बर, 2012

दोशी, विजयेता और नोरोन्हा, एर्नेस्तो, "सैल्सवीमेन एज़ सैक्सुअल ऑब्जेक्ट्स : ए स्टडी ऑफ़ द रिटेल इंडस्ट्री इन इंडिया," क्वालिटेटिव रिसर्च इन मैनेजमेंट एंड ऑर्गेनाइजेशन कॉन्फ्रेन्स, एंडरसन मैनेजमेंट स्कूल, न्यू मेक्सिको युनिवर्सिटी, आल्बुकर्क, 4-6 अप्रैल, 2012

दोशी, विजयेता, "नर्सिंग इंडस्ट्री : व्हेर रेस्क्युअर्स बीकम द विक्टिम्स," उनतीसवाँ यूरोपीय संगठन अध्ययन समूह सम्मेलन, मॉन्ट्रियल, 4-6 जुलाई, 2013

दोशी, विजयेता, "शेपिंग ऑफ़ मैनेजरियल एक्शन्स बाय सोशियो-कल्चरल नेटवर्क्स," एशिया-प्रशांत में पन्द्रहवाँ संगठनात्मक अध्ययन अनुसंधानकर्ता सम्मेलन, हितोत्सुबाशी युनिवर्सिटी, जापान, 15-17 फरवरी, 2013

दोशी, विजयेता, "एन इन्स्टिट्युशनल पैनोरामा ऑफ़ कॉरपोरेट सोश्यल रिस्पॉन्सिबिलिटी," एशिया में स्थायी व्यवसाय पर सम्मेलन, बैंगकॉक, 1-3 नवम्बर, 2012

डी'सूज़ा, एर्रोल, "कम्युनिटी, मार्केट, स्टेट (कॉमेरस्टाट) एंड पॉज़िशनल कम्पिटिशन इन गुजरात," गुजरात की विकासकथा की समझ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, योजना आयोग और वैकल्पिक विकास केन्द्र, अहमदाबाद, 7-8 मई, 2012

डी'सूज़ा, एर्रोल, "इन द शॉर्ट रन वी आर आल डेड : इकॉनॉमिक पॉलिसी फ़ॉर द फ़्युचर," उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं पर युजीसी राष्ट्रीय सम्मेलन, अर्थशास्त्र विभाग की प्लेटिनम जयंती पर सम्मेलन, रामनारायण रुईया कॉलेज, मुम्बई, 28 अगस्त, 2012

डी'सूज़ा, एर्रोल, "यूरो क्राइसिस : इम्पलिकेशन्स फ़ॉर इंडिया," यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, पॉडिचेरी युनिवर्सिटी, 14 सितम्बर, 2012

डी'सूज़ा, एर्रोल, "ब्राजिल सेइलिंग थ्रू द फ़ाइनेंसियल स्टॉर्म," पूंजी प्रवाह प्रबंधन पर हुए सम्मेलन में डिप्टी गवर्नर लुइस परेरा दा सिल्वा के विचार, एशियाई विकास बैंक और भारतीय रिज़र्व बैंक, मुम्बई, 19-20 नवम्बर, 2012

डी'सूज़ा, एर्रोल, "इनइक्वलिटी एंड मैक्रोइकॉनॉमिक्स," आर्थिक अध्ययन एवं योजना केन्द्र की 40वीं वर्षगाँठ संगोष्ठी, जवाहरलाल नेहरु युनिवर्सिटी, नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 2012

गाँधी, शैलेष, "वैल्यु क्रिएशन थ्रू अलाइनिंग एंटरप्राइज़ पर्फ़ॉर्मेंस," प्रादेशिक लागत सम्मेलन, भारतीय लागत लेखाकार संस्थान, गोवा, 2 नवम्बर, 2012

प्रकाशन

गाँधी, शैलेष, "एकाउंटिंग एज्युकेशन एंड रिसर्च : चैलेंजिस फ़ॉर एज्युकेटर्स," अखिल भारतीय लेखाकरण सम्मेलन एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय लेखाकरण संघ, राजकोट, 5 जनवरी, 2013

गाँधी, वसन्त पी.; झू, ज़ेड.वाई., "फ़ूड डिमांड एंड द फ़ूड सिक्योरिटी चैलेंज विथ रैपिड इकॉनॉमिक ग्रोथ इन इमर्जिंग इकॉनॉमीज़," सोलहवाँ फ़ूड साइन्स एंड टैकनॉलॉजी वर्ल्ड कॉंग्रेस, इगुवासा फ़ाल्स, ब्राजील, 5-9 अगस्त, 2012

गाँधी, वसन्त पी., "इनफ़ॉरमेशन सिस्टम फ़ॉर मॉनिटरिंग नैचुरल रिसोर्स युज़ बाय ऐग्रिकल्चर इन ए स्टेट," कृषि में सूचना प्रौद्योगिकी के लिए एशिया संघ / कृषि में कम्प्युटर पर वर्ल्ड कॉंग्रेस, ताईपेई, 3-6 सितम्बर, 2012

घोष, दीप्तेश, "ऑन द ब्लोआउट प्रिवेन्टर टेस्टिंग प्रॉब्लेम : एन एप्रॉच टू चेकिंग फ़ॉर लीकेज इन बीओपी नेटवर्क्स," आईएनएफ़ओआरएमएस अंतरराष्ट्रीय बैठक, चीन नेशनल कन्वेन्शन सेंटर, 24 जून, 2012

घोष, दीप्तेश, "मेटाअरिस्टिक्स फ़ॉर हार्ड कॉम्बिनेटोरियल ऑप्टिमाइजेशन प्रॉब्लेम्स," युवा सांख्यिकीविद् बैठक, बर्दवान युनिवर्सिटी, बर्दवान, 25 दिसम्बर, 2012

गोखले, श्रीकान्त और सिन्हा, पीयूष कुमार, "एफ़डीआई इन रिटेलिंग इन इंडिया," अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय पर एएमए एसआईजी सम्मेलन, ज्यॉर्जटाउन युनिवर्सिटी, वॉशिंगटन, डी.सी.

गुहा, अप्रतिम और चोटिया, टॉम, "म्युचुअल इनफ़ॉर्मेशन एंड टू सैम्पल टेस्ट," युवा सांख्यिकीविद बैठक, बर्दवान युनवर्सिटी, बर्दवान, 24 दिसम्बर, 2012

गुहा, अप्रतिम और बिस्वास, अतनु, "मॉडलिंग एंड एनालिसिस ऑफ़ मल्टिवेरिएट ऑर्डिनल कैटेगरिकल डेट इन लॉगिट चुडिनल सेटअप," संभावना एवं सांख्यिकी पर आठवाँ अंतरराष्ट्रीय त्रिवार्षिक कोलकाता सिम्पॉज़ियम, कोलकाता युनिवर्सिटी, कोलकाता, 28 दिसम्बर, 2012

गुप्ता, ए. और रॉय, देबजीत, "एस्टिमेटिंग वेइटिंग टाइम प्रॉबेबिलिटीज़ इन ए नेटवर्क ऑफ़ क्यूस विथ स्टेशनरी अराइवल रेट्स," संचालन प्रबंधन सोसाइटी का सोलहवाँ वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईटी, दिल्ली, 22-23 दिसम्बर, 2012

गुप्ता, अनिल के., "रोडमैप फ़ॉर एज्युकेशनल इनोवेशन, शैक्षिक नवाचार पर गोलमेज सम्मेलन, भारत सरकार और यूके-इंडिया एज्युकेशन एंड रिसर्च इनिशियेटिव, नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 2012

गुप्ता, सुरक्षा और सिन्हा, पीयूष कुमार, "डिफ़ाइनिंग ब्रांड वैल्यु फ़ॉर रिटेलर्स देट सर्व कॉन्ज़्युमर्स एट द बेस ऑफ़ द पिरामिड," उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन पर पाँचवाँ आईआईएमए सम्मेलन, अहमदाबाद, 9-11 जनवरी, 2013

ऐयंगर, श्रीकान्त और धोलकिया, रवीन्द्र, "हैल्थकेयर पर्फ़ॉर्मेन्स ऑफ़ गुजरात : आउटकम्स, आउटपुट्स एंड इनपुट्स," भारतीय स्वास्थ्य अर्थशास्त्र एवं नीति संघ का दूसरा सम्मेलन, बैंगलुरू, 20-21 दिसम्बर, 2012

जेकब, जोशी और अगरवाला, शोभेश के.,"मैंडेटरी आईपीओ ग्रेडिंग : डज़ इट हैल्प प्राइसिंग एफ़िशियन्सी?" भारतीय वित्त सम्मेलन, आईआईएम कोलकाता, 21-23 दिसम्बर, 2012

जैन, रेखा, "इफ़ैक्टिवनेस ऑफ़ पब्लिक फ़ंडिंग फ़ॉर रुरल टैलिकॉम एंड ब्रोडबैंड : लेशन्स फ़्रॉम द युनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फ़ंड, इंडिया," उन्नीसवाँ आईटीएस द्विवार्षिक सम्मेलन, बैंगकॉक, 18-21 नवम्बर, 2012

जैन, रेखा, "आईसीटी इनोवेशन्स," आईटीयु वर्कशॉप, जीनेवा, 20-21 मार्च, 2012

जनध्याला, श्रीनिवास; बालु, रेंजु; जगन, एस. और सिन्हा, पीयूष कुमार, "टैकलिंग नेगेटिव कस्टमर फ़ीडबैक," उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन पर पाँचवाँ आईआईएमए सम्मेलन, अहमदाबाद, 9-11 जनवरी, 2013

प्रकाशन

जायसवाल सचिन; ज्यूकेस, ई.एम. और रे, एस.,"प्रॉडक्ट डिफ़रन्शियेशन एंड ऑपरेशन्स स्ट्रेटेजी इन ए कैपेसिटेटेड एन्वयार्नमेंट," स्तोकमोद12, पेरिस, 30 मई-1 जून, 2012

कार्तिक, डी.; कर्ण, अमित और उपाध्याय, राजेश, "एथनिक टाइस वर्सस एग्लॉमरेशन डेन्सिटी : डीमिस्टिफ़ाइंग मल्टि -क्लस्टर लॉकेशन च्वाइसिज़ ऑफ़ इमर्जिंग एमएनसीज़," प्रबंधन अकादमी वार्षिक बैठक, बॉस्टन, 3-7 अगस्त, 2012

कार्तिक, डी.; कर्ण, अमित और उपाध्याय, राजेश, "कनेक्टेड विथ रूट्स, ऑर एट्रेक्टेड टु कम्पिटिशन? स्ट्रेटेजिक ड्राइवर्स ऑफ़ इमर्जिंग एमएनसी लॉकेशन च्वाइसिस," स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट सोसाइटी स्पेशियल कॉन्फ्रेन्स, सिंगापुर, 7-9 जून, 2012

कृष्णन्, सुदीप के., "एक्सप्लोरिंग ऑपननेस इन इनफ़ॉरमेशन टैकनॉलॉजी इनोवेशन प्रॉजेक्ट्स," नवाचार एवं सूचना प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सिंगापुर, 2013

कुमार, जितेश के., "परचेज़ इंटेंशन ऑफ़ एक्स्टेंडेड वारंटी : एन इंटिग्रेटेड मॉडल," प्रोन्नत डाटा विश्लेषण, व्यवसाय विश्लेषिकी एवं आसूचना पर तृतीय आईआईएमए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 13-14 अप्रैल, 2013

कुमार, जितेश के.; कृष्णन्, सुदीप और अली, सलमान एस., "एड्वर्टाइझिंग एंड प्राइसिंग डिसिज़न्स इन ए मैनुफ़ैक्चरर-रिटेलर चैनल," प्रबंध वार्षिक सम्मेलन नेपाली अकादमी, काठमंडु, 10-12 मार्च, 2013

कुमार, जितेश के.; कृष्णन्, सुदीप और अली, सलमान एस., "फ़्रेमवर्क फ़ॉर इनोवेशन कैपेबिलिटीज़ : ए कॉन्सेप्चुअलाइजेशन विथ फ़ॉकसिंग ऑन ऑर्गेनाइजेशनल कम्पिटिटिवनेस," नेपाली अकादमी का प्रबंध वार्षिक सम्मेलन, काठमंडु, 10-12 मार्च, 2013

महापात्र, दीप्तिरंजन और धोलकिया, रवीन्द्र, "नैचुरल गैस प्राइसिंग इन इंडिया : एन एनेलिसिस,"इकत्तीसवाँ वार्षिक पश्चिमी सम्मेलन, रूटगर युनिवर्सिटी, 16-18 मई, 2012

माथुर, अजीत एन., "डिजाइन ऑर डिस्कवरी? द 'हम्प्टी-डम्प्टी' रिस्क इन स्ट्रेटेजिस ऑफ़ क्रॉस-बॉर्डर वैल्यु चेन ऑर्गेनाइजिंग," ट्रेक 28 : रिस्क्स ऑफ़ ऑर्गेनाइजिंग एंड ऑर्गेनाइजिंग फ़ॉर रिस्क्स, अट्ठाईसवाँ ईजीओएस कॉलॉक्वियम, हेलसिंकी, 5-7 जुलाई, 2012

माथुर, नवदीप, "कम्युनिकेटिंग अर्बन फ़्युचर्स : डेलिबरेशन एंड डिस्सन्ट इन अर्बन रीन्युअल इन अहमदाबाद," इंटर्प्रिटिव पॉलिसी एनेलिसिस में सातवाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, तिलबर्ग युनिवर्सिटी, नीदरलैंड, 3-5 जुलाई, 2012

माथुर, नवदीप, "अंडरस्टैंडिंग अर्बन गवर्नेंस एंड रिसर्च एजेंडास फ़ॉर सोश्यल साइन्स," शहरों पर कार्यशाला, सिम्बियोसिस अर्थशास्त्र स्कूल, पूना, 14-15 मार्च, 2013

माथुर, नवदीप, "पैनल ऑन पॉलिटिक्स, सोश्यल मीडिया एंड दी इमर्जिंग अर्बन सिस्टम," अर्बन अफ़ेर्स कॉन्फ्रेन्स, सेन फ़्रान्सिस्को, जनवरी 2013

मोरिस, सेबास्तियन, "सोर्सिस ऑफ़ ग्रोथ ऑफ़ द गुजरात इकॉनॉमी," गुजरात विकास कथा की समझ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान और वैकल्पिक विकास केन्द्र, अहमदाबाद, 8 अगस्त, 2012

मोरिस, सेबास्तियन, "कॉमेंट्स ऑन द प्रपॉस्ड पीपीपी पॉलिसी एंड सजेशन्स," राष्ट्रीय सार्वजनिक निजी नीति पर कार्यशाला, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली 14 दिसम्बर, 2012

प्रकाशन

नासवा, प्रकृति, "अनसर्टेन्टी एंड रिस्क ऑफ़ क्लाइमेट चेइन्ज इम्पैक्ट्स ऑन इंडियन इन्फ्रास्ट्रक्चर : केस ऑफ कांडला पॉर्ट," हिंद महासागर उष्णकटिबंधीय चक्रावात एवं जलवायु परिवर्तन पर दूसरा डब्ल्यूएमओ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, नई दिल्ली, 14-17 फरवरी, 2012

नासवा, प्रकृति, "अनसर्टेन्टी एंड रिस्क मेनेजमेंट ऑफ़ क्लाइमेट चेइन्ज इम्पैक्ट्स ऑन इंडियन इन्फ्रास्ट्रक्चर : केस ऑफ़ कोंकण रेलवे," दूसरा अंतरराष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन अनुकूलन सम्मेलन 2012, एरिज़ॉना युनिवर्सिटी, तुक्सॉन, 29-31 मई, 2012

नासवा, प्रकृति, "वैल्युएशन ऑफ़ क्लाइमेट चेइन्ज इम्पैक्ट्स एंड द केस फ़ॉर एडेप्टेशन," सार्वजनिक नीति एवं प्रशासन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरू, 4-6 सितम्बर, 2012

नीरज, राकेश; जायसवाल, आनंद कुमार और सिन्हा, पीयूष कुमार, "डज़ कस्टमर सटिश्फ़ेक्शन रिअली एफ़ैक्ट फ़ाइनेंसियल पर्फॉर्मन्स? एन एम्पिरिकल एक्ज़ामिनेशन," ग्रेट लेइक्स एनएएसएमईआई विपणन का छठा सम्मेलन, चेन्नई, 29-30 दिसम्बर, 2012

नोरोन्हा, एर्नेस्तो और डी'क्रूज़, प्रेमिला, "ऑर्गेनाइजेशनल चेइन्ज एंड वर्कप्लेस बल्लिइंग," आठवाँ आईएडब्ल्यूबीएच सम्मेलन, कॉपनहेगन, 12-15 जून, 2012

नोरोन्हा, एर्नेस्तो और डी'क्रूज़, प्रेमिला, "वर्क ऑर्गेनाइजेशन एंड एम्प्लोयी एक्सपिरियन्सिस इन दी इंडियन ऑफ़्शॉरिंग इंडस्ट्री," नए स्थानिक एवं श्रम सम्मेलन पर सम्मेलन, इंदिरा गाँधी विकास अनुसंधान संस्थान, मुम्बई, 7-8 जुलाई, 2012

नोरोन्हा, एर्नेस्तो और डी'क्रूज़, प्रेमिला, "कलेक्टिवाइजेशन एंडेवर्स इन इंडियाज़ आईटीईएस-बीपीओ सैक्टर," भारत में वैश्विकीकरण एवं रोजगार संबंध पर सम्मेलन, 9-10 जुलाई, 2012

पंगोत्रा, प्रेम, "अर्बन एयर क्वालिटी एंड सस्टेनेबल ट्रान्सपॉर्ट : इस्यूज़, इन्स्ट्रुमेंट्स एंड स्ट्रेटेजिस," भारतीय शहरों में कम कार्बन व्यापक गतिशीलता योजनाओं पर कार्यशाला, नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 2012

पंगोत्रा, प्रेम, "इन्फ्रास्ट्रक्चर फ़ॉर लॉ-कार्बन ट्रान्स्पॉर्ट इन इंडिया : ए केस स्टडी ऑफ़ द देल्ही-मुम्बई फ्रेाइट कॉरिडॉर," भारत में कम कार्बन परिवहन के लिए विकासशील नीतियों एवं रणनीतियों पर कार्यशाला, नई दिल्ली, 24 अगस्त, 2012

रामकृष्णन्, टी.एस. और रघुराम, जी.,"इवॉल्युशन ऑफ़ मॉडल कन्सेशन ऐग्रीमेंट फ़ॉर नेशनल हाइवेज़ इन इंडिया," भारत में मार्ग विकास पर सातवाँ वार्षिक सम्मेलन, इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर पब्लिशिंग, नई दिल्ली, 22-23 अगस्त, 2012

रमणी, के.वी., "मिसिज़ मेनन ऑरेशन : हॉस्पिटल मैनेजमेंट, इस्युज़ एंड चैलेंजिस इन गवर्नमेंट टीचिंग हॉस्पिटल्स," तिरुवनंतपुरम्, 5 फरवरी, 2012

रमणी, के.वी.,"मैनेजिंग चैलेंजिस ऑफ़ इमर्जिंग इकॉनॉमिक्स : दी इंडियन हैल्थ सैक्टर," अंतरराष्ट्रीय ज्ञान वैश्विकीकरण सम्मेलन, पूना, 5-7 जनवरी, 2012

रॉय, देबजीत और दे कॉस्तर, आर.,"मॉडलिंग ऑवरलैपिंग कन्टेनर टर्मिनल ऑपरेशन्स," आईएनएफ़ओआरएमएस, फिनिक्ष, 14-17 अक्टूबर, 2012

रॉय, देबजीत और दे कॉस्तर, आर.,"डिजाइन इनसाइट्स फ़ॉर कन्टेनर टर्मिनल ऑपरेशन्स," पीओएमएस, शिकागो, 20-23 अप्रैल, 2012

प्रकाशन

रॉय, देबजीत और दे कॉस्तर, आ., "ज्वाइंट मॉडलिंग ऑफ़ लोडिंग एंड अनलोडिंग ऑपरेशन्स एट ए कन्टेनर टर्मिनल," लॉजिस्टिक्स एवं मैरिटाइम प्रणाली पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, ब्रेमन युनिवर्सिटी, 22-24 अगस्त, 2012

रॉय, देबजीत; पासुर, जे.ए. और दे कॉस्तर, आर.,"डिजाइन ऑफ़ रिपॉज़िशनिंग पॉलिसिज़ टू मैक्ज़िमाइज़ रैन्टल प्रॉफ़िट ्स," पीओएमएस विश्व सम्मेलन, ऐम्स्टरडैम, 1-5 जुलाई, 2012

रॉय, के., "डेवलपमेंट ऑफ़ डाइनेमिक कैपेबिलिटिज़ फ़ॉर इंटरनेशनल ज्वाइंट वैन्चर्स : एन इन्वेस्टिगेशन विधिन द कॉन्टेक्ष्ट ऑफ़ इंडियन इन्स्योरेन्स स्पेस," पीडीडब्ल्यू - बीपीएस शीर्षककृत –"फ़ॉस्टरिंग पब्लिकेशन फ़्रॉम अराउंड द वर्ल्ड इन लेडिंग ऑर्गेनाइजेशन एंड स्ट्रेटेजी जर्नल्स," 2012 वार्षिक प्रबंधन बैठक अकादमी, बॉस्टन, (2012)

सहाय, अरविंद और शर्मा, निवेदिता, "इम्पैक्ट ऑफ़ ब्रांड स्ट्रेन्थ ऑन हाउ डिस्काउंट्स शुड बी फ़्रेइम्ड इन प्राइस बंडल्स," उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, जनवरी 2013

सरदेशमुख, श्रुति; शर्मा, धीरज और गॉल्डन, तिमॉथी, "इम्पैक्ट ऑफ़ टैलिवर्क ऑन एक्जॉस्शन एंड जॉब एंगेजमेंट : ए जॉब डिमांड्स एंड जॉब रिसोर्सिस मॉडल," वार्षिक प्रबंधन बैठक अकादमी, बॉस्टन, 3-7 अगस्त, 2012

सरीन, अंकुर और कृष्ण, अनिरुद्ध, "मैनेजमेंट एज्युकेशन इन इंडिया : सोश्यल मॉबिलिटी फ़ॉर व्हुम?" सार्वजनिक नीति और प्रशासन सम्मेलन, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलुरू, सितम्बर 2012

सरीन, अंकुर और श्रीराम, एम.एस. "सोश्यल एंटरप्राइज़िस एंड द परस्युट ऑफ़ मिशन : फ़ॉर्म मैटर्स," चौथा अंतरराष्ट्रीय सोश्यल इनोवेशन रिसर्च सम्मेलन, बर्मिंघाम युनिवर्सिटी, 12-14 सितम्बर, 2012

शर्मा, धीरज, "एन इन्वेस्टिगेशन ऑफ़ दी इफ़ैक्ट ऑफ़ सर्विस क्वालिटी ऑन कस्टमर सटिष्फ़ेक्शन एंड रिटेल पैट्रोनेज," ग्लॉबन मार्केटिंग कॉन्फ्रेन्स, सियोल, 19-22 जुलाई, 2012

शर्मा, धीरज; सिंह, सत्येन्द्र और बोरना, शाहीन, "एक्ज़ामिनिंग दी इन्फ़्लुएन्स ऑफ़ नेशनल कल्चर एंड स्टॉर इमेज ऑन कन्ज़्युमर डील प्रॉननेस," एड्मिनिस्ट्रेटिव साइन्स एसोसिएशन ऑफ़ कनाडा, न्यू फ़ाउंडलैंड, 9-12 जून, 2012

शर्मा, मीनाक्षी, "एथिक्स स्टेटमेंट्स ऑन वेबसाइट्स ऑफ़ इंडियन कम्पनीज़," कम्युनिकेशन एवं मास मीडिया पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, ऐथेन्स, 14-17 मई, 2012

शर्मा, मीनाक्षी, "व्हेर डू द पुअर गो? इकॉलॉजिकल रेफ्युजिस एज़ कन्ज़रवेशन्स देट्रिटस इन अमिताभ घोषस द हंग्री टाइड,"इम्पेरियलिज़म, नेरेटिव एंड दी एन्वायर्नमेंट, राचेल कारसन एन्वायर्नमेंट एवं सोसाइटी केन्द्र, म्युनिक, 11-14 अक्टूबर, 2012

शर्मा सुनिल, "एक्स्पलॉरिंग लिंकेजिस बिट्वीन स्ट्रेटेजी फ़ॉर्मेशन एंड ऑर्गेनाइजेशनल इनोवेटिवनेस इन इकॉनॉमिज़ अंडर ट्रान्ज़िशन?" एसएमएस तैंतीसवाँ वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, प्राग, 6-9 अक्टूबर, 2012 (ऑनलाइन संदर्भ : http://Prague.Strategicmanagement.Net/Pdf/Prague_Program_Web.Pdf)

शर्मा, विजय पॉल, "ऐग्रिकल्चरल रिसर्च एंड पॉलिसिज़ इन साउथ एशिया," सब-सहारन अफ़्रिका एवं दक्षिण एशिया में कृषि नीति सूचित करने के लिए नीति अनुसंधान समर्थन पर गोलमेज विशेषज्ञ सम्मेलन, ग्लॉबल डेवलपमेंट नेटवर्क एवं इंटरनेशनल फ़ूड पॉलिसी रिसर्च संस्थान, वाशिंगटन, डीसी, 20 फरवरी, 2013

शर्मा, विजय पॉल, "पर्फोर्मेंस ऑफ़ ऐग्रिकल्चर इन गुजरात : स्ट्रेटिजिक पर्स्पैक्टिव एंड पॉलिसी ऑप्शन्स," एफ़आईसीसीआई स्थिर दृष्टि दस्तावेज के लिए हितधारक परामर्शन, फ़िक्की, अहमदाबाद, 2 फरवरी, 2013

प्रकाशन

शर्मा, विजय पॉल, "इमर्जिंग ट्रेन्ड्स इन वर्ल्ड डेयरी मार्केट्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स फ़ॉर इंडियन डेयरी इंडस्ट्री," बदलते वैश्विक आर्थिक युग के तहत भारत में पशुधन एवं दुग्ध उत्पादन की संभावनाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद, 17-18 जनवरी, 2013

शर्मा, विजय पॉल, "ऐग्रिकल्चरल रिसर्च एंड पॉलिसिज़ इन साउथ एशिया," सब-सहारन अफ़्रिका एवं दक्षिण एशिया में कृषि नीति सूचित करने के लिए नीति अनुसंधान समर्थन पर गोलमेज विशेषज्ञ सम्मेलन, ग्लॉबल डेवलपमेंट नेटवर्क एवं फ़ूड ऐग्रिकल्चर ऑर्गेनाइजेशन, रॉम, 14 दिसम्बर, 2012

शर्मा, विजय पॉल, "हाई-वैल्यु ऐग्रिकल्चर इन इंडिया : पैटर्न्स, स्ट्रक्चरल कन्स्ट्रेंट्स एंड पॉलिसी रिफ़ॉर्म ऑप्शन्स," ग्लॉबल ऐग्रि कोन्नेक्ट-2012, भारतीय राष्ट्रीय कौशल फ़ाउंडेशन और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, 2-4 नवम्बर, 2012

शर्मा, विजय पॉल; जैन दिनेश एवं डे, सौरवी, "मैनेजिंग ऐग्रिकल्चरल कॉमर्सियलाजेशन फ़ॉर इनक्लुसिव ग्रोथ इन साउथ एशिया," सब-सहारन अफ्रीका एवं दक्षिण एशिया में कृषि नीति सूचित करने के लिए नीति अनुसंधान समर्थन पर कार्यशाला, ग्लॉबल डेवलपमेंट नेटवर्क एवं श्रीलंका नीति अध्ययन संस्थान, कोलम्बो, 22-23 अक्टूबर, 2012

शर्मा, विजय पॉल, "ग्लॉबल ट्रेंड्स इन डेयरी इंडस्ट्री : मार्केट ऑपॉर्चुनिटिस एंड चैलेंजिस फ़ॉर दी इंडियन डेयरी सैक्टर," दुग्ध उत्पादन एवं खाद्य सैक्टर में वैश्विक अवसरों एवं चिंताओं पर छठी राष्ट्रीय संगोष्ठी, राष्ट्रीय दुग्ध उत्पादन अनुसंधान संस्थान, करनाल, 28-29 सितम्बर, 2012

शर्मा, विजय पॉल, "स्ट्रक्चरल चेइन्जिस एंड पॉलिसी रिफ़ॉर्म्स इन दी इंडियन डेयरी सैक्टर : मार्केट ऑपॉर्चुनिटिस एंड चैलेंजिस," संगठित खुदरा बिक्री रू-बरू कृषि अर्थव्यवस्था एवं प्रासंगिकता पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, आर्थिक व सामाजिक अध्ययन केन्द्र, भारतीय कृषि विपणन सोसाइटी और लोक उद्यम संस्थान, हैदराबाद, 21-22 सितम्बर, 2012

शर्मा, विजय पॉल, "इम्पैक्ट ऑफ़ डब्ल्यूटीओ एंड एफ़टीएज़ ऑन गुजरात ऐग्रिकल्चर," सरदार पटेल सार्वजनिक प्रशासन संस्थान, अहमदाबाद, 6-7 अगस्त, 2012

शर्मा, विजय पॉल, "सक्केस स्टॉरी ऑफ़ इंडियन डेयरी सैक्टर : जर्नी फ्रॉम क्रॉनिक शॉर्टेजिस टु वर्ल्ड्स लार्जेस्ट मिल्क प्रॉड्युसर," बीआरआईसीएस देशों के डेयरी सैक्टरों की स्थिति एवं परिप्रेक्ष्य, आर्जेन्टिना डेयरी कॉ-ऑपरेटिव एसोसिएशन, बुएनॉस एयरेस, 19-20 अप्रैल, 2012

शर्मा, विजय पॉल, "ऐग्रिकल्चरल कॉमर्शियलाइजेशन एंड ट्रेड पैटर्न्स इन इंडिया : डाइनेमिक्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स," राज्य, बाजार एवं कृषि उद्यमियों पर इंदिरा गाँधी विकास संस्थान रजत जयंती समारोह सम्मेलन, इंदिरा गाँधी विकास अनुसंधान संस्थान, मुम्बई, 3-5 अप्रैल, 2013

शर्मा, विजय पॉल, "लाइवस्टॉक सैक्टर फ़ॉर इम्प्रोविंग फ़ूड एंड न्युट्रिशनल सिक्योरिटी एंड इनक्लुसिव ग्रोथ इन इंडिया," खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए स्मालहोल्डर एवं औद्योगिक पशुधन उत्पादन सुधार पर पन्द्रहवीं एएएपी पशु विज्ञान कांग्रेस, पर्यावरण एवं मानव कल्याण, थाइलैंड एनिमल हसबंडरी एसोसिएशन, थम्मासात युनिवर्सिटी, बैंगकोक, 26-30 नवम्बर, 2012

शर्मा, विजय पॉल, "एक्सलरेटिंग ऐग्रिकल्चरल डेवलपमेंट फ़ॉर इनक्लुसिव ग्रोथ इन इंडिया : स्ट्रेटेजिक इस्युज़ एंड पॉलिसी ऑप्शन्स," स्थायी आर्थिक विकास : नीतियाँ एवं रणनीतियाँ विषय पर युएसएम-एयुटी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, उनिवेरसिति सेन्स मलेशिया, एवं ऑकलैंड टैकनोलॉजी युनिवर्सिटी, पुलौ पिनांग, 17-18 नवम्बर, 2012

प्रकाशन

शर्मा, विजय पॉल, "इमर्जिंग ट्रेंड्स, प्रॉस्पेक्ट्स एंड चैलेंजिस फ़ॉर इंडियन ऐग्रिकल्चर," खाद्य सुरक्षा : वर्तमान प्रवाह एवं उभरते अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, अहमदाबाद प्रबंधन संघ, अहमदाबाद, 12-13 अप्रैल, 2012

शतदल, ए. और वोहरा, निहारीका, "इनफ़ॉर्मेशन शेयरिंग इन ग्रुप्स : एन एक्सपरिमेंटल स्टडी," बहत्तरवीं एओएम बैठक, बॉस्टन, अगस्त, 2012

शील, आर. और वोहरा, निहारीका, "द रिलेशनशिप बिट्वीन पर्सेप्शन्स ऑफ़ कॉरपोरेट सोश्यल रिस्पॉन्सिबिलिटी एडं ऑर्गेनाइजेशनल साइनिसिज़म : मॉडरेटिंग इफ़ैक्ट ऑफ़ एम्प्लोयी वॉलंटियरिंग," वैश्विक गाँव में स्वप्न खोज नवाचार पर बारहवाँ अंतरराष्ट्रीय एचआरएम सम्मेलन, गुड़गाँव, दिसम्बर, 2012

सिंह, सुखपाल, "पेरिशेबल प्रॉड्युस व्हॉलसेल मार्केट्स इन इंडिया : देयर रॉल एंड मेकिंग देम डीलिवर," थोक बिक्री उत्पादन बाजार, आईयुडब्ल्यूएम, नीदरलैंड एवं पंजाब मंडी बोर्ड एवं सीओएसएएमबी, चंडीगढ़, 20-21 नवम्बर, 2012

सिंह, सुखपाल, "इन्स्टिट्युशनल इनोवेशन्स फ़ॉर ऐग्रि डेवलपमेंट इन इंडिया – एक्सपिरियन्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स," उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विकास एवं नवाचार पर सीडीईआईएस-इंडियालिक्स अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला, 16-18 नवम्बर, 2012

सिंह, सुखपाल, "व्हाट मेक्स स्माल फ़ार्म्स वायेबल एंड स्माल फ़ार्मर्स प्रॉस्परस? एविडेन्स एंड इनफ़ियरन्सिस फ़्रॉम केस स्टडीज़ ऑफ़ एसएफ़पीएफ़ इन पंजाब, गुजरात एंड महाराष्ट्र," डॉ. वी. कुरियन की स्मृति में छोटे किसान, प्रगतिशील किसान कॉलॉक्वियम, आईडब्ल्यूएमआई भागीदार वार्षिक बैठक, आनंद, 28-30 नवम्बर, 2012

सिंह, सुखपाल, "रॉल ऑफ़ एफ़डीआई इन मल्टि-ब्रांड रिटेल ट्रेड इन इंडिया एंड इट्स इम्प्लिकेशन्स," भारत की संगठित खुदरा बिक्री रू-बरू खेत अर्थव्यवस्था, आर्थिक एवं सामाजिक अध्ययन केन्द्र, हैदराबाद, 21-22 सितम्बर, 2012

सिंह, सुखपाल, "स्माल प्रॉड्युसर कलेक्टिवाइजेशन थ्रू फ़ार्मर (प्रॉड्युसर) कम्पनीज़ : एक्सपिरियन्सिस ऑफ़ श्रीलंका एंड इंडिया," छोटे किसान सहकार : परिप्रेक्ष्य एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, आईईजी, दिल्ली एवं सीआईडीआईएन रादबूद युनिवर्सिटी, नीदरलैंड, आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली, 20-22 अगस्त, 2012

सिंह, सुखपाल, स्पातियालितिस ऑफ़ एक्सपॉर्ट ऑरिएन्टेड हाई वैल्यु क्रॉप प्रॉडक्शन इन इंडिया : ग्रेप बंचिस एंड लेबर टोलीस इन महाराष्ट्र," उत्पादन के नये स्थानिक : कार्य संगठन पर प्रभाव, श्रम प्रक्रियाएँ एवं उपरी गतिशीलता, आईजीआईडीआर मुम्बई, आईएचडी, दिल्ली, आईसीआरआईईआर, दिल्ली और सीटीजी (कैप्चरिंग द गैन्स इनिशियेटिव, मानचेस्टर युनिवर्सिटी), 6-8 जुलाई, 2012

सिंह, सुखपाल, "लैंड लिवलीहूड्स, एंड स्टेट इन इंडिया : इस्युज़ एंड चैलेंजिस," वैश्विकीकरण, गरीबी एवं असमानता के मद्देनजर स्थायी खेत सैक्टर विकास की अनिवार्यता, सरदार पटेल आर्थिक एवं सामाजिक अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद, 15-16 जून, 2012

सिंह, सुखपाल, "अपग्रेडिंग इन फ़्रेश प्रॉड्युस वैल्यु चेन्स : केस ऑफ़ ग्रेइप्स फ़्रॉम इंडिया," कैप्चरिंग द गैन्स वर्कशॉप, मानचेस्टर युनिवर्सिटी, 21-26 मई, 2012

सिंह, सुखपाल, "लैंडिंग इन ट्रबल : चेइन्जिंग रॉल ऑफ़ लैंड इन रुरल लिवलीहूड्स इन इंडिया," भारत में भूमि के मुद्दे पर नए प्रश्न, दक्षिण एशिया अध्ययन परिषद और मैकमिलान केन्द्र, येल युनिवर्सिटी, 26-29 अप्रैल, 2012

सिंह, सुखपाल, "रीथिंकिंग ऐग्रिकल्चरल मार्केटिंग रिफ़ॉर्म्स : मेकिंग कॉन्ट्रेक्ट फ़ार्मिंग एंड प्राइवेट मार्केट्स वर्क फ़ॉर स्मालहॉल्डर्स," पन्द्रहवाँ विचारकों एवं लेखकों का फ़ॉरम, इकत्तीसवाँ स्कॉच शिखर सम्मेलन, स्कॉच, नई दिल्ली, 25-26 मार्च, 2013

प्रकाशन

सिन्हा, पीयूष कुमार; मिश्रा, हरी गोविंद और सिंह, सर्बजोत, "कन्ज़्युमर्स डिसिज़न मेकिंग स्टाइल्स एंड शॉपिंग बिहेवियर," उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन पर पाँचवाँ आईआईएमए सम्मेलन, अहमदाबाद, 9-11 जनवरी, 2013

सिन्हा, पीयूष कुमार; सहगल, राहुल; सचदेवा, रेणु और आनंद, कमलजीत, "हाउ मेन शॉप एट हाइपर मार्केट्स," उपभोग के मानव शास्त्र एवं विपणन पर युआरआई सम्मेलन।

सोमन, चेतन, "जीओजेब्रा : ए टूल फ़ॉर इम्प्रोविंग ऑप्रेशन्स मैनेजमेंट टीचिंग एट एमबीए लेवल," पाँचवाँ पीओएमएस-ईयुआरओएमए उत्पादन एवं संचालन विश्व सम्मेलन, ऐम्स्टरडैम, जुलाई 2012

श्रीनिवासन, वी.; भटनागर, जे. और वोहरा, निहारीका, "टैलेंट मैनेजमेंट, लीडरशिप डेवलपमेंट प्रॉसेसिस एंड पर्फ़ॉर्मेन्स मैनेजमेंट प्रैक्टिसिस इन द कॉन्टेक्ष्ट ऑफ़ रैपिड ग्रोथ इन इंडिया," व्यावसायिक विकास कार्यशाला, बहत्तरवीं एओएम बैठक, बॉस्टन, अगस्त, 2012

सुनिता, एस; ठाकुर, एम. और वोहरा, निहारीका, "आल अबाउट नेगेटिव कैपेबिलिटी : द कॉन्सेप्ट, इट्स एप्लिकेशन एंड इम्प्लिकेशन्स," वैश्विक गाँव में स्वप्न खोज नवाचार पर बारहवाँ अंतरराष्ट्रीय एचआरएम सम्मेलन, गुड़गाँव, दिसम्बर, 2012

थॉमस, नॉबिन, "कन्ट्रोल एंड ओटोनोमी आयरनी इनहिरन्ट इन कम्युनिटिज़-ऑफ़-प्रैक्टिस एनेलाइज़्ड फ़्रॉम ए पावर पर्स्पेक्टिव युज़िंग ग्रुप लेवल ऑफ़ एनेलिसिस," अट्ठाईसवाँ ईजीओएस कॉलॉक्वियम, हेलसिंकी, 2-7 जुलाई, 2012

वर्मा, वर्षा और शर्मा, धीरज, "रिलेशनशिप मार्केटिंग इन ऑनलाइन बी2सी मार्केट्स : ए मेटा-एनेलिटिक एप्रॉच," वैश्विक विपणन सम्मेलन, सियोल, 19-22 जुलाई, 2012

विरमाणी, विनीत, "एस्टिमेशन ऑफ़ पारसिमॉनियस ट्रम स्ट्रक्चर मॉडेल्स," आरमेट्रिक्स 2012 मइलिसाल्प कार्यशाला एवं कॉम्प्युटेशनल फ़ाइनेंस एवं फ़ाइनेंसियल इंजीनियरिंग पर समर स्कूल, मइलिसाल्प, स्वित्ज़रलैंड, 24-28 जून, 2012

वोहरा, निहारीका, "पार्टनरिंग इन स्कूल चेइन्ज एंड एक्ज़ाम्पल ऑफ़ आईआईएमए'स सोश्यल रेलेवन्स : एन एक्ज़ामिनेशन ऑफ़ व्हाट एनेबल्स आईआईएमए टु रिमेन सोशियली रेलेवंट," परंपरा की बाड़ से बाहर पहुँचकर : सकारात्मक परिवर्तन के एजेन्टों के रूप में बिज़नेस स्कूल्स एवं मैनेजमेंट एसोसियेशन्स, मैनेजमेंट स्कॉलर्ली एसोसियेशन्स के अंतरराष्ट्रीय फ़ेडरेशन की ग्यारहवीं कांग्रेस, लिमरिक, आयर्लैंड, 24-27 जून, 2012

केस, अनुसंधान व परामर्शन

वर्ष	पूर्ण केस (संचयी)	पूर्ण अनुसंधान परियोजनाएँ (संचयी)	पूर्ण परामर्शी परियोजनाएँ (संचयी)
2002-03	2889	636	1854
2003-04	2920	649	1957
2004-05	2933	655	2044
2005-06	2945	675	2118
2006-07	2977	709	2137
2007-08	2988	729	2186
2008-09	3037	749	2272
2009-10	3050	791	2405
2010-11	3062	792	2510
2011-12	3068	793	2634
2012-13	**3080**	**797**	**2708**

प्रबंध विकास कार्यक्रम

प्रतिभागियों का वितरण

कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
		सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	
सामान्य प्रबंध	4	7	176	11	194
नए कार्यक्रम	3	8	46	22	76
नियमित/पुनरावृत्ति वाले कार्यक्रम	46	342	950	52	1344
कुल	**53**	**357**	**1172**	**85**	**1614**

सामान्य प्रबंध कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	
3 टीपी मध्यम प्रबंध कार्यक्रम (ग्रीष्मकालीन) 24जून–21जुलाई, 2012	3	37	3	43
3टीपी वरिष्ठ प्रबंध कार्यक्रम 29 जुलाई–18 अगस्त, 2012	2	49	3	54
लघु एवं मध्यम उद्यम कार्यक्रम 21 अक्टूबर–3 नवम्बर, 2012	0	38	2	40
3 टीपी मध्य प्रबंध कार्यक्रम (शीतकालीन) 20 जनवरी –16 फ़रवरी, 2013	2	52	3	57
कुल	**7**	**176**	**11**	**194**

नए कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	
वैश्विक कार्यक्रम				
ब्रिक के बारे में ब्राजील,रूस, भारत, चीन 14 – 19 अक्टूबर, 2012 (ब्राजील मॉड्यूल) 3 – 7 दिसम्बर, 2012 (रूस मॉड्यूल) 4 – 8 मार्च, 2013 (भारत मॉड्यूल) 20 – 25 मई, 2013 (चीन मॉड्यूल)	0	8	20	28
वित्त एवं लेखाकरण				
मूल्य निर्धारण और व्युत्पन्न प्रतिभूति प्रतिरक्षा 4 – 8 फरवरी, 2013	4	7	0	11
सार्वजनिक प्रणाली और स्वास्थ्य सुविधा प्रबंधन केन्द्र				
चिकित्सीय प्रयोगशाला प्रबंधन 21 – 23 नवम्बर, 2012	4	31	2	37
कुल	**8**	**46**	**22**	**76**

पेश किए गए नियमित/पुनरावृत्ति कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	
वैश्विक कार्यक्रम				
भूटान में सामान्य प्रबंध कार्यक्रम 15-28 जुलाई, 2012	2	10	15	27
व्यवसाय नीति				
अनुबंध प्रबंध 10 – 14 सितम्बर, 2012	20	19	0	39
विकास के लिए रणनीतियाँ 8 – 13 अक्टूबर, 2012	14	17	0	31
नवाचार, कॉरपोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धी प्रर्दशन 29 अक्टूबर –3 नवम्बर, 2012	8	23	0	31
ज्ञान प्रबंधन 10 – 15 दिसम्बर, 2012	7	8	2	17
21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व 2 – 5 जनवरी, 2013	26	3	1	30
कार्य सम्मेलन : प्राधिकरण, संगठन, रणनीतियाँ और संबद्धता की राजनीति 14 – 20 मार्च, 2013	3	18	0	21
संचार				
प्रभावी संचार रणनीति : पुरूष और महिलाएँ कार्यस्थल पर हैं 23 – 28 अप्रैल, 2012	16	9	0	25
लोगों को साथ में लेकर चलते हुए : प्रोत्साहन द्वारा प्रबंध 6 – 11 अगस्त, 2012	5	29	1	35
विजयी बढ़त : नेताओं के लिए संचार रणनीतियाँ 17 – 22 सितम्बर, 2012	17	17	2	36
कम्प्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह				
ईआरपी प्रणाली : प्रौद्योगिकी, योजना और अमलीकरण 17 – 19 सितम्बर, 2012	9	2	0	11
वित्त एवं लेखाकरण				
उन्नत कॉर्पोरेट वित्त 29 अक्टूबर –3 नवम्बर, 2012	4	39	2	45

प्रबंध विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	
विलयन, अधिग्रहण और पुनर्गठन 22 – 25 जनवरी, 2013	2	25	0	27
रणनीतिक लागत प्रबंध 4 – 7 फरवरी, 2013	4	34	2	40
विपणन				
संगठनात्मक प्रदर्शन की ट्रैकिंग 9 – 12 अप्रैल, 2012	4	29	0	33
ग्राहक आधारित व्यापारिक रणनीति 24 – 26 मई, 2012	3	30	0	33
विपणन निर्णयों के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण 27 अगस्त - 1 सितम्बर, 2012	0	14	1	15
लाभ के लिए मूल्य निर्धारण 24 – 28 सितम्बर, 2012	0	28	0	28
अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय 1 – 6 अक्टूबर, 2012	5	19	0	24
खुदरा व्यापार प्रबंधन 26 नवम्बर –1 दिसम्बर, 2012	0	14	1	15
ग्राहक संबंध प्रबंधन 7 – 12 जनवरी, 2013	2	20	0	22
बिक्री बल प्रदर्शन को बढ़ाना 18 – 21 फरवरी, 2013	3	27	5	35
बी टू बी विपणन (व्यापार से व्यापार तक) 3 – 9 मार्च, 2013	1	24	2	27
संगठनात्मक व्यवहार क्षेत्र				
नेतृत्व एवं बदलाव में प्रबंधन 12 – 17 अगस्त, 2012	2	51	2	55
व्यावसायिक महिलाओं के बीच नेतृत्व क्षमता एवं संभाविता बढ़ाना 9 – 12 अक्टूबर, 2012	22	21	0	43

प्रबंध विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	
पारस्परिक प्रभावशीलता एवं टीम निर्माण 7 – 10 जनवरी, 2013	31	29	0	60
मुख्य सक्षमता के रूप में रचनात्मकता एवं नवाचारः व्यक्तिगत एवं संगठनात्मक क्षमता का विकास 26 – 29 मार्च, 2013	4	13	1	18
कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध क्षेत्र				
समझौता वार्ता कौशल क्लिनिक 30 अगस्त –1 सितम्बर, 2012	9	32	0	41
उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन 3 – 8 दिसम्बर, 2012	15	19	4	38
उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके				
व्यवसाय/विपणन में मात्रात्मक डाटा विश्लेषिकी और उसका कार्यान्वयन 10 -12 अप्रैल, 2012	6	12	1	19
उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन 2 – 6 जुलाई, 2012	3	15	2	20
परियोजना प्रबंधन 3 – 8 सितम्बर, 2012	9	35	0	44
जोखिम : मॉडलिंग एवं प्रबंधन 10 – 14 सितम्बर, 2012	3	16	0	19
प्रबंधन के लिए उन्नत विश्लेषिकी 1 – 5 अक्टूबर, 2012	2	37	0	39
राजस्व प्रबंधन एवं गतिशील मूल्य निर्धारण 25 – 29 नवम्बर, 2012	1	23	3	27
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन 3 – 8 दिसम्बर, 2012	0	19	0	19
खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन 10 – 16 फरवरी, 2013	10	7	0	17
रसद समाधान प्रदान करना 25 फरवरी – 3 मार्च, 2013	0	14	0	14

प्रबंध विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी प्रतिभागी	
कृषि				
कृषि निवेश विपणन 7 – 13 जनवरी, 2013	0	31	0	31
अनुबंध खेती प्रबंध 28 जनवरी – 1 फरवरी, 2013	21	4	0	25
सामरिक प्रतिस्पर्धा एवं सहयोगात्मक लाभ के लिए बौद्धिक संपदा का दोहन 14 – 16 फरवरी, 2013	8	4	1	13
सार्वजनिक प्रणाली और स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केन्द्र				
बुनियादी ढाँचे में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) 15 – 20 अक्टूबर, 2012	22	7	1	30
बुनियादी ढाँचे में कानूनी और विनियामक मुद्दे 5 – 9 नवम्बर, 2012	10	6	0	16
अस्पताल प्रबंधन 3 – 7 दिसम्बर, 2012	6	34	1	41
रवि मथाई शैक्षिक नवाचार केन्द्र (आरजेएमसीईआई)				
बदलते वातावरण में स्कूलों के लिए रणनीतिक नेतृत्व 1 – 6 अक्टूबर, 2012	0	43	2	45
उत्कृष्टता के लिए नवपरिवर्तन : प्रबंध शिक्षा में अग्रणियों के लिए कार्यक्रम 10 – 15 दिसम्बर, 2012	3	20	0	23
कुल	**342**	**950**	**52**	**1344**

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : प्रबंध में स्नातकोत्तर फाइनेंशियल टाइम्स रैंकिंग 2012

FT.com FINANCIAL TIMES

Masters in Management 2012

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

Current rank	Average of rank over 3 years [1]	School name	Country	Weighted salary (US$)	Value for money rank	Employed at three months (%) [2]
1	2	University of St Gallen	Switzerland	81,996	1	100 (56)
2	2	ESCP Europe	France, UK, Germany, Spain, Italy	63,597	36	89 (61)
3	2	Cems	See table note	60,571	3	95 (47)
4	4	HEC Paris	France	77,232	20	96 (67)
5	7	Essec Business School	France	71,853	17	92 (70)
6	-	IE Business School	Spain	85,706	5	93 (86)
7	10	Esade Business School	Spain	63,704	21	95 (100)
7	9	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands	63,045	8	92 (95)
9	6	EMLyon Business School	France	55,813	55	97 (85)
10	8	Indian Institute of Management, Ahmedabad	India	101,243	38	100 (100)
11	23	HHL Leipzig Graduate School of Management	Germany	85,923	18	100 (78)
12	14	Edhec Business School	France	56,976	44	97 (88)
13	9	Grenoble Graduate School of Business	France	57,215	48	95 (77)
14	18	Imperial College Business School	UK	59,705	37	89 (85)
14	13	Mannheim Business School	Germany	71,727	2	91 (89)
16	12	London School of Economics and Political Science	UK	64,378	29	93 (72)
17	17	City University: Cass	UK	53,332	46	75 (96)
18	16	Stockholm School of Economics	Sweden	62,834	7	95 (51)
19	21	Rouen Business School	France	50,502	51	91 (87)
20	26	HEC Lausanne	Switzerland	54,669	12	96 (69)
20	19	ESC Toulouse	France	52,442	49	89 (42)

विश्व रैंकिंग

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : वैश्विक फाइनेंशियल टाइम्स एमबीए रैंकिंग 2013

FT.com FINANCIAL TIMES

Global MBA Ranking 2013

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

Rank in 2013	3 year average rank	School name	Country	Weighted salary (US$)	Salary percentage increase
1	2	Harvard Business School	US	187,223	121
2	2	Stanford Graduate School of Business	US	194,645	115
3	2	University of Pennsylvania: Wharton	US	180,772	121
4	3	London Business School	UK	160,988	124
5	6	Columbia Business School	US	174,347	123
6	5	Insead	France / Singapore	153,992	96
7	8	Iese Business School	Spain	146,049	141
8	8	Hong Kong UST Business School	China	132,685	153
9	8	MIT: Sloan	US	160,414	117
10	11	University of Chicago: Booth	US	162,363	108
11	9	IE Business School	Spain	157,054	117
12	17	University of California at Berkeley: Haas	US	151,952	98
13	17	Northwestern University: Kellogg	US	161,269	99
14	16	Yale School of Management	US	159,370	118
15	19	Ceibs	China	131,362	157
16	18	Dartmouth College: Tuck	US	156,765	117
16	23	University of Cambridge: Judge	UK	145,169	98
18	18	Duke University: Fuqua	US	145,147	108
19	15	IMD	Switzerland	147,380	65
19	17	New York University: Stern	US	144,586	106
21	19	HEC Paris	France	123,571	109
22	25	Esade Business School	Spain	126,699	118
23	29	UCLA: Anderson	US	147,125	115
24	24	University of Oxford: Saïd	UK	136,609	95
24	26	Cornell University: Johnson	US	147,799	112
26	16	Indian Institute of Management, Ahmedabad	India	171,188	110

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : दी इकोनोमिस्ट - पूर्णकालिक एमबीए रैंकिंग 2012

Rank	Business School	Country
1	Chicago, University of - Booth School of Business	United States
2	Dartmouth College - Tuck School of Business	United States
3	Virginia, University of - Darden Graduate School of Business Administration	United States
4	Harvard Business School	United States
5	Columbia Business School	United States
6	California at Berkeley, University of - Haas School of Business	United States
7	Massachusetts Institute of Technology – MIT Sloan School of Management	United States
8	Stanford Graduate School of Business	Spain
9	IESE Business School - University of Navarra	Switzerland
10	IMD - International Institute for Management Development	United States
11	New York University – Leonard N Stern School of Business	United Kingdom
12	London Business School	United States
13	Pennsylvania, University of – Wharton School	France
14	HEC School of Management, Paris	United States
15	Cornell University – Samuel Curtis Johnson Graduate School of Management	Canada
16	York University – Schulich School of Business	United States
17	Carnegie Mellon University – The Tepper School of Business	Spain
18	ESADE Business School	France
19	INSEAD	United States
20	Northwestern University – Kellogg School of Management	United States
21	Emory University – Goizueta Business School	Spain
22	IE Business School	United States
23	UCLA Anderson School of Management	United States
24	Michigan, University of – Stephen M. Ross School of Business	United Kingdom
25	Bath, University of – School of Management	United States
26	Yale School of Management	Australia
27	Queensland, University of – Business School	United States
28	Texas at Austin, University of – McCombs School of Business	United States
29	Duke University – Fuqua School of Business	United Kingdom
30	City University – Cass Business School	United States
31	Hult International Business School	United States
32	Vanderbilt University – Owen Graduate School of Management	United States
33	Ohio State University – Fisher College of Business	United States
34	Washington, University of – Foster School of Business	United States
35	Georgetown University – Robert Emmett McDonough School of Business	Germany
36	Mannheim Business School	United Kingdom
37	Cranfield School of Management	Australia
38	Melbourne Business School – University of Melbourne	United States
39	Rice University – Jesse H Jones Graduate School of Business	United States
40	North Carolina at Chapel Hill, University of – Kenan-Flagler Business School	Hong Kong
41	Hong Kong, University of – Faculty of Business and Economics	United Kingdom
42	Henley Business School	United States
43	Southern California, University of – Marshall School of Business	United States
44	Indiana University – Kelley School of Business	United Kingdom
45	Cambridge, University of – Judge Business School	Australia
46	Curtin Graduate School of Business	United States
47	Washington University in St Louis – Olin Business School	United Kingdom
48	Oxford, University of – Said Business School	United States
49	Notre Dame, University of – Mendoza College of Business	United States
50	Wake Forest University Schools of Business	United States
51	Wisconsin School of Business	United States
52	EDHEC Business School	France
53	Maryland, University of – Robert H Smith School of Business	United States
54	Strathclyde, University of – Business School	United Kingdom
55	Boston University School of Management	United States
56	Indian Institute of Management – Ahmedabad	India
57	EMLYON	France
58	Minnesota, University of – Carlson School of Management	United States
59	Arizona State University – W. P. Carey School of Business	United States
60	Warwick Business School	United Kingdom
61	Macquarie Graduate School of Management	Australia
62	Hong Kong University of Science and Technology – School of Business and Management	Hong Kong
63	University College Dublin – Michael Smurfit Graduate School of Business	Ireland
64	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands
65	Iowa, University of – Henry B Tippie School of Management	United States
66	Vlerick Leuven Gent Management School	Belgium
67	California at Davis, University of-Graduate School of Management	United States
68	Pennsylvania State University – Smeal College of Business	United States
69	Grenoble Graduate School of Business	France
70	SDA Bocconi School of Management	Italy
71	Texas Christian University – Neeley School of Business	United States
72	Nanyang Business School – Nanyang Technological University	Singapore
73	George Washington University – School of Business	United States
74	Durham Business School	United Kingdom
75	McGill University – Desautels Faculty of Management	Canada
76	Audencia Nantes School of Management	France
77	Temple University – Fox School of Business	United States
78	Concordia University – John Molson School of Business	Canada
79	International University of Japan – Graduate School of International Management	Japan
80	Lancaster University Management School	United Kingdom
81	University of St. Gallen	Switzerland
82	Southern Methodist University – Cox School of Business	United States
83	Yonsei University School of Business	Republic of Korea
84	Birmingham, University of – Birmingham Business School	United Kingdom
85	China Europe International Business School (CEIBS)	China
86	Nottingham University Business School	United Kingdom
87	WHU – Otto Beisheim School of Management	Germany
88	Aston Business School	United Kingdom
89	Rochester, University of – William E Simon Graduate School of Business	United States
90	Purdue University – Krannert Graduate School of Management	United States
91	British Columbia, University of – Sauder School of Business	Canada
92	National University of Singapore – The NUS Business School	Singapore
93	HEC Montréal	Canada
94	Chinese University of Hong Kong	Hong Kong
95	Calgary, University of – Haskayne School of Business	Canada
96	Copenhagen Business School	Denmark
97	International University of Monaco	Monaco
98	University of Georgia – Terry College of Business	United States
99	Pittsburgh, University of – Katz Graduate School of Business	United States
100	Case Western Reserve University – Weatherhead School of Management	United States

विश्व रैंकिंग

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : कृषि व्यवसाय/खाद्य उद्योग प्रबंधन में एडयूनिवर्सल सर्वोत्तम स्नातकोत्तर रैंकिंग 2012

कार्मिक

ठ1 नई नियुक्तियाँ

- संजीव त्रिपाठी, सहायक प्रोफ़ेसर, विपणन क्षेत्र
- धीमन भद्रा, सहायक प्रोफ़ेसर, उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके क्षेत्र
- विश्वनाथ पिंगाली, सहायक प्रोफ़ेसर, अर्थशास्त्र क्षेत्र
- अप्रतिम गुहा, सहयोगी प्रोफ़ेसर, उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके क्षेत्र
- श्रीकुमार कृष्णमूर्ति, सहायक प्रोफ़ेसर, कम्प्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह
- कार्तिक श्रीराम, सहायक प्रोफ़ेसर, उत्पाद एवं मात्रात्मक तरीके क्षेत्र
- विशाल गुप्ता, सहायक प्रोफ़ेसर, संगठनात्मक व्यवहार क्षेत्र

ठ2 त्यागपत्र

- प्रोफ़ेसर दिलीप मावलंकर
- प्रोफ़ेसर रजनीश दास
- सुश्री श्रेयसी परीख

यह संस्थान, उपर्युक्त सभी को उनकी नयी नौकरी के लिए शुभकामनाएँ देता है।

ठ3 सेवा-निवृत्ति

- एस.एन. शाह
- डी. आर. प्रजापति
- एस. जयशंकर
- के.टी. विल्सन
- धना देवा परमार
- के. के. श्रीमाली
- आर.एस. मणी
- के. एस. सोमयाजुलु
- जी. ए. चन्द्रशेखरन्
- मगन गोहेल
- मफाभाई सोलंकी
- एन. आर. सोलंकी
- मोतीलाल वर्मा
- करसन सोनखिया
- आर. जी. मिश्रा
- आर. गुरुमूर्ति
- एस. एम. मकवाणा

ठ4 निधन

- के. के. श्रीमाली
- बी. के. रवि कुमार
- निलांग जी. देसाई
- ध्रुव चौहान

इनकी असामयिक मृत्यु पर संस्थान को गहरा खेद है।

ठ5 अनुपस्थिति की स्वीकृति

- प्रोफेसर संजय वर्मा को 10 मई, 2012 से एक वर्ष के लिए अवैतनिक छुट्टियों की स्वीकृति दी गई है।
- प्रोफेसर जी. रघुराम को 20 जुलाई, 2012 से एक वर्ष के लिए अवैतनिक छुट्टियों की स्वीकृति दी गई है।

पुनः जुड़े

ठ6

- प्रोफेसर संजय वर्मा 10 मई, 2012 से 07 नवम्बर, 2012 तक अवैतनिक अवकाश पर रहने के बाद 08 नवम्बर, 2012 को संस्थान की सेवा से पुनः जुड़े।
- प्रोफेसर एन. वेंकिटेश्वरन् 14 जुलाई, 2010 से 10 जून, 2012 तक अवैतनिक अवकाश पर रहने के बाद 11 जून, 2012 को संस्थान की सेवा से पुनः जुड़े।

पदोन्नतियाँ

ठ7

- प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल को सहयोगी प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।

कार्मिक संख्या

ठ8

वर्ष	संकाय	अनुसंधान स्टाफ	प्रशासनिक स्टाफ	कुल
2002-3	80	58	367	505
2003-4	76	69	359	504
2004-5	79	58	329	466
2005-6	81	69	314	464
2006-7	83	63	316	462
2007-8	86	69	311	466
2008-9	94	79	319	492
2009-10	92	68	329	489
2010-11	88	71	327	486
2011-12	88	66	316	470
2012-13	**85**	**70**	**291**	**446**

शासक मंडल

अध्यक्ष

ए. एम. नायक
समूह कार्यकारी अध्यक्ष
लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड, मुंबई

सदस्य

अशोक ठाकुर
सचिव
उच्चतर शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

ए. एन. झा
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
उच्चतर शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

डॉ. पुष्पितो के. घोष
निदेशक
केन्द्रीय नमक व समुद्री रसायन
अनुसंधान संस्थान
भावनगर
(9 फरवरी, 2013 तक)

हसमुख अढ़िया, आई. ए. एस.
प्रधान सचिव
शिक्षा विभाग
गुजरात सरकार
गाँधीनगर

डॉ. के.पी. जोशीपुरा
उपकुलपति
भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान
सरकारी महाविद्यालय परिसर, गाँधीनगर

संजय एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड, अहमदाबाद

चिंतन एन. परीख
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड, अहमदाबाद

डॉ. हसित जोशीपुरा
वाइस प्रैसिडेंट, दक्षिण एशिया एवं प्रबंध निदेशक,
भारत ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड
मुम्बई

अशांक देसाई
संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष
मास्टेक लिमिटेड
मुम्बई

रमा बीजापुरकर
प्रबंध सलाहकार, मुम्बई

डी. शिवाकुमार
वरिष्ठ उपप्रमुख - आईएमईए
नोकिया, गुड़गाँव

राकेश बसंत
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

प्रेम पंगोत्रा
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

किरण कर्णिक
नई दिल्ली

डॉ. श्रीकांत एम. दातार
लेखांकन में आर्थर लोवेस डिकिंसन प्रोफ़ेसर
हार्वर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका

समीर के. बरुआ
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

सचिव

कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
भारतीय प्रबंध संस्थान
अहमदाबाद

भा. प्र. सं. अहमदाबाद समिति के सदस्य

बज़मी हुसैन
प्रबंध निदेशक
एबीबी लिमिटेड
बैंगलुरू

बेहराम शेरडीवाला
प्रमुख - मानव संसाधन
एसीसी लिमिटेड
मुंबई

हिरेन एस. महादेविया
निदेशक (वित्त एवं कॉर्पोरेट मामले) एवं कंपनी सेक्रेटरी
अहमदाबाद न्यू कोटन मिल्स कं. लि. (आशिमा लिमिटेड की यूनिट)
अहमदाबाद

वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन)
एलेम्बिक लिमिटेड, वड़ोदरा

कार्तिकेय वी. साराभाई
अध्यक्ष
अंबालाल साराभाई एंटरप्राइजेज लिमिटेड
अहमदाबाद

नितिन जे. नाणावटी
प्रबंध निदेशक
अपूर्व कंटेनर्श प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

अमोल शेठ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अनिल लिमिटेड
अहमदाबाद

प्रफुल्ल अनुभाई
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
आरोही कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

संजय एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड
अहमदाबाद

अनंग ए. लालभाई
प्रबंध निदेशक
अरविंद प्रोडक्ट्स लिमिटेड
अहमदाबाद

जलज दानी
अध्यक्ष - इंटरनेशनल
एशियन पेंट्स लिमिटेड
मुम्बई

चिंतन परीख
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड
अहमदाबाद

सुनील एस. लालभाई
अतुल लिमिटेड
अतुल, गुजरात

एन. वी. वेंकटसुब्रामणियन
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
ऑडको इंडिया लिमिटेड
चेन्नई

अमृत रथ
वाइस प्रैसिडेंट (मा.सं.)
बजाज ऑटो लिमिटेड
पुणे

एस.के. दास
महाप्रबंधक (मा.सं. प्रबंधन)
बैंक ऑफ बड़ौदा
मुम्बई

कमलेश पटेल
प्रभारी प्रधानाचार्य
बैंक ऑफ बड़ौदा, स्टाफ़ कॉलेज
अहमदाबाद

संजय पवार
क्षेत्रीय प्रबंधक
बैंक ऑफ इंडिया
अहमदाबाद

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
बी ई एम एल लिमिटेड
बैंगलूरु

बी. प्रसाद राव
प्रबंध निदेशक
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

दुर्गेश मेहता
संयुक्त प्रबंध निदेशक
दी बोम्बे डाइंग एंड मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
मुम्बई

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
केडिला हेल्थकेयर लिमिटेड
अहमदाबाद

एम. एम. मुरुगप्पन
अध्यक्ष
कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड
चेन्नई

प्रमित झवेरी
भारत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी
सिटीबैंक
मुम्बई

आर. कृपलानी
निदेशक - ऑटोमोटिव एवं मुख्य संचालन अधिकारी
कैस्ट्रोल इंडिया लिमिटेड
मुंबई

एस. दास गुप्ता
महाप्रबंधक (संचालन)
सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
मुंबई

अनंग के. शाह
प्रबंध निदेशक
क्रिस्टल क्विनोन प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

डॉ. विनय भरत-राम
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
डीसीएम लिमिटेड
नई दिल्ली

सुनील अग्रवाल
निदेशक
देवीदयाल रोलिंग एंड रिफाइनरीज़ प्राइवेट लिमिटेड
मुम्बई

सी. भास्कर
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी
दिगजाम लिमिटेड
नई दिल्ली

भरतभाई यू. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री दिनेश मिल्स लिमिटेड
वड़ोदरा

भा. प्र. सं. अहमदाबाद समिति के सदस्य

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

निखिल नंदा
संयुक्त प्रबंध निदेशक
एस्कॉर्टस लिमिटेड
फरीदाबाद

एन. शंकर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
एक्सपोर्ट क्रेडिट एंड गारंटी कॉर्पोरेशन
ऑफ इंडिया लिमिटेड
मुम्बई

जनरल इंश्योरेन्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया
मुम्बई 400020

डॉ. हसित जोशीपुरा
वाइस प्रैसिडेंट, दक्षिण एशिया एवं प्रबंध निदेशक,
भारत ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, मुम्बई

समीर एस. सोमैया
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गोदावरी बायोरिफ़ाइनरीज़ लिमिटेड
मुम्बई

अतनु चक्रवर्ती, आईएएस
प्रबंध निदेशक
गुजरात राज्य उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड
वड़ोदरा

अरविंद अग्रवाल
प्रबंध निदेशक
गुजरात राज्य वित्त निगम
गाँधीनगर

पीयूष ओ. देसाई
अध्यक्ष
गुजरात टी प्रोसेसर्स एंड पैकर्स लिमिटेड
अहमदाबाद

बी.पी. बिडप्पा
कार्यकारी निदेशक - मानव संसाधन
हिंदुस्तान युनिलीवर लिमिटेड
मुम्बई

अखिलेश जोशी
मुख्य संचालन अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक
हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड
उदयपुर

मुकेश डी. अम्बानी
अध्यक्ष
इंडियन पैट्रोकेमीकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड
वड़ोदरा

अध्यक्ष
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
मुम्बई

राहुल एन. अमीन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
ज्योति लिमिटेड
वड़ोदरा

राजेश खंडेलवाल
खंडेलवाल ब्रदर्स लिमिटेड
मुंबई

के. वेंकटरमणन्
मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक
लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड
मुम्बई

के. वी. रंगास्वामी
बोर्ड सदस्य एवं प्रमुख - निर्माण
लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड
चेन्नई

अध्यक्ष
भारतीय जीवन बीमा निगम
मुम्बई

श्रीकुमार मेनन
प्रबंध निदेशक
लिंडे इंडिया लिमिटेड
कोलकाता

हृषिकेश ए. मफतलाल
अध्यक्ष
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुम्बई

राजीव रंजन
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
प्रमुख (टेक्सटाइल्स)
अहमदाबाद

राजीव दुबे
अध्यक्ष (मा.सं., कॉर्पोरेट सेवाएँ तथा बाजार अनुसरण समूह)
एवं कार्यकारी बोर्ड समूह के सदस्य
महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड
मुंबई

अशांक देसाई
संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष
मास्टेक लिमिटेड
मुम्बई

ए. के. त्यागी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
मेकोन लिमिटेड
झारखंड

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
एम. एम. टी. सी. लिमिटेड
नई दिल्ली

नीरज बजाज
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
मुकंद लिमिटेड
मुम्बई

सुहास आर. लोहोकरे
प्रबंधक निदेशक
नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड
मुम्बई

ए. आर. शेखर
अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक
दी न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
मुम्बई

प्रबंध निदेशक
एन. आर. सी. लिमिटेड
मुम्बई

हिमांशु जोशी
सर्किल प्रमुख
पंजाब नेशनल बैंक
अहमदाबाद

संजय सवारकर
रैलिवोल्फ़ लिमिटेड
मुंबई

राजेश आर. मेहता
उपाध्यक्ष
रोहित ग्रुप ऑफ एंटरप्राइजेज
अहमदाबाद

अनुज आर. मेहता
निदेशक
रोहित ग्रुप ऑफ एंटरप्राइजेज
अहमदाबाद

भा. प्र. सं. अहमदाबाद समिति के सदस्य

सौरभ एन. शोधन
निदेशक
साकरलाल बालाभाई एंड कंपनी लिमिटेड
अहमदाबाद

सुह्रद एस. साराभाई
निदेशक
साराभाई होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

आर. के. कारपेंटर
अध्यक्ष
साराभाई मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

तपन हरेश चोकशी
सौरभ निगम
अहमदाबाद

प्रियम बी. मेहता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
सयाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड
अहमदाबाद

पी. आर. मफतलाल
शानुदीप प्राइवेट लिमिटेड
विजयालक्ष्मी मफतलाल केन्द्र
मुम्बई

एन. आर. शाह
श्रीराम मिल्स चैरिटेबल ट्रस्ट
श्रीराम मिल्स परिसर
मुंबई

सुनील कनौजिया
समूह प्रमुख
सिंटेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
कलोल

रवि मल्होत्रा
प्रबंध निदेशक
सरहिन्द स्टील लिमिटेड
अहमदाबाद

एस. ए. रमेश रंगन
मुख्य महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक
अहमदाबाद

बलदेव सिंह, आई.ए.एस.
प्रबंध निदेशक
एसआईसीओएम लिमिटेड
मुम्बई

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ
इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

एम. रविंद्रनाथ
वाइस प्रैसिडेंट - निर्माण
टाटा केमिकल्स लिमिटेड
मीठापुर

एच. एम. नेरुरकर
प्रबंध निदेशक
टाटा स्टील लिमिटेड
जमशेदपुर

प्रबीर झा
सीनियर वाइस प्रैसिडेंट - मानव संसाधन
टाटा मोटर्स लिमिटेड
मुम्बई

चेतन टोलिया
मुख्य मानव संसाधन अधिकारी
टाटा पावर कंपनी लिमिटेड
मुम्बई

टी. पी. विजयसारथी
निदेशक
टॉरेंट पावर लिमिटेड
अहमदाबाद

एन. कन्नन
संयुक्त महाप्रबंधक
ट्रैक्टर इंजीनियर्स लिमिटेड
मुम्बई

आर. हरेश
सचिव एवं कोषाध्यक्ष
टी. वी. एस. चेरिटीज
मदुरै

आर. हरेश
प्रबंध निदेशक
टी. वी. सुन्दरम अयंगर एंड संस लिमिटेड
मदुरै

इमेन्युअल डेविड
ईवीपी एवं मुख्य मानव संसाधन अधिकारी
वोल्टास लिमिटेड
मुम्बई

अध्यक्ष
वालचंदनगर इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड
मुंबई

एस. चौधरी
जिला हरद्वार

महिपाल दलाल
अहमदाबाद

गोकुल एम. जयकृष्ण
अहमदाबाद

डॉ. बिहारीलाल कन्हैयालाल
अहमदाबाद

राजीव सी. लालभाई
अहमदाबाद

ज्योतिंद्र एन. मेहता
अहमदाबाद

वर्ग : व्यक्तिगत/सेवानिवृत्त संकाय/पूर्वछात्र

प्रोफ़ेसर सुभाष चन्द्र भटनागर
अहमदाबाद

वरुण आर्य
प्रमुख
मारवाड़ शिक्षा फ़ाउंडेशन
जोधपुर

टी. वी. राव
अध्यक्ष, टीवीआरएलएस
अहमदाबाद

प्रमोद अग्रवाल
स्विट्ज़रलैंड

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

प्रशासन

निदेशक

समीर के. बरुआ
एम. टेक. (आईआईटी, कानपुर)
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

डीन

बी.एच. जाजू
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)
(30 सितम्बर, 2012 तक)

अजय पांडेय
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)
(01 अक्टूबर, 2012 से)

डीन (संकाय)

अजय पांडेय
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

डीन (पूर्वछात्र एवं विदेश संबंध)

पी.जी. विजय शेरीचंद
पीएच.डी. (गुजरात)

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
एम.ई. (पुणे विश्वविद्यालय),
वित्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर (मुम्बई विश्वविद्यालय),व्यवसाय प्रशासन में कार्यक्रम (भा. प्र. सं. अ.),पीएमआई का व्यावसायिक परियोजना प्रबंधन (पीएमपी), संकाय सदस्य

पुस्तकालयाध्यक्ष

अनिल कुमार एच.
पीएच.डी. (म.स.विश्वविद्यालय)
पुस्तकालयाध्यक्ष
संकाय सदस्य

संकाय

व्यवसाय नीति

अनुराग के. अग्रवाल
एल.एल. एम. (हार्वर्ड), एल.एल. डी. (लखनऊ)

एम. आर. दीक्षित
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

डी. कार्तिक
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

अजीत नारायण माथुर
पीएच. डी. (आईआईएस, बेंगलुरु)

शैलेन्द्र मेहता
एम.फिल. (ऑक्सफोर्ड), पीएच. डी. (हार्वर्ड)

अखिलेश्वर पाठक
पीएच. डी. (एडिनबर्ग)

सुनील शर्मा
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

चित्रा सिंगला
फ़ेलो (आईआईएमबी)

एन. वेंकिटेश्वरन*
ए.सी.ए.

कृषि प्रबंध केन्द्र

वैभव भमोरिया
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

समर के. दत्ता
पीएच. डी. (रोचैस्टर)

वसंत पी. गाँधी
पीएच. डी. (स्टैनफोर्ड)

अनिल के. गुप्ता
पीएच. डी. (कुरुक्षेत्र)
फ़ेलो, विश्व कला एवं विज्ञान अकादमी
फ़ेलो, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी
सदस्य, राष्ट्रीय नवाचार परिषद्

सुखपाल सिंह
पीएच. डी. (बेंगलुरु)

विजय पॉल शर्मा
पीएच. डी. (एनडीआरआई, करनाल)

*छुट्टी पर

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

संचार

विधि चौधरी
पीएच. डी. (पड्र्यू)

आशा कौल
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

एम. एम. मोनीपल्ली
पीएच. डी. (मेनचेस्टर)

मीनाक्षी शर्मा
एम.ए., पीएच. डी. (क्वींसलैंड)

कंप्यूटर एवं सूचना प्रणाली समूह

रेखा जैन
पीएच. डी. (आईआईटी, दिल्ली)

बी.एच. जाजू
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

कविता रंगनाथन
एम.एससी., एम.एस., पीएच.डी. (शिकागो)

वेंकट राव वी.
पीएच. डी. (जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान)

संजय वर्मा
फ़ेलो (आईआईएमसी)

श्रीकुमार कृष्णमूर्ति
स्टैनफ़ॉर्ड (आर्टिफ़िसियल इंटैलिजेंस)
फ़ेलो (आईआईएम लखनऊ)

अर्थशास्त्र

राकेश बसंत
पीएच. डी. (गुजरात)

सतीश देवधर
पीएच. डी. (ओहियो स्टेट)

रवीन्द्र एच. धोलकिया
पीएच. डी. (एमएसयू)

एर्रोल डिसूज़ा
पीएच. डी. (जेएनयू)

सेबास्टियन मॉरिस
एम.एससी. (आईआईटी, मुम्बई)
फ़ेलो (आईआईएमसी)

विश्वनाथ पिंगाली
पीएच.डी. (नॉर्थ-वैस्टर्न विश्वविद्यालय)

वित्त एवं लेखा

सोभेश कुमार अगरवाला
सीएस, सीए, आईसीडबल्यूए, फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

शैलेष गाँधी
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

जोशी जेकब
फ़ेलो (आईआईएमएल)

टी. टी. राम मोहन
बी.टेक. (आईआईटी, मुम्बई), पीजीडीएम (आईआईएमसी)
पीएच.डी. (स्टर्न स्कूल, न्यूयोर्क विश्वविद्यालय)

अजय पांडेय
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

प्रेमचंद्र
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

राजेंद्र पटेल
एआईसीडबल्यूए, एसीए, पीजीडीएम (भा.प्र. सं. अ.)

सिद्धार्थ सिन्हा
पीजीडीएम (भा.प्र. सं. अ.)
पीएच.डी. (कैलिफ़ोर्निया युनिवर्सिटी, बर्कले)

जयन्त आर. वर्मा
पीजीडीएम (भा.प्र. सं. अ.)
ए.आई.सी.डबल्यू.ए.
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

विनीत विरमानी
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

विपणन

अभिषेक
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

अरिंदम बनर्जी
पीजीडीएम (आईआईएमएल)
पीएच. डी. (स्टेट युनिवर्सिटी ऑफ न्यूयोर्क)

आनंद कुमार जायसवाल
फ़ेलो (एक्सएलआरआई)

अब्राहम कोशी*
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

अरविंद सहाय
पीएच. डी. (टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन)

धीरज शर्मा
पीएच. डी. (लुइसियाना तकनीकी विश्वविद्यालय)

पीयूष कुमार सिन्हा
पीएच. डी. (एस पी युनिवर्सिटी)

संजीव त्रिपाठी
फ़ेलो (भा.प्र.सं.अ.)

संगठनात्मक व्यवहार

दीप्ति भटनागर
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

जॉर्ज कंडाथिल
पीएच. डी. (कॉर्नेल)

प्रेमिला डी'क्रूज
पीएच. डी. (टी आई एस एस, मुम्बई)

परविन्दर गुप्ता
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

विशाल गुप्ता
फ़ेलो (आईआईएमएल)

प्रद्युम्न खोकले
बी.टेक. (आईआईटी, कानपुर)
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

अर्नेस्टो नोरोन्हा
पीएच. डी. (टीआईएसएस, मुम्बई)

कीर्ति शारदा
फ़ेलो (आई आई एम सी)

निहारीका वोहरा
पीएच. डी. (मनिटोबा)

*छुट्टी पर

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध

जेरोम जोसेफ
पीएच. डी. (मद्रास)

मंजरी सिंह
फ़ेलो (आई आई एम सी)

बीजू वर्की
फ़ेलो (एन आई बी एम, पुणे)

उत्पादन एवं परिमाणात्मक विधियाँ

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच. डी. (कोलकाता)

समीर के. बरुआ
एम.टेक. (आईआईटी, कानपुर)
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

पंकज चंद्रा*
पीएच. डी. (पेनसिल्वेनिया)

गौतम दत्ता
पीएच. डी. (नोर्थवेस्टर्न)

सचिन जायसवाल
पीएच. डी. (युनि. ऑफ वॉटरलू)

दीप्तेश घोष
फ़ेलो (आईआईएमसी)

अप्रतिम गुहा
पीएच.डी. (कैलिफ़ोर्निया युनिवर्सिटी)

धीमन भद्रा
पीएच.डी. (फ़्लोरिडा युनिवर्सिटी)

ए. के. लाहा
पीएच. डी. (आईएसआई, कोलकाता)

सरल मुखर्जी
फ़ेलो (आईआईएमसी)

एन. रविचंद्रन*
पीएच. डी. (आईआईटी, मद्रास)

देबजीत रॉय
पीएच. डी. (विसकॉन्सिन - मेडिसन)

चेतन सोमन
एम.टेक. (आईआईटी, मुम्बई)
पीएच. डी. (ग्रोनिंगन)

कार्तिक श्रीराम
फ़ेलो (आईआईएमबी)

प्रह्लाद वेंकटेशन
पीएच. डी. (केस वेस्टर्न रिज़र्व)

सार्वजनिक प्रणाली समूह

अमित गर्ग
एम.टेक. (आईआईटी, रूड़की)
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

नवदीप माथुर
एम.ए. (हल)
पीएच. डी. (रट्गेर्स)

दिलीप वी. मावलंकर*
एम.डी. (गुजरात)
डॉ.ऑफ पब्लिक हैल्थ (जॉन्स हॉपकिन्स)

प्रेम पंगोत्रा
पीएच. डी. (विस्कोन्सिन)

जी. रघुराम
पीएच. डी. (नोर्थवेस्टर्न)

के.वी. रमणी
पीएच. डी. (कॉर्नेल)

अंकुर सरीन
पीएच. डी. (शिकागो)

पी. आर. शुक्ला
पीएच. डी. (स्टैनफोर्ड)

राम मोहन तुरागा
पीएच. डी. (जॉर्जिया प्रोद्योगिकी संस्थान)

रवि मथाई शैक्षणिक नवाचार केंद्र

राजीव शर्मा
पीएच. डी. (इलाहाबाद)

पी.जी. विजया शेरीचन्द
पीएच. डी. (गुजरात)

सहायक संकाय

एन. बालासुब्रमणियन
एस. सी. भटनागर
महेन्द्र गुजराती
सुनील उन्नी गुप्तन
हसित जोशीपुरा
अभिनंदन के. जैन
बृज कोठारी
के.वी. मरडिया
टी. वी. राव
मुकुल वसावडा
सुनील माहेश्वरी

अधिकारी

जे. अल्बर्ट सेवियर
बी.एससी./ एमएलएम /औद्योगिक संबंध एवं कार्मिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा / एमबीए
प्रबंधक - मा.सं.

नीना बदलानी
एम.बी.ए. (वित्त) (गुजरात)
आईसीडबल्यूए (इंटर)
समूह प्रधान (वित्त एवं बजट)

उपेन्द्र बी. भावसार
एम.कॉम. (लेखाशास्त्र) (गुजरात विश्वविद्यालय)
इंटर सीए समूह-1 (लेखा एवं लेखापरीक्षा)

कौशिक भट्ट डी.
एम. कॉम., एल.एल.बी.
लेखा अधिकारी

भट्ट पंकजकुमार के.
एम.कॉम.
लेखा अधिकारी

एस. भट्टाचार्य
बी.एससी. (कोलकाता)
कार्यक्रम अधिकारी (एमडीसी)

गाँधी कमलेश
बी.ई. (सिविल) (गुजरात)
साइट इंजीनियर (वरिष्ठ)

गोहिल लक्ष्मणदेव बी.
बी.कॉम., एसीएस
प्रबंधक (लेखा एवं अनुपालन)

*छुट्टी पर

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

गुरुमूर्ती आर.
बी.कॉम. (मदुरै कामराज)
कार्यक्रम अधिकारी (पीजीपी-एबीएम)

आर. महादेव अय्यर
बी.कॉम. (गुजरात),
मानव संसाधन में डिप्लोमा
प्रबंधक, प्रवेश

जंसारी कंचनबेन के.
बी.ए.
सामग्री प्रतिकृति अधिकारी

जयशंकर एस.
एम.ए. (मदुरै कामराज विश्वविद्यालय)
अधिकारी, प्रकाशन

जोशी के.एस.
बी.कॉम. (गुजरात)
औद्योगिक संबंध एवं कार्मिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
स्थापना अधिकारी

अविनाश जी. लाड
एमबीए (गुजरात)
बी.ई. (इलैक्ट्रिकल) (सौराष्ट्र विश्वविद्यालय) इलैक्ट्रिकल इंजीनियर

सोलंकी एन. आर.
बी.कॉम.
गृह व्यवस्थापन अधिकारी

जतिन एम. नागोरी
एम.कॉम, एल.एल.बी. (गुजरात)
निर्यात विपणन प्रबंधन में डिप्लोमा (आईआईई, बडौदा)
कार्यक्रम अधिकारी, पीजीपी

मोहन पालीवाल
एम.कॉम. (गुजरात)
कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (गूजरात विद्यापीठ)
आईटी अधिकारी (शैक्षणिक सेवाएँ)

कमल यू. पंड्या
एम.कॉम. (गुजरात)
प्रबंधक, भंडार एवं क्रय

रवीन्द्रनाथ एन. पंड्या
बी.एससी. (भौतिकी), ईडीपी एवं कम्प्यूटर प्रबंधन में डिप्लोमा,
व्यवसाय उद्यमिता में डिप्लोमा
सुविधा अधिकारी

विक्टर परेरा
एम.ए.
नियोजन अधिकारी

रामचन्द्रन के.वी.
बी.कॉम. (मद्रास विश्वविद्यालय)
मानव संसाधन एवं कार्मिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (एआईआईएमएस, चेन्नई)
कार्यक्रम अधिकारी, एफपीएम

इशिता निलेश सोलंकी
सामाजिक संप्रेषण एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (महाराष्ट्र)
ग्रामीण विकास प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (आईआरएमए)
मानव संसाधन प्रबंध में विशेषज्ञता डिप्लोमा (इग्नू)
प्रबंधक, वैश्विक सहभागिता एवं कॉर्पोरेट मामले

रेवती श्रीनिवासन
एम.ए. (मैसूर)
प्रबंधक, एम.डी.पी.

प्रणय श्रीवास्तव
बी.टैक. (सिविल) (अवध)
एमबीए (निरमा विश्वविद्यालय)
समूह अध्यक्ष (परियोजना, सम्पदा एवं रखरखाव)

हरेंद्र जे. वाढेर
बी.ई. (सिविल) (एस.पी. विश्वविद्यालय)
एमबीए (गुजरात)
समूह अध्यक्ष (इंजीनियरिंग सेवाएँ एवं संपदा)

एम.एस. सुदर्शनन्
एम.ए. (लोक प्रशासन) (अन्नामलाई विश्वविद्यालय)
प्रवेश अधिकारी

प्रवीण जी. क्रिश्चियन
एम.कॉम., एल.एल.बी.
कार्यक्रम अधिकारी, छात्र गतिविधि

पुष्पा हरिहरन्
एम.ए., मा.सं. प्रबंधन में डिप्लोमा/डीएमएस
कार्यक्रम अधिकारी, पीजीपी-एबीएम

भारती रामचन्द्रन् (सुश्री)
बी.कॉम. (मद्रास विश्वविद्यालय)
कार्यक्रम अधिकारी, सीएमए

के.एन. मुरलीधरन्
पुस्तकालय विज्ञान में स्नातकोत्तर (इग्नू)
बी.कॉम. (गुजरात विश्वविद्यालय)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

पुस्तकालय

श्रेयसी के. परीख
एम.ए., एम.एल.आई.एससी. (गुजरात)
पीजीडीसीए (ज़ेवियर), सीआईसी (इग्नू)
पीएच. डी. (गुजरात)
उपपुस्तकालयाध्यक्ष

पंड्या यू.पी.
बी.एससी. (सौराष्ट्र)
एल.एल.बी. (गुजरात)
श्रम व्यवहार में डिप्लोमा(गुजरात)
पुस्तकालय विज्ञान में स्नातकोत्तर (इग्नू)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

हिमा बी. सोनी
बी.ए., पुस्तकालय विज्ञान में स्नातकोत्तर (सागर)
उपपुस्तकालयाध्यक्ष

अनुसंधान स्टाफ

जयंत भट्ट
एम.एससी. (गुजरात)
कम्प्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा (एस.पी. विश्वविद्यालय)

केतन भट्ट
एम.एससी. (आईआईटी, मुम्बई)

श्रुति दवे
पीएच. डी. (एस.पी. विश्वविद्यालय)

सुनिल कुमार गर्ग
एम.एससी. (उदयपुर)
एमबीए (इग्नू)

सोनल कुरेशी
एमबीए, एल.एल.बी. (गुजरात)
पीएच. डी. (एस.पी. विश्वविद्यालय)

जे.जी. मकवाना
एम.एससी. (गुजरात)
ए.आई.सी.डबल्यू.ए.

श्वेता परीख
एमबीए, पीएच. डी. (गुजरात)

सी. एस. प्रसाद
एम.एससी. (आन्ध्र)

मिताली सरकार
एम.ए. (पटना)

सत्यमेव जयते

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - ३८० ००९

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Principal Director of Audit (Central)
Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad - 380 009

प्रति,
सचिव, भारत सरकार,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग,
कमरा नं. 529, शास्त्री भवन 'सी' स्कन्ध,
नई दिल्ली – 110001

सीए(ई)/एसएआर/आईआईएम/अहमदाबाद/2012-13/257
दिनांक : 30.10.13

विषय : वर्ष 2012-13 के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के लेखाओं पर अलग से लेखा परीक्षा रिपोर्ट।

महोदय,

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2012-13 के लिए वार्षिक खातों की लेखा परीक्षा 01-08-2013 से 14-08-2013 के दौरान भारत के लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा सेवा के कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं शर्तें अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन की गई।

निम्नलिखित दस्तावेजों को इसके साथ भेजा जा रहा है :

1) वर्ष 2012-13 के लिए अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट एवं अनुलग्नक-क।

2) भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2012-13 के वार्षिक लेखाओं की प्रमाणित प्रतिलिपि।

कृपया लेखा परीक्षा रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने की व्यवस्था की जाए एवं जिस दिनांक को यह रिपोर्ट संसद के समक्ष प्रस्तुत की जाए, उसकी सूचना इस कार्यालय को लेखा परीक्षा रिपोर्ट की मुद्रित प्रति के साथ दी जाए, तथा उसकी एक प्रति, भारत के लेखानियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक, नई दिल्ली को पृष्ठांकित की जाए।

कृपया इस रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किये जाने से पहले तक 'गोपनीय' समझा जाए।

भवदीय,

हस्ताक्षरित/-
निदेशक/ आईटीआरए व सीए (ई)

संलग्नक : यथोपरि

प्रतिलिपि प्रेषित :
निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रापुर, अहमदाबाद -380015

वार्षिक खातों एवं अलग से लेखा परीक्षा रिपोर्ट की प्रमाणित प्रति संलग्न है, जिसे संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने तक गोपनीय समझा जाए। जिस दिन, लेखा परीक्षा रिपोर्ट की मुद्रित प्रति के साथ, यह अलग से लेखा परीक्षा रिपोर्ट, संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखी जाए, उस दिनांक की सूचना, लेखा परीक्षा कार्यालय को दी जाए। मुद्रित रिपोर्ट में प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय) का नाम उनके पदनाम के साथ अंकित किया जाए।

हस्ताक्षरित/-
निदेशक/ आईटीआरए व सीए (ई)

फोन / Phone : 079-26561282, 26561382, 26405882, फेक्स / Fax : 079-26560134, E-mail : pdacahmedabad@cag.gov.in

31 मार्च, 2013 को समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के लेखाओं पर भारतीय लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की अलग से लेखापरीक्षा रिपोर्ट

1) हमने भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद की नियमावली के नियम 18 के साथ पठित लेखानियंत्रक एवं एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन 31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष की यथास्थिति के अनुसार, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के संलग्न तुलन पत्र और उस दिनांक को समाप्त वर्ष के आय और व्यय तथा प्राप्ति एवं भुगतान के खातों की लेखा परीक्षा की है। यह लेखा परीक्षा वर्ष 2014-15 तक की अवधि के लिए सौंपी गई है। इन वित्तीय विवरणों के प्रति उत्तरदायित्व, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के प्रबंधवर्ग का है। हमारा उत्तरदायित्व, हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2) वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण विधियों के साथ अनुरूपता, लेखाकरण के मानदंडों तथा प्रगटीकरण मानकों, आदि के संबंध में, इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में, केवल लेखाकरण-समाधान पर महा लेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ समाविष्ट हैं। कानून, नियम एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता-सह-कार्यनिष्पादन संबंधी पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखा टिप्पणियाँ, यदि कोई हैं, तो उन्हें निरीक्षण रिपोर्टों / लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से, पृथक रूप से दर्शाया गया है।

3) हमने यह लेखा परीक्षा, भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की अपेक्षा होती है कि हम यह तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ और लेखा परीक्षा करें कि ये वित्तीय विवरण, गलत बयानी से मुक्त हैं। किसी भी लेखा परीक्षा के अंतर्गत, जाँच के आधार पर, धनराशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटन, शामिल होते हैं। प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों का मूल्यांकन तथा प्रबंधवर्ग द्वारा लगाए गए महत्त्वपूर्ण अनुमानों के साथ साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी लेखा परीक्षा में शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा, हमारी राय को तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4) लेखा परीक्षण के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि :

(i) हमने वे सभी सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारे संपूर्ण ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे।

(ii) इस रिपोर्ट में वर्णित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते वित्त मंत्रालय द्वारा, केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए जारी एक समान प्रारूप में तैयार किये गये हैं।

(iii) हमारी राय में, भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद द्वारा समुचित लेखा बहियाँ और अन्य प्रासंगिक अभिलेख अनुरक्षित किये गए हैं, जहाँ तक हमारे द्वारा इन बहियों की जाँच करने से प्रतीत हुआ है।

(iv) हम आगे प्रतिवेदित करते हैं कि :

(क) सहायता अनुदान

वर्ष 2012-13 के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान की राशि 1419.25 लाख रुपए (योजना) में से इस संस्थान ने 695.60 लाख रुपए की राशि का उपयोग किया। 31.03.2012 तक अनुदान पर अतिरिक्त व्यय की राशि 1327.88 लाख रुपए को 2012-13 में प्राप्त सहायता अनुदान से समायोजित किया गया, इससे 604.23 लाख रुपए ऋणात्मक शेष रहा। परियोजना के अनुसार सहायता अनुदान के विवरण अनुलग्नक ख में संलग्न हैं।

(ख) लेखा परीक्षा रिपोर्ट में जिन न्यूनताओं को शामिल नहीं किया गया, उन्हें सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से आईआईएम अहमदाबाद के प्रबंधकों के ध्यान में लाया गया है।

(v) पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में दर्शाए गए तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते लेखा-बहियों के अनुरूप हैं।

(vi) हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी में एवं हमें दिये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय वक्तव्य लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर टिप्पणियों के अनुसार तथा उपरोक्त महत्त्वपूर्ण मामलों के विषयों और इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुलग्नक में दर्शाये गये अन्य मामले, भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुपालन में एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

(ग) जहाँ तक यह भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के मामलों की स्थिति से संबंधित 31 मार्च 2013 के तुलन पत्र से संबंधित है।

(घ) जहाँ तक यह उक्त तिथि को समाप्त हुए वर्ष के आय एवं व्यय लेखे के अधिशेष से संबंधित है।

भारत के लेखानियंत्रक व महालेखा परीक्षक की ओर से एवं कृते

हस्ताक्षरित/-

डी.पी. यादव
प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा (केन्द्रीय)
गुजरात, अहमदाबाद

स्थल : अहमदाबाद

दिनांक : 30/10/2013

अनुलग्नक–क

क्रमांक	लेखापरीक्षिती संगठन में प्रणाली	स्थिति पर टिप्पणियाँ
1.	आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता	आंतरिक लेखा परीक्षा एक बाहरी कम्पनी मेहता-शेठ एंड एसोसियेट्स को सौंपी गई है। संस्थान के आकार एवं प्रकृति के अनुसार आंतरिक लेखा परीक्षा पर्याप्त है।
2.	आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता	आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त है।
3.	अचल सम्पत्तियों के वास्तविक सत्यापन की प्रणाली	संस्थान ने अचल सम्पत्तियों का रजिस्टर बना रखा है और उचित अंतराल पर संस्थान द्वारा अचल सम्पत्तियों का वास्तविक सत्यापन किया जाता है।
4.	वस्तुसूची के वास्तविक सत्यापन की प्रणाली	संस्थान द्वारा वस्तुसूची का नियमित अंतराल पर वास्तविक सत्यापन किया गया है।
5.	वैधानिक बकाया राशि के भुगतान में नियमितता	संस्थान को आयकर भुगतान की छूट मिली हुई है। संस्थान द्वारा अन्य करों का भुगतान नियमित रूप से किया जाता है।

हस्ताक्षरित /-
वरिष्ठ लेखा परीक्षक अधिकारी/सी ए(ई)

अनुलग्नक-ख

वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान सहायता अनुदान की प्राप्ति एवं उपयोगिता की परियोजना के अनुसार विवरण

रुपए लाखों में

क्रमांक	जिस परियोजना के लिए अनुदान प्राप्त हुआ उसका नाम या सामान्य अनुदान	पिछले वर्ष से ली गई अनुदान की राशि	इस वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान की राशि	प्राप्त कुल अनुदान	वर्ष के दौरान उपयोग में ली राशि	31.03.2013 तक अप्रयुक्त राशि जो अगले वर्ष के लिए आग ली गई	टिप्पणियाँ 1. परियोजन के लक्ष्य का दिनांक 2. विलंब आदि पर लेखापरीक्षा टिप्पणी
1	अन्य पिछड़े वर्ग की 27 प्रतिशत आरक्षण बैठकों के लिए ओएससी ।	-1327.88	1419.25	91.37	*695.6	-604.23	
2	सहायता अनुदान योजना (सामान्य) के तहत एफ़पीएम कार्यक्रम के लिए वित्तीय सहायता		100.96	100.96	65.78	35.18	

*31.03. 2012 तक अनुदानों पर अतिरिक्त व्यय के 1327.88 लाख रुपए का समायोजन करने के बाद।

हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
प्रबंधक (लेखा एवं अनुपालन)
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

हस्ताक्षरित
नीना बदलानी
समूह अध्यक्ष (वित्त एवं बजट)
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

31 मार्च, 2013 के अनुसार तुलन पत्र

(रु. लाखों में)

	अनुसूची	31.03.2013 को	31.03.2012 को
निधि और देयताएँ			
कॉर्पस निधि	1	**6,971.02**	**6,363.52**
रिज़र्व एवं अधिशेष	2	**76.57**	**70.09**
पूंजी/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	3	**32,198.46**	**29,315.93**
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	4	**16,237.49**	**11,985.71**
कुल		**55,483.54**	**47,735.25**
सम्पत्तियाँ			
अचल सम्पत्तियाँ	5		
कुल सम्पत्तियाँ		**19,316.94**	**17,945.59**
घटाकरः मूल्यह्रास निधि		**11,400.19**	**9,976.51**
		7,916.75	**7,969.08**
पूंजीगत कार्य प्रगति पर		-	**551.98**
		7,916.75	**8,521.06**
निधियों का निवेश	6	**43,773.22**	**35,168.17**
वर्तमान सम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	7	**3,793.57**	**4,046.02**
कुल		**55,483.54**	**47,735.25**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	18		
लेखा के भाग के रूप में नोट	19		

दिनांकः 30 जून, 2013

हस्ताक्षरित **लक्ष्मणदेव बी. गोहिल** प्रबंधक (लेखा एवं अनुपालन)	**हस्ताक्षरित** **नीना बदलानी** समूह अध्यक्ष (वित्त एवं बजट)	**हस्ताक्षरित** **मनोज भट्ट** मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	**हस्ताक्षरित** **अजय पांडेय** प्रभारी निदेशक	**हस्ताक्षरित** **वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी /सी.ए. (व्यय)** लेखापरीक्षा मुख्य निदेशक कार्यालय (केन्द्रीय) लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा अहमदाबाद 380 009

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

31 मार्च, 2013 के दिन समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(रु. लाखों में)

	अनुसूची	2012-2013	2011-2012
आय			
शुल्क एवं दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों से अन्य आय	8	8,533.29	7,734.85
एमडीपी (प्र.वि.का.), कार्यक्रमों और परियोजनाओं से आय	9	4,597.33	5,237.28
अनुदान	-	0.00	0.00
ब्याज से आय	10	531.35	475.57
अन्य आय	11	999.82	1,022.61
निधियों से स्थानांतरण	12	1,786.02	649.18
कुल (क)		16,447.81	15,119.49
व्यय			
स्थापना व्यय	13	6,292.99	6,089.45
प्रशासनिक व्यय	14	1,350.69	1,087.95
कार्यक्रमों और परियोजनाओं पर व्यय	15	3,002.23	3,420.34
दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों पर प्रत्यक्ष व्यय	16	2,950.64	2,369.81
मूल्यह्रास	5	1,561.87	1,336.99
कुल (ख)		15,158.42	14,304.54
वर्ष (क-ख) के लिए व्यय से अधिक होने पर आय की अधिकता		1,289.39	814.95
घटाकरः कॉर्पस निधि में स्थानांतरण	17	1,289.00	814.50
शुद्ध अधिशेष		0.39	0.45
तुलनपत्र में आय और व्यय के खाते में लाया गया		0.39	0.45
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	18		
लेखा के भाग के रूप में टिप्पणी	19		

दिनांकः 30 जून, 2013

हस्ताक्षरित **लक्ष्मणदेव बी. गोहिल** प्रबंधक (लेखा एवं अनुपालन)	**हस्ताक्षरित** **नीना बदलानी** समूह अध्यक्ष (वित्त एवं बजट)	**हस्ताक्षरित** **मनोज भट्ट** मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	**हस्ताक्षरित** **अजय पांडेय** प्रभारी निदेशक	**हस्ताक्षरित** **वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी /सी.ए. (व्यय)** लेखापरीक्षा मुख्य निदेशक कार्यालय (केन्द्रीय) लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा अहमदाबाद 380 009

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 1 - कॉर्पस निधि

(रु. लाखों में)

निधि लेखा	1.04.2012 तक	वृद्धि		कटौती	31.03.2013 तक के अनुसार
1. सामान्य निधि (कॉर्पस)	69.80				69.80
2. बंदोबस्ती निधि (कॉर्पस)					
(i) राजस्व अधिशेष	6,253.00	600.00	(क)		6,853.00
(ii) दान, अनुभाग 80जी (2) (ए) (iii एफ़)के तहत	9.72				9.72
3. आईआईएम सोसायटी सदस्यता शुल्क निधि	31.00	7.50	(ख)		38.50
कुल	**6,363.52**	**607.50**		-	**6,971.02**
पिछले वर्ष का योग	5,549.02	814.50		-	6,363.52

(क) आय और व्यय के खाते से स्थानांतरित
(ख) वर्ष केदौरान प्राप्त सदस्यता शुल्क

अनुसूची 2 - रिज़र्व और अधिशेष

(रु. लाखों में)

निधि लेखा	01.04.2012 तक	वृद्धि		कटौती	31.03.2013 तक
1. सामान्यनिधि	69.28	6.09	(क)		75.37
2. आय और व्यय खाता	0.81	0.39	(ख)		1.20
कुल	**70.09**	**6.48**		-	**76.57**
पिछले वर्ष का कुल	64.26	5.83		0.00	70.09

(क) इस वर्ष के दौरान जमा ब्याज
(ख) इस वर्ष के लिए आय और व्यय खाते में से स्थानांतरित हुआ अधिशेष

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**अजय पांडेय**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्रभारी निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 3 – पूँजी / निर्धारित / बंदोबस्तीनिधि

(रु. लाखों में)

	निधि लेखा	01.04.2012 के अनुसार	जोड़					घटाव				31.03.2013 के अनुसार
			ब्याज	अनुदान	दान	शुल्क एवं अन्य आय	अन्य	पूँजीगत व्यय	राजस्व व्यय	आय एवं व्यय खाते में स्थानांतरित	अन्य	
(i)	**पूँजीगत व्यय के लिए निधियाँ**											
1	गुजरात सरकार द्वारा दान में दी गई जमीन का मूल्य	90.90										90.90
2	भवन के लिए पूँजीगत निधियाँ	4,812.11					91.52 क			343.08		4,560.55
3	अन्य पिछड़े वर्ग की वृद्धि के लिए भारत सरकार - मानव संसाधन विकास मंत्रालय की तरफ से अनुदान	-		91.37				91.37				-
4	फर्नीचर, फिक्सचर, उपकरणों, कम्प्यूटर आदि के लिए पूँजी निधि	1,079.36					62.84 क			123.48	32.10 ख	
											0.93 ग	985.69
5	परिसर अवसंरचना एवं विकास निधि	13,138.16	1,602.95									14,741.11
(ii)	**सी आई आई के लिए निधियाँ**											
1	सी आई आई निधि	183.92	7.30			14.31		0.15	2.07	0.16		203.15
(iii)	**शैक्षणिक गतिविधियाँ**											
1	सी एम ए कार्यक्रम निधि	301.12	26.47			28.91				5.39		351.11
2	सीएमए के लिए भारत सरकार– कृषि मंत्रालय की तरफ से निधि	13.09		155.00						158.05		10.04
3	अनुसंधान, प्रकाशन एवं महत्वपूर्ण क्षेत्र निधि	516.08	23.49			62.94	0.93 घ					
							689.00 छ		55.69			1,236.75
4	अनुभाग 80जी (2)(ए)(iiiएफ़) के तहत दान	1,258.26	111.39		317.13				40.23			1,646.55
5	सीएमए अनुसंधान निधि	14.49							6.48			8.01
6	क्षेत्रीय प्रबंध अध्ययन केन्द्र के लिए दान	67.09	5.89									72.98
7	अवसंरचना नीति एवं विनियमन केन्द्र	7.09										7.09
8	पूर्वछात्र गतिविधियों के लिए निधि	196.36	17.26			56.38			58.19			211.81
9	फ़ोर्ड प्रतिष्ठान से विकल्प के लिए निधि	8.20										8.20

(रु. लाखों में)

	निधि लेखा	01.04.2012 के अनुसार	जोड़					घटाव				31.03.2013 के अनुसार
			ब्याज	अनुदान	दान	शुल्क एवं अन्य आय	अन्य	पूँजीगत व्यय	राजस्व व्यय	आय एवं व्यय खाते में स्थानांतरित	अन्य	
10	एफ़पीएम कार्यक्रम के लिए निधि	-	-	100.96	-	-	-	-	-	65.78		35.18
11	कम्प्यूटर पर व्यय के लिए निधि	531.95	46.76			414.46		51.93		100.21		841.03
(iv)	**अध्यक्ष**											
1	अध्यक्ष निधियाँ	781.73	67.93				41.15 ङ			0.12	129.67 च	761.02
(v)	**छात्र सहायता**											
1	छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए बंदोबस्ती निधि (निधियों में निवेश पर ब्याज सहित)	324.08	32.37		0.29				24.40			332.34
2	छात्रों के कल्याण हेतु निधि	138.13				70.56			29.17			179.52
(vi)	**अन्य निधियाँ**											
1	भवन निर्माण अग्रिम निधि (निवेश पर ब्याज सहित)	397.81	44.47									442.28
2	संकाय एवं कर्मचारियों के वाहन अग्रिम के लिए निधि	47.91	5.08									52.99
3	पेंशन एवं सेवानिवृत्ति लाभ निधि	5,187.57	959.23							959.23		5,187.57
4	संकाय, अधिकारी और स्टाफ विकास एवं कल्याण निधि	220.52	18.22			49.47			55.62			232.59
	कुल	**29,315.93**	**2,968.81**	**347.33**	**317.42**	**697.03**	**885.44**	**143.45**	**271.85**	**1,755.50**	**162.70**	**32,198.46**
	गत वर्ष का योग	**25,006.50**	**2,308.77**	**2,019.88**	**288.40**	**602.61**	**3,661.08**	**3,484.05**	**278.75**	**649.18**	**159.33**	**29,315.93**

क अचल परिसम्पत्तियों की खरीद के लिए विनियोजित
ख अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री के कारण समायोजित
ग अनुसंधान, प्रकाशन एवं महत्त्वपूर्ण क्षेत्र निधि में हस्तांतरित
घ फ़र्नीचर, फ़िक्सचर, उपकरणों, कम्प्यूटर आदि के लिए पूँजीगत निधि से हस्तांतरित
ङ अतिरिक्त व्यय का प्रभार आय एवं व्यय खाते पर डाला गया
च ब्याज के साथ निधि की धन वापसी
छ आय एवं व्यय खाते में से राशि हस्तांतरित

ब्याज की आय का विवरण	**2012-13**	**2011-12**
आवंटित ब्याज	2,957.13	2,306.84
अर्जित ब्याज	11.68	1.93
कुल	**2,968.81**	**2,308.77**

हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
प्रबंधक
(लेखा एवं अनुपालन)

हस्ताक्षरित
नीना बदलानी
समूह अध्यक्ष
(वित्त एवं बजट)

हस्ताक्षरित
मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षरित
अजय पांडेय
प्रभारी निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 4 - वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

(रु. लाखों में)

विवरण	31.03.2013 को शेष		31.03.2012 को शेष	
क. वर्तमान देयताएँ				
1.सांविधिक देयताएँ :				
क) व्यावसायिक कर	**0.01**		0.02	
ख) स्रोत पर काटा गया कर	**78.44**	**78.45**	71.94	71.96
2.अन्य वर्तमान देयताएँ :				
क) परियोजना / कार्यक्रम	**3,454.45**		2,717.61	
ख) छात्र	**59.46**		97.67	
ग) व्ययों और अन्यों के लिए बकाया देयताएँ	**3,598.60**		2,155.20	
घ) स्वीकृत जमा	**423.97**		415.11	
ङ) छात्रों के लिए जमा की जाने वाली छात्रवृत्तियाँ	**5.60**	**7,542.08**	5.56	5,391.15
ख. प्रावधान				
क) सेवानिवृत्ति लाभ	**8,486.81**		6,483.49	
ख) नई पेंशन योजना	**77.00**		-	
ग) अन्य	**53.15**	**8,616.96**	39.11	6,522.60
कुल		**16,237.49**		**11,985.71**

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**अजय पांडेय**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्रभारी निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 5 - अचल सम्पत्तियाँ

(रु. लाखों में)

अचल और चल सम्पत्तियाँ	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास निधि			शुद्ध ब्लॉक		
	01.04.2012 कोशेष	वृद्धि	बिक्री/ समायोजन	31.03.2013 को शेष	01.04.2012 को शेष	वर्ष के लिए	कटौती	31.03.2013 को शेष	31.03.2013 को शेष	31.03.2012 को शेष
1.भूमि (गुजरात सरकार से दान में प्राप्त भूमि सहित)	107.00	-	-	107.00	-	-	-	-	107.00	107.00
2.भवन	12,159.32	1,197.29	-	13,356.61	5,687.27	1,216.50	-	6,903.77	6,452.84	6,472.05
3.फर्नीचर और फिक्चर्स	1,505.74	29.72	2.31	1,533.15	786.21	81.83	2.25	865.79	667.36	719.53
4.संयंत्र एंव मशीनरी	1,531.48	99.67	46.47	1,584.68	923.90	107.61	42.05	989.46	595.22	607.58
5.कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	1,468.99	116.08	94.04	1,491.03	1,409.91	100.40	93.89	1,416.42	74.61	59.08
6.गाड़ियाँ	12.52	17.81	-	30.33	8.68	1.93	-	10.61	19.71	3.84
7.पुस्तकालय के लिए पुस्तकें	1,160.54	53.60	-	1,214.14	1,160.54	53.60	-	1,214.14	-	-
	17,945.59	**1,514.17**	**142.82**	**19,316.94**	**9,976.51**	**1,561.87**	**138.19**	**11,400.19**	**7,916.74**	**7,969.08**
गत वर्ष का योग	14,890.84	3,055.30	0.55	17,945.59	8,639.87	1,336.99	0.35	9,976.51	7,969.08	6,250.97
रनिंग बिलों के निमित्त भुगतान सहित पूंजीगत कार्य प्रगति पर है।									-	551.98
कुल									**7,916.74**	**8,521.06**

हस्ताक्षरित **लक्ष्मणदेव बी. गोहिल** प्रबंधक (लेखा एवं अनुपालन)	हस्ताक्षरित **नीना बदलानी** समूह अध्यक्ष (वित्त एवं बजट)	हस्ताक्षरित **मनोज भट्ट** मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	हस्ताक्षरित **अजय पांडेय** प्रभारी निदेशक

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 6 - निधियों का निवेश

(रु.लाखों में)

विवरण		31.3.2013 को शेष	31.3.2012 को शेष
1	सरकारी प्रतिभूतियों में	**16,299.77**	16,299.77
2	अनुसूचित बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के साथ नियत जमाओं में	**27,474.05**	18,869.05
	कुल	**43,773.82**	35,168.82
	घटाएँ : निवेश के प्रतिदान पर प्रीमियम / छूट के लिए प्रावधान	**0.60**	0.65
	कुल	**43,773.22**	35,168.17

टिप्पणी:

क उपरोक्त के अलावा, कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभ के लिए 13674.38 लाख रुपए का निवेश निर्धारित किया गया है।

(रु.लाखों में)

ख	उद्धृत निवेशों का अंकित मूल्य	**74.77**	74.77
	उद्धृत निवेशों का बाजार मूल्य	**76.06**	73.35
	गैर उद्धृत निवेशों का अंकित मूल्य	**43,699.05**	35094.05

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**अजय पांडेय**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्रभारी निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 7 - वर्तमान सम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम इत्यादि

(रु.लाखों में)

		31.03.2013 को शेष		31.03.2012 को शेष	
क.	**वर्तमान परिसम्पत्तियाँ**				
	वस्तु सूचियाँ :				
	लेखन सामग्री एवं भंडार स्टॉक		**25.66**		19.18
	उपलब्ध नकदी (अग्रदाय सहित)		**0.25**		0.48
	शेष डाक टिकट (फ्रैंकिंग मशीन के अग्रिम सहित)		**0.19**		1.47
	बैंक में शेष :				
	क) चालू खातों में				
	- रुपये खाते में	**550.33**		575.74	
	- विदेशी अंशदान खाते में	**12.09**		36.54	
		562.42		612.28	
	ख) बचत खातों में				
	- रुपये खाते में	**282.29**	**844.71**	85.18	697.46
	कुल (क)		**870.81**		**718.59**
ख.	**ऋण, अग्रिम और अन्य सम्पत्तियाँ**				
	ऋण और अग्रिम :				
	क) कर्मचारियों को	**26.71**		30.40	
	ख) छात्रों को	**3.46**		7.67	
	ग) अन्यों को	**648.92**	**679.09**	519.73	557.80
	प्रतिभूति जमा		**81.04**		59.79
	केन्द्रीय वेट जमा प्राप्य		**50.41**		178.87
	टी.डी.एस. प्राप्य		**372.84**		127.86
	अन्य पिछड़ा वर्ग अनुदान प्राप्य		-		1,327.88
	अर्जित आय :				
	क) अर्जित ब्याज	**951.31**		851.42	
	ख) बकाया आय	**788.07**	**1,739.38**	223.81	1,075.23
	कुल (ख)		**2,922.76**		**3,327.43**
	कुल (क+ख)		**3,793.57**		**4,046.02**

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**अजय पांडेय**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्रभारी निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 8 - शुल्क एवं दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों से प्राप्त अन्य आय

(रु. लाखों में)

		2012-2013	2011-2012
क)	शुल्क और अन्य आय		
I	द्विवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
	1) स्नातकोत्तर कार्यक्रम	**5,256.33**	4955.78
	घटाएँ : पारिवारिक आय से संबद्ध शुल्क छूट	-	440.50
		5,256.33	4515.28
	2) पीजीपी – कृषि व्यवसाय प्रबंधन	**541.11**	511.49
	घटाएँ : पारिवारिक आय से संबद्ध शुल्क छूट	-	74.86
		541.11	436.63
II	एकवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
	पीजीपी –कार्यकारी	**1,816.34**	2065.67
ख)	प्रबंध में फैलो कार्यक्रम	**194.45**	187.83
ग)	सामान्य प्रवेश परीक्षा से प्राप्त आय (शुद्ध)	**280.63**	209.05
घ)	नियुक्ति से प्राप्त आय		
	1) स्नातकोत्तर कार्यक्रम	**402.78**	312.89
	2) पीजीपी –कार्यकारी	**41.65**	7.50
	कुल	**8,533.29**	**7734.85**

अनुसूची 9 –कार्यक्रमों और परियोजनाओं से प्राप्त आय

(रु. लाखों में)

		2012-2013	2011-2012
क)	प्रबंध विकास कार्यक्रमों से आय (एमडीपी)	**1,771.52**	1,955.56
ख)	संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़.डी.पी.) से आय	**49.63**	35.22
ग)	परामर्श परियोजना से आय	**2,617.57**	3,035.66
घ)	अनुसंधान परियोजना से आय	**158.61**	210.84
	कुल	**4,597.33**	**5,237.28**

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**अजय पांडेय**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्रभारी निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 10 - ब्याज की आय

(रु. लाखों में)

		2012-2013	2011-2012
क)	**निवेश पर ब्याज**		
	1) सरकारी प्रतिभूतियाँ	**1,301.12**	1,497.96
	2) बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों में नियत जमा पर	**2,253.38**	1,303.84
ख)	बचत बैंक खातों पर ब्याज	**4.86**	11.18
	कुल (क)	**3,559.36**	**2,812.98**
	घटाएँ :		
	1) निवेश के निष्पादन हेतु प्रीमियम / (डिस्काउंट) के लिए प्रावधान	**(0.05)**	(0.05)
	2) निर्धारित एवं बंदोबस्ती निधियों में स्थानांतरित	**2,963.22**	2,312.22
	3) परियोजना खातों में स्थानांतरित	**64.84**	25.24
	कुल (ख)	**3,028.01**	**2,337.41**
	कुल (क-ख)	**531.35**	**475.57**

अनुसूची 11 - अन्य आय

(रु.लाखों में)

		2012-2013	2011-2012
क)	परिसर की सुविधाओं से आय (शुद्ध)	**549.73**	692.94
ख)	किराया	**122.35**	99.71
ग)	उद्योगों से छात्रवृत्ति	**86.25**	60.67
घ)	रॉयल्टी आय	**62.02**	37.04
ङ)	अनुदानों से अर्जित पुरानी सम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर अधिशेष	**1.20**	-
च)	विविध आय	**178.27**	132.25
	कुल	**999.82**	**1,022.61**

अनुसूची 12–निधियों से अन्तरण

(रु. लाखों में)

		2012-2013	2011-2012
	(उठाए गए व्यय की सीमा तक)		
1)	कृषि मंत्रालय से निधि और कृषि प्रबंध केन्द्र से अंशदान	**163.44**	128.78
2)	अध्यक्ष	**0.12**	18.65
3)	विभिन्न पूँजीगत अनुदान (मूल्यह्रास की सीमा तक)	**466.56**	345.71
4)	मूल्यह्रास निधि (परिसम्पत्तियों की बिक्री के कारण पुरांकित)	**30.52**	-
5)	पेंशन एवं सेवानिवृत्ति लाभ निधि (केवल ब्याज)	**959.23**	53.47
6)	कम्प्यूटर निधि	**100.21**	102.57
7)	नवाचार और ऊष्मायन केन्द्र	**0.16**	-
8)	प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम–एफ़पीएम के लिए भारत सरकार की तरफ से निधि (अ.जा./अ.ज.जा./सामान्य)	**65.78**	
	कुल	**1,786.02**	**649.18**

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**अजय पांडेय**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्रभारी निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 13 - स्थापना व्यय

(रु. लाखों में)

		2012-2013	2011-2012
क)	वेतन और मजदूरी	**2,514.43**	2,299.57
ख)	भत्ते और बोनस	**373.39**	26.59
ग)	भविष्य निधि में अंशदान	**60.78**	57.55
घ)	नयी पेंशन योजना में अंशदान	**77.00**	
ङ)	कर्मचारी कल्याण व्यय	**56.10**	53.81
च)	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभों पर व्यय #	**2,962.88**	3,405.62
	कुल (क)	**6,044.58**	**5,843.14**
छ)	अन्य स्थापना व्यय		
	1) कृषि प्रबंध केन्द्र (सीएमए)	**147.34**	113.70
	2) परामर्श परियोजनाएँ*	**34.09**	40.45
	3) अनुसंधान परियोजनाएँ*	**58.32**	69.00
	4) अध्यक्ष (संकाय एवं स्टाफ)	-	15.38
	5) केन्द्र गतिविधियाँ	**8.66**	7.78
	कुल (ख)	**248.41**	**246.31**
	कुल (क+ख)	**6,292.99**	**6,089.45**

*इन परियोजनाओं के लिए अस्थायी अनुसंधान/ परियोजना स्टाफ की नियुक्ति के लिए वेतन और संबंधित व्यय

#अनुसूची 19 की टिप्पणी 6.5 देखें ।

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**अजय पांडेय**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्रभारी निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 14– प्रशासनिक व्यय

(रु. लाखों में)

		2012-2013	2011-2012
क)	विद्युत प्रभार (शुद्ध)	**177.98**	169.66
ख)	कैम्पस मरम्मत और रखरखाव	**401.34**	319.59
ग)	फर्नीचर/ उपकरण मरम्मत एवं रखरखाव	**48.49**	50.86
घ)	यात्रा और वाहन व्यय	**63.81**	58.47
ङ)	कम्प्यूटर व्यय	**100.21**	102.57
च)	सुरक्षा व्यय	**138.98**	102.62
छ)	डाक व्यय, टेलिफोन और संचार शुल्क (शुद्ध)	**39.25**	38.76
ज)	कानूनी और व्यावसायिक शुल्क	**41.35**	29.84
झ)	बीमा	**11.42**	11.26
ञ)	विज्ञापन	**4.27**	6.97
ट)	नगरपालिका कर	**37.21**	37.18
ठ)	संस्थान द्वारा वहन किया गया सेवाकर	**125.69**	-
ड)	स्टाफ मैस व्यय	**16.39**	14.97
ढ)	वाहन संचालन एवं रखरखाव	**1.67**	1.01
ण)	मुद्रण और लेखन सामग्री (शुद्ध)	**11.63**	17.56
त)	लेखापरीक्षक पारिश्रमिक	**2.75**	2.10
थ)	विविध व्यय	**122.69**	96.79
द)	स्वर्ण जयंती समारोह	**5.56**	27.74
	कुल	**1,350.69**	**1,087.95**

अनुसूची 15–कार्यक्रमों / परियोजनाओं पर व्यय*

(रु. लाखों में)

		2012-2013	2011-2012
1)	परामर्श परियोजनाएँ	**2,001.03**	2,298.00
2)	अनुसंधान परियोजनाएँ	**86.58**	115.77
3)	प्रबंध विकास कार्यक्रम (एम.डी.पी.)	**840.68**	941.31
4)	कृषि प्रबंध केन्द्र के अन्य व्यय	**16.10**	15.08
5)	केन्द्र गतिविधियाँ	**12.62**	3.53
6)	अध्यक्ष	**0.12**	3.27
7)	आई.टी. आधुनिकीकरण	**0.45**	1.93
8)	संकाय एवं व्यावसायिक विकास व्यय	**43.01**	41.45
9)	अनुसंधान सहायता (नए संकाय)	**1.64**	-
	कुल	**3,002.23**	**3,420.34**

*वेतन और भत्तों पर किया गया व्यय शामिल नहीं है जिसे स्थापना व्यय में शामिल किया गया है। (अनुसूची-13)

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**अजय पांडेय**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्रभारी निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 16–दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों पर प्रत्यक्ष व्यय।

(रु. लाखों में)

			2012-2013		2011-2012
क)	**स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी)**				
	I	द्विवर्षीय - स्नातकोत्तर कार्यक्रम			
	1)	स्नातकोत्तर कार्यक्रम	**626.61**	579.46	
	2)	पीजीपी – कृषि व्यवसाय प्रबंध	**65.76**	**692.37**	56.93	636.39
	II	एक वर्षीय - स्नातकोत्तर कार्यक्रम			
	1)	पीजीपी –कार्यकारी		**597.58**		631.24
ख)		प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम (एफ़.पी.एम.)			
	1)	एफ़.पी.एम. व्यय		**81.13**		48.24
ग)		छात्रवृत्तियाँ और शिक्षावृत्तियाँ			
	1)	शैक्षिक छात्रवृत्ति	**97.39**	61.99	
	2)	आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियाँ	**697.23**	305.20	
	3)	एफ़.पी.एम. छात्रों को शिक्षावृत्ति	**423.48**	**1,218.10**	347.13	714.32
घ)		अन्य शैक्षणिकगतिविधियाँ			
	1)	पुस्तकालय सेवाएँ (पुस्तकों के अतिरिक्त)	**357.88**	331.94	
	2)	आईआईएमए बुलेटिन और वेबसाइट : सीडी रोम	**3.58**	**361.46**	7.68	339.62
		कुल		**2,950.64**		**2,369.81**

*आवंटित उपरिव्यय सम्मिलित नहीं हैं।

अनुसूची 17–निधियों से अंतरण

(रु. लाखों में)

		2012-2013	2011-2012
1)	बंदोबस्ती निधि (कॉर्पस) - राजस्व अधिशेष	**600.00**	814.50
2)	अनुसंधान प्रकाशन एवं महत्वपूर्ण क्षेत्र निधि	**689.00**	-
	कुल	**1,289.00**	**814.50**

हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित	हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**अजय पांडेय**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	प्रभारी निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)		

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 18 : महत्त्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखाकरण परम्परा

1.1 वित्तीय विवरण, जर्नलों एवं पत्रिकाओं को मंगाने तथा स्टाफ के विकास भत्ते को छोड़कर, ऐतिहासिक लागत परम्परा, और लेखाकरण की उपार्जन पद्धति के आधार पर तैयार किये गये हैं।

1.2 वित्तीय विवरण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए बृहत् रूप से निर्धारित प्रारूप के आधार पर तैयार किये गये हैं।

2. वस्तुसूची मूल्यांकन

भंडारों के स्टॉक एवं लेखन सामग्री का उनकी लागत पर मूल्यांकन किया गया है।

3. नियत परिसम्पत्तियाँ

नियत परिसम्पत्तियाँ, अधिग्रहण की लागत पर दर्शायी गई हैं जिनमें किराया, शुल्क और कर व अर्जन से सम्बन्धित आकस्मिक तथा प्रत्यक्ष व्यय सम्मिलित हैं। निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-परिचालनात्मक व्यय, पूंजीकृत परिसम्पत्तियाँ के मूल्य का एक अंग हैं।

दान के रूप में प्राप्त नियत परिसम्पत्तियों को, पूँजी निधि में संगत जमा द्वारा नियत मूल्य पर पूँजीकृत किया गया है।

4. मूल्यह्रास

4.1 भवनों पर मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है जबकि अन्य परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासित मूल्य पद्धति पर प्रदान किया गया है। मूल्यह्रास की दरें, मुख्य परिसर के भवनों को छोड़कर, आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों के अनुरूप हैं। भवनों के मामले में जहाँ आवासीय और गैर आवासीय भवनों के अलग आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं और भवनों का बड़ा भाग आवासीय प्रयोजन के लिए है, वहाँ आयकर अधिनियम द्वारा आवासीय भवनों के लिए नियत मूल्यह्रास की दर 5% लगाई गई हैं जबकि गैर आवासीय भवनों के लिए नियत दर 10% है।

4.2 परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, जहाँ मदवार वास्तविक लागत रु. 5000/- के बराबर या इससे कम है, वहाँ 100% की दर से उपलब्ध कराया गया है।

4.3 नियत परिसम्पत्तियों से संबंधित पूँजी अनुदानों/ निधियों (सरकारी और गैर सरकारी) को आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा परिसम्पत्तियों के उपयोगी जीवनकाल पर प्रणालीगत और तर्कसंगत आधार पर इन्हें आय और व्यय खाते में लिया गया है। अर्थात् दीर्घ अवधियों में पूँजीगत अनुदानों/ निधियों को उसी अनुपात में आय में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास लगाया गया है।

5. राजस्व मान्यता

आजीवन सदस्यता शुल्क, पूँजीगत प्राप्ति के रूप में माने गये हैं और कोष/पूँजीगत निधि के अंतर्गत दर्शाये गये हैं।

निवेशों पर ब्याज को उपार्जन का आधार पर माना गया है।

कार्यकारी अधिकारियों के स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजपी) की नामांकन फीस जिसे शैक्षणिक वर्ष की अवधि के हिसाब से लिया जाता है, इसे छोड़कर छात्रों से ली जाने वाली फीस को उपार्जन का आधार पर माना गया है।

6. निवेश पर ब्याज

संचित निधि के अलावा निवेश पर प्राप्त ब्याज को, आय और व्यय खाते में दर्शाया गया है।

निर्धारित के अलावा, बंदोबस्त और अन्य निधियों में किये गये निवेशों पर प्राप्त ब्याज को संबंधित निधि खाते में आवंटित किया गया है।

7. विदेशी मुद्रा लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किये गये लेन-देनों की गणना, लेन-देन की नियत तारीख को प्रचलित विनिमय दर पर की गई है।

8. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों की गणना, सरकारी विभागों से प्राप्त मंजूरी के आधार पर की गई है।

नियत परसम्पत्तियों के संबंध में अनुदान, पूँजी अनुदान के रूप में माने गये हैं और प्रायोजित निधि शीर्ष के अंतर्गत दर्शाये गये हैं।

नियत परिसम्पत्तियों के संबंध में अनुदानों को, आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा आय और व्यय के लेखे में परिसम्पत्तियों के उपयोगी जीवनकाल पर प्रणालीगत और तर्कसंगत आधार पर लिया गया है। अर्थात् पूँजीगत अनुदान को आय में उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास हुआ है।

9. निवेश

दीर्घ अवधि के निवेशों को लागत पर लगाया गया है।

निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किये गये प्रीमियम/ छूट को परिपक्वता तारीख तक यथानुपात अंतरित किया गया है।

10. सेवानिवृत्ति लाभ

संचित छुट्टी नकदीकरण लाभ, मृत्यु / सेवानिवृत्ति पर देय ग्रेच्युइटी और पेन्शन की गणना, बीमांकित मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार उपार्जन के आधार पर की गई है।

11. आकस्मिक देयताएँ

सभी ज्ञात देयताओं के लिए प्रावधान किया गया है। अगर कोई आकस्मिक देयताएँ हैं तो उन्हें लेखा में एक टिप्पणी के रूप में दर्शाया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 19 : लेखे के भाग स्वरूप टिप्पणियाँ

1. सरकारी अनुदान

(क) अन्य पिछड़े वर्ग के विस्तार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय -भारत सरकार का अनुदान

अन्य पिछड़े वर्ग के विस्तार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय- भारत सरकार के अनुदान का विवरण निम्नानुसार है:

(रु. लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	0	1,540.20
इस वर्ष के दौरान प्राप्त/प्राप्य अनुदान	91.37	1,827.88
पूँजी व्यय	91.37	3368.08
वर्ष के अंत में शेष	0	0

(ख) प्रबंध में फैलो कार्यक्रम के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय - भारत सरकार का अनुदान

प्रबंध में फैलो कार्यक्रम के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय- भारत सरकार के अनुदान का विवरण निम्नानुसार है:

(रु. लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	0	0
इस वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	100.96	0
व्यय	65.78	0
वर्ष के अंत में शेष	35.18	0

2. अनिष्पादित पूँजीगत अनुबंध

अनिष्पादित पूँजीगत अनुबंध (शुद्ध अग्रिम) शून्य है (पिछले वर्ष 471.08 लाख रुपये), जिसके लिए परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि में पर्याप्त निधि उपलब्ध है।

3. आकस्मिक देयताएँ

विवाद में सेवा कर की माँग 23.91 लाख रुपये (पिछले वर्ष 23.91 लाख रुपये) हैं।

4. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम

प्रबंधन की राय में, वर्तमान परिसम्पत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का, सामान्य कार्य व्यापार के दौरान वसूली पर मूल्य, कम-से-कम तुलनपत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर है।

5. कराधान

संस्थान ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23सी) (vi) के अधीन, आयकर मुख्य आयुक्त कार्यालय, अहमदाबाद के पत्र संख्या सीसी-iv/एबीडी/10 (23सी) सेल/10(23सी) (vi) आईआईएम/2010-11/ 1305 दिनांक 31.01.2011 के अनुसार आयकर से छूट प्राप्त कर ली है।

यह जब तक प्रभावी रहेगी तब तक किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा वापिस नहीं ली जाती है। इसे देखते हुए, आयकर के लिए कोई भी प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

6. अन्य मदें

6.1 कृषि प्रबंध केन्द्र (सी.एम.ए.) के 163.44 लाख रुपये के कुल व्यय में से (गत वर्ष 132.79 लाख रुपये) 158.05 लाख रुपये (गत वर्ष 122.39 लाख रुपये) की राशि कृषि मंत्रालय द्वारा दी गई निधि से और शेष 05.39 लाख रुपये (गत वर्ष 10.40 लाख रुपये) की राशि संस्थान की स्वयं की निधि (सी.एम.ए. कोष) से ली गई है।

6.2 स्त्रोत पर काटा गया कर :

(रु. लाखों में)

विवरण	2012-2013	2011-2012
क) ब्याज से आय	21.29	1.63
ख) नियोजन से आय	15.37	15.18
ग) एमडीपी/परामर्श	192.65	92.85
घ) अन्य आय	10.89	8.75

6.3 विदेशी मुद्रा में व्यय

(रु. लाखों में)

विवरण	2012–2013	2011–2012
क) विदेश यात्रा	117.98	181.46
ख) पुस्तकें और केस सामग्री	111.15	249.79
ग) अन्य	127.26	15.19

6.4 विदेशी मुद्रा में आय

(रु. लाखों में)

विवरण	2012–2013	2011–2012
क) परामर्शन एवं अनुसंधान परियोजना से आय	223.66	286.78
ख) नियोजन से आय	84.54	72.11
ग) फीस और अन्य आय	351.07	371.52

6.5 पेन्शन / सेवानिवृत्ति लाभ निधि पर ब्याज

अब तक, केवल सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान तक ही आय एवं व्यय खाते में पेन्शन निधि पर मिल रहा ब्याज हस्तांतरित किया जाता था। इस वर्तमान वर्ष के बाद से, सेवानिवृत्ति लाभ के लिए निवेश निर्धारित किया गया है, और उस पर उपार्जित ब्याज को आय एवं व्यय खाते में हस्तांतरित कर दिया गया है ताकि सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान / प्रावधान को पूरा किया जा सके।

तदनुसार, सेवानिवृत्ति लाभों के प्रति देयता की सीमा तक निवेशों को निर्धारित किया गया है और उन पर उपार्जित 959.23 लाख रुपए राशि का ब्याज (पिछले वर्ष यह ब्याज 53.47 लाख रुपए था) को कार्मिकों के सेवानिवृत्ति एवं सेवासमाप्ति लाभों पर हुए खर्च के सामने आय एवं व्यय लेखा में हस्तांतरित कर दिया गया है।

इसके कारण, इस वर्ष के लिए ब्याज आय एवं अधिशेष इसकी सीमा से अधिक हैं।

6.6 500/- रु. से कम की राशियाँ, जो पृथक रूप से दिखाई जानी चाहिए, वास्तविक रूप में कोष्टकों में दर्शायी गई हैं।

6.7 गत वर्ष की तद्नुरूप राशियों को, वर्तमान वर्ष की राशियों के साथ तुलना करने के लिए जहाँ कहीं आवश्यक था, पुनर्वर्गीकृत/ पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

हस्ताक्षरित **लक्ष्मणदेव बी. गोहिल** प्रबंधक (लेखा एवं अनुपालन)	**हस्ताक्षरित** **नीना बदलानी** समूह अध्यक्ष (वित्त एवं बजट)	**हस्ताक्षरित** **मनोज भट्ट** मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	**हस्ताक्षरित** **अजय पांडेय** प्रभारी निदेशक	**हस्ताक्षरित** **वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी /सी.ए. (व्यय)** लेखापरीक्षा मुख्य निदेशक कार्यालय (केन्द्रीय) लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा अहमदाबाद 380 009

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान

(रु. लाखों में)

	प्राप्तियाँ	2012-2013	2011-2012		भुगतान	2012-2013	2011-2012
1.1	**प्रारंभिक शेष**			**2.1**	**भुगतान के लिए नियत**		
1	प्राप्त नकद	0.48	0.25	1	स्थापना व्यय	4,198.64	3,387.78
2	बैंक शेष			2	प्रशासनिक व्यय	1,350.69	1,083.25
	- वर्तमान खातों में	612.29	519.20	3	दीर्घ अवधि के कार्यक्रम के व्यय	2,950.64	2,369.82
	- बचत खातों में	85.18	327.11			**8,499.97**	**6,840.85**
3	फ्रैंकिंग अग्रिम	1.46	1.89	**2.2**	**विभिन्न निधियों में किये गए भुगतान**		
		699.41	**848.45**	1	परियोजना/ कार्यक्रम	3,002.23	3,420.34
				2	शैक्षणिक क्रियाकलाप	160.58	182.80
1.2	**प्राप्त ब्याज**			3	छात्र अनुदान	53.58	46.30
1	निवेशों पर	3,389.77	2,511.05	4	संकाय एवं स्टाफ विकास निधि	55.62	42.83
2	बचत बैंक खाते पर	4.86	11.18	5	सीआईआई निधि	2.07	6.82
3	ऋणों, अग्रिमों आदि पर	11.67	7.00	6	अध्यक्ष निधि की धन वापसी ब्याज के साथ हुई	129.67	0.00
		3,406.30	**2,529.23**			**3,403.75**	**3,699.09**
1.3	**प्राप्त अनुदान**						
1	अन्य पिछड़ा वर्ग अनुदान	1,419.25	500.00	**2.3**	**निवेश (शुद्ध)**	**8,605.00**	**5,767.00**
2	टीडीबी मूल सहायता अनुदान	0.00	42.00				
3	एफ़पीएम कार्यक्रम के लिए निधि	100.96	0.00				
4	भारत सरकार द्वारा सीएमए निधि	155.00	150.00	**2.4**	**नियत परिसम्पत्तियों की खरीद**	**962.19**	**2,684.53**
		1,675.21	**692.00**				
1.4	**प्राप्त अन्य आय**			**2.5**	**वस्तुसूची में परिवर्तन**	**6.48**	**11.22**
1	शुल्क	7,969.03	7,690.30				
2	परियोजना/कार्यक्रम/सेवाएँ	4,608.24	5,255.21	**2.6**	**ऋण एवं अग्रिम**		
3	परिसम्पत्तियों की बिक्री	4.26	0.02	1	केन्द्रीय वेट	0.00	6.42

(रु. लाखों में)

	प्राप्तियाँ	2012-2013	2011-2012		भुगतान	2012-2013	2011-2012
4	दान	317.42	288.41	2	सांविधिक बकाया	71.96	41.78
5	विविध प्राप्तियाँ	998.62	1,017.91	3	प्राप्य टीडीएस	244.98	108.10
6	सीआईआई निधि से आय	14.31	2.00	4	ऋण एवं अग्रिम	121.29	191.24
7	कम्प्यूटर सेंटर प्राप्तियाँ	414.46	324.25			**438.23**	**347.54**
8	शैक्षणिक क्रियाकलापों से प्राप्ति	148.23	137.56				
9	छात्र सहायता निधि	70.56	56.06				
10	आईआईएम सोसाइटी सदस्यता शुल्क	7.50	0.00	**2.7**	**प्रतिभूति जमा**	**21.25**	**6.74**
11	अध्यक्ष निधि	41.16	15.35				
12	संकाय, अधिकारी और स्टाफ विकास एवं कल्याण निधि	49.47	62.30				
		14,643.26	**14,849.37**	**2.8**	**अंतिम शेष**		
1.5	**वर्तमान परिसम्पत्तियों में परिवर्तन**			1	प्राप्त नकद	0.25	0.48
1	सांविधिक बकाया राशि	78.45	71.96	2	बैंक शेष		
2	केन्द्रीय वेट	128.46	0.00		- वर्तमान खातों में	562.42	612.29
3	स्वीकृत जमा राशि	8.85	90.20		- बचत खातों में	282.29	85.18
		215.76	**162.16**	3	फ्रैंकिंग अग्रिम	0.19	1.46
						845.15	**699.41**
1.6	**वर्तमान देयताओं में परिवर्तन**						
	परियोजना/कार्यक्रम एवं अन्य देयताएँ	**2,142.08**	**975.17**				
	कुल	**22,782.02**	**20,056.38**		**कुल**	**22,782.02**	**20,056.38**

दिनांकः 30 जून, 2013

हस्ताक्षरित
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
प्रबंधक
(लेखा एवं अनुपालन)

हस्ताक्षरित
नीना बदलानी
समूह अध्यक्ष
(वित्त एवं बजट)

हस्ताक्षरित
मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

हस्ताक्षरित
अजय पांडेय
प्रभारी निदेशक

हस्ताक्षरित
वरिष्ठ लेखापरीक्षा
अधिकारी /सी.ए. (व्यय)
लेखापरीक्षा मुख्य निदेशक कार्यालय
(केन्द्रीय)
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा
अहमदाबाद 380 009

स्वर्ण पदक विजेता 1966 से 2013 तक

1966
- दिवान अरुण नंदा
- सी. के. प्रह्लाद
- लक्ष्मी प्रसाद वेपा

1967
- विजय भार्गव
- जयंत कुमार डे

1968
- जोह्न सायस केमिलस
- ग्रेम्मा कस्तूरी जयरामन
- बीजी के. कुरियन
- रवि वी. सारथी

1969
- पृथ्वी नाथ शेठ
- एम. जी. सुब्रामणियम
- वीरराघवन वी.
- वेणुगोपाल एस.

1970
- टी. के. बालाजी
- भरतकुमार जे. मेहता
- पॉल माम्पिल्ली
- अशोक केवलचन्द वोरा

1971
- हर किशन लाल अग्रवाल
- प्रदीप कुमार भार्गव
- अरुण पी. पांडे
- ऑड्री इग्नेशियस रेबेलो

1972
- वेनबक्कम एस. कृष्णन
- एस. रामकृष्णन
- एस. उमापति
- विजय सागर

1973
- सुदिप्तो भट्टाचार्य
- कृष्णास्वामी मोहन
- विलास के. रजवाड़े
- उत्पल सेन गुप्ता

1974
- राजीव बर्मन
- जनार्दनमोहन जी. राव
- रवि आर.
- एस. रविचन्द्रन

1975
- आर. बालगंगाधरन
- एस. बालासुब्रामणियन
- राज कुमार साह
- श्रीधर एस.

1976
- गौतम चक्रवर्ती
- श्रीकान्त पी. पांडे
- रीटा मोहन
- सुधर कृष्णमूर्ति

1977
- मनविन्दर सिंह बंगा
- लक्ष्मी चंद भंडारी
- हेमन्त शाह
- बी. रामास्वामी (एसपीए)

1978
- बी. अनन्तराम
- श्रीकान्त माधव दातार
- संदीप माथुर
- वसन्त प्रकाश गाँधी (एसपीए)

1979
- श्री के. चन्द्रशेखर
- मेहर करण सिंह
- विजय श्रीरंगन

1980
- संजय भार्गव
- विपुल प्रसाद जैन
- श्रीधर शेषाद्री

1981
- आलोक अग्रवाल
- राजीव कपूर
- विजय महाजन
- वी. एस. सीताराम

1982
- जगमोहन सिंह राजू
- शशि कान्त सचदेवा
- जयन्त राम वर्मा

1983
- प्रकाश मिरचन्दानी
- आशिष नन्दा
- रामकुमार एस.
- सुरेश मदान (एसपीए)

1984
- सुनील गुलाटी
- पप्पू जगदीश राव

1985
- हर्ष लाल
- कादम्बी पी. जनार्दन
- श्रीनाथ मुखर्जी

1986
- अनिल आहूजा
- राजीव आहूजा
- देविना मेहरा

1987
- हरीश आर. भाट
- वेंकटेश नरसियाह
- रघुराम जी. राजन

1988
- राजीव अग्रवाल
- संजय गुप्ता
- सौरभ गर्ग

1989
- आर. सुब्रामणियन
- के. आर. एस. जामवाल
- सचित जैन

1990
- विपिन गुप्ता
- मोनिष कुमार
- मिलिंद शहाणे

1991
- अग्रवाल विजय
- एस. नागराजन

1992
- चेतनकुमार बी. शाह
- संजीव छाबरा
- विवेक रस्तोगी

1993
- संजय कुमार जैन
- गौतम कुमरा
- रोहित चटर्जी

1994
- हृषिकेश बी. परान्देकर
- एस. रमेश
- आनंद संघी

1995
- आशुतोष पाढ़ी
- नितिन मल्हान
- संजय पुरोहित

1996
- समित ए. पारेख
- भुपेन्दर सिंह
- पूर्वा इन्दुरकर

1997
- राजीव ई. के.
- रजत भार्गव
- संदीप गुप्ता

1998
- सुमत राजपाल
- अविनाश अग्रवाल
- विपुल बंसल

1999
- अमित बोरडिया
- अनुपम मोर्टिन्स
- प्रशांत

2000
- प्रियंका अरोडा
- सुरेन्द्र कुमार जैन
- शिशिर आर. मांकड

2001
- कृष्णा वाय. एस. आर.
- भारद्वाज वी. टी.
- आनंद श्रीधरन

2002
- विकास गुप्ता
- मणिकन्दन नटराजन
- मोहित खुराना
- सुमन एन थॉमस (पीजीपी-एबीएम)

2003
- अमर मखीजा
- रामनाथ बालासुब्रामणियन
- नितिन दहिया
- रामप्रसाद बी. के. (पीजीपी-एबीएम)

2004
- मुकुंदन डी.
- जी. वी. रविशंकर
- के. एन. रामगणेश
- ध्रुद ज्योति बनर्जी (पीजीपी-एबीएम)

2005
- फिलिप टी. जेकब
- मनोज गुप्ता
- गौरव सहगल

2006
- कनिष सरीन
- विषय ग्रोवर
- अंकुर साबू
- अमित जानी (पीजीपी-एबीएम)

2007
- मयंक रावत
- सुमित कुमार
- बाला वामसी ततवर्ती
- जेम्स बीसोन (पीजीपीएक्स)

2008
- कपिल मोदी
- जी. अर्जुन
- प्रतीक जैन
- सहलीन गर्ग (पीजीपीएक्स)
- सैयद अली मुर्तज़ा रिज़वी (पीजीपी-पीएमपी)

2009
- गगनदीप सिंह
- अभिषेक वर्मा
- इशांत गोयल
- सौरी गुदलावालेत्ती (पीजीपीएक्स)
- राकेश रंजन (पीएमपी)

2010
- सम्राट अशोक लाल
- रोहन चौधरी
- हिमांशु शर्मा
- विनोद कुमार रामचन्द्रन (पीजीपीएक्स)
- संजीत कुमार पांडे (पीजीपी-पीएमपी)

2011
- श्री जयदीप शंकर जगन्नाथन
- श्री मयंक कुकरेजा
- श्री मोहित गर्ग
- श्री राहुल (पीजीपीएक्स)

2012
- श्री गौरव जगदीश सिंघल
- श्री नेहुल मल्होत्रा
- श्री आदित्य खंडेलिया
- श्री शिवराम रामाकृष्णन (पीजीपीएक्स)

2013
- निखिल अग्रवाल
- अनिकेत तलवाई
- सुमित सोमानी
- शशांक राठी (पीजीपी-एबीएम)
- आदित्य बंसल (पीजीपीएक्स)

दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथिगण

1966 श्री एम. सी. चागला
1967 डॉ. विक्रम साराभाई
1968 श्रीमती इन्दिरा गाँधी
1969 डॉ. करन सिंह
1970 श्री एल. के. झा
1971 श्री धर्म वीर
1972 श्री सी. सुब्रामणियम
1973 श्री डी.पी. धर
1974 प्रोफेसर नुरुल हसन
1975 श्री टी.ए. पाई
1976 डॉ. वी. एम. दंडेकर
1977 श्री एम.एस. स्वामीनाथन
1978 श्री एच. एम. पटेल
1979 श्री वी. जी. राजाध्यक्ष
1980 जस्टिस श्री एम. हिदायतुल्लाह
1981 श्री केशुब महिन्द्रा
1982 श्रीमती शारदा मुखर्जी
1983 श्री नानी पालखीवाला
1984 श्री पी.एल. टंडन
1985 श्री के. सी. पंत
1986 श्री हितेन भाया
1987 डॉ. राजा रमन्ना
1988 श्री वी. कुरियन
1989 श्री ए.एस. गांगुली
1990 श्री रुसी मोदी
1991 श्री सरुप सिंह
1992 श्री राजमोहन गाँधी
1993 श्री पी. वी. नरसिम्हा राव
1994 डॉ. मनमोहन सिंह
1995 श्री सेम पित्रोडा
1996 श्री ए. एम. एहमदी
1997 श्री अदी गोदरेज
1998 श्री विक्रम लाल
1999 श्री के. बी. दादीशेठ
2000 श्री आर. के. लक्ष्मण
2001 डॉ. देश देशपांडे
2002 श्री अज़ीम प्रेमजी
2003 डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
2004 डॉ. बिमल जालान
2005 श्री रघुराम राजन
2006 श्री एम. एस. बंगा
2007 श्री पी. चिदम्बरम्
2008 श्री मोंटेक सिंह अहलुवालिया
2009 श्री दीपक पारेख
2010 डॉ. सी. रंगराजन
2011 डॉ. मनमोहन सिंह
2012 श्री के. वी. कामथ
2013 श्री एल. एन. मित्तल